इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मानसून की विभीषिका से आखिर कैसे बचा जाए व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

आषाढ़ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा विक्रम संवत 2081

अमृत विचार

वर्ष -34, अंक -174, पृष्ठ -16+4, मूल्यः -5 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

लखनऊ, रविवार, 21 जुलाई 2024

आज का मौसम 38.0° अधिकतम तापमान | 28.0° न्यूनतम तापमान | आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे। | सूर्योदय 05 : 27 सूर्यास्त 19 : 02

तीन विपक्षी दल ओली के खिलाफ देंगे मत...16

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नीट-यूजी के नतीजे घोषित

- एनटीए ने बेवसाइट पर जारी किए परीक्षा परिणाम

नई दिल्ली, एजेंसी

एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नीट-यूजी के नतीजे शनिवार को शहरवार और केंद्रवार घोषित कर दिए। नतीजे अपनी आधिकारिक वेबसाइट एनटीए.एसी.इन पर जारी किए हैं।

नतीजों में विद्यार्थियों की पहचान उजागर नहीं की गई है। नीट-यूजी मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने 18 जुलाई को एनटीए को निर्देश दिया था कि वह नीट-यूजी के सभी विद्यार्थियों के नतीजे शनिवार को अपराह्न तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी करे।

571 शहरों में 4,750 केंद्रों पर हुई थी परीक्षा

नीट यूजी की परीक्षा 5 मई को देश के 571 शहरों में 4,750 केंद्रों पर हुई थी। इसमें 23 .33 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे। नीट-यूजी की परीक्षा 14 विदेशी केंद्रों पर भी आयोजित की गयी थी, जिसमें लगभग 1,563 उम्मीदवार पुनः परीक्षा के लिए उपस्थित हुए।

एनआईटी स्नातक और एमबीबीएस के दो छात्र गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले के सूत्रधारों में शामिल एनआईटी-जमशेदपुर से एक बी-टेक स्नातक और कथित तौर पर सॉल्वर के रूप में करने वाले एमबीबीएस के दो छात्रों को शनिवार को गिरफ्तार किया। एमबीबीएस के दोनों छात्रों को शनिवार को राजस्थान के भरतपुर के मेडिकल संस्थान से गिरफ्तार किया गया। एमबीबीएस के द्वितीय वर्ष के छात्र कुमार मंगलम बिश्नोई और प्रथम वर्ष के छात्र दीपेंद्र शर्मा पांच मई को झारखंड के हजारीबाग में मौजूद थे और इंजीनियर के साथ चुराये गए प्रश्नपत्र के लिए सॉल्वर के रूप में काम कर रहे थे।

जीव सृष्टि के लिए ग्लोबल वार्मिंग नया संकट : योगी

कहा, पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी

- मुख्यमंत्री ने लखनऊ, प्रयागराज व गोरखपुर में रोपा पौधा
- कुकरैल तट पर लगाया हरिशंकरी का पौधा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग जीव सृष्टि के लिए नया संकट है, इसलिए पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण बहुत जरूरी है। मुख्यमंत्री ने यह बात शनिवार को कुकरैल नदी तट पर 36.50 करोड़ पौधरोपण महाअभियान की शुरुआत करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने कुकरैल तट पर अकबर नगर में हरिशंकरी का पौधा लगाया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने प्रयागराज व गोरखपुर में भी पौधरोपण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग को लेकर पर्यावरणविद् बहुत चिंतित हैं। यह संकट मनुष्य के स्वार्थ ने पैदा किया है। इसे रोकने की जिम्मेदारी भी मनुष्यों की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पौधरोपण को लेकर आह्वान हर देशवासी के लिए मंत्र बनना चाहिए। हमें पौधों को लगाना, बचाना व इसके जरिए पर्यावरण को संरक्षित करना है। पहली बार जुलाई के पहले सप्ताह में ही बाढ़ की विभीषिका झेलने को मजबूर होना पड़ा। प्रदेश की 20 लाख से अधिक की आबादी प्रभावित है। नेपाल व उत्तराखंड की अतिवृष्टि के कारण ये बाढ़ के चपेट में आए। यह ग्लोबल वार्मिंग का दुष्प्रभाव है।

लखनऊ में कुकरैल नदी तट पर पौधरोपण महाअभियान की शुरुआत करते मुख्यमंत्री।

कुकरैल नदी को पाट दिया था भू-माफिया ने

मुख्यमंत्री ने कहा कि 50 वर्ष पहले कुकरैल नदी निकलते हुए गोमती में मिलती थी। 1984 के बाद भू-माफिया ने अपने स्वार्थ के लिए इसे पाटना शुरू किया, जिससे यह नदी, नाले में तब्दील हो गई। एक ओर नदी को मारा गया तो दूसरी तरफ इसको प्रदूषित भी किया गया। अब प्रदेश सरकार ने तय किया कि कुकरैल में नाइट सफारी बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले अकबर नगर के नाम पर यह प्रदूषण का माध्यम बना था, आज वहां राम के अनुज लक्ष्मण के नाम पर सौमित्र वन का गठन हुआ है।

यूपीएससी अध्यक्ष का इस्तीफा

पिछले साल अध्यक्ष बने थे मनोज सोनी, पांच साल का कार्यकाल था बाकी

नई दिल्ली, एजेंसी

यूपीएससी के अध्यक्ष मनोज सोनी ने निजी कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सोनी का कार्यकाल मई 2029 में समाप्त होना था। सूत्रों के मुताबिक सोनी के इस्तीफे का ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर का मामला सामने आने के बाद संघ लोक सेवा आयोग पर उठ रहे सवालों से कोई लेना-देना नहीं है।

यूपीएससी अध्यक्ष ने निजी कारणों का हवाला देते हुए एक पखवाड़े पहले ही इस्तीफा सौंप दिया था। जिसे अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है। प्रख्यात शिक्षाविद सोनी (59) ने 28 जून, 2017 को आयोग के सदस्य के रूप में पदभार संभाला था। उन्होंने 16 मई, 2023 को यूपीएससी अध्यक्ष के रूप में शपथ ली थी और उनका कार्यकाल 15 मई, 2029 को समाप्त होना था। यह घटनाक्रम इसलिए महत्व रखता है, क्योंकि यूपीएससी ने शुक्रवार को कहा था कि उसने परिवीक्षाधीन आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के खिलाफ कई कार्रवाई शुरू की हैं, जिनमें फर्जी पहचान दस्तावेज के जरिये सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने के अधिक मौके पाने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराना शामिल है। आयोग ने कदाचार के आरोपों की गहन जांच के बाद खेडकर के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया। उसने सिविल सेवा परीक्षा-2022 के लिए उनकी उम्मीदवारी रद करने और भविष्य की परीक्षाओं में शामिल होने से रोकने के लिए उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया। खेडकर द्वारा सत्ता और विशेषाधिकारों के कथित दुरुपयोग का मामला जब से सामने आया है, तब से सोशल मीडिया पर आईएएस और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों द्वारा फर्जी प्रमाण पत्रों के इस्तेमाल के दावों और प्रतिदावों की बाढ़ सी आ गई है।

- बोले- इसका पूजा खेडकर विवाद से संबंध नहीं

कांग्रेस बोली- प्रधानमंत्री दें जबाव, घोटालों और इस्तीफे के बीच क्या संबंध

नई दिल्ली। यूपीएससी के अध्यक्ष के इस्तीफे के बाद कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यूपीएससी से जुड़े विवाद पर स्पष्टीकरण देना चाहिए तथा सरकार को यह भी बताना चाहिए कि क्या इतने सारे घोटालों और इस्तीफे के बीच क्या संबंध है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सोनी के इस्तीफे को एक महीने तक छिपाकर क्यों रखा गया ? पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल किया कि एनटीए के प्रमुख प्रदीप कुमार जोशी क्यों बचे हुए हैं? यह स्पष्ट रूप से लग रहा था कि यूपीएससी के मौजूदा विवाद को देखते हुए सोनी को बाहर किया जाएगा। वहीं प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि यूपीएससी प्रक्रिया में गड़बड़ी की खबरें चौंकाने वाली हैं।

यूपीएससी में अध्यक्ष पद की नियुक्ति से पहले कुलपति के रूप में तीन कार्यकाल पूरे किए

यूपीएससी में अपनी नियुक्ति से पहले सोनी ने कुलपति के रूप में तीन कार्यकाल पूरे किए थे। उन्होंने एक अगस्त 2009 से 31 जुलाई 2015 तक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीएओयू), गुजरात के कुलपति के रूप में लगातार दो कार्यकाल और अप्रैल 2005 से अप्रैल 2008 तक बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय (एमएसयू) के कुलपति के रूप में एक कार्यकाल पूरा किया। एमएसयू में नियुक्त होने के दौरान सोनी भारत में किसी विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने थे।

बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए 120 करोड़

लखनऊ। प्रदेश के बाढ़ प्रभावित 40 जिलों में राहत के लिए 120 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, कुशीनगर, शाहजहांपुर, बाराबंकी, सीतापुर, गोंडा, बहराइच, सिद्धार्थनगर, बलिया, गोरखपुर, बरेली, आजमगढ़, हरदोई, अयोध्या, बदायूं, फर्रुखाबाद, बस्ती, देवरिया व उन्नाव को 5-5 करोड़ रुपये जारी किया गया है, जबकि महराजगंज, बिजनौर, गाजीपुर, मऊ, अम्बेडकरनगर, श्रावस्ती, संतकबीरनगर, पीलीभीत, सहारनपुर, शामली, अलीगढ़, हमीरपुर, गौतमबुद्धनगर, रामपुर, प्रयागराज, बुलंदशहर, मुरादाबाद, वाराणसी, लखनऊ व कासंगज को 1-1 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

अमरोहा में मालगाड़ी के 10 डिब्बे पलटे

- घटनास्थल पर पहुंचकर रेलवे के अधिकारियों ने जांच शुरू की

दिल्ली-लखनऊ रेल लाइन पर संचालन बाधित

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार : अमरोहा में रेलवे स्टेशन से आगे कल्याणपुरा फाटक के पास शनिवार शाम मालगाड़ी के 10 डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए। घटना के बाद दिल्ली-लखनऊ रेल लाइन पर 16 ट्रेनें का संचालन बाधित हो गया। सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर रेलवे के अधिकारियों ने जांच की।

सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि गोंडा कचहरी से गाजियाबाद जा रही मालगाड़ी शनिवर शाम 6:59 बजे अमरोहा रेलवे स्टेशन पहुंची। यहां से मालगाड़ी दिल्ली की ओर आगे बढ़ी तो अतरासी पुल से पहले मालगाड़ी बेपटरी हो गई। इस दौरान तेज धमाके की आवाज सुनकर स्थानीय लोग सहम गए। बताया गया कि दो डिब्बों में केमिकल भरा था, जबकि अन्य डिब्बे खाली थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि 500 मीटर दूर तक पटरी उखड़ गई है। इसके अलावा बिजली की ओवरहेड लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। प्रारंभिक जांच में घटना की वजह साफ नहीं हुई है।

अमरोहा में मालगाड़ी के पलटे पड़े डिब्बे। ● अमृत विचार

एक नजर

आगरा में 20.5 किग्रा चरस के साथ दो गिरफ्तार

लखनऊ। उप्र. एसटीएफ ने शनिवार को आगरा के ताजपुर थाना क्षेत्र से 20.5 किग्रा चरस के साथ दो नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि यह चरस बिहार के चंपारण के लिए जानी थी। इसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। दोनों के पास दो भारतीय सिम भी मिले हैं। अपर पुलिस अधीक्षक आगरा राकेश ने बताया कि चरस की सप्लाई की सूचना मिल रही थी, इस दौरान जांच शुरू की गई।

केंद्रीय विद्यालय को बम से उड़ा देने की धमकी

इंदौर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के परिसर में स्थित एक केंद्रीय विद्यालय को ईमेल पर विद्यालय भवन 15 अगस्त को बम से उड़ा देने की धमकी मिली है। पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) ने कहा कि सिमरोल थाने में प्राप्त शिकायत के मुताबिक पाकिस्तान की इंटर सर्विसेज इंटेलीजेंस (आईएसआई) नाम वाली एक आईडी से यह ईमेल विद्यालय के आधिकारिक ईमेल एड्रेस पर भेजा गया है।

जानबूझकर कम कैलोरी ले रहे हैं केजरीवाल : एलजी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आरोप लगाया है तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल उन्हें दी जा रही भोजन की चिकित्सकीय खुराक और दवाएं जानबूझकर नहीं ले रहे। उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को लिखे पत्र में केजरीवाल के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जेल अधीक्षक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री द्वारा जानबूझकर कम कैलोरी लिए जाने के कई उदाहरण हैं। वहीं आप ने उपराज्यपाल के पत्र की आलोचना की।

झोपड़ी पर पलटा डंपर दंपती व दो बेटों की मौत

- अयोध्या हाईवे पर बीबीडी विवि के सामने हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः अयोध्या हाईवे पर बीबीडी विश्वविद्यालय के सामने शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार डंपर डिवाइडर तोड़ते हुए झोपड़ी पर पलट गया। हादसे में आठ माह की गर्भवती पत्नी, पति व दो बच्चों की मौत हो गई। डंपर चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

इंस्पेक्टर अजय नारायण के मुताबिक, टाइल्स कारीगर उमेश (35) बाराबंकी के शाहकटरा जैदपुर देहात का निवासी था। वह बीबीडी विश्वविद्यालय के सामने फुटपाथ पर झोपड़ी में पत्नी नीलम (35), बेटे सनी (13), गोलू (4) और बेटी वैष्णवी (10) के साथ रहता था। रात करीब 2 बजे तेज रफ्तार मौंरग से भरा डंपर झोपड़पट्टी पर पलट गया। डंपर झोपड़ी को समेटते हुए सड़क किनारे 10 फीट गहरी खाईं में जा गिरा। उमेश, पत्नी और बच्चे नीचे दब गए। धमाका सुन भाई अमर सिंह समेत आसपास के लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने क्रेन से डंपर का पिछला हिस्सा उठाकर सभी को निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने उमेश, पत्नी नीलम, गोलू और सनी को मृत घोषित कर दिया।

गोंडा में मां के सामने बेटी से सामूहिक दुष्कर्म

बभनजोत, गोंडा। खोंडारे थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार की रात शौच के लिए गईं मां-बेटी को बाइक सवार दो युवकों ने दबोच लिया और मां के सामने ही बेटी से सामूहिक दुष्कर्म किया। मां ने विरोध किया तो उसकी बेरहमी से पिटाई की जिससे वह बेहोश हो गई। चीख सुनकर पिता ग्रामीणों के साथ पहुंचा और एक आरोपी को दबोच लिया जबकि दूसरा भाग निकला। पुलिस ने बाइक, जूते, पर्स और घड़ी बरामद की है। आरोपी दूसरे समुदाय के हैं और पीड़िता के गांव के ही रहने वाले हैं। पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर दोनों आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

संसद का मानसून सत्र कल से

12 अगस्त को सत्र समाप्त होने तक होंगी कुल 19 बैठकें, बजट 23 को

- नीट पेपरलीक और रेल सुरक्षा पर सरकार को घेरेगा विपक्ष
- जम्मू-कश्मीर के बजट के लिए की मंजूरी भी मिलने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होगा। इसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को केंद्रीय बजट पेश करेंगी। इस सत्र के दौरान विपक्ष नीट पेपरलीक और रेल सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त को समाप्त होगा। इस दौरान कुल 19 बैठकें होंगी।

सरकार की ओर से छह विधेयक पेश किए जाने की उम्मीद है, जिनमें 90 साल पुराने विमान अधिनियम को बदलने वाला विधेयक भी है। इस सत्र में जम्मू-कश्मीर के बजट के लिए संसद की मंजूरी भी मिलने की संभावना है। सीतारमण सोमवार को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश करेंगी। वह 23 जुलाई को आम बजट पेश करने वाली हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 21 जुलाई को संसद में राजनीतिक दलों के नेताओं की एक बैठक बुलाई है।

वंदे मातरम सहित अन्य नारे नहीं लगाने का अनुरोध

नई दिल्ली। सोमवार से संसद सत्र शुरू होने से पहले सांसदों को याद दिलाया गया है कि सभापति के निर्णयों की सदन के अंदर या बाहर सीधे तौर पर या परोक्ष तौर पर आलोचना नहीं की जानी चाहिए। साथ ही सदस्यों को वंदे मातरम, जय हिंद सहित अन्य नारे नहीं लगाने चाहिए। संसद सदस्यों को यह भी याद दिलाया गया कि सदन में तख्तियां लेकर प्रदर्शन करने की भी नियम अनुमति नहीं देते हैं। राज्यसभा सचिवालय ने राज्यसभा सदस्यों के लिए पुस्तिका के कुछ अंश को 15 जुलाई को अपने बुलेटिन में प्रकाशित कर संसदीय परंपराओं और संसदीय शिष्टाचार के प्रति सदस्यों का ध्यान आकृष्ट किया है।

पदक जीतने का सिलसिला जारी रखेंगे पहलवान : योगेश्वर

नई दिल्ली, एजेंसी

लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त को पूरा भरोसा है कि कुश्ती पेरिस ओलंपिक में भारत को एक बार फिर पदक दिलाएगी और अगर पहलवानों को पसंदीदा ड्रा मिला तो यह संख्या एक से अधिक हो सकती है। भारत का छह सदस्यीय कुश्ती दल पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेगा जहां उनकी स्पर्धा पांच अगस्त से शुरू होगी।

पुरुष वर्ग में केवल अमन सेहरावत (57 किग्रा) ही क्वालीफाई कर पाये, लेकिन महिलाओं ने छह में से पांच ओलंपिक भार वर्गों में क्वालीफाई करके दमदार प्रदर्शन किया। सूची में केवल 62 किग्रा में ही भारतीय महिला पहलवान नहीं है। भारत ने 2008 बीजिंग खेलों के बाद से कुश्ती में लगातार पदक जीते हैं जिसमें दिग्गज सुशील कुमार ने कांस्य पदक जीतकर शुरूआत की थी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के एक कार्यक्रम के इतर योगेश्वर दत्त ने कहा, बहुत कुछ ड्रा पर निर्भर करेगा। अगर भारत को अनुकूल ड्रा मिलता है तो मुझे तीन पदक की उम्मीद है। पिछले लगातार चार ओलंपिक में हमें कुश्ती से पदक मिले हैं। इसलिए मैं उम्मीद करता हूं कि लगातार पांचवीं बार कुश्ती देश के लिए पदक लेकर आये। मैं सभी पहलवानों को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे लगता है कि वे अच्छी तरह से तैयार हैं। हॉकी के बाद कुश्ती ने भारत को सबसे ज्यादा पदक दिलाए हैं। इसने सभी अन्य ओलंपिक खेलों की तुलना में सात पदक दिलाए हैं। इसमें कोई शक नहीं कि कुश्ती भारत के लिए नंबर एक व्यक्तिगत ओलंपिक खेल है।

पीसीबी का तीन खिलाड़ियों को एनओसी देने से इंकार

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने व्यस्त कार्यक्रम का हवाला देते हुए कनाडा में होने वाले ग्लोबल टी-20 टूर्नामेंट के लिए शाहीन शाह अफरीदी, बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने से इनकार कर दिया है। पीसीबी ने कहा कि उसने तीनों खिलाड़ियों और चयन समिति से परामर्श करने के बाद एनओसी नहीं जारी करने का फैसला किया है। इससे पहले पिछले सप्ताह पीसीबी नेद हंड्रेड खेलने के लिए नसीम शाह के एनओसी देने से इंकार कर दिया था। पीसीबी ने कहा, यह याद रखना चाहिए कि अगस्त 2024 और मार्च 2025 के बीच पाकिस्तान क्रिकेट टीम को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नौ टेस्ट, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी, 14 एकदिवसीय और नौ टी-20 खेलने हैं। तीनों क्रिकेटर तीनों प्रारूपों में खेलते हैं और पाकिस्तान को अगले आठ महीनों में उनकी सेवाओं की आवश्यकता होगी। पिछले वर्ष पीसीबी और खिलाड़ियों ने तीन साल के केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत उन्हें प्रति वर्ष दो विदेशी फ्रेंचाइज प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति है बशर्ते कि अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आपस में ना टकराए।

पिता की सलाह पर अपनाई कुश्ती : रीतिका

अपने कोच मनदीप के साथ रितिका हुड्डा। ● एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- कुश्ती में पदक लाने की है उम्मीद, बचपन में हैंडबॉल खिलाड़ी रहीं हैं रीतिका हुड्डा

पिता की सलाह पर कुश्ती को अपनाने वाली रीतिका हुड्डा महिला हैवीवेट (76 किग्रा) भार वर्ग में भारत की पहली ओलंपिक क्वालीफायर बनने के बाद अगले सप्ताह से पेरिस में शुरू हो रहे खेलों में पदक का दबाव लिए बिना अपनी तैयारियों को पुख्ता कर रही है। किस्मत पर भरोसा करने वाली रीतिका उन चीजों (कड़ी मेहनत) को पूरे जी-जान से करना चाहती है जो उनके हाथ में है।

रोहतक की 22 साल की इस पहलवान के लिए कुश्ती पहली पसंद नहीं थी। रीतिका बचपन में हैंडबॉल खेलती थी और यहां तक कि जूनियर राष्ट्रीय स्तर पर वह राज्य टीम में जगह बनाने में सफल रही। उन्होंने राज्य टीम में जगह बनाने की खुशी को जब अपने परिवार के साथ साझा किया तो उनके पिता ने उनसे टीम खेल के बजाय व्यक्तिगत खेल चुनने का सुझाव दिया। इसके बाद रीतिका की कुश्ती की यात्रा की शुरुआत 2015 में हुई। उन्होंने साक्षात्कार में कहा, मेरे पिता मुझे छोटू राम अखाड़े में ले गए। मेरे कोच मनदीप ने मुझे एक खास आक्रमण करने के लिए कहा और वह मेरे प्रदर्शन से खुश थे, इसलिए उन्होंने मुझे इसमें ले लिया। मेरे लिए अब कुश्ती ही सब कुछ है। मैं कुश्ती के बारे में सोचती हूं, उसी के सपने देखती हूं।

रीतिका की मां नीलम ने बताया उनके पिता जगबीर चाहते थे कि उनकी बेटी व्यक्तिगत खेल चुने। नीलम ने कहा उसे राज्य हैंडबॉल टीम के गोलकीपर के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए चुना था। उसने अपने चयन के बारे में बताया। उसके पिता ने पूछा कि क्या वह वास्तव में खेल को गंभीरता से लेना चाहती है और जब रीतिका ने हां में सिर हिलाया, तो उन्होंने कहा कि तुम्हें कोई व्यक्तिगत खेल खेलना चाहिए। नीलम ने कहा तब जगबीर ने रीतिका से उसका पसंदीदा खेल पूछा और उसने जूडो और कबड्डी का जिक्र किया लेकिन उसके पिता ने उसे कुश्ती खेलने का सुझाव दिया और वह मान गई। रीतिका को 15 अगस्त 2015 को अखाड़े में नामांकित किया गया था। रीतिका ने कहा, मैं पूरी मेहनत कर रही हूं।

खेल डायरी

एसओ भारत ने गोथिया कप फुटबॉल टूर्नामेंट जीता

नई दिल्ली। विशेष ओलंपिक भारत (एसओ भारत) फुटबॉल टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वीडन के गोटेनबर्ग में गोथिया कप चैंपियन बनी। यह प्रतियोगिता 14 से 18 जुलाई तक आयोजित की गई थी। टूर्नामेंट में पदार्पण करने वाली भारतीय टीम ने ग्रुप में अजेय रहते हुए ट्रॉफी अपने नाम की। बौद्धिक रूप से कम विकसित खिलाड़ियों की एसओ भारत ने एसओ फिनलैंड के खिलाफ अपना पहला ग्रुप मैच 3-0 से जीता और इसके बाद एसओ जर्मनी पर 6-0 की बड़ी जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने हांगकांग को 6-0 से हराया और फिर एसओ डेनमार्क के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। रोमांचक फाइनल में एसओ भारत ने एसओ डेनमार्क को 4-3 से मात दी। केरल के रहने वाले मुहम्मद शहीर ने टूर्नामेंट में सात गोल किये जो किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा गोल हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच बने मनोलो

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम एफसी गोवा के वर्तमान प्रभारी स्पेन के मनोलो मार्केज को शनिवार को भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह बर्खास्त इगोर स्टिमक की जगह लेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति की शनिवार को यहां हुई बैठक में 55 साल के मार्केज को शीर्ष पद के लिए नियुक्त किया। मार्केज वर्तमान में आईएसए मुंबई के खिलाड़ियों ने राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस में जीते 17 पदक टीम एफसी गोवा के मुख्य कोच हैं। एआईएफएफ ने कहा समिति ने दिन के पहले फैसले में सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के लिए नए मुख्य कोच की नियुक्ति पर विचार-विमर्श किया और तत्काल प्रभाव से इस पद के लिए मनोलो मार्केज का चयन किया। भारतीय टीम के 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने में असफल रहने के बाद स्टिमक को 17 जून को मुख्य कोच के पद से बर्खास्त कर दिया गया था।

मुंबई के खिलाड़ियों ने टेबल टेनिस में जीते 17 पदक

मुंबई। उपनगरीय टेबल टेनिस संघ (टीएसटीटीए) के मुंबई के खिलाड़ियों ने यहां महाराष्ट्र राज्य रैंकिंग टूर्नामेंट के शुरूआती चरण में सात स्वर्ण सहित 17 पदक अपनी झोली में डाले। चिन्मय सोमेया और रीथ रिष्या ने क्रमश: पुरुष और महिला एकल खिताब जीता जबकि शारवेया सामंत और आन्या चांदे ने लड़कों और लड़कियों के अंडर-19 एकल खिताब प्राप्त किए। अंडर-17 लड़कों के एकल वर्ग का खिताब ध्रुव शाह ने जीता। संघ के चार खिलाड़ियों ने महिलाओं के ड्रा में पदक जीते जिसमें रिष्या ने फाइनल में मधुरिका पाटकर को मात दी। सम्पदा भिवांडकर और मनुश्री पाटिल को सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। अंडर-19 बालिका फाइनल में आन्या चांदे ने साथी वैष्णवी जायसवाल को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

सुरक्षा हालात पर नजर रखे हुए है आईसीसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कहा है कि वह बांग्लादेश में सुरक्षा हालात पर नजर रखे हुए हैं जहां अक्टूबर में महिला टी-20 विश्व कप होना है। बांग्लादेश पुलिस ने सरकारी नौकरियों में कोटा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर छात्रों के प्रदर्शन के बाद हिंसा की घटनाओं को लेकर ढाका में कर्फ्यू लगा दिया है और सैन्यबल ने भी गश्त की है। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने बताया हम दुनिया भर में स्वतंत्री सुरक्षा समीक्षा करते हैं। बांग्लादेश में भी हालात पर नजर रखे हुए हैं। महिला टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम है जिसने छह बार खिताब जीता है। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने एक एक बार खिताब अपने नाम किया है।

बेटी की कमी खलेगी, पर पदक ज्यादा जरूरी : दीपिका

भारतीय तीरंदाज 19 माह की बेटी को घर छोड़कर देश का मान बढ़ाने को पहुंची पेरिस, बोलीं- मानसिक दबाव तो है

PARIS 2024 | ओलंपिक 5 दिन शेष

पेरिस (फ्रांस), एजेंसी

अगले सप्ताह शुरू हो रहे ओलंपिक में चुनौती पेश करने को तैयार दीपिका कुमारी को अपनी 19 महीने की बेटी की कमी यहां खल रही है लेकिन इस भारतीय तीरंदाज के लिए दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित खेल आयोजन में पदक के सपने को पूरा करने के सामने यह बहुत छोटा सा त्याग है। दीपिका चौथी बार ओलंपिक खेलों में हिस्सा ले रही है लेकिन उन्हें अब भी इन खेलों में अपने पहले पदक का इंतजार है। दीपिका को बेटी से दूर रहने की निराशा है लेकिन ओलंपिक पदक के सामने उन्हें इससे कोई शिकायत नहीं है।

दीपिका ने साक्षात्कार में कहा अपनी बेटी से दूर होने के दर्द को बयां करना मुश्किल है लेकिन यह उस चीज को हासिल करने के बारे में भी है जिसके लिए हम इतने वर्षों से लगातार मेहनत कर रहे हैं। दीपिका ओलंपिक की तैयारियों के लिए लगभग दो महीने तक बेटी से दूर रही। पेरिस के लिए उड़ान भरने से पहले पुणे के सेना खेल संस्थान में वह कुछ समय के लिए अपने पति तीरंदाज अतनु दास और अपनी बेटी के साथ रही। मुझे उसकी काफी कमी खलती है, लेकिन इसमें कुछ नहीं कर सकते है। दीपिका ने हालांकि हिम्मत नहीं हारी और कड़ी मेहनत के साथ पिछले साल गोवा में हुए राष्ट्रीय खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर वापसी की। उन्होंने इसके बाद कोरिया के दिग्गज कोच किम ह्युंग-टाक की देखरेख में अभ्यास करने का फैसला किया। तोक्यो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय करने वाली दीपिका ने पेरिस में कई यादगार परिणाम हासिल किए है।

पेरिस ओलंपिक 2024 में होने वाली स्पर्धाओं का कार्यक्रम

- **25 जुलाई :** महिला तीरंदाजी- अपराह्न एक बजे से, पुरुष वर्ग में शाम 4 .45 बजे।
- **26 जुलाई :** उद्घाटन समारोह रात 11 बजे से।
- **27 जुलाई :** नौकायन (पुरुष एकल), निशानेबाजी (एयर राइफल)- अपराह्न 12 .30 बजे से, बैडमिंटन (एकल महिला)- अपराह्न 12 .50 बजे से, टेनिस (पुरुष) टेबल टेनिस, मुक्केबाजी, पुरुष हॉकी- भारत और न्यूजीलैंड के बीच मैच।
- **28 जुलाई :** बैडमिंटन (महिला)- अपराह्न 12 बजे से, निशानेबाजी (एयर पिस्टल)- दोपहर 12 .45 बजे में, तीरंदाजी (महिला)- दोपहर एक बजे से, नौकायन (पुरुष एकल), टेबल टेनिस, मुक्केबाजी (50 किग्रा)- दोपाहर 3 .50 से, टेनिस।
- **29 जुलाई :** निशानेबाजी (एयर राइफल)- दोपहर 12 .30 से, 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम क्वालिफिकेशन अपराह्न 12 .45 बजे, 10 मीटर एयर राइफल महिला फाइनल (अपराह्न एक बजे), 10 मीटर एयर राइफल पुरुष फाइनल (अपराह्न 3 .30 बजे) तीरंदाजी (पुरुष) - दोपहर एक बजे से बैडमिंटन, हॉकी(भारत अर्जेंटीना)- शाम 4 .15 से, नौकायन (पुरुष एकल सेमीफाइनल), टेबल टेनिस राउंड 64 टेनिस, तैराकी।
- **30 जुलाई :** बैडमिंटन- अपराह्न 12 से, निशानेबाजी (ट्रैप)- अपराह्न एक बजे से, टेबल टेनिस, नौकायन, मुक्केबाजी (75 किग्रा)- अपराह्न तीन बजे से, घुड़सवारी, टेनिस, तीरंदाजी व्यक्तिगत, हॉकी (भारत आयरलैंड)- शाम 4 .45 से।
- **31 जुलाई :** बैडमिंटन- अपराह्न 12 से, निशानेबाजी (ट्रैप फाइनल)- अपराह्न 12 .30 बजे से, नौकायन, घुड़सवारी टेबल टेनिस- राउंड 16, मुक्केबाजी (75 किग्रा)- दोपहर 3 बजे से, तीरंदाजी राउंड 32- दोपहर 3 .30 बजे से, टेनिस सेमीफाइनल- दोपहर 3 .30 बजे से।
- **1 अगस्त :** 20 किमी रेस बॉक, बैडमिंटन अंतिम- 8 अपराह्न 12 बजे से, गोल्फ, तीरंदाजी, निशानेबाजी (50 मी राइफल)- दोपहर एक बजे से, हॉकी (भारत बेल्जियम)- दोपहर 1.30 बजे से, मुक्केबाज, टेबल टेनिस, टेनिस।
- **2 अगस्त :** बैडमिंटन- अपराह्न 12 बजे से, गोल्फ, नौकायन, निशानेबाजी (50 मी राइफाल)- दोपहर एक बजे से तीरंदाजी (मिश्रित)- दोपहर एक बजे से ,जुडो, टेबल टेनिस ,टेनिस, नौकायन, हॉकी (भारत ऑस्ट्रेलिया)- शाम 6,45 से, 5000 मीटर (महिला) गोला फेंक।
- **3 अगस्त :** बैडमिंटन (युगल)- अपराह्न 12 से, गोल्फ, नौकायन, निशानेबाजी, तीरंदाजी (महिला)- अपराह्न एक बजे से, नौकायन, टेबल टेनिस, मुक्केबाजी।
- **4 अगस्त :** बैडमिंटन (अंतिम-4)- अपराह्न 12 बजे से, गोल्फ, निशानेबाजी (स्कीट)- दोपहर 12 .30 बजे से तीरंदाजी, घुड़सवारी, हॉकी क्वार्टर फाइनल- अपराह्न 1 .30 बजे से, 3000 मीटर स्टीपलवेज (महिला),लंबी कूद- अपराह्न 2 .30 बजे से, मुक्केबाजी (अंतिम-8)- दोपहर 2 .30 बजे से, नौकायन।
- **5 अगस्त :** निशानेबाजी (25 मी पिस्टल)- अपराह्न एक बजे से बैडमिंटन- दोपहर 1 .15 से, टेबल टेनिस, नौकायन 400 मीटर (महिला), कुश्ती (68 किग्रा)- शाम 6 .30 बजे से, 3000 मीटर स्टीपल चेज (पुरुष)- रात 10 .35 बजे से 5000 मीटर महिलाएं।
- **6 अगस्त :** भाला फेंक रैंकिंग (पुरुष)- दोपहर 1 .50 बजे से, कुश्ती (50 किग्रा)- दोपहर 2 .30 बजे से, 400 मीटर नौकायन, टेबल टेनिस, हॉकी (सेमीफाइनल)- शाम 5 .30 बजे से, लंबी कूद- रात 11 .50 बजे से, मुक्केबाजी।
- **7 अगस्त :** पैदल चाल मिश्रित रिले- सुबह 11 बजे से, नौकायन, गोल्फ- सुबह 12 .30 बजे से, टेबल टेनिस, ऊंची कूद (पुरुष)100 मीटर हर्डल्स- दोपहर 1 .45 बजे से, भाला फेंक रैंकिंग (महिला), कुश्ती (महिला)- दोपहर 2 .30 बजे से ट्रिपल जंप (पुरुष), भारोत्तोलन (महिला)- रात 11 बजे से, 400 मीटर (महिला), 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल (पुरुष)- देर रात 1 .10 बजे से।
- **8 अगस्त :** गोला फेंक महिला, टेबल टेनिस- दोपहर 1 .30 बजे से, 100 मीटर हर्डल्स- दोपहर 2 .05 बजे से, कुश्ती (53 किग्रा)- सुबह 2 .30 बजे से हॉकी (गोल्ड मेडल)- शाम 5 .30 बजे से, भाला फेंक फाइनल (पुरुष)- रात 11 .55 बजे से, मुक्केबाजी।
- **9 अगस्त :** गोल्फ, टेबल टेनिस, 4गुणा400 रिले (महिला)- अपराह्न 2 .10 बजे से, 4गुणा400 रिले (पुरुष)- अपराह्न 2 .35 बजे से, कुश्ती (57 किग्रा)- अपराह्न 2 .30 बजे से, 100 मीटर हर्डल्स- अपराह्न 3 .35 बजे से, गोला फेंक (फाइनल), 400 मीटर रेस (महिला), ट्रिपल जंप फाइनल (पुरुष), मुक्केबाजी (50 किग्रा)- देर रात एक बजे से।
- **10 अगस्त :** गोल्फ, टेबल टेनिस (कांस्य पदक), गोल्फ फाइनल- अपराह्न 12 .30 से, कुश्ती (76 किग्रा)- अपराह्न तीन बजे से, ऊंची (पुरुष)- रात 10 .40 बजे में, भाला फेंक (महिला), 100 मीटर हर्डल्स- रात 11 .15 बजे से, 4 गुणा 400 रिले (पुरुष-महिला) का फाइनल- रात 12 .40 बजे से, मुक्केबाजी (57 किग्रा) देर रात एक बजे से।
- **11 अगस्त :** कुश्ती (76 किग्रा)- दोपहर 2 .30 बजे से शुरू होगा।

एक्रीडिटेशन नहीं मिलने पर भारत के तीरंदाजी कोच नाराज

पेरिस, एजेसी

पेरिस खेलों के लिए एक्रीडिटेशन नहीं मिलने से नाराज भारत के कोरियाई तीरंदाजी कोच बाएक वूंग की ने शनिवार को कहा कि 30 अगस्त को उनका अनुबंध खत्म हो जाएगा जिसके बाद वह इस पद पर जारी नहीं रहेंगे। साथ ही उन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के खराब प्रशासन की आलोचना की।

मार्सिले में भारतीय टीम की तैयारी की देखरेख के बाद फ्रांस की राजधानी पहुंचे वूंग की ने कहा कि उन्हें महत्वपूर्ण समय पर ओलंपिक कोचिंग की भूमिका से हटा दिया और अब वह वापसी की टिकट बुक किए जाने के बाद भारत लौटेंगे। 61 वर्षीय कोच ने कहा, मैं एक कोरियाई कोच हूं और मैंने पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय तीरंदाजों की तैयारी के लिए अनुबंध किया था, लेकिन ऐसे महत्वपूर्ण समय पर मुझे ओलंपिक कोचिंग की भूमिका से हटा दिया गया और मेरे उड़ान कार्यक्रम ने मुझे घर लौटने की जानकारी दी। वह पेरिस के एक होटल में ठहरे हुए हैं और ओलंपिक के लिए अपने 'एक्रीडिटेशन' (मान्यता कार्ड) का इंतजार कर रहे हैं। मेरा अनुबंध 30 अगस्त तक है और मैंने ओलंपिक के लिए ही इस करार पर हस्ताक्षर किये थे। वूंग की ने स्पष्ट करते हुए कहा कि वह अपने अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाएंगे।

तीरंदाजी और नौकायन टीम पेरिस खेल गांव पहुंची

पेरिस। पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के दल प्रमुख गगन नारंग ने शनिवार को सूचित किया कि तीरंदाजी और नौकायन दल खेल गांव पहुंच गई हैं और खिलाड़ी खेलों के इस महासमर में अपना अभियान शुरू करने के लिए उत्सुक हैं। तीरंदाजी और नौकायन दल ने पेरिस खेल गांव में प्रवेश किया और अपनी अंतिम तैयारियों में जुटी भारतीय पुरुष हॉकी टीम नीदरलैंड से आज खेल गांव पहुंचेगी। लंदन ओलंपिक 2012 के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज नारंग ने कहा मैंने भारतीय दल के लिए खेल गांव के अंदर इंतजामों का जायजा लिया। तीरंदाजी और नौकायन वहां पहुंचने वाली पहली भारतीय टीम थीं। खिलाड़ी धीरे-धीरे खेल गांव में सहज हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय खिलाड़ी काफी रोमांचित हैं और उत्साह से भरे हैं। चार बार के ओलंपियन नारंग ने कहा काफी उत्साह का माहौल है और खिलाड़ी भी स्पर्धाओं के एरीना में कुछ गेम टाइम चाहते हैं।

थाईलैंड ने मलेशिया को 22 रन से हराया

महिला एशिया कप

दांबुला, एजेंसी

नन्नाफट कोंचारवेंकै (40), फननीता माया (29) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत महिला एशिया कप टी-20 मुकाबले में शनिवार को थाईलैंड टीम ने मलेशिया को 22 रनों से हरा दिया है।

थाईलैंड की कप्तान थिपाचा पुट्ठावोंग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी थाईलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। नन्नाफत चाइहान (0), नत्ताया बूचाथम (18) रन बनाकर आउट हुई। थाईलैंड की महिला टीम ने नन्नाफट कोंचारवेंकै (40) और फननीता माया के (29) रनों की पारी की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 133 रन बनाए। नन्नाफट कोंचारवेंकै ने 35 गेदों में छह चौके लगाते हुए 40 रन बनाए। सुवानान खिआओतो (13) और रोसेनान कानोह (13) रन बनाकर नाबाद रही। मलेशिया की ओर से इस्माइल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। सौबिका मनिवन्नन, आइस्या अलीसा और विनिफ्रेंड दुरइसिंगम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। 134 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मलेशिया की वान जूलिया और कप्तान विनिफ्रेंड दुरइसिंगम की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 68 रनों की साझेदारी की। पहले विकेट के रूप में कप्तान दुरइसिंगम (22) रन बनाकर आउट हुई। कप्तान के आउट होने के बावजूद जूलिया ने एक छोर थामे रखा। उन्होंने 53 गेंदों में छह चौकों की मदद से 52 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। आखिरी आठ बल्लेबाजों ने मात्र 26 रन बनाये। तीन बल्लेबाज शून्य पर आउट हुई। मलेशिया की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 111 रन ही बना सकी और 22 रन से मुकाबला हार गई। थाईलैंड की ओर से ओत्रिच्छा कांचोंफू को दो विकेट मिले। चैंडा सुठिरुअंग , नत्ताया बूचाथम, थीपचा पुत्थावॉंग और सुलीपर्न लाओमी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

यूएई को हराकर सेमीफाइनल में जाना चाहेगी भारतीय टीम

दाम्बुला। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ जीत दर्ज करके महिला एशिया कप सेमीफाइनल में जगह पक्की करने उतरेगी। गत चैंपियन भारत ने शनिवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। यूएई को हरमनप्रीत कौर की टीम को हराने के लिये चमत्कारिक प्रदर्शन करना होगा। भारत के फिलहाल दो अंक और प्लस 2 .29 का नेट रनरेट है और अमीरात को हराने से उसके चार अंक हो जाएंगे। पाकिस्तान के खिलाफ दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर ने अच्छी गेंदबाजी की । टीम प्रबंधन को बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू शृंखला के जरिए वापसी की है। बांग्लादेश में भी हालात ऐसे ही होंगे लिहाजा हमें इस टूर्नामेंट से काफी मदद मिलेगी। दूसरे मैच में पाकिस्तान का सामना नेपाल से होगा। आज का मैच दोपहर दो बजे से शुरू होगा।

बॉलीवुड हलचल

फिल्म धुरंधर में नजर आएंगी यामी गौतम

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम फिल्म धुरंधर में काम करती नजर आ सकती हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि उरी द सर्जिकल स्ट्राइक फेम निर्देशक आदित्य धर एक फिल्म बना रहे है, जिसका नाम धुरंधर है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म के लिए आदित्य धर ने रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल से बात की है। अब इस लिस्ट में आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम का नाम भी जुड़ गया है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में यामी गौतम लीड रोल में नजर आने वाली हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह, पाकिस्तान में तैनात एक खुफिया ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। आदित्य धर फिल्म धुरंधर को जियो स्टूडियो के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म धुरंधर अगले साल यानी 2025 के सेकंड हाफ में रिलीज हो सकती है।

ड्यून प्रोफेसी से तब्बू का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू की आने वाली हॉलीवुड फिल्म ड्यून प्रोफेसी से उनका फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। लाइफ ऑफ पाई, ए सूटेबल ब्वॉय और द नेमसेक के बाद तब्बू इंटरनेशनल फिल्म ड्यून प्रोफेसी में नजर आने वाली हैं। वर्ष 2021 में ड्यून किताब पर आधारित ड्यून पार्ट 1 बनाई गई जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इसी साल मार्च में ड्यून पार्ट 2 प्रदर्शित हुई, जो सुपरहिट हुई। अब ड्यून का प्रीक्वल आ रहा है। कुछ समय पहले ही ड्यून के प्रीक्वल ड्यून प्रोफेसी का एलान हुआ था। इस सीरीज में तब्बू की अहम भूमिका होगी। ड्यून प्रोफेसी का दूसरा टीजर रिलीज हो गया है, जिसमें तब्बू का पहला लुक दिखाई दिया है। वह इस सीरीज में सिस्टर फ्रांसेस्का के किरदार में नजर आएंगी। उनकी यह सीरीज इसी साल नवंबर में रिलीज होगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharlucknow@gmail.com आर.एन.आई नं0-50986/1989 (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

सावन कल से, कंकड़-पत्थर वाले रास्तों से ही गुजरेंगे कांवड़िये

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः छोटी काशी के नाम से विख्यात नगर गोला गोकर्णनाथ में सावन महीने में दूरदराज से श्रद्धालु और कांवड़िए जल चढ़ाने आते हैं। महापर्व की तरह इस महीने में रोजाना लाखों श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। महीने पर पहले से सावन मेला की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने नगर पालिका परिषद में छह जुलाई को नगर की सड़कों को दुरुस्त करने का आदेश दिया था, लेकिन कल से सावन की शुरुआत है पर अभी तक न तो सड़कों के गड्ढे भरे जा सके हैं और न ही जल निकासी की व्यवस्था हो सकी है। यहां तक कि 24 घंटे बिजली आपूर्ति और विशेष सफाई जैसे आदेश भी धरातल पर पूरे नहीं हो सके हैं।

लोक निर्माण विभाग ने अलीगंज रोड पर अशोक चौराहे से सिनेमा चौराहा, छोटे चौराहे से भूतनाथ मंदिर जाने वाले मार्ग पर गड्ढों की पैचिंग करा दी है, लेकिन सबसे अधिक श्रद्धालुओं की आवक वाली स्टेशन रोड पर गहरे गड्ढे अब भी बने हुए हैं, जिनमें पानी भर जाने से दूर दराज के श्रद्धालुओं को गड्ढे का अहसास न होने पर दुर्घटना हो सकती है। नगर के लखीमपुर रोड से भूतनाथ मंदिर होते हुए त्रिलोक गिरि मंदिर जाने वाले मार्ग पर सड़क किनारे बंसल राइस मिल की पुलिया के पास बड़ा गड्ढा हो गया है। रात में तो कई बार लोग गिरते बचे है और रिक्शे पलटते हुए बचे हैं, लेकिन दिन में भी जरा सी लापरवाही से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। एक महीने से ज्यादा हो जाने के बावजूद भी विभागीय उदासीनता के चलते अभी तक इस और कोई ध्यान नहीं दिया गया है। कल सावन का पहला सोमवार है। लखीमपुर रोड से जलाभिषेक करने गोला आने वाले कांवड़ियों, श्रद्धालुओं के भूतनाथ मंदिर, त्रिलोक गिरि मंदिर और पौराणिक शिव मंदिर पहुंचने का यह प्रमुख मार्ग है। ऐसे में यहां पूरे सावन माह इस मार्ग पर काफी भीड़ रहती है। नागपंचमी पर यहां एक दिवसीय उत्तर भारत का सबसे बड़ा भूतनाथ मेला लगता है, जिसमे लाखों की भीड़ जुटती है। इस मार्ग से प्रतिदिन निकलने और सुबह की सैर पर जाने वाले शोभित सिंह, प्रदीप मिश्रा, सुरेश, श्रीप्रकाश सिंह, धीरज, पलक सिंह, राकेश वर्मा, शकील आदि ने शीघ्र ही गड्ढा दुरुस्त कराये जाने की मांग की है।

▸▸ जिलाधिकारी के आदेश के बाद भी न गड्ढे भरे, न जल निकासी की व्यवस्था हुई

भूतनाथ रोड के किनारे बना गहरा गड्ढा।

स्टेशन रोड पर गहरे गड्ढे। अमृत विचार

गोला में शिव मंदिर जाने वाली गली में भरा पानी। अमृत विचार

मामूली बारिश में ही भर जाता है मंदिर मार्ग पर पानी

अलीगंज रोड पर डॉ. आंबेडकर पार्क से चीनी मिल को जाने वाले डाइवर्जन मार्ग के जरिए श्रद्धालु मूनलाइट स्टूडियो के पास की गली से शिव मंदिर और गोकर्ण तीर्थ जाएंगे। मामूली बारिश में ही इस गली में पानी भर जाता है, जिसकी निकासी तक की व्यवस्था नहीं हो पाई है। इस तरह सावन में बरसात होने पर श्रद्धालु स्वच्छ शरीर से शिव मंदिर पहुंच सके यह मुमकिन नहीं दिख रहा है, क्योंकि पालिका प्रशासन ने बरसात के पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की है।

> भूतनाथ मार्ग पर बनी पुलिया वर्षों पुरानी है। लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण द्वारा पुलिया पर पड़ा पत्थर टूटा है। इस मार्ग पर बड़े वाहनों का आवागमन होता है। पत्थर टूटने की जानकारी हुई है। शीघ्र ही पत्थर डलवाया जाएगा।
>
> **-राजेश गिरि, एडवोकेट, ग्राम प्रधान गोला देहात।**

> लोक निर्माण विभाग द्वारा भूतनाथ मार्ग पर सड़क निर्माण के दौरान पत्थर टूट गया होगा। सावन मेला नजदीक है। एक दो दिन में ही पत्थर डलवाकर गड्ढा बंद करवा दिया जाएगा, ताकि किसी श्रद्धालु, मेलार्थी और राहगीर को कोई दिक्कत न हो।
>
> **-हनुमान प्रसाद मिश्र, खंड विकास अधिकारी गोला।**

सावन मेला की तैयारियों को डीएम और एसपी ने जांचा, सीसीटीवी लगे

कांवड़ मार्गों को दुरुस्त करने के दिए निर्देश, कहा- श्रद्धालुओं को न हो कोई दिक्कत

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः छोटी काशी के सावन मेला की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन जुट गया है। शनिवार को जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल, पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा और एडीएम संजय कुमार सिंह यहां पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने पार्किंग स्थल, कांवड़ यात्रा के मार्गों, रूट डायवर्जन और ट्रैफिक प्लान को समझा। इस दौरान सीसीटीवी लगाए जाने की भी व्यवस्था देखी। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू भी साथ रहे।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि छोटा काशी के नाम से विख्यात शिव मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं और कांवड़ियों को कोई दिक्कत न हो। ऐसी व्यवस्था की जा रही है। शासन-प्रशासन मार्गों की स्थिति और सुरक्षा के प्रति अति गंभीर है। डीएम-एसपी ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए सड़क/रूट डायवर्जन, ट्रैफिक प्लान, साफ सफाई सहित विभिन्न बिंदुओं के संबंध में जरूरी दिशा निर्देश दिए। डीएम ने पीडब्ल्यूडी एनएचएआई के अधिशासी अभियंता शुभ नारायण को कांवड़ियों, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सड़क मार्ग ठीक कराने को कहा। इस दौरान पालिकाध्यक्ष ने कावड़ मार्ग में पड़ने वाले रेलवे मार्ग को ठीक कराने के लिए डीएम का आभार जताया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम गोला विनोद गुप्ता, डीपीआरओ विशाल सिंह, सीओ सदर/गोला, विद्युत, अग्निशमन, पीडब्ल्यूडी, नगर निकाय के जिम्मेदार अधिकारी मौजूद रहे।

कांवड़ियों के रूट आदि पर चर्चा करते डीएम-एसपी। साथ में मौजूद पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू। अमृत विचार

काश, डीएम इन मार्गों को भी देखतीं

सावन मेला की तैयारियां देखने आए डीएम-एसपी को एसडीएम ने जिन मार्गों को दिखाया, उन रास्तों को ही देखकर अधिकारी लौट गए। जिन रास्तों पर निर्माण नहीं शुरू कराया गया, उधर डीएम-एसपी के अमले को नहीं ले जाया गया। लखीमपुर रोड से भूतनाथ मंदिर होते हुए त्रिलोक गिरि मंदिर जाने वाले मार्ग पर गड्ढे हैं, जबकि शिव मंदिर क्षेत्र के मुख्य रास्ते पर ही पानी भरा है, लेकिन इस ओर अधिकारियों को नहीं ले जाया गया। इस पर लोग यह चर्चा करते सुने गए कि काश डीएम उन मार्गों को देखतीं तो व्यवस्था की हकीकत सामने आ जाती।

सावन में बंद कराई जाएं मीट, मछली की दुकानें

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ। अमृत विचार : भारतीय बजरंग दल के पदाधिकारियों ने डीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर सावन भर मीट और मछली की दुकानें बंद कराने की मांग की है। डीएम के नाम एसडीएम अपर रत्नाकर मिश्र को पदाधिकारियों ने सौंपे ज्ञापन में मांग की है कि सावन भर छोटी काशी में मीट, मछली की दुकानें बंद कराई जाएं। कावड़ियों के सामने दुकानदारों की पहचान की समस्या खड़ी हो जाती है। इसलिये उनकी पहचान अंकित कराई जाए। मंदिर परिसर में गैर मुस्लिमों की दुकानों को चिन्हित कर उन्हें बंद कराया जाए, मानक से हटकर कैमिकल दूध और मिलावटी मिठाई पर कड़ी कार्यवाही की जाए। ज्ञापन देते समयं अशोक जोशी, अमित शाह, अनूप गुप्ता आदि शामिल रहे।

लखीमपुर में अपर एसडीएम को ज्ञापन देते बजरंग दल के पदाधिकारी।

कांवड़ यात्राः आज से एक माह रहेगा रूट डायवर्जन

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार। सावन का पहला सोमवार 22 जुलाई को है। छोटी काशी गोला आने-जाने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने ट्रैफिक प्लान लागू किया है। 20 अगस्त तक गोला नगर और आसपास के मार्गों पर भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। जिले के प्रमुख सात मार्गों से आने-जाने वाले वाहनों को छह रूटों से डायवर्ट कर निकाला जाएगा।

एसपी गणेश प्रसाद साहा ने बताया कि डायवर्जन मार्ग लखीमपुर की ओर से शाहजहांपुर की ओर जाने वाले वाहन मनिकापुर तिराहे से सिकंद्राबाद, गोमती मोड़ होते हुए मोहम्मदी, शाहजहांपुर की ओर जायेंगे। खुटार, पीलीभीत की तरफ जाने शाहजहांपुर, मोहम्मदी की तरफ से खुटार होते हुए जाएंगे। पीलीभीत की तरफ से लखीमपुर की तरफ आने वाले वाहन खुटार अलीगंज से लखीमपुर होते हुए निकलेंगे। बहराइच से पीलीभीत जाने वाले वाहन मनिकापुर तिराहे से सिकन्द्राबाद होते हुए गोला रोड से निकलेंगे। शाहजहांपुर, मोहम्मदी की ओर से खुटार, पीलीभीत की तरफ आने वाले वाहन गोमती मोड़, मोहम्मदी नया बाईपास चौराहा (पटेल चौराहा गोला) से खुटार, पीलीभीत, लखीमपुर की ओर जाएंगे। खुटार, पीलीभीत से लखीमपुर की ओर से आने वाले वाहन खुटार, मोहम्मदी नया बाईपास चौराहा (पटेल चौराहा गोला) से सिकन्द्राबाद रोड, मनिकापुर तिराहा होते हुए लखीमपुर की तरफ जाएंगे। अलीगंज से आने वाले वाहन नवीन मण्डी एफसीआई गोदाम तिराहा से भूतनाथ रोड होते हुए लखीमपुर की तरफ निकलेंगे। बहराइच से सिसैया, धौरहरा, ढखेरवा, निघासन, पलिया, मैलानी, खुटार होते हुए अपने गन्तव्य को जायेंगे। यह डायवर्जन प्लान शनिवार रात 11 बजे से लागू होगा। अन्य दिनों में पूर्व की तरह से संचालित होगा।

पार्किंग स्थल

- लखीमपुर की ओर से आने वाले वाहन पशु बाजार मैदान रिलायन्स पम्प के पास
- अलीगंज की ओर से आने वाले वाहन नवीन मण्डी समिति के अन्दर चीनी मिल ट्रक यार्ड के अन्दर
- खुटार की ओर से आने वाले वाहन कंजा मन्दिर के पास
- सावन माह में कांवड़ यात्रा को लेकर कस्बा गोला व आस-पास रोड पर
- सावन माह में कांवड़ यात्रा को देखते हुए गोला कस्बे से दूर अस्थायी बस अड्डा मोहम्मदी वाईपास स्थित अग्रवाल राइस मिल में बनाया गया है। जहां से रविवार व सोमवार को रोडवेज बसों का संचालन होगा।

सार-संक्षेप

गन्ने के खेत में फंदे से लटका मिला युवक का शव

संवाददाता, खमरिया खीरी। अमृत विचार : थाना खमरिया क्षेत्र के एक गांव में शनिवार को अज्ञात कारणों के चलते एक 18 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। गांव जेठरा निवासी अजय गौतम (18) पुत्र बालकराम का शव शनिवार को गांव के पूरब सोम गिरी के गन्ने के खेत में लगे आम के पेड़ से लटका देखे जाने से सनसनी फैल गई। सूचना पर तमाम ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंच गए। शव देखकर उनमें कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची खमरिया पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और परिवार वालों से जानकारी ली। मृतक के परिजनों ने बताया कि करीब 4 दिन पहले अजय देहरादून से मजदूरी कर वापस घर आया था। जबकि मृतक के माता-पिता वर्तमान समय में देहरादून में हैं और मजदूरी कर रहे हैं। मृतक अजय अपने दादा और दादी के साथ जेठरा अपने पैतृक घर पर रुका हुआ था। प्रभारी निरीक्षक मनबोध तिवारी ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर आदेश की कार्रवाई की जाएगी।

कई साल से फरार शातिर अपराधी समेत तीन गिरफ्तार

कोतवाली तिकुनिया में गिरफ्तार आरोपी।

संवाददाता, बेलरायां। अमृत विचार : कई सालों से पुलिस की पकड़ से दूर रहने वाले शातिर अपराध समेत तीन अपराधियों को बेलरायां चौकी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों के खिलाफ कोर्ट ने वारंट जारी किया था। बेलरायां चौकी प्रभारी अभिषेक कुमार यादव ने बताया कि मोहल्ला कुशाही निवासी कमाल अहमद, उसका भाई अफरोज और निसार अहमद को कुशाही बाजार से गिरफ्तार किया गया है। कमाल शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ लूट, चोरी, हत्या के प्रयास, सरकारी कार्य में बाधा समेत कई मामले दर्ज हैं। उसका भाई अफरोज कई साल से लापता चल रहे थे। निसार अहमद घर को छोड़कर भाग निकला था। उसे करीब 15 साल से पुलिस खोज रही थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों का चालान कर कोर्ट में पेश किया।

एसडीओ विनीत बहाल, गोला में हुए पोस्ट

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ। अमृत विचार : सावन भर बेहतर बिजली सप्लाई के लिए एसडीओ प्रथम रहे विनीत कुमार को बहाल कर पुन: गोला की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 17 जून को हैदराबाद थाना क्षेत्र में हेमपुर गांव के निकट बड़ी नहर पटरी पर एचटी लाइन की चपेट में आने से भाई-बहन और भांजे की मौत हो गई थी। मां और भांजी गंभीर झुलस गए थे। जिसमें लापरवाही मानते हुए विभाग ने अधिशासी अभियंता राजनरायण, एसडीओ प्रथम विनीत कुमार और अवर अभियंता अमृतलाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। अब एसडीओ विनोद कुमार की तैनाती हो जाने से नगरवासियों को उम्मीद जगी है कि भीषण गर्मी में सावन भर अच्छी बिजली की आपूर्ति होगी।

348 को स्मार्टफोन व नौ मेधावियों को मिले टैबलेट

मेधावी छात्रा को स्मार्ट फोन देती अतिरिक्त एसडीएम। अमृत विचार

संवाददाता, लखीमपुर खीरी। अमृत विचार : भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्मार्टफोन एवं टेबलेट वितरण कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि एसडीएम रेनू मिश्रा ने छात्राओं को स्मार्टफोन देकर जागरूक किया। इस मौके पर 348 छात्राओं को स्मार्टफोन औरा नौ को टेबलेट दिए गए। छात्रा ख़ुशी पूर्णिमा, प्रज्ञा ने ईश वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। वहीं हिंदी विभागध्यक्ष प्रोफेसर सुशीला देवी ने डिजि शक्ति योजना की जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. गीता शुक्ला सहित डिजि शक्ति प्रभारी शिवांगी सक्सेना, डॉ. रेखा पाण्डेय, अर्चना सिंह, डॉ. प्रीती सिंह, सविता शुक्ला, विमलेश, पूजा शुक्ला, डॉ. राखी चौहान, नैंसी गुप्ता सहित एनसीसी कैडेट्स व सहायक लिपिक अनूप शर्मा मौजूद रहे।

लखीमपुर खीरी के आरक्षी ने जीता स्वर्ण पदक

संवाददाता, लखीमपुर खीरी। अमृत विचार : उत्तर प्रदेश पुलिस की 29 वी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आर्म रेसलिंग (महिला/पुरुष) 16 जुलाई से 20 जुलाई तक 6 वी वाहिनी पीएसी मेरठ में आयोजित हुई, जिसमे 14 जोन मय पीएसी ने प्रतिभाग लिया। लखनऊ जोन की तरफ से जनपद खीरी में नियुक्त आरक्षी मुनेन्द्र लोधी ने प्रतिभाग किया। प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया।

भारी मात्रा में चिप्पड़ व गांजा बरामद, एक गिरफ्तार

संवाददाता, औरंगाबाद। अमृत विचार : औरंगाबाद कस्बे में मैगलगंज प्रभारी निरीक्षक ने पुलिस बल के साथ एक मकान पर छापा मारा और दो किलो 158 ग्राम गांजा व 01 किलो 322 ग्राम चिप्पड़ बरामद कर आरोपी रामसनेही को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी का चालान भेजा है।

सीसीटीवी की निगरानी में हुई परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

▸▸ कंपार्टमेंट परीक्षा में हाईस्कूल के 21 व इंटरमीडिएट के 11 छात्रों ने छोड़ी परीक्षा

अमृत विचारः माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की इंप्रूवमेंट व कंपार्टमेंट शनिवार को शांतिपूर्वक नकलवहीन संपन्न हुई। परीक्षा केंद्र धर्मसभा इंटर कॉलेज में हाईस्कूल की कंपार्टमेंट व इंप्रूवमेंट परीक्षा में 21 और इंटरमीडिएट की कंपार्टमेंट परीक्षा में 11 छात्र छात्राएं अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान डीआईओएस से लेकर सचल दल टीम कॉलेज में ही डेरा जमाए रही। वहीं डीआईओएस कार्यालय पर बने कंट्रोल रूम में मौजूद लोग परीक्षा कक्षों की सीसीटीवी से निगरानी करते रहे।

धर्मसभा इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर शनिवार को दोनों पालियों की परीक्षा शांति पूर्वक और निकलविहीन संपन्न हुई। परीक्षा में शामिल होने के लिए पहली पाली के परीक्षार्थी सुबह सात बजे ही कॉलेज गेट पर पहुंच गए है। हाईस्कूल की इंप्रूवमेंट परीक्षा में 151 छात्र और 32 छात्राएं पंजीकृत थी। इनमें से 133 छात्र और 29 छात्राएं ही परीक्षा में शामिल हुई। जबकि 18 छात्र व तीन छात्राएं अनुपस्थित रहीं। वहीं दूसरी पाली में हुई इंटरमीडिएट की परीक्षा में 196 छात्र और 242 छात्राएं पंजीकृत थी। इनमें से 190 छात्र और 237 छात्राएं ही परीक्षा में शामिल हुए। जबकि छह छात्र और पांच छात्राएं गैर हाजिर रहे।

इन विषयों की हुई परीक्षा

1. **हाईस्कूल-** गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, गृहविज्ञान, कामर्स व कला।
2. **इंटरमीडिएट-** अंग्रेजी, गणित, शिक्षा शास्त्र, नागरिक शास्त्र, इतिहास, हिंदी, अर्थशास्त्र, बहीखाता, माइक्रोबॉयलोजी, ग्रहविज्ञान, भूगोल, कंप्यूटर, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, कला ओलखन, भौतिक विज्ञान, संस्कृत, व्यवसायिक अध्ययन, उर्दू एवं रसायन विज्ञान।

> यूपी बोर्ड की इंप्रूवमेंट एव कंपार्टमेंट परीक्षा शनिवार को सकुशल संपन्न हुई। हाईस्कूल के नौ विषयों के पपेपर में 21 और इंटरमीडिएट के 20 विषयों की परीक्षा में 11 छात्र छात्राएं अनुपस्थित रहे।
>
> **-डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह, डीआईओएस**

सोती रही स्टाफ नर्स, दो नवजातों की मौत

संवाददाता, पसगवां

सीएचसी पसगवां

▸▸ लेबर रूम से हटाकर ओपीडी में तैनात की गई स्टाफ नर्स

▸▸ एसीएमओ ने मामले की जांच कर कार्रवाई का दिया आश्वासन

अमृत विचारः सीएचसी पसगवां में शुक्रवार की रात से लेकर शनिवार की सुबह तक दो नवजातों की मौत हो गई। परिजनों ने स्टाफ नर्स पर लापरवाही और प्रसव से पहले रुपये मांगने का आरोप लगाया। आरोप है कि रुपये नहीं दिए, इसलिए प्रसव में लापरवाही बरती गई।

गांव बरखेरियाजाट निवासी अर्पित सिंह प्रसव पीड़ा होने पर पत्नी खुशबू को लेकर सीएचसी पहुंचे। वहां पर उसे भर्ती करा दिया। बताते हैं कि रात आठ बजे खुशबू ने बेटे को जन्म दिया, जिसकी कुछ देर बाद ही मौत हो गई। उधर, गांव मुल्लापुर निवासी मुकेश ने पत्नी अर्चना को शुक्रवार रात में ही प्रसव के लिए भर्ती कराया। शनिवार सुबह अर्चना ने भी बेटे को जन्म दिया, जिसकी भी कुछ देर बाद मौत हो गई। बेटे की मौत से आहत मुकेश ने बताया कि प्रसव रूम में स्टाफ नर्स शिखा वर्मा की ड्यूटी थी। मुकेश का आरोप है कि स्टाफ नर्स ने दो हजार रुपए मांगे। जो न देने पर लापरवाही बरती गई। स्टाफ नर्स रात में सोती रही, जबकि पत्नी अर्चना प्रसव पीड़ा से तड़पती रही। बताते हैं कि प्रसव के लिए आई दोनो गर्भवतियों के बारे में सीएचसी अधीक्षक डॉ. अश्वनी वर्मा को जानकारी तक नहीं दी गई। मामले की शिकायत पर सीएमओ के निर्देश पर शनिवार को एसीएमओ डॉ. एसपी मिश्रा जांच के लिए सीएचसी पहुंचे। बताते हैं कि पूछताछ में एक अन्य स्टाफ नर्स अलीशा सेन पर भी पैसे मांगने का आरोप लगा है। वहीं, सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि सीएचसी स्तर पर भी टीम गठित कर जांच करवाएंगे।

वहीं, मुल्लापुर निवासी मुकेश बताते हैं कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व भी नवजात शिशु की मौत इसी सीएचसी पर हुई थी, उस समय भी स्टाफ नर्स शिखा ड्यूटी पर थी। मुकेश ने बताया कि इसी स्टाफ नर्स की ड्यूटी में गांव निवासी मुनेंद्र, पवन, मंजेश, मुकेश व सिद्धांत के शिशुओं की मौत हो चुकी है। हर बार परिजनों ने सीएचसी अधीक्षक को लापरवाही करने की सूचना दी, लेकिन कार्यवाही न होने से स्टाफ नर्स के हौसले बुलंद है।

> जिले स्तर से टीम गठित कर प्रकरण की जांच कराई जाएगी। इसके बाद कार्रवाई होगी। फिलहाल स्टाफ नर्स शिखा वर्मा को लेबर रूम की ड्यूटी से हटाकर ओपीडी में लगाया गया है।
>
> **-डॉ. एसपी मिश्र, एसीएमओ**

> सीएचसी पर यह घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। मामले की जांच के लिए दो डॉक्टरों की आंतरिक टीम गठित की गई है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी।
>
> **-डॉ. अश्वनी वर्मा, सीएचसी अधीक्षक**

अभाकिसं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पलिया कलां। अमृत विचारः अखिल भारतीय किसान महासभा के संयोजक कमलेश राय के नेतृत्व में तहसील पहुंचे कार्यकर्ताओं ने एसडीएम कार्तिकेय सिंह को एक ज्ञापन सौंपा। मांग की गई है कि सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की खराब हुई फसलों व गिरे हुए घरों का मुआवजा दिया जाय। सत्ता के संरक्षण में किए गए अवैध खनन को बंद करा नदी की धारा मोड़ने वालों को दंडित किया जाए। इसके अतिरिक्त कांप तथा सुरमा जैसे ग्रामों को पहुंचने हेतु मार्ग बनवाए जाने की भी मांग की गई है। इस दौरान हरीनाथ, राजू कश्यप, जसवंत चौहान, नंदराम, गुड्डू, रामनरेश, मोतीलाल, श्याम किशोर, महमूद आदि मौजूद रहे।

पौधरोपण : एक दिन में 96 लाख से ज्यादा पौधे रोपने का रिकॉर्ड

▸▸ वृक्ष प्रकृति के अनमोल रत्न, इनकी रक्षा हम सबका दायित्व : सहकारिता मंत्री

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः जिले में शनिवार सुबह पौधरोपण जन आंदोलन-2024 का आगाज हुआ। इस दौरान सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर की अगुवाई में नोडल अधिकारी व चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह की देखरेख, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देशन में पौधों का रोपण शुरू किया। जनपद मे 96 लाख 18 हजार 609 पौधे रोपने का रिकॉर्ड बना।

शहर से लेकर ग्रामीण अंचल तक पौधारोपण अभियान चलाया गया। तहसील सदर, ब्लॉक नकहा की बी-पैक्स लखपेड़ागंज में पौधरोपण कार्यक्रम का सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने शुभारंभ किया। इस दौरान सहकारिता मंत्री ने विधायक योगेश वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी गणेश प्रसाद साहा, डीसीबी अध्यक्ष विनीत मनार संग फलदार, छायादार, औषधीय पौध का रोपण किया। उधर, सहकारिता मंत्री अस्थाई गो आश्रय स्थल बेडनापुर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 10 लाभार्थियों को सहजन का पौधा प्रदान किया।

मंत्रोचार के साथ मंत्री ने किया हरिशंकरी पौध का रोपण : दक्षिण खीरी वन विभाग के तत्वावधान, डीएफओ संजय बिस्वाल की अगुवाई में अटकोहना में मंत्रोचार के बीच हरिसंकरी (पीपल, पाकड़, बरगद) का रोपण किया। हरिशंकरी स्थापना के पूर्व आचार्य अनूप मिश्रा ने वैदिक मंत्र पढ़कर पूरे विधि विधान से पौधों को विधिवत् पूजा अर्चना कर मंत्रोचारित किया।

पौधरोपण करते सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर। साथ में चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह व डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। अमृत विचार

मंत्री ने दिखाई पौध वितरण रथ को हरी झंडी

सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने विधायक योगेश वर्मा, जिलाध्यक्ष सुनील सिंह संग बी-पैक्स लखपेड़ागंज परिसर से "सहकारिता पौध वितरण रथ" को हरी झंडी दिखाकर रवाना। इस दौरान डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी गणेश प्रसाद साहा, डीएफओ संजय विश्वाल मौजूद रहे।

सलावतनगर में 1500 पेड़ लगाए गए

संसारपुर। ब्लॉक बांकेगंज की ग्राम पंचायत सलावत नगर के गांव कोरियानी में स्थित बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर मनरेगा पार्क में पौधे लगाए गए। खंड विकास अधिकारी ऋषिकांत अहिरवार पौधरोपण के बारे में बताया। ग्राम प्रधान राधेश्याम भार्गव ने बताया 3598 पेड़ लगाने का लक्ष्य है, जिसमें प्रथम दिवस 1500 पेड़ लगा दिए गए हैं। इस मौके पर रोजगार सेवक उदयभान, सचिव हरिलाल राणा, प्रधानाध्यापक इरफान खान, प्रेमचंद सिंह आदि मौजूद रहे।

पौधारोपण करते हुए।

एसएसबी के जवानों ने लगाए पौधे

संवददाता, संपूर्णानगर। अमृत विचार : 39वीं वाहनी गदनिया एसएसबी मिर्चिया के जवानों ने ग्रामीणों और स्कूली बच्चों के साथ पौधारोपड़ किया। निरीक्षक विनोद खोजा के नेतृत्व में ग्राम रानीनगर स्थित कम्पोजिट विद्यालय एवं पास ही स्थित राजकीय बालिका विद्यालय में पौधारोपण किया। इस मौके पर सौरभ वर्मा, सरिता यादव, गोविन्द कुमार, सुरजीत, हरजीत, पंचायत सचिव जितेंद्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक ने लगाए पौधे

संवाददाता, फरधान। अमृत विचार : गांव करनपुर निबहा स्थित संविलियन विद्यालय में चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह और ब्लाक प्रमुख दिव्या सिंह ने पौधरोपण किया। इस मौके पर बीडीओ ज्ञानेन्द्र सिंह, ग्राम प्रधान गीता देवी, शालिनी शर्मा, सुरेन्द्र सिंह, आनंद शुक्ला आदि मौजूद रहे। **मैलानी :** कस्बा निवासी समाजसेवी सुभाष गोयल एवं द्वारिका प्रसाद गोयल ने पलिया रोड पर पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ के तहत पौधारोपण करने का संदेश दिया।

छोटे ने बड़े भाई की लाठी-डंडों से पीटकर की हत्या

भाई की पत्नी को शराबी भाई की मारपीट से बचाने गया था बड़ा भाई, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया केस

संवाददाता उचौलिया

प्रेमपाल (फाइल फोटो)

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव हरिहरपुर बंजरिया के मजरा मड़ैया में शुक्रवार की देर रात छोटे भाई अमर लाल ने अपनी पत्नी के साथ बड़े भाई प्रेमपाल को लाठी, डंडों, ईंट पत्थरों से इतनी पीटा कि इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में बड़े भाई की मौत हो गई। उसका दोष सिर्फ इतना था कि छह भाइयों में सबसे छोटे भाई की पत्नी को शराबी भाई की मारपीट से बचाने चला गया।

गांव हरिहरपुर बंजरिया मजरा मडैय़ा निवासी अमर लाल शाहजहांपुर के रोजा में मजदूरी करता है। शुक्रवार की रात नौ बजे वह घर लौटा तो उस समय सबसे छोटे भाई अभिनंदन की पत्नी जयंती और अमर लाल की पत्नी सुमन देवी के मध्य किसी बात को लेकर कहासुनी हो रही थी। यह देख अमर लाल भड़क गया और वह आते ही जयंती को पीटने लगा। इस बीच प्रेमपाल बीच बचाव करने चला गया। उसके मना करने पर अमर लाल, उसकी पत्नी और बेटी ने मिलकर प्रेमपाल को लाठी डंडों से जमकर पीटा। घायल प्रेमपाल (55) को इलाज के लिए सीएचसी पसगवां ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। यूपी 112 पुलिस के पहुंचने से पहले घटना हो चुकी थी। मृतक के बेटे सुनील ने उचौलिया थाना पुलिस को हादसे की सूचना दी। जिसके बाद थानाध्यक्ष मनीष सिंह फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच की। पुलिस ने आरोपी अमर लाल और उसकी पत्नी सुमन देवी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

रिश्तेदारों ने बच्चों को शरण देने से खड़े किए हाथ

उचौलिया। आरोपी अमर लाल और पत्नी सुमन देवी के चार बच्चे हैं, जिनमें तीन छोटे हैं। इन तीनों की समुचित देखभाल और सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने उन्हें रिश्तेदारों को सौंपना चाहा, लेकिन घटनाक्रम को देखते हुए कोई उन्हें लेना नहीं चाहता है। रिश्तेदारों का कहना है कि बच्चों को उनके नाना के पास भेजा जाए।

6 भाइयों में दूसरे नंबर का था प्रेमपाल

उचौलिया। मृतक प्रेमपाल छह भाइयों में दूसरे नंबर पर था और मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। उसके चार शादीशुदा पुत्र हैं। सबसे बड़े भाई राम औतार, और रामकुमार यहीं रहकर मेहनत मजदूरी करते हैं, जबकि पूरन और अभिनंदन पंजाब में काम करने गये हैं। अभिनंदन की अनुपस्थिति में बड़े होकर सबसे छोटे भाई की पत्नी को मारना पीटना प्रेमपाल को रास नहीं आया और वह बचाने व समझाने चला गया, लेकिन नियति को कुछ और मंजूर था।

> मृतक प्रेमपाल के पुत्र सुनील की तहरीर पर हत्याकांड की रिपोर्ट दर्ज की गई है। किसी अन्य अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस को तैनात किया गया है। आरोपी के तीन बच्चे छोटे हैं। उनकी देखभाल के लिए उन्हें किसी की सुपुर्दगी में दिया जाएगा। दोनों आरोपी हिरासत में हैं। घटना को लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।
>
> –मनीष सिंह, प्रभारी निरीक्षक, उचौलिया

विद्या मंदिर में छात्र संसद और कन्या भारती का किया गठन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में नप निर्वाचित पदाधिकारी।

अमृत विचारः सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में छात्र संसद और कन्या भारती के चुनाव में आयुष वर्मा और अंशिका गुप्ता को प्रधानमंत्री चुना गया है।

कॉलेज में प्रधानाचार्य राजकुमार कनौजिया की देखरेख में चुनाव हुआ। जिसमें छात्र संसद के लिए आयुष वर्मा को प्रधानमंत्री और आयुष तिवारी को उप प्रधानमंत्री विजयी घोषित किया। कन्या भारती के चुनाव में प्रधानमंत्री के पद पर अंशिका गुप्ता और उप प्रधानमंत्री के पद पर श्रद्धा यादव को निर्वाचित घोषित की गईं। छात्र संसद प्रभारी आचार्य अभिषेक सिंह ने बताया कि इस चुनावों में प्रत्येक कक्षा से निर्वाचित छात्र सांसद छात्र, छात्राएं मतदान करते हैं। उम्मीदवारों को किसी सामयिक विषय पर बोलने के लिए आमंत्रित भी किया जाता है। विद्यालय प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष ईश्वरदीन वर्मा ने छात्र संसद और कन्या भारती के चुनावों में जीते छात्र, छात्राओं को शुभकामनाएं दी हैं।

▸▸ **आयुष वर्मा और अंशिका गुप्ता बनीं प्रधानमंत्री**

सार-संक्षेप

सीडीओ की दो टूक, विवादित जमीन पर न कराएं निर्माण कार्य

संवाददाता, मोहम्मदी। अमृत विचार : राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग व जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति द्वारा आइंसीं कार्यक्रम के तहत विकास खंड मोहम्मदी में पेयजल एवं स्वच्छता पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें स्वच्छता टीम के वाहन को ब्लॉक प्रमुख ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ब्लांक प्रमुख महेन्द्र कुमार बाजपेई ने कहा कि जल की बर्वादी रोकने के लिए सभी के सहयोग की जरूरत है। आने वाली पीढ़ी के लिए जल बचाना जरूरी है। खण्ड प्रेरक विनय पांडे ने पेयजल एवं स्वच्छता पर विस्तार से जानकारी देते हुए स्वच्छता टीमो का उत्साहवर्धन किया। राज्य प्रशिक्षक जनार्दन बाबू मिश्रा ने बताया कि डीएम के निर्देश पर जन जागरुकता टीमें ब्लाक क्षेत्र के हर राजस्व गावों में जाकर ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव एवं पंचायत सहायक के सहयोग से नुक्कड़ नाटक, टीशर्ट (जेजेएम लोगों सहित) व आईसी प्रचार सामग्री वितरण कर आमजन मानस को पेयजल एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करेगी।कार्यक्रम के बाद स्वच्छता टीमो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, ब्लांक कर्मी पारबती वर्मा, मनोज सिह, क्वार्डिनेटर दीपक शर्मा, आशीष, सोनू कुशवाहा, रीतेश विश्वकर्मा, सरवन सिह, अनिकेत मिश्र आदि मौजूद रहे।

गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक हुए ताजिये

ताजिए के जुलूस में शामिल लोग। अमृत विचार

संवाददाता, रोशननगर, खीरी। अमृत विचार : गांव रामपुर मदारी उमरपुर में लगने वाले ताजिया मेला से शनिवार को जुलूस निकालकर ताजिए सुपुर्दे खाक किए गए। सबसे बड़ा ताजिया औरंगाबाद, दूसरे पर चठिया और तीसरे पर मूड़ा निज़ाम का रहा। मेले में रामपुर मदारी, करौंदा, पिपरिया कप्तान, बसखेड़ा, चठिया, उमरपुर आदि अनेक गांवों के ताजिए कर्बला में एकत्र होते हैं, जहां पर भव्य मेला लगता है। इस मौके पर ताजियादार जावेद खान उर्फ रिंकल, शमीम खान उर्फ गुड्डू, रफीउल्ला खान, फिरोज खान, जावेद खान, शराफत खान, जकाउल्ला खां आदि मौजूद रहे। इस दौरान एएसपी नेपाल सिंह, एसडीएम डॉ. अवनीश कुमार, सीओ मोहम्मदी अरुण कुमार सिंह, मोहम्मदी कोतवाली प्रभारी चंद्रशेखर सिंह व चौकी प्रभारी हिमांशु आनंद सिंह आदि मुस्तैद रहे।

वियतनाम में सम्मानित किए गए डॉ. कौशल वर्मा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ। अमृत विचार : लखीमपुर खीरी और सीतापुर में डॉ. सोशल के नाम से विख्यात सनशाइन हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. कौशल वर्मा को वियतनाम के हो ची मिन्ह शहर में हेल्थ केयर एक्सीलेंस अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के कारण दिया गया है। उन्हें यह सम्मान भारत के काउंसिल जनरल, मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स और भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. मदन मोहन सेठी के हाथों प्रदान किया गया। डॉ. कौशल ने कहा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान उन्हें समाज के लिए और अधिक काम करने की प्रेरणा देते हैं।

एक वृक्ष मां के नाम पर हुआ पौधरोपण

गोला की बजाज चीनी मिल में पौधरोपण करते अधिकारी व कर्मचारी।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल परिसर और आसवनी में वृहद जन आन्दोलन के तहत एक वृक्ष मां के नाम पर यूनिट हेड जेएस जादौन, आसवनी के हेड सहदेव सिंह, कारखाना प्रबंधक आरके मिश्र, पीसी गुप्ता, रितेश दुबे, दीपक मिश्रा, जीएन सिंह, अरुण कुमार, गोपाल जायसवाल, मुन्ना राठौर आदि अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधरोपण किया।

सीजीएन पीजी कॉलेज में प्राचार्य प्रो.पंकज सिंह के निर्देश में नोडल अधिकारी डॉ. योगेश कनौजिया, राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोज कुमार सरोज एवं अमित कुमार यादव और स्काउट गाइड के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मंजू शुक्ला, सुनील गुप्ता तडॉ. अशोक कुमार, देवानंद, शैलेन्द्र, आदर्श पटेल ने एक एक आम, जामुन, नीम, शहजन, सेमल, नीबू आदि फलदार पौधों का रोपण किया। कृषक समाज इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य एपी सरोज की अध्यक्षता में 80 पौधे लगाए गए। लखपति भारती, अरविंद यादव, ओमप्रकाश यादव, देवेंद्र सिंह आदि रहे। विधायक अमन गिरि ने गुरु नानक कन्या डिग्री कॉलेज में महाविद्यालय परिवार के साथ प्रांगण में छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया। उन्होंने कि सम्पूर्ण विश्व ग्लोबल वार्मिंग एवं वायु प्रदूषण से त्रस्त है, जिसका मुख्य कारण पेड़ पौधों एवं वनों का नुकसान होने की वजह से हो रहा है। केके शुक्ल, हरीश भारती, सार्थक तोमर, सचिन सिंह सहित प्रबंधन, स्टाफ और छात्राएं मौजूद रही।

प्राचार्य ने मां से कराया पौधरोपण

लखीमपुर। अमृत विचार : पौधरोपण महाअभियान के तहत शनिवार को वाईडी कॉलेज के प्रोफेसर हेमंत पाल ने अपनी मां प्रेमा पाल से अभियान का शुभारंभ किया। प्राचार्य ने छात्र छात्राओं से एक–एक पौधा लगाने की अपील कर पीएम मोदी के एक पेड़ मां के नाम आंदोलन का साकार करने की प्रेरणा दी। चीफ प्राक्टर प्रोफेसर सुभाष चन्द्रा ने पौधों की सुरक्षा व देखभाल की शपथ दिलाई।

कॉलेज परिसर में मां के नाम पौधा लगाते प्राचार्य प्रोफेसर हेमंत पाल। अमृत विचार

पुत्री को कॉल कर कहा- नदी में डूबने जा रहा हूं

संवाददाता, खमरिया

▸▸ **सीतापुर जिले के थाना लहरपुर क्षेत्र का रहने वाला है बुजुर्ग**

▸▸ **ऐरा नदी पुल पर पहुंचे परिजन और पुलिस, नदी में कर रहे तलाश**

अमृत विचारः थाना खमरिया क्षेत्र के पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर बने ऐरा पुल से शारदा नदी में शनिवार की सुबह करीब 11 बजे एक 60 वर्षीय बुजुर्ग ने छलांग लगा दी। छलांग लगाने से पूर्व बुजुर्ग ने आत्महत्या करने की जानकारी दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोर नदी में उतारकर बुजुर्ग की तलाश करा रही है, लेकिन बहाव तेज होने के कारण अभी उसका कोई पता नहीं चल सका है।

थाना खमरिया क्षेत्र में शारदा नदी पर बने ऐरा पुल से शनिवार की सुबह करीब 11 बजे एक अज्ञात बुजुर्ग ने अज्ञात कारणों के चलते नदी में छलांग लगा दी। कुछ देर बाद पुल पर पहुंचे बुजुर्ग के पुत्र रामकिशुन ने बताया कि उनके पिता श्रीराम (60) पुत्र गयादीन ग्राम डंडपुरवा मजरा शेखनापुर थाना लहरपुर जिला सीतापुर के रहने वाले हैं। शनिवार की सुबह करीब 11 बजे पिता ने अपनी विवाहित पुत्री के फोन पर नदी में कूद कर आत्महत्या करने की बात कही। वह कुछ कहती। इससे पहले ही उन्होंने फोन काट दिया था। फोन पर सूचना मिलते ही पुत्री ने अपने भाइयों को सूचना दी। पुल पर पहुंचे परिजनों को सिर्फ पुल पर रखी श्रीराम की साइकिल, चप्पल, मोबाइल और शर्ट बरामद हुई। जिससे परिजन श्रीराम के नदी में डूबकर आत्महत्या करने की आशंका जता रहे है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मनबोध तिवारी मौके पर पहुंचे और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कर दी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश की जा रही है। एनडीआरएफ टीम के लिए एसडीएम धौरहरा को सूचना दी गई है।

प्रसूता की मौत के मामले में निजी अस्पताल के डॉक्टर के खिलाफ केस

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी। अमृत विचार : प्रसूता की मौत के मामले में शहर के उल्ल नदी पुल के निकट निर्माणाधीन निजी चिकित्सालय के डॉ. खालिद फंस गए हैं। जांच में आरोप सही मिलने पर सीएमओ के आदेश पर सदर कोतवाली पुलिस ने सीएचसी अधीक्षक फरधान की तरफ से आरोपी डॉ. खालिद के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीएचसी अधीक्षक फरधान डॉ. अमित बाजपेई ने बताया कि सदर कोतवाली के कस्बा महेवागंज के निकट उल्ल नदी पुल के पास एक निजी अस्पताल प्रतिष्ठान निर्माणाधीन है, जिसमें आशाओं के माध्यम से प्रसव पीड़िताओं के साथ ही अन्य मरीजों का भी इलाज कराया जा रहा है। 27 जनवरी 2024 को शिवपुरी निवासी संतोष की पत्नी गीता देवी को प्रसव पीड़ा होने पर उसे इसी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां पर ऑपरेशन के बाद मरीज की मृत्यु हो गई। इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से हुई। शिकायत की सीएमओ ने जांच के लिए 17 फरवरी को दो सदस्यीय समिति का गठन कर जांच कराई। जांच में आरोप सही पाए गए। इसके अलावा भी तमाम खामियां मिली। जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर सीएमओ ने आरोपी डॉ. खालिद के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए थे। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर खालिद के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वाहन की टक्कर से मानसिक रोगी की मौत

संवाददाता, भानपुर। अमृत विचार : लखीमपुर–भीरा मार्ग पर थाना भीरा क्षेत्र में इटकुटी व भवानीपुर के बीच एक अज्ञात वाहन ने 60 वर्षीय मानसिक रोगी को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है और शव की पहचान कराने की कोशिश में जुटी है।

जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी : अमृत विचार : सीडीओ अभिषेक कुमार ने शनिवार शाम विकास भवन सभागार में जल जीवन मिशन की समीक्षा कर संबंधितों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठक में अधिशाषी अभियंता ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत आवंटित गांव की संख्या 1547 है। इसके लिए दो सहायक अभियंता सहित 14 कनिष्ठ अभियंता लगाए गए हैं। सीडीओ ने कहा कि नलकूपों के साथ पानी की टंकी का निर्माण लक्ष्य के सापेक्ष जल्द पूरा कराएं। हर घर जल मिशन के तहत पानी के घरेलू कनेक्शन का लक्ष्य शत–प्रतिशत पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विवादित स्थान पर नलकूप व पानी की टंकी का निर्माण न कराएं। उस पर तभी निर्माण हो, जब एसडीएम से अनुमति मिल जाय। नवनिर्मित नलकूपों को सोलर से पॉवर सप्लाई दें। गांवों में पाइपलाइन डालने के बाद सड़क एवं नालियों की मरम्मत को प्राथिमकता दें। इसके लिए बीडीओ को स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए। अधिशाषी अभियंता निर्माण खण्ड, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता के अलावा एजेन्सी के अधिकारी आदि मौजूद रहे।

गुमशुदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.09.2021 को श्री हीरालाल पुत्र श्री छेदालाल निवासी ग्राम लक्ष्मणपुर, मजरा डाटपुर, थाना मैलानी, जनपद खीरी ने उपस्थिति थाना आकर लिखित सूचना दी कि उनका लड़का रोहित कुमार उम्र करीब 22 वर्ष दिनांक 25.09.2021 को प्रातः 6:00 बजे घर से मजदूरी करने के लिए साइकिल से कस्बा गोला कहकर गया था। जो वापस नहीं आया। काफी तलाश करने पर कोई पता नही चला। जिसके सम्बन्ध में थाना हाजा पर रपट संख्या 24 समय 11:28 बजे दिनांक 28.09.2021 पर गुमशुदगी अंकित की गयी है। अगर किसी थाना / चौकी पर गुमशुदा के बारे में कोई लाभप्रद सूचना प्राप्त है तो नीचे दिये गये मोबाइल नम्बर पर अवगत कराने की कृपा करें। हुलिया– आँख, नाक, कान, कद औसत, रंग गोरा, उम्र करीब 22 वर्ष पहनावा – हरे रंग की फुल आस्तीन की टी शर्ट व नीले रंग की जीन्स व पैरों में पीली रंग की हवाई चप्पल पहने है।

क्षेत्राधिकारी महोदय	राजेश कुमार	मोहित पुण्डीर
गोला–खीरी	प्रभारी निरीक्षक	चौकी प्रभारी–संसारपुर
मो0नं0–9454401486	थाना–मैलानी, खीरी	थाना–मैलानी, खीरी
	मो0नं0–9454403786	मो0नं0–7906521996

संदिग्ध हालात में बुजुर्ग की मौत

सिंगाही। अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव उमरा निवासी अर्जुन की शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह ग्राम प्रधान रामकुमार के घर पर रहता था। पुलिस के मुताबिक बुजुर्ग व्यक्ति गंभीर बीमारी से ग्रसित था। मृतक के परिवारीजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हल्का दरोगा हीरालाल रावत ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वृद्ध टीबी रोग से ग्रसित था। इसी के चलते उसकी मौत हुई है।

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL, BAREILLY
RMCH BAREILLY Excellence towards profession
STAFF REQUIRED
Computer Operators
Qualification: Graduation with good Computer Knowledge & good Typing Speed (Exp. Min. one year)
Salesman (For Medical Stores)
Qualification: Min. D.Pharma (Exp. Min. One year)
Receptionist-2
Qualification: Graduation with good Computer Knowledge good Typing Speed (Female Candidate)
PRO
Qualification: Graduation
Accountant
Qualification: B.Com., M.Com. Exp. 1 year
Salary No Bar for Deserving Candidates
How to apply : Mail your CV at hrrmch@gmail.com or hard copy to the address given below.
HR OFFICE, RMCH Hospital Building, Pilibhit Bypass Road, Bareilly
Contact : 9548624280

क्या ऑपरेशन ही एक मात्र समाधान है ?
SINCE 2006
जोड़ों का दर्द, गठिया, स्पॉन्डिलाइटिस में!
कहीं आप इन जटिल रोगों से परेशान तो नहीं? जोड़ो का दर्द, गठिया, स्पॉन्डिलाइटिस, रूमेटॉइड अर्थ राइटिस, स्लिपडिस्क, कमर दर्द, कंधे का दर्द/फ्रोजेन शोल्डर, स्याटिका, मांसपेशियों का दर्द, एड़ी का दर्द, वातरक्त (GOUT) इत्यादि।
दर्द की दवाइयाँ खाकर अपने शरीर को नुकसान न पहुंचाये – आयुर्वेद अपनायें
VACHAK वाचक आयुर्वेद®

आइए इसी संबंध में डॉक्टर ओम प्रकाश वर्मा जी से हुई बातचीत के कुछ अंश

प्रश्न 1: गठिया रोग की पहचान कैसे करें ?
उत्तर : गठिया रोग का सबसे प्रमुख लक्षण है जोड़ों में दर्द होना जब जोड़ों में दर्द व सूजन कुछ दिन या हफ्तों में ठीक ना हो और चलते फिरते या उठते बैठते दर्द होने लगे तो हमें चाहि, कि किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह लें

प्रश्न 2: डा0 कहते हैं कि आपके घुटनों का गिरीश सूख गया है तो यह गिरीश क्या होता है?
उत्तर : यहां एक गाढ़ा तरल पदार्थ है जिसे सायनोवियल फ्लुएड कहते हैं जो आपके जोड़ों को हिलने डुलने में मदद करता है और आपस में रगड़ खाने से रोकता है

प्रश्न 3: रूमेटोइड अर्थराइटिस क्या है?
उत्तर : यह एक ऑटोइम्यून डिजीज है जिसमें शरीर की इम्युनिटी स्वस्थ कोशिकाओं को ही नुकसान पहुंचाना शुरू कर देती हैं जो जोड़ों में दर्द सूजन और जकड़न का कारण बनती है इसे आयुर्वेद में आमवात के नाम से जाना जाता है

प्रश्न 4: क्या बिना ऑपरेशन के गठिया में आराम हो सकता है?
उत्तर : आयुर्वेद शास्त्र के अनुसार गठिया एक जटिल बीमारी है तथा इसमें ऑपरेशन नहीं बताया गया है यह वातव्याधि के अंतर्गत आता है जिसमें वात नाशक व रसायन औषधियों का प्रयोग किया जाता है जिससे जोड़ो में चिकनाहट बनना शुरू हो जाता है और जोड़ों का दर्द व सूजन कम हो जाने से मरीज को चलने फिरने में आराम हो जाता है

प्रश्न 5: क्या अत्यधिक पेन किलर खाना नुकसानदायक है?
उत्तर : हां अत्यधिक पेन किलर खाने से हमारे शरीर को नुकसान हो सकता है विशेषतया हमारे पेट व गुर्दे को नुकसान पहुंच सकता है

प्रश्न 6: डॉक्टर साहब बिना दर्द की दवा के मरीज को आराम कैसे मिलेगा?
उत्तर : जोड़ों में दर्द का मुख्य कारण जोड़ों के अंदर उपस्थित गिरीश का कम हो जाना जिससे हड्डियां आपस में रगड़ खाती है जिससे दर्द व सूजन की स्थिति पैदा होती है आयुर्वेदिक औषधियों में एंटीऑक्सीडेंट मल्टीविटामिन Antiinflammatory व रसायन गुण होते हैं जिससे जोड़ों में चिकनाहट उत्पन्न होती है इस कारण हड्डियां आपस में रगड़ कम खाती हैं जिससे दर्द व सूजन में आराम हो जाता है

प्रश्न 7: सवाल घुटनों के दर्द व गठिया में क्या क्या नहीं खाना चाहिए?
उत्तर : आयुर्वेद के अनुसार जोड़ों का दर्द व गठिया वात व्याधि के अंतर्गत आती है अतः वाद वर्धक आहार-विहार जैसे उड़द की दाल कटहल घुईया बैगन भिंडी राजमा मटर कद्दू वा देर रात तक जागना हानिकारक होता है

प्रश्न 8: गठिया रोग में क्या क्या खाना फायदेमंद होता है?
उत्तर : गठिया रोग में सूप सलाद हरी सब्जियां दूध मट्ठा पनीर अंजीर अखरोट पपीता अनार इत्यादि खाना फायदेमंद होता है

प्रश्न 9: डॉक्टर साहब गठिया से पीड़ित मरीजों को क्या सलाह देना चाहते हैं?
उत्तर : गठिया से पीड़ित मरीजों को नियमित रूप से तेल की मालिश सिकाई व एक्सरसाइज करना चाहिए तथा सीढ़ी ज्यादा ना चढ़े व नीचे ना बैठे तथा जल्द से जल्दआयुर्वेद विशेषज्ञ की सलाह लें जिससे आप की बीमारी आगे ना बढ़े

प्रश्न 10: अच्छा डॉक्टर साहब यदि कोई मरीज ऑपरेशन कराने के बाद भी उसे दर्द या तकलीफ रह जाती है तो क्या ऐसे मरीजों में भी आयुर्वेदिक दवाइयां लाभकारी होंगी?
उत्तर : हां बिल्कुल ऑपरेशन के बाद भी यदि मरीज को दर्द या तकलीफ रह जाती है तो आयुर्वेदिक दवाइयों से इलाज किया जा सकता है

डॉ. ओम प्रकाश वर्मा
MD (आयुर्वेद) आयुर्वेद स्पेशलिस्ट

पुरस्कार एवं सम्मान
- सन 2015 में प्रसिद्ध मीडिया हाउस के द्वारा इन्हें बेस्ट आयुर्वेदिक चिकित्सक के सम्मान से सम्मानित किया गया
- सन 2017 में माननीय यूपी कैबिनेट मिनिस्टर श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी जी ने मार्वल हेल्थ आइकॉन अवार्ड से सम्मानित किया
- सन 2017 में ही माननीय महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्री राम नाईक जी द्वारा पर्सनालिटी ऑफ इंडिया के सम्मान से सम्मानित किया गया
- श्री बी एस डी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा टी.बी. दिवस पर एक कार्यक्रम में डॉक्टर साहब को उनके योगदान हेतु सम्मानित किया गया
- चैनल न्यूज 18 यूपी /उत्तराखंड ने कार्यक्रम लाइफ लाइन में डॉक्टर ओम प्रकाश वर्मा को यूपी के हेल्थ मिनिस्टर माननीय श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह जी द्वारा सम्मानित किया गया
- संस्कृत संस्थान द्वारा मानव सेवा के कार्य में निशुल्क योगदान के लिए सम्मानित किया गया
- संस्था एक पहल द्वारा माननीय मेयर लखनऊ श्रीमती संयुक्ता भाटिया द्वारा यूपी आई कॉन अवार्ड से सम्मानित किया गया

Web : www.vachak.in
अपॉइन्टमेंट के लिए सम्पर्क करें –
7080239313
7570060266
आलमबाग
पताः शॉप नं0 206, तालकटोरा रोड, निकट आलमबाग चौराहा, लखनऊ नियर बृजवासी बेकरी
परामर्श समय– सुबह 10:00 से 02:00 तक
मुंशीपुलिया
पताः 638/010 फरीदीनगर पिकनिक स्पॉट रोड, मुंशीपुलिया, लखनऊ नियर साहू पैलेस
परामर्श समय– सायं 06:00 से 09:00 तक
रविवार सायं अवकाश

डेस्टिनेशन उत्तराखंड

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना

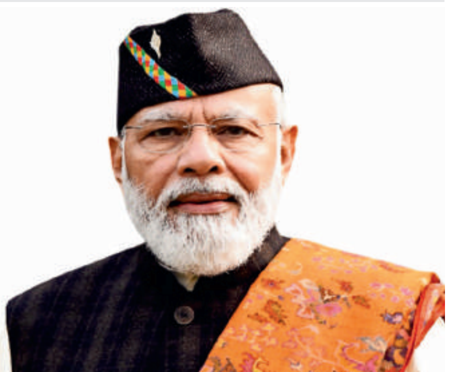

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरू की गई हैं। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखंड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

"माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य स्थायी नीतियों और रणनीतिक पहलों के माध्यम से राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे में सुधार करना और नागरिकों की जीवन गुणवत्ता को बेहतर करना है। हम उत्तराखंड को प्रगति का एक ऐसा मॉडल बनाना चाहते हैं, जहां परंपरा नवाचार से मिलती है। हर व्यक्ति राज्य की समृद्धि व कल्याण में अपना अपार योगदान दे सकता है।"

-पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

"मैं उत्तराखंड सरकार को पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूं। यह पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन और इस पर ध्यान देने से ही संभव हुआ है। साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित करता है। अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और पर्यटन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने न केवल यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है, बल्कि वैश्विक मंच पर राज्य ने अपनी क्षमता को प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के लिए राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में इसकी निरंतर सफलता की आशा करता हूं।"

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

हाउस ऑफ हिमालयाज से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही मजबूती

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में आयोजित हुए जीआईएस-2023 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड के उत्पाद भेंट किए

हिमालय की गोद में बसा उत्तराखंड प्राकृतिक दृश्यों के साथ जैविक और पारंपरिक रूप से तैयार किए गए उत्पादों के समृद्ध भंडारण के लिए जाना जाता है। इन उत्पादों को लोगों तक पहुंचाने व ग्रामीण आजीविका को मजबूत करते हुए उत्तराखंड सरकार विभिन्न योजनाओं को चला रही है।

8 दिसंबर, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य छोटे-छोटे ब्रांडों और उत्पादों को मजबूती देकर ब्रांड के रूप में पहचान दिलाना था। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' का उद्देश्य अनूठे उत्पादों के लिए व्यावसायिक अवसरों को पहचानकर बाजार तक पहुंच बनाना है, जिसमें स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), शिल्पकारों, व्यक्तिगत उद्यमियों और समुदाय-आधारित समाजों द्वारा बनाए गए उत्पाद शामिल हैं। राज्य में जैविक उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला मौजूद है, जो पोषण से भरपूर होने के साथ पूरी तरह से रसायन मुक्त है। इसके साथ कुछ निजी कंपनियों के मौजूद होने के बाद भी अधिकांश उत्पाद उपभोक्ता तक अपनी पहुंच नहीं बना सके हैं। ऐसे में, हाउस ऑफ हिमालयाज इन उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करके इस कमी को पूरा कर रहा है। इन उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता प्रदान करने के लिए विशेषज्ञों से व्यावसायिक मार्गदर्शन लेने के साथ ही प्रभावी विपणन रणनीतियां भी अपनाई जा रही हैं।

हाउस ऑफ हिमालयाज इसलिए है खास

बेहतर गुणवत्ता: हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद बेहद खास हैं, जो अपनी बेजोड़ गुणवत्ता और बेहतर कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। यह बातें उन्हें बड़े पैमाने पर उत्पादन होने वाले दूसरे उत्पादों से विशिष्ट बनाती हैं।

प्रामाणिकता का आश्वासन: पारंपरिक तरीकों और प्रामाणिक अनुभवों को केंद्र में रखते हुए इस पहल के अंतर्गत बनाए जा रहे उत्पाद उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरने के बाद ही ग्राहकों तक भेजे जाते हैं। इन उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की पुष्टि करने के लिए इन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाता है।

सामुदायिक प्रतिबद्धता: हाउस ऑफ हिमालयाज को चुनने का मतलब है, सार्थक सामाजिक पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का समर्थन करना। इसके हर उत्पाद की खरीद के साथ आप सामाजिक रूप से योगदान दे सकते हैं।

ओपन सोर्सिंग: इस पहल के अंतर्गत सामग्री और उत्पादन प्रक्रियाओं को चुनते समय पूर्ण पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि उपभोक्ता का भरोसा बनाए रखा जा सके।

नैतिकता को प्राथमिकता: स्थायी सोर्सिंग और बेहतर उत्पादन के तरीके अपनाने के साथ यह ब्रांड उन तरीकों को अपनाता है, जिसकी नैतिक तौर पर सराहना की जाती है।

बेहतर ब्रांड अनुभव: उत्पाद की पूरी जानकारी, छोटी से छोटी बारीकी का ध्यान और बेहतर उत्पाद को शामिल करके यह ब्रांड ग्राहकों को एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है, जो हर उपभोक्ता के लिए यादगार अनुभव साबित होता है।

पीएम मोदी ने किया लॉन्च

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की लॉन्चिंग उत्तराखंड की आर्थिक स्वायत्तता और ग्रामीण उन्नति की यात्रा में मील का पत्थर है। उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री ने राज्य के उत्पादों की गुणवत्ता के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने को बढ़ावा देने वाली ब्रांड क्षमता पर जोर दिया। यह पहल 'वोकल फॉर लोकल, लोकल टू ग्लोबल' के उनके विजन के अनुरूप है, जो स्थानीय उत्पादों के वैश्विक प्रचार को बढ़ावा देता है। उत्तराखंड के जैविक और पारंपरिक उत्पादों की अहमियत को समझते हुए प्रधानमंत्री ने ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और स्थायी आजीविका के निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर किया लॉन्च

5 जुलाई, 2024 को राज्य के उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के लिए एक और उल्लेखनीय कदम उठाया गया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अमेजन इंडिया के साथ मिलकर ई-कॉमर्स दिग्गज के प्लेटफॉर्म पर हाउस ऑफ हिमालयाज की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य राज्य के उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों तक उपलब्ध कराना है। सचिवालय में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्थानीय उत्पाद खरीदे, जो राज्य की अपनी खुद की जरूरतों को पूरा करने की निष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हाउस ऑफ हिमालयाज का प्राथमिक उद्देश्य उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है। इन उत्पादों का अधिकांश प्रसंस्करण और उत्पादन स्वयं सहायता समूहों द्वारा किया जाता है, जिससे महिलाओं और ग्रामीण समुदायों की आजीविका बेहतर हो रही है। ग्रामीण विकास सचिव राधिका झा ने हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पादों के बारे में बताते हुए कहा कि यह जीआई-टैग वाले उत्पाद हैं, जिनमें जैविक खाद्य का इस्तेमाल किया जाता है। इनमें से हर एक उत्पाद अपने आप में काफी अलग है, जो बाजार में अन्य उत्पादों के बीच अपनी अलग पहचान के लिए जाना जाता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, ग्रामीण विकास सचिव राधिका झा और अन्य अधिकारियों के साथ हाउस ऑफ हिमालयाज के लिए एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ एमओयू साइन करते हुए

ऑर्गेनिक उत्तराखंड है एक नई पहचान

यूओसीबी ने भारत में जैविक खेती आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए विशाल आपूर्ति की श्रृंखला स्थापित की है। साथ ही, 'ऑर्गेनिक उत्तराखंड' को ब्रांड के रूप में विकसित किया है

उत्तराखंड जैविक वस्तु बोर्ड (UOCB) का गठन 19 मई 2003 को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अधीन किया गया। यह उत्तराखंड में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। यूओसीबी का मिशन उत्तराखंड को देश की जैविक राजधानी के रूप में स्थापित करना है। साथ ही, जैविक कृषि विधियों के माध्यम से स्थायी ग्रामीण विकास के लक्ष्य को भी साधा जा रहा है।

बोर्ड विभिन्न उपायों के माध्यम से खेती और संबद्ध क्षेत्रों में कार्य करता है, जिनमें बागवानी, औषधीय सुगंधित पौधे और जड़ी-बूटियां व पशुपालन शामिल हैं। यूओसीबी चार प्रमुख शाखाओं तकनीकी सेल, प्रशिक्षण सेल, प्रमाणन सेल और विपणन सेल के तौर पर काम करता है। तकनीकी सेल जैविक कृषि को अपनाने के लिए इच्छुक किसान समूहों की पहचान करता है और खेती के लिए उपयुक्त तकनीकों के बारे में जानकारी देता है। फिर प्रशिक्षण सेल किसानों के लिए प्रदर्शनी, ट्रेनिंग सत्रों और जरूरी शैक्षणिक सामग्रियों से उन्हें प्रशिक्षित करता है। प्रमाणन सेल खेतों और दुकानों के लिए जैविक प्रमाणीकरण को प्रोत्साहित करता है, जबकि विपणन सेल प्रदर्शनियों और पैनलों के माध्यम से बी टू बी ग्राहकों को जैविक उत्पाद बेचने के लिए प्रोत्साहित करता है।

हाल के वर्षों में यूओसीबी की ओर से किए गए प्रयासों के बेहतर परिणाम सामने आए हैं। वर्ष 2019 में यूओसीबी के दिशा-निर्देशन में किसानों ने 35 मेलों और प्रदर्शनियों में हिस्सा लिया और इसमें 28 लाख रुपये के सामानों की बिक्री हुई। इस तरह से 210 लाख रुपये का बाजार तैयार हुआ। 2020-21 तक महामारी से उत्पन्न समस्याओं के बावजूद किसानों ने 11 मेलों में उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इससे 8 लाख रुपये की बिक्री के साथ ही 85 लाख रुपये का बाजार बना।

यूओसीबी ने देश में जैविक खेती की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दिशा में विभिन्न प्रयासों से विशाल आपूर्ति श्रृंखला स्थापित की है और "ऑर्गेनिक उत्तराखंड" को ब्रांड के रूप में विकसित किया है। उनके उत्पादों में देहरादूनी बासमती चावल, पूसा-1 बासमती, लाल चावल और गेहूं व विभिन्न अनाज शामिल हैं। मसालों की श्रेणी में तेज पत्ता, काला जीरा, धनिया, अदरक और हल्दी शामिल हैं। दालों की श्रेणी में काले छोले, काले चने, राजमा और दालें शामिल हैं। साथ ही, बाजरा और फिंगर बाजरा जैसे मोटे अनाज भी इसमें शामिल हैं। सेब का रस, डिटर्जेंट पाउडर, मूंगफली, जड़ी-बूटियों से युक्त तेल, शहद, सरसों का तेल, साबुन, चीनी, शीतोष्ण फल और ताजी सब्जियां भी इनका हिस्सा हैं।

विरासत को संरक्षित करते हुए कारीगरों को बना रहे सशक्त

शिल्पकला के मामले में उत्तराखंड सदियों से अपनी विशिष्टताओं के कारण ध्यान आकर्षित करता रहा है। यहां की शिल्पकला वर्षों से स्थानीय लोगों की आजीविका का आधार रही हैं

बात जब उत्तराखंड की पारंपरिक शिल्पकला की हो रही है, तो कहना होगा कि यहां की हथकरघा साड़ियां प्रसिद्ध उत्पादों में एक अद्वितीय स्थान रखती हैं। शिल्पकला के मामले में उत्तराखंड सदियों से अपनी विविधता का प्रदर्शन कर रहा है, जो क्षेत्रीय निवासियों के लिए आजीविका का एक महत्वपूर्ण आधार रही है। इस क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाओं के साथ ही वित्तीय विकास की संभावनाएं भी हैं और इन्हें समझते हुए उत्तराखंड सरकार ने उत्तराखंड हथकरघा और हस्तशिल्प विकास परिषद (UHHDC) की स्थापना की।

सरकार द्वारा स्थापित एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में यूएचएचडीसी राज्य में हथकरघा और हस्तशिल्प की दिशा में समग्र विकास के लिए शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करती है। इसका कार्य उत्तराखंड के शिल्पकारों को प्रोत्साहित करना, निर्देशित करना और प्रबंधित करना है। इस तरह से यहां की हस्तशिल्प को बढ़ावा देते हुए यह परिषद स्थानीय कार्य को सक्षम बना रही है। इसके अंतर्गत संचालित 'हिमाद्रि' ट्रेडमार्क से उत्पन्न होने वाले शिल्प उत्पाद गुणवत्ता और प्रामाणिकता की पहचान बनकर उभरे हैं। हाथ से बनी इन कृतियों को यूएचएचडीसी एम्पोरियम के माध्यम से 'हिमाद्रि' ब्रांड नाम के तहत बेचा जाता है। यह पहल यह सुनिश्चित करती है कि ग्राहकों को वास्तविक उत्पाद मिले, साथ ही कारीगरों को उनके परिश्रम और कौशल का उपयुक्त पारिश्रमिक भी मिल सके।

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

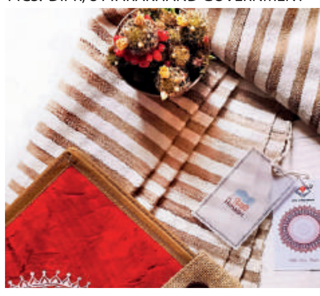

उत्तराखंड के हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को राज्य के बाहर व वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए यूएचएचडीसी ने कई कदम उठाए हैं। हिमाद्री ब्रांड के तहत इन शानदार उत्पादों को शिल्प बाज़ार, दिल्ली हाट, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों और सूरजकुंड मेले जैसे प्रतिष्ठित अवसरों पर प्रदर्शित किया जाता है। उत्तराखंड के शिल्पकारों को अपनी कृतियों को व्यापक स्तर पर दिखाने का मौका मिलता है। वर्तमान में हिमाद्री शोरूम देहरादून, उत्तरकाशी, हल्द्वानी, हरिद्वार और नई दिल्ली में उत्तराखंड सदन जैसे प्रमुख स्थानों पर स्थित हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि ये उत्पाद दूर तक पहुंच सकें।

विश्व स्तर पर उत्तराखंड के हस्तशिल्प को पहुंचाने के लिए यूएचएचडीसी ने प्रसिद्ध ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन के साथ साझेदारी की है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब तक लाखों रुपये के हस्तशिल्प उत्पाद बेचे जा चुके हैं। यह न केवल कारीगरों को दुनियाभर के दर्शकों के सामने अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि उनकी कला को वैश्विक स्तर पर प्रशंसा और पहचान भी मिले।

सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में, यूएचएचडीसी पूरे वर्ष भर कई कला मेले, प्रदर्शनियां और प्रचार कार्यक्रम आयोजित करता है। ये प्रयास शिल्पकारों को अपनी निपुणता दिखाने के लिए एक स्थान प्रदान करते हैं और साथ ही उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने और बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाते हैं।

दून सिल्क: रेशम बुनाई की पारंपरिक कला को कर रहे पुनर्जीवित

दून सिल्क उत्तराखंड सहकारी रेशम संघ (यूसीआरएफ) के तहत काम करता है। यह उत्तराखंड की प्राचीन रेशम बुनाई परंपराओं को बनाए रखने और पुनर्स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्राकृतिक रेशों के उपयोग पर जोर देते हुए दून सिल्क हथकरघा उत्पाद प्रदान करने का बेहतर काम कर रहा है। यह हमारे परिवेश और पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए समर्पित है। ब्रांड की पेशकशों में रेशम, ऊन, कपास, बिछुआ शामिल हैं। ये पर्यावरण अनुकूल होने के लिए पसंद किए जाते हैं।

दून सिल्क उत्पाद वास्तव में उत्तराखंड के किसानों, रीलर, बुनकरों, शिल्पकारों और रंगाई करने वालों की प्रतिभा और कलात्मकता का प्रमाण है। दून सिल्क का हर उत्पाद गुणवत्ता के मामले में उच्चतम श्रेणी का होता है। इसे निर्मित करने के लिए ऐसी सामग्रियों का उपयोग किया जाता है, जो इसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिला सके और खरीदारों का इस पर भरोसा बढ़ सके। हथकरघा विधियों पर फोकस करते हुए दून सिल्क पारंपरिक तकनीकों के आधार पर तैयार किया जाता है। साथ ही, यह उत्तराखंड में 6,000 से अधिक लोगों को स्थायी रोजगार उपलब्ध करता है।

दून सिल्क की शुद्धता इस बात से प्रमाणित होती है कि यह 100% प्राकृतिक फाइबर की गारंटी देता है। गुणवत्ता के प्रति इस प्रतिबद्धता ने ब्रांड को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाने में मदद की है। रेशम की साड़ियों, कोट, स्टोल और शॉल जैसे उत्पादों के साथ, दून सिल्क असंख्य ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। यह अपनी विशिष्टता को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न कीमतों पर उपलब्ध है। वैश्विक बाजार ने विशेष रूप से दून सिल्क को अपनाया है। यूरोप और अमेरिका में इसे निर्यात किया जाता है। इन उत्पादों को काफी सराहना मिली है।

इसके अलावा, उत्तराखंड की पारंपरिक रेशम बुनाई की आवश्यकता को भी बढ़ावा मिला है। दून सिल्क से जहां खरीदारों को उत्कृष्ट उत्पाद मिलते हैं, वहीं यह कारीगरों को वित्तीय सशक्तिकरण भी प्रदान करता है। यह अपनी विरासत को बनाए रखने और स्थानीय लोगों को सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। गुणवत्ता और संस्कृति के प्रति अटूट समर्पण के कारण दून सिल्क खूबसूरती से तैयार किया गया उत्पाद है, जो गहरी छाप छोड़ने में सफल हुआ है।

#ExploreUttarakhand

@DIPR_UK

राज्य में सतत विकास को बढ़ावा दे रहा उत्तराखंड बांस एवं फाइबर विकास बोर्ड

उत्तराखंड प्राकृतिक संसाधनों का भंडार है। इन प्राकृतिक संसाधनों को लोगों के लिए उपयोगी उत्पादों में बदलने का बीड़ा उत्तराखंड बांस और रेशा विकास बोर्ड ने उठाया है। बोर्ड बांस और बिछुआ से बने ऐसे उत्पादों को बढ़ावा देता है, जो प्राकृतिक संपदा मानी जाती है। इन उत्पादों में बांस और बिछुआ से बने लैंप शामिल हैं, जिन्हें उत्तराखंड के पारंपरिक कारीगरों द्वारा बड़ी बारीकी से तैयार किया गया है। प्रत्येक लैंप को हिमालय क्षेत्र से प्राप्त बिछुआ फाइबर कपड़े का उपयोग करके बहुत ही सलीके से काटा, बांटा और सावधानी के साथ बुना जाता है। इससे छनकर आती मध्यम रोशनी आपका मूड बेहतर बनाती है। ये अंडाकार लैंप प्रकृति की सुंदरता और उसके स्पर्श का मिश्रण हैं, जो घर के अंदर किसी भी जगह को अपने प्राकृतिक आकर्षण से कई गुना सुंदर बना देते हैं। पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ जीवनशैली को अपनाते हुए उत्तराखंड बांस एवं रेशा विकास बोर्ड अपनी उत्पाद श्रृंखला के रूप में शानदार बांस की बोतल भी लेकर आए हैं। उच्च गुणवत्ता वाले असली बांस के खोल और स्टेनलेस-स्टील से बनी यह बोतल टिकाऊ है, जो प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के साथ ही लंबे समय तक इसके इस्तेमाल को सुनिश्चित करती है।

इको-टेक्सटाइल्स के दायरे में आगे बढ़ते हुए उत्तराखंड बांस एवं रेशा विकास बोर्ड हिमालयन बिछुआ को शानदार प्राकृतिक फाइबर के रूप में पेश करता है। समुद्र तल से 1200 से 2900 मीटर की ऊंचाई पर हिमालय में उगने वाला यह बारहमासी पौधा है। बिछुआ फाइबर से बने कपड़े की परंपरा हजारों साल पुरानी है, जिसका पुनरुत्थान किया जा रहा है। थर्मल, कीटाणु रोधी गुणों और न सिकुड़ने वाले बिछुआ रेशे से बुना यह कपड़ा आरामदायक होने के साथ ही स्टाइलिश भी होता है।

उद्देश्य और विजन

ओडीटीपी योजना का प्राथमिक उद्देश्य उत्तराखंड के पारंपरिक और शिल्प उद्योगों को बढ़ावा देना है। स्थानीय उत्पादों की पहचान और उसका विकास करके इस योजना के माध्यम से उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान किया जाता है। इससे उनकी विपणन क्षमता और आर्थिक मूल्य दोनों में वृद्धि होती है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत ग्रामीण विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय उत्पादों को निखारने पर बल देता है।

एक नजर

शराबियों ने ग्रामीण को पीटा, तहरीर पर केस दर्ज

शाहाबाद, हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नरायन पुरवा में एक व्यक्ति को दो लोगों ने शराब के नशे में पीट दिया। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नरायन पुरवा निवासी रामासरे पुत्र प्रह्लाद ने बताया वह अपने दरवाजे पर बैठा था। गांव के अनिल और पवन ने शराब के नशे में आकर उसे गाली गलौज किया। गाली देने से मना करने पर विपक्षियों ने डंडे से उसे मारा पीटा।जिससे उसका सिर फट गया। शोर सुनकर गांव वालों ने उसे बचाया। कोतवाली पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्रमोशन के साथ स्थानांतरण प्रधान सहायक को दी विदाई

हरदोई। जिला क्षय रोग अधिकारी कार्यालय में प्रधान सहायक के पद पर तैनात कुलदीप जौहरी का प्रमोशन हो गया है। शासन ने उनको लखीमपुर जिले का प्रशासनिक अधिकारी बनाया है। शनिवार को क्षय रोग विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों ने डीटीसी पर विदाई समारोह का आयोजन किया। स्टाफ के लोगों ने उनका शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ शरद वैश्य और वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ नौमानउल्ला ने पदोन्नति पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में विभाग ने कई उपलब्धियां हासिल की।

दबंगों ने पूरे परिवार को पीटकर किया घायल

शाहाबाद, हरदोई। सिकंदरपुर कल्लू एक युवक ने गांव के दबंगों पर पूरे परिवार को मारपीट कर घायल कर देने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। शाहाबाद कस्बे के सिकंदरपुर कल्लू निवासी पवन ने बताया कि वह सुबह घर के पास सुधीर की परचून की दुकान पर गया था। वहां चाची सुमन पत्नी लल्लू लाल उसकी दादी की पेंशन के पैसे के लिए उन्हें गाली बक रही थी। वह चाची को मना करके घर चला आया। उसी बात पर चाची अपने भाई विनोद और भतीजे विनय और मनोज के साथ लाठी डंडे लेकर उसके दरवाजे पर आये और गाली गलौज करते हुए पूरे परिवार को पीटा।

नाले की पुलिया बिगाड़ रही शहर का हुलिया

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। बरसों पुरानी गंदे नाले की पुलिया से शहर की हुलिया बिगड़ रही है। एकदम जर्जर हालत में पहुंच चुकी पुलिया कभी भी ढह सकती है और बड़ा हादसा सामने आ सकता है। दरअसल शहर के बीच से निकले गंदे नाले की एआरटीओ चौराहे वाली पुलिया को हज़ारों टन ईंटों के वज़न से दाब दिया गया है। एक तो पहले से ही उसकी कमर टूटी थी, लेकिन अब उसे चूर-चूर किए जाने की तैयारी कर ली गई है। माना जा रहा है कि ज़िम्मेदारों की अगर अभी भी नींद नहीं टूटी तो वही पुलिया शहर का हुलिया बिगाड़ने के लिए काफी है।

शहर के बीच से हो कर निकले गंदे नाले की, एआरटीओ चौराहे पर उसी नाले की पुलिया के ऊपर आज से नहीं बल्कि सालों से हज़ारों टन ईंटों का

गंदे नाले की जर्जर पुलिया और वहां रखी गईं हजारों ईंट। अमृत विचार

वज़न रखा जाता है। हर रोज़ की बात करें तो स्कूली बसें, शादी-बारातों वाली और तो और वहीं सामने एआरटीओ ऑफिस होने से वहां सैकड़ो गाड़िया आती-जाती रहती है, ऐसे में अगर पुलिया धंसती है तो कितना बड़ा हादसा हो सकता है, इसका अद्दाज़ा लगाया जाना मुश्किल है। पिछले दिनों की बात है कि उसी पुलिया का एक कोना धंस चुका है, लेकिन फिर इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बताते हैं कि उसी पुलिया की तरफ अनगिनत मकान बन चुके हैं और उन मकानों में रहने वालों का उसी पुलिया के ऊपर से निकला-बैठना होता। ज़ाहिर सी बात है कि उनके आगे कठिनाई खड़ी हो सकती है, लेकिन अगर उन्हीं में से कोई टोंका-टांकी करता भी है तो उसे उल्टे रुतबा दिखा कर चुप करा लिया जाता है।

एसडीएम सदर बोले

एआरटीओ चौराहे के सामने पुलिया के ऊपर ईंटें रख कर उस पर कब्ज़ा करने और किसी अनहोनी का इंतज़ार करने के सवाल पर एसडीएम सदर सुशील कुमार मिश्र ने बताया है कि उन्हें ऐसी कुछ जानकारी है। चूंकि मामला नगर पालिका परिषद का है, इसलिए वे नगर पालिका परिषद प्रशासन को उस पर किए गए कब्ज़े को हटाने के लिए लिखेंगे और अगर फिर पुलिया के ऊपर से ईंटें नहीं हटाई गई तो फिर सख्ती से निपटा जाएगा।

टूटी पुलिया में फंसकर पलटा दिव्यांग की ठेला, नाली में गिरी सारी सब्जी

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

अमृत विचार। गुलाब बैंड चौराहे पर पुलिया टूटी होने की वजह से विकलांग सब्जी विक्रेता की सब्जी नाली में गिर गई। राह चलते लोगों ने दिव्यांग सब्जी विक्रेता की मदद कर सब्जी एकत्रित कराई। सैय्यद बाड़ा निवासी दिव्यांग सब्जी विक्रेता सियाराम बाजार से सब्जी खरीदकर ठेली पर मोहल्ले-मोहल्ले बेचता है। शनिवार शाम तकरीबन 4 बजे सियाराम गुलाब बैंड चौराहा पर ठेला मोड़कर सब्जी बेचने के लिए जा रहा था। तभी ठेली का पहिया टूटी पुलिया में फंस गया और ठेली पलट गई जिससे उसकी सब्जी नाली में गिर गई। इस वक्त सब्जी की भयंकर महंगाई है। दिव्यांग ने किसी तरह लोगों की मदद से नाली के गंदे पानी से सब्जी एकत्र की।

टूटी हुई पुलिया के बारे में स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर पालिका परिषद के अधिकारियों को कई बार टूटी पुलिया के बारे में जानकारी दी गई लेकिन

नाली से सब्जी उठाता दिव्यांग सब्जी विक्रेता।

सुनवाई नहीं हो रही है। आसपास के रहने वाले शहर वासियों एवं दुकानदारों का कहना है कि प्रतिदिन पुलिया में ई-रिक्शा, कार, हाथ ठेली, टेंपो सहित तमाम वाहन फंस जाते हैं इससे लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। तमाम लोगों के इस टूटी पुलिया की वजह से चोट भी लग चुकी है। टूटी हुई पुलिया से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है लेकिन पालिका प्रशासन और क्षेत्रीय सभासद शिकायतों के बाद भी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

पुलिस से छेड़छाड़ की शिकायत करने पर किशोरी के पिता को दबंग ने चाकू से गोदा

वारदात के बाद भाग रहे आरोपी को लोगों ने पकड़कर पीटा, किया पुलिस के हवाले

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। युवक की छेड़छाड़ और मोबाइल पर जबरन बात करने के प्रयास से परेशान होकर किशोरी और उसके परिजनों ने पुलिस से शिकायत की। इस पर पुलिस ने युवक को पकड़ लिया। लेकिन अगले ही पुलिस ने उसे छोड़ दिया। शनिवार की भोर पहर आरोपी युवक किशोरी के दरवाज़े पर पहुंचा और वहां साफ-सफाई कर रहे उसके पिता पर चाकू से कई वार कर दिये। शोर होने पर वह अपनी बाइक से भाग निकला, लेकिन ग्रामीणों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया और जमकर पिटाई की। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। उधर गंभीर रूप से घायल अधेड़ को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया, जहां से उसे

मेडिकल कालेज में भर्ती हरीशचंद्र।

लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया।

कछौना कोतवाली के लालता खेड़ा निवासी हरीशचंद्र (55) शनिवार की भोर पहर दरवाज़े पर साफ-सफाई कर रहा था। उसी बीच कछौना कोतवाली के ही टिकारी गांव निवासी संदीप वहां बाइक से पहुंचा और हरीशचंद्र की गर्दन और सिर पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसे लहूलुहान कर दिया। हरीशचंद्र के चीखने पर उसके घर वाले संदीप को पकड़ने के लिए बढ़े। उसी बीच वह बाइक लेकर भाग खड़ा हुआ। कुछ दूरी पर पीछे दौड़ रही भीड़ ने उसे पकड़ लिया और पिटाई शुरू कर दी। फिर उसके बाद उसे कछौना कोतवाली ले जाकर पुलिस के हवाले कर दिया गया। बताया गया है कि संदीप आए दिन हरीशचंद्र की पुत्री को परेशान करता रहता था। उससे फोन पर जबरन प्रेम-प्रसंग की बातें करने और दरवाज़े पर खड़े होकर अश्लील इशारे और हरकतें उसकी आदत बन चुकी थी। जिससे किशोरी और उसके घर वाले काफी परेशान हो चुके हैं। गुरुवार को किशोरी ने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंच कर शिकायत कर दी। पुलिस ने उसे पकड़ तो लिया, लेकिन कोई कार्रवाई करे बगैर शुक्रवार को उसे छोड़ दिया। लोगों का मानना है कि अगर कछौना पुलिस संदीप के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती तो शायद इस तरह का हमला करने की उसकी हिम्मत नहीं होती।

बेटी को भगा ले जाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

मल्लावां, हरदोई। युवती को भगा ले जाने का मुकदमा पिता ने एक युवक के विरुद्ध दर्ज कराया है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि 13 जुलाई शाम 6 बजे वह घर नहीं था। तभी उसकी पुत्री को नयागांव निवासी रामजी पुत्र इशनू बहला फुसलाकर भगा ले गया। कोतवाल अनिल सैनी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर युवती की तलाश की जा रही है।

दबंग की शिकायत करने थाने गए युवक का पड़ा मिला शव

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। जबरन घर में घुसनें की कोशिश कर रहे दबंग ने विरोध कर रहे युवक की पिटाई कर दी। पीड़ित युवक शिकायत लेकर पुलिस थाने गया लेकिन वहां से वापस नहीं लौटा। देर रात युवक का शव पिहानी रोड ओवर ब्रिज के पास रेलवे ट्रैक पर दो टुकड़ों में पड़ा मिला। पुलिस इसे हादसा मान रही है, जबकि युवक के घर वाले हत्या का आरोप लगा रहे हैं। फिलहाल सारे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टड़ियावां थाने के छछेटा निवासी सोनू (25) पुत्र बालकराम अपने दो भाइयों में छोटा था। उसका बड़ा भाई दिवाकर गाज़ियाबाद में रहकर मज़दूरी करता है। पिता के न रहने के बाद सोनू भी मेहनत-मज़दूरी कर परिवार चला रहा था। उसने करीब 4 महीने पहले बिहार की लक्ष्मी से शादी की और उसी के साथ गांव में रह रहा था। शुक्रवार को सोनू की पत्नी लक्ष्मी घर के बाहर बैठी थी। उसी बीच वहीं का बंगाली नाम का युवक जबरन घर में घुसने लगा। जिस पर सोनू ने विरोध किया तो बंगाली उसकी पिटाई करने लगा। सोनू पुलिस से बंगाली की शिकायत करने की बात कहकर घर से निकला। लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटा। तब से उसकी तलाश की जा रही थी। उसी बीच देर रात कोतवाली देहात की पिहानी रोड ओवर ब्रिज के पास रेलवे ट्रैक पर दो टुकड़ों में शव पड़ा हुआ देखा गया। सोनू की बुजुर्ग मां सावित्री का कहना है कि हादसा नहीं बल्कि उसके पुत्र की हत्या की गई।

हत्या का आरोप

▸▸ घर में जबरन घुसने का विरोध करने पर दबंग ने की थी युवक की पिटाई

आवश्यकता है

श्री नारायण सिंह महाविद्यालय

ककरघटा, शाहाबाद, जिला–हरदोई

(सम्बद्धता – लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ)

बी.बी.ए. / बी.सी.ए पाठ्यक्रम

सहा. आचार्य (बी.बी.ए.) 03 पद

सहा. आचार्य (बी.सी.ए.) 03 पद

शैक्षिक योग्यता एवं वेतनमान– राज्य सरकार / यू0जी0सी0 के मानकानुसार। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र मय शैक्षिक प्रमाण पत्रो की प्रमाणित प्रतियो, चार फोटोग्राफ व आधार कार्ड के साथ आवेदन करें।

प्रबंधक –9415564041

भाजपा विधायक ने तबादलों पर उठाए सवाल

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। पंचायती राज महकमें में हुए तबादलों पर लिखा 'जितनी ज्यादा चीनी, उतना ज्यादा शर्बत मीठा' उनकी पोस्ट साबित करती है कि सचिवों के तबादलों में जिसमें जितनी खनक, उसी हिसाब से कलस्टर बना कर सौंपी जाती है ग्राम पंचायतें। हरियावां ब्लाक की बात करें तो किसी सचिव के पास दो या तीन ग्राम पंचायतें है, तो कोई-कोई अनगिनत ग्राम पंचायतों पर कब्ज़ा किए हुए है।

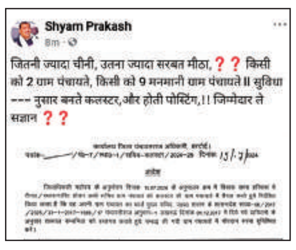

भाजपा विधायक की पोस्ट।

भाजपा विधायक श्याम प्रकाश फिर सोशल मीडिया की सुर्खियों में है। इस बार भाजपा विधायक ने पंचायती राज महकमे में सचिवों के हुए तबादलों पर सवाल उठाया है। उन्होंनें शायराना अंदाज में अपनी ही सरकार को घेरते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली है जो वायरल है। उन्होंने साथ में तबादले की सरकारी फेहरिस्त भी शेयर की है।

गोपामऊ से भाजपा विधायक श्याम प्रकाश ने हरियावां ब्लाक के जिला पंचायत राज महकमें में हुए तबादलों पर तंज कसा है। जिला पंचायत राज में 11 सचिवों के तबादले हुए हैं इनमें से ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी शामिल हैं। विधायक श्री प्रकाश ने सोशल मीडिया पर जिला पंचायत राज में हुए तबादला पर लिखा है कि जितनी ज्यादा चीनी उतना ज्यादा शर्बत मीठा' उन्होंनें अपनी पोस्ट के साथ ही उस फेहरिस्त को शेयर किया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि किस सचिव के पास कितनी ग्राम पंचायतें है और किस सचिव के पास दो या फिर हद से ज़्यादा सिर्फ तीन ग्राम पंचायतें ही है। विधायक समर्थको का कहना है कि ऐसा करने के पीछे सिर्फ यही मकसद है कि सच्चाई को सामने लाया जाए।

रोडवेज कंडक्टर की करंट लगने से मौत

हरदोई, अमृत विचार। रोडवेज़ बस का कंडक्टर घर पर कूलर सही कर रहा था, उसी बीच बिजली आने से वह करंट की चपेट में आ गया। अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया, आरोप है कि घर लाने पर उसकी सांसें चल रहीं थीं, कुछ देर बाद मौत हो गई। पाली थाने के भरखनी गांव निवासी मोहन बाजपेई (28) रोडवेज़ का कंडक्टर था। शनिवार को कूलर ठीक करते समय उसे करंट लगा गया।

आलू व पनीर की तहरी खाने से पूरा परिवार बीमार

हरदोई, अमृत विचार। आलू के साथ पनीर और सोयाबीन डाल कर तैयार की गई तहरी खाने से पूरा घर बीमार पड़ गया। सभी को उल्टी–दस्त होने की शिकायत पर सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से कुछ को मेडिकल कालेज तो कुछ का निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। पाली कस्बे के मोहल्ला बिरहाना निवासी छुटकौनू के घर गुरुवार की रात तहरी बनी थी, जिसमें आलू के साथ पनीर व सोयाबीन भी डाली गई। जिसे खाने के कुछ ही देर बाद छुटकौनू को उल्टी–दस्त होने लगे, उसके बाद उसकी पत्नी छाया सैनी, शीतल पत्नी आशीष सैनी, सैनी पुत्र मनोज, गगन सैनी पुत्र मनोज, कृष्ण सैनी पुत्र मनोज, कोमल पत्नी गगन, तमन्ना पुत्री गगन के अलावा अंकित और उसकी पुत्री शीवी बीमार पड़ गई। सभी को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से छुटकौनू, छाया और शीतल को मेडिकल कालेज भेजा गया है।

छात्र-छात्राओं को वितरित किए गए टैबलेट व स्मार्ट फोन

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। एबी सिंह कॉलेज आफ फार्मेसी अगमपुर तथा राजेंद्र सिंह कॉलेज आफ फार्मेसी टोडरपुर में छात्र–छात्राओं को टैबलेट वितरण किया गया। बतौर मुख्य अतिथि शाहाबाद क्षेत्र पंचायत के प्रमुख त्रिपुरेश तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी अनिल झा मौजूद रहे। श्री मिश्र ने कहा कि छात्र–छात्राएं टैबलेट का सदुपयोग करें। इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधक और स्टाफ मौजूद रहा। वहीं मल्लावां के इलीट कॉलेज ऑफ फार्मेसी शाहपुर गंगा में छात्र –छात्राओं को टैबलेट एवं स्मार्ट फोन का वितरण विधायक आशीष सिंह ने किया। इसके अलावा शहर के पिहानी चुंगी स्थित ठा. दीप सिंह प्रा. आईटी आई में टैबलेट वितरण किया गया।

विवाह के ढाई माह बाद ही पत्नी ने पति से लिया तलाक

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

अमृत विचार। विवाह के करीब ढाई महीने बाद ही 10 रुपये के स्टांप पर लिखा पढ़ी करके पत्नी अपने पति दूसरे से अलग हो गई।पत्नी को मनाने के लिए पति ने काफी प्रयास किया लेकिन वह नहीं मानी। पत्नी के परिवार वालों ने दहेज का सारा सामान वापस लिया और वर पक्ष का सामान और पैसा भी वापस कर दिया। गांव की भरी सभा में यह पंचायत हुई और दोनों हमेशा के लिए एक दूसरे से अलग हो गए।

शाहाबाद कोतवाली के ग्राम बासित नगर निवासी विपिन कुमार का विवाह सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के बादशाह नगर के ग्राम नगर पाल निवासी रजनी देवी के साथ 4 मई 2023 को संपन्न हुआ था। 19 जुलाई की शाम विपिन की ससुराल वाले बासित नगर गांव पहुंचे। पंचायत में रजनी ने विपिन के साथ रहने से इनकार कर दिया। जबकि विपिन उसका साथ छोड़ने के लिए राजी नहीं था। आखिर में 10 रुपये के स्टांप पर लिखा-पढ़ी के बाद दोनों अलग हो गये।

वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय

कैम्पस : वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एण्ड रोहिलखण्ड हॉस्पिटल

एन.एच.-24, बन्थरा, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश-242307

कोर्स	अवधि	योग्यता
एम.एस.सी. मेडिकल एनाटॉमी	3 वर्ष	अभ्यर्थी को तीन वर्ष का स्नातक कार्यक्रम बीएससी उत्तीर्ण होना चाहिए, जिसमें 50% अंक प्राप्त हों (एससी/एसटी के लिए 45%) और जैविक विज्ञान एक विषय के रूप में हो या एमबीबीएस, बीडीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस, बीपीटी, बी.फार्मा, बीएमएलटी, बीएमआरआईटी, बीएससी नर्सिंग में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण होना चाहिए।
एम.एस.सी. मेडिकल बायोकेमिस्ट्री	3 वर्ष	
एम.एस.सी. फिजियोलॉजी	3 वर्ष	
एम.एस.सी. मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी	3 वर्ष	
एम.एस.सी. फार्माकोलॉजी	3 वर्ष	
बी.एस.सी. फोरेन्सीक साइंस	3 वर्ष	पात्रता: 10+2 (पी.सी.एम./पी.सी.बी.)

फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एण्ड मैनेजमेंट

कोर्स	अवधि	योग्यता
एम.एच.ए. (मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन)	2 वर्ष	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वद्यिालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक की डिग्री पूरी की हो, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए 45% अंक प्राप्त किए हों।
एम.पी.एच. (मास्टर इन पब्लिक हेल्थ)	2 वर्ष	

For Online Registration : www.vau.in, Contact No. 05842297879
E-mail : admission @vau.edu.in, info@vau.edu.in.

प्रवेश हेतु संपर्क करें

डॉ. अनिल पाल (डिप्टी रजिस्ट्रार) मो. 9956248504

डॉ. अमित सिंह (डिप्टी मेडिकल सपरिटेन्डेन्ट) मो. 7521001987

तैयारी

कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जिलाधिकारी व एसपी ने देखीं राजघाट की पंगडंडियां

रविवार व सोमवार को मांस व मदिरा की बंद रहेंगी दुकानें

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने राजघाट का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि घाट पर होने वाली किसी भी अप्रिय घटना के बचाव के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाएं और घाट पर कंट्रोल रूम स्थापित कराने के साथ जल पुलिस की तैनाती घाट पर आने वाले स्थानों पर अनिवार्य रूप से कराये और स्नान करने की सीमा पर बैरीकैडिंग कराये एवं बैरिकेडिंग के पास चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि घाटों पर बिजली, पेयजल, नावों आदि तथा साफ-सफाई की व्यापक स्तर पर व्यवस्था की जाये ताकि रात में स्नान करने व जल भरने वाले श्रद्धालुओं को कोई समस्या न हो और काँवड़ यात्रा मार्ग पर रविवार व सोमवार को मांस व मदिरा की दुकाने बन्द रखी जाएं एवं यात्रा मार्ग पर कावड़ियों के लिए सहायता शिविर स्थापित किये जाएं और घाट पर स्वास्थ्य विभाग की टीम तैनाती रहेगी। उन्होने लोक निर्माण विभाग को अवशेष मार्गो को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने घाट पर लगाये गये पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये ड्युटी के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये तथा घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं की सम्पूर्ण सुरक्षा का ध्यान रखने के साथ अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बिलग्राम राकेश कुमार सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ मार्ग पर लगा है सड़ी हड्डियों का ढेर

हरदोई, अमृत विचार। सरकार कांवरियों के लिए तमाम व्यवस्थाएं कर रही हैं। लेकिन जिले में राजघाट जाने वाले कांवरियों की मरे जानवरों की सड़ी हड्डियों की दुर्गंध का सामना करते हुए जाना पड़ेगा। बताते चलें कि हरदोई–बिलग्राम मार्ग पर राजघाट से जल लाकर कांवरिये शिव संकट हरण सकाहा व राम जानकी मंदिर हरदोई में चढ़ाते हैं। जिला मुख्यालय से गुजर कर हजारों कांवरिये राजघाट पर जल लेने के लिए इसी हरदोई–कानपुर मार्ग पर जाते हैं। इसी मार्ग पर शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बिलग्राम रोड पर बन रहे 50 शैय्या आयुर्वेदिक अस्पताल के पास जानवरों की सड़ी हड्डियों पर ढेर मुख्य मार्ग के किनारे लगा हुआ है।

सड़क किनारे जमा जानवरों की हड्डियां।

पौधरोपण के साथ पेड़ों की सुरक्षा की जिम्मेदारी उठायें लोग : मंत्री

आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, डीएम और एसपी ने पौधरोपण कर जन अभियान की शुरुआत की

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। बावन में शनिवार को वृहद वृक्षारोपण जन अभियान का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने गौशाला के पास चिन्हित स्थान पर पौधा रोपकर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों से पौधे लगाने और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी उठाने की अपील की। वृक्षारोपण में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल, जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत सिंह बब्बन, जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने भी पौधारोपण किया।

आबकारी मंत्री ने कहा कि वृक्षारोपण में लगे हुए सभी विभाग बधाई के पात्र हैं। सभी लोग वृक्षारोपण को जन आंदोलन की तरह करें। सभी लोग कम से कम अपने घर में एक पेड़ का रोपण अवश्य करें। पेड़ लगाने के साथ ही पेड़ों की रक्षा का भी दायित्व निभाएं। पौधारोपण के लिए वन विभाग निःशुल्क पौधे देगा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत करते हुए नितिन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया है। उनकी प्रेरणा से प्रदेश में इस अभियान के तहत करीब करोड़ों पौधे लगवाए जाएंगे। जो भी नागरिक यह पौधे लगाएंगे, वे अपनी माता की स्मृति को तो हमेशा याद रखेंगे ही, यह धरती मां के लिए भी एक अनुपम सेवा होगी। इस मौके पर एसडीएम सदर सुशील मिश्रा, बीडीओ डॉ रामप्रकाश, डॉ पंकज मिश्रा, डॉ विनीत तिवारी, लोनार कोतवाल उमेश त्रिपाठी, बीईओ बावन आरके द्रवेदी, ट्रैफिक इन्चार्ज प्रमोद यादव, बावन चौकी इंचार्ज व्यास यादव के अलावा राजनीतिक व्यक्तियों मे ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि धर्मेंद्र सिंह, मण्डल अध्यक्ष देशदीपक दीक्षित,

पौधरोपण करते राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल साथ में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती व भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन।

पौधरोपण करते नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र व अन्य। अमृत विचार

नगर पालिका अध्यक्ष ने की पौधरोपण की शुरुआत

हरदोई अमृत विचार। शासन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम के तहत नगर पालिका परिषद की ओर से वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया, जिसका शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी व सभासद गण संदीप गुप्ता, धर्म रुचि सिंह, अमित त्रिवेदी रानू, जमील अहमद, गुड्डू अरशद, राजकुमार गुप्ता, रोहित कश्यप सभासद प्रतिनिधि राजीव सिंह, छुनक्की तिवारी, संतोष सैनी, प्रियम मिश्रा, रामनरायन आदि के द्वारा भी पौधारोपण किया गया। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कुल 5477 पौधे रोपित कराए गए हैं। इस अवसर पर अवर अभियंता जल चंद्रकांत, कर अधीक्षक डॉ पुष्पराज गौतम, लेखा लिपिक श्री विद्या भूषण सिंह, कमल किशोर, संतोष यादव अनिल यादव व पालिका के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

नाजिम खां, शिवेंद्र शुक्ला, हमीद अहमद पप्पू, सुधांशू सिंह, श्याम सिंह, हेमंत सिंह, अनीस पांडेय, उमाकांत पाठक, विद्यानिधि मिश्रा, सचिन मिश्रा, शकूर खां, विनोद सिंह, भोले शुक्ला, अली अहमद, कैफ खां, राकेश शुक्ला, फैसल खां आदि लोग मौजूद रहे। वहीं मल्लावां नगर पालिका प्रांगण में अधिशासी अधिकारी राजेश राणा ने परिसर में पौधरोपण किया। सीएचसी में अधीक्षक डॉ. संजय सिंह ने एक पेड़ मां के नाम से लगाया। ग्राम पंचायत मांझगाव में वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत विधायक आशीष सिंह ने पौधारोपण किया।

एसडीएम ने किया पौधरोपण

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। एसडीएम ने तहसीलदार के साथ टोडरपुर ब्लॉक के गांव पोठवा में एक पौधा मां के नाम रोपित कर पर्यावरण की रक्षा का संकल्प दिलाया। वृक्षारोपण जन अभियान के तहत एसडीएम पूनम भास्कर ने तहसीलदार अजय कुमार के साथ पौधरोपण किया। पर्यावरण गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पेड़ लगाना सबका धर्म होना चाहिए। पेड़ कई रोगों से हमारी रक्षा करते हैं। इसलिए हमें भी पेड़ों की देखभाल करनी चाहिए। इस अवसर पर टोडरपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्याम् त्रिवेदी, क्षेत्रीय वन अधिकारी आलोक शर्मा, ग्राम प्रधान सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

पौधरोपण करतीं एसडीएम पूनम भास्कर। अमृत विचार

बावन ब्लॉक में अस्थाई गौशाला में पौधरोपण करते लोग।

सफीपुर गौशाला में वृक्ष लगाते सभासद आदित्य गौतम।

अस्थाई गौशाला में हुआ वृहद पौधरोपण

हरदोई, अमृत विचार। वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत कोने-कोने में वृक्षारोपण किया गया। बावन ब्लॉक की ग्राम पंचायत तत्यौरा की अस्थाई गौशाला में प्रधान प्रतिनिधि गगन सिंह, ग्राम विकास अधिकारी मानवेन्द्र शुक्ला और गौ-सेवा जिला प्रशिक्षण प्रमुख निरंकार सिंह ने वृक्षारोपण किया। प्रधान प्रतिनिधि श्री सिंह ने कहा कि धरती को हरा-भरा बनाने के लिए हर किसी वृक्षारोपण करना चाहिए। ग्राम विकास अधिकारी श्री शुक्ला ने कहा कि रोपित किए गए पौधों की सुरक्षा के लिए हर किसी को उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इस बीच ग्राम पंचायत के सदस्य व ग्रामीण मौजूद रहे।

बिलग्राम में पौधरोपण करते प्रभारी चिकित्साधिकारी।

सीएचसी परिसर में किया गया पौधरोपण

बिलग्राम, हरदोई। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमार ने अस्पताल परिसर में पौधे। बताया कि अस्पताल में लगाए गए पौधों की संरक्षण किया जा रहा है। इन पौधों से बड़े होकर पेड़ बनने के बाद अस्पताल परिसर में छाया की व्यवस्था होगी। इस मौके पर डॉ रविकांत शर्मा, डॉ अमित यादव, डॉ कपिल देव त्रिपाठी, अनिरुद्ध मिश्रा, अन्नू भारद्वाज, जीतू वर्मा, दीपू वर्मा, शराफत खां आदि कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं अतरौली संवाददाता के अनुसार शनिवार को ब्लॉक भरावन, अतरौली थाना, बीआरसी कार्यालय सहित 65 ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण किया। ब्लॉक परिसर में ब्लॉक प्रमुख विनोद सिंह तोमर ने पौधरोपण किया। ब्लॉक भरावन की ग्राम पंचायत गोठवा खेम में प्रधान सुशील सिंह, सुआ गाढ़ा में कमल त्रिपाठी, शिवपुरी में राजेश यादव, पीपरगांव में वीरपाल, रुदौली में रामलखन, खसरौल में अभयराज, सिकंदरपुर में दीपू सिंह ने बीआरसी कार्यालय पर बीईओ डीएल राना, सीएचसी पर अधीक्षक अरविंद मिश्रा ने पौधरोपण किया।

गौशालाओं में पौधरोपण कर दिया गया संदेश

हरदोई, अमृत विचार। शाहाबाद संवाददाता के अनुसार नगर पालिका के सभासद ने गौशाला में पौधारोपण कर पर्यावरण का संदेश दिया। वार्ड सभासद आदित्य गौतम ने कस्बे की गौशाला सफीपुर में नगर पालिका कर्मचारियों के साथ पौधारोपण किया। कहा पर्यावरण की रक्षा के लिए पेड़ लगाना बहुत आवश्यक है। पेड़ों से हम सब को और जीवों को आक्सीजन मिलती है। वृक्ष प्रदूषण को रोकने में हमारी मदद करते हैं। इस अवसर पर नगर पालिका सफाई निरीक्षक और गौशाला प्रभारी दीपक कुमार, साजिद, कमलेश के साथ नगर पालिका और गौशाला के कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अलावा माधौगंज में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रमेश वर्मा व बीडीओ प्रवीण कुमार त्रिपाठी, एडीओ पंचायत अविनाश मोहन, आशीष कनौजिया, सोनू पाठक आदि ने औषधीय व फलदार वृक्षों को रोपित किया। विकास खण्ड के गांव पिपरावां स्थित पंचायत भवन व अन्य सम्पर्क मार्गों पर ग्राम प्रधान नन्ही देवी व पंचायत सहायक रीतू मंयक पटेल ने पौधरोपण किया। वहीं ग्राम पंचायत रुईया में आयोजित कार्यक्रम में प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद नसीम नेता ने पौधरोपण किया। पंचायत सहायक संतोषा व कोटेदार संतोषी देवी व केयर टेकर सोमवती मौजूद रहे।

एक नजर

शौच से वापस लौट रहे अधेड़ की सांप के डसने से मौत

हरदोई। शौच से लौट रहे अधेड़ को रास्ते में सांप ने डंस लिया। उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया लेकिन कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। बेहटा गोकुल थाने के जसमई खेड़ा निवासी 50 वर्षीय रामचंद्र शनिवार की सुबह गांव के बाहर शौच करने गया था। लौटते समय उसे सांप ने डस लिया। घर पहुंचते-पहुंचते रामचंद्र की तबियत बिगड़ गई। उसके छोटे भाई जागेश्वर ने बताया कि वह उसे लेकर मेडिकल कालेज पहुंचा, लेकिन उसी बीच मौत हो गई। रामचंद्र की शादी हो चुकी थी, लेकिन उसकी पत्नी नहीं और मायके चली गई। तब से वह अकेला रहता था। पुलिस ने उसका शव अपने कब्जे में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है।

मुकदमे में वांछित चल रहा अभियुक्त गिरफ्तार

मल्लावां, हरदोई। पुलिस ने मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त विष्णु निवासी थाना माधौगंज के ग्राम रुदामऊ को रेलवे स्टेशन मल्लावां के पास से गिरफ्तार किया। अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। कोतवाल अनिल कुमार सैनी ने बताया कि एक मामले में वांछित था। मुखबिर की सूचना पर उसे पुलिस ने रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर कार्यवाही की।

दबंग ने बुजुर्ग को रास्ते में रोककर पीटा, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद, हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम आगापुर में गली से जा रहे एक वृद्ध को दरवाजे के सामने रोककर पिता पुत्र ने मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु की है। क्षेत्र के ग्राम आगापुर निवासी मुंशीलाल 55 वर्ष ने बताया कि वह गांव में गली से होते हुए अपने घर जा रहा था। रास्ते में बदलू और उसके बेटे पीयूष ने रोककर गाली गलौज की। मना करने पर लात घूंसों और डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

दबंगों ने महिला को पीटा दीवार भी गिराई, केस दर्ज

कछौना, हरदोई। मामूली विवाद में दबंगों ने महिला से गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। उसकी दीवार भी गिरा दी। थाना कछौना क्षेत्र के ग्राम चांदामढ़िया निवासी कमला देवी ने गांव के ही आशाराम समेत 10 लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया है।

भूमि विवाद में घायल बच्ची की 13वें दिन मौत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। कब्जा किए गए खेत का बैनामा कराने से तिलमिलाए दबंगों ने घर में घुसकर हमला कर दिया था, जिसमें 4 साल की बच्ची पिटाई होने से बेहोश हो गई थी। शनिवार की सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए जांच शुरु कर दी है।

अतरौली थाने के सैयापुरवा निवासी मुकेश ने गांव में एक बीघा खेत खरीद कर उसका बैनामा करा लिया था। चूंकि उसी खेत पर दबंग मुन्नूलाल, मुनेन्द्र और मनीष का कब्जा है। बैनामा होने का पता चलने पर दबंगों ने 8 जुलाई को आरोपी मुकेश के घर में घुसे और उसकी पत्नी सीमा की पिटाई करने लगे। दबंगों ने उसकी 4 साल की बेटी जान्हवी को पीटकर घायल कर दिया। उसका इलाज कराया गया था, लेकिन घर आकर शनिवार की सुबह जान्हवी की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई होगी।

आधार संशोधन के नाम पर हो रही वसूली

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। आर्यावर्त बैंक में आधार में संशोधन का आरोप लगाया है। पीड़ित ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। कस्बे के मोहल्ला कटरा निवासी रेशू कश्यप ने बताया राशन कार्ड में यूनिट बढ़ाने के लिए बच्चे के आधार कार्ड में संशोधन ओर फिंगर प्रिंट सही कराना था। वह आर्यावर्त बैंक की बस स्टैंड शाखा पर महीने भर से चक्कर लगा रहा है। लेकिन वहां का कर्मचारी कुलदीप पांच सौ रुपए की मांग कर रहा है। एसडीएम ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

एसिड पीने से विवाहिता की मौत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। एसिड पीने से महिला की हालत बिगड़ गई। उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। इलाज के बाद वह घर चली गई। शनिवार की सुबह उसकी वहीं 24वें दिन मौत हो गई। पिता ने बेटी के ससुराल वालों पर आरोप लगाया है कि जबरन एसिड पिला दिया और फिर मेडिकल कालेज में भर्ती कराने के बाद भाग गए। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है, उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही आगे कुछ कहा जा सकता है।

कोतवाली देहात के दानियालगंज निवासी लालाराम ने बताया कि उसने 26 वर्षीय पुत्री राखी की शादी करीब 6 साल पहले कोतवाली शहर के बावन चुंगी आलू थोक के विपिन के साथ की थी। उसके दो बेटे व एक बेटी है। आरोप है कि फल का ठेला लगाने वाला विपिन सोने की चैन की मांग करते हुए राखी को आए दिन मारता-पीटता था। लालाराम ने आरोप लगाते हुए बताया कि 27 जून को पति विपिन, चचेरे ससुर छोटे भइया, चचेरी सास छोटी बिटिया, फूफा अनिल और बुआ सविता ने राखी को जबरन एसिड पिला दिया, हालत बिगड़ने पर मेडिकल कालेज में भर्ती कराने के बाद इस बात की उसे सूचना दी और फिर राखी को वहीं अकेला छोड़ कर भाग गए। वहां कुछ दिन इलाज चलने के बाद राखी को उसके मायके वाले घर उठा ले गए और घर में ही उसका इलाज करा रहे थे। जहां शनिवार की सुबह 24 वें दिन उसकी मायके में ही मौत हो गई। पुलिस ने पिता की तहरीर पर शव को अपने कब्जे में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया, उसका कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सार-संक्षेप

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मल्लावां, हरदोई, अमृत विचार। कस्बे के बंदीपुर में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को उतरवाकर जांच पड़ताल कर पंचायतनामा भरके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शनिवार को वंशीलाल यादव 40 वर्ष का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। परिवार के लोगों ने बताया कि वंशीलाल शराब के नशे का आदी था। हाल ही में गंगा एक्सप्रेस वे में जमीन आने के बाद मिले रूपये से अक्सर शराब पीकर पड़ा रहता था। शुक्रवार की रात्रि अपने कमरे में सोने चला गया जब सुबह बाहर नहीं निकला तो कमरे में देखा गया तो वह रस्सी से लटका हुआ था। कोतवाल अनिल सैनी पुलिस फोर्स के साथ जांच पड़ताल कर उच्च अधिकारियों को सूचना दी। सीओ सुनील शर्मा और फारेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। कोतवाल ने बताया कि मृतक शराब का आदी था, जिसके चलते फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली।

कबड्डी में हार जीत को लेकर मारपीट

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। एक मैरिज हाल के पीछे कबड्डी के खेल में हार जीत को लेकर दोनो पक्षों में मारपीट हुई। पुलिस ने पीड़ित के प्रार्थना पत्र पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। शाहाबाद के मोहल्ला दिलावरपुर निवासी कामिल पुत्र खुशनूद ने बताया वह रोज की भांति अपने भाई साजिद के साथ खलील मोहल्ले में मान मैरिज हॉल के पीछे मैदान में कबड्डी खेलने जाता है। खेल में हारजीत को लेकर विपक्षी फैसल पुत्र लियाकत निवासी खेड़ा बलाय कोट ने उसके भाई को गाली गलौज किया। गाली देने से मना करने पर विपक्षी ने अपने साथी इलमान और फैज के साथ मिलकर उसके भाई को मारपीट कर घायल कर दिया। प्रभारी निरीक्षक राजदेव मिश्रा ने बताया पीड़ित के प्रार्थना पत्र के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस जांच कर रही है।

शराब पीने गए युवक का खेत में पड़ा मिला शव

हरदोई, अमृत विचार। साथियों के साथ घर से शराब पीने निकले युवक का शव खेत में पड़ा मिला। इस बारे में कोई हत्या तो कोई हादसे में मौत होने की अटकलें लगा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे कुछ कहा जा सकता है। लोनार थाने के मनरखापुर निवासी पिंकू (40) शनिवार की सुबह साथी शरफू, सोनू और अनुज के साथ जमुनिया पुरवा शराब पीने गया था। उसी बीच पता चला कि पिंकू का शव गंगौली में राजेंद्र के खेत में पड़ा है। पिंकू की शादी नहीं हुई थी। तीन भाइयों में उसके एक भाई की पहले ही मौत हो चुकी थी। एसएचओ लोनार उमेश त्रिपाठी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस बारे में कुछ भी कहा जा सकता है।

बीच बचाव करने गये युवक पर धारदार हथियार से हमला

महमूदाबाद, सीतापुर, अमृत विचार। विवाद में बीच बचाव करने गये व्यक्ति पर कुछ लोगों ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। सूचना मिलने पर पीड़ित के पिता व जीजा मौके पर पहुंचे तो आसपास के दर्जनों लोगों ने उन पर हमला कर दिया। जिसमें तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया। महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के पवदेवरा चौबे निकट पचपर शिवाला के सामने एक लकड़ी से लदी ट्राली की टक्कर ऑटो से हो गई थी। ऐसे में रोड के किनारे दिनों ही वाहन चालकों में बहस हो रही थी। उसी दौरान बाइक से गुजर रहे अजीत वर्मा ने दोनों पक्षों को समझाना चाहा। तभी मौके पर मौजूद फारूक और रसीद ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया।

शुरू हुई फिल्म अब तक 70 की शूटिंग, लग रही भीड़

लहरपुर देहात सीतापुर, अमृत विचार। हिंदी फिल्म अब तक सत्तर की शूटिंग नगर के विभिन्न स्थानों पर प्रारंभ हो गई। अवध गंगा फिल्म के बैनर तले बन रही हिंदी फिल्म अब तक 70 जो कि देशद्रोहियों के विरुद्ध एसपी नवीन शेखावत की जंग पर आधारित है। इसमें अभिनेता संग्राम सिंह पटेल और अभिनेत्री शुम्बुल आसिफ नजर आएंगे। निर्देशक मोबिन वारसी ने बताया कि फिल्म की शूटिंग नगर के मजाशाह चौराहे, लहरपुर गेट सहित विभिन्न स्थानों पर की जा रही है।

प्रयोगात्मक मॉडल बनाकर छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

तालगांव सीतापुर, अमृत विचार। रेडियंस इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने कॉलेज प्रांगण में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया। जिसमें छात्रों ने विज्ञान के क्षेत्र में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान में तरह-तरह के प्रयोगात्मक मॉडल प्रस्तुत करके अपनी-अपनी प्रतिभा का सराहनीय प्रदर्शन किया।

गोवंश से टकराकर पलटी आरक्षी की निजी कार, दो घायल

महोली, सीतापुर, अमृत विचार। कोतवाली इलाके में आरक्षी की कार गोवंश से टकराकर पलअ गयी। गोवंश की मौत हो गई जबकि कार में सवार महिला और पुरुष आरक्षी गंभीर घायल हो गये। शुक्रवार की देर रात किशोरी से छेड़छाड़ की वारदात के बाद उच्चाधिकारियों के पहुंचने की सूचना पर पातावोझ पुलिस चौकी पर तैनात आरक्षी अंकित कुमार एक महिला आरक्षी कृतिका के साथ कोतवाली से उरदौली जा रहा था। बताया जाता है कि जब उसकी कार कस्बे में मेला मैदान के निकट पहुंची तभी एक छुट्टा गोवंश कार से टकरा गया। अन्य राहगीरों को बचाने एवं खुद को बचाने के फेर में अंकित ने कार को ब्रेक लगाई तो कार अनियंत्रित होकर पलट गई।

कार्ड बदल निकाले 12 हजार रुपये

संवाददाता, महमूदाबाद, सीतापुर

अमृत विचार। एटीएम से पैसा निकालने के दौरान युवक का दो अज्ञात लोगों ने झांसा देकर कार्ड बदल लिया और साढ़े12 हजार रूपये निकाल लिये। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है।

महमूदाबाद के नूरपुर के सफीउर्रहमान पुत्र हसन अली पैंतेपुर मार्ग स्थित पीएनबी की एटीएम मशीन में पैसा निकालने गया था। इस बीच वहां मौजूद दो अज्ञात लोगों ने किशोर को झांसा देकर उसका कार्ड बदल लिया और दो बार में साढ़े 12 हजार रुपए निकाल लिए। एटीएम बदलते हुए दोनों युवकों के चेहरे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। मोबाइल पर मैसेज पर आने पर किशोर को मामले की जानकारी हुई।

एटीएम के पास खड़े दो अज्ञात लोग।

पीड़ित ने इस संबंध में कोतवाली महमूदाबाद में तहरीर दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाल अनिल सिंह ने बताया कि जानकारी हुई है, सीसीटीवी फुटेज की मदद से मामले की जांच की जा रही है।

किशोरी के घर में घुसने वाले दबंग पर दर्ज हुआ मुकदमा

महोली/सीतापुर, अमृत विचार। कोतवाली इलाके में शुक्रवार को दिनदहाड़े एक दबंग के एक किशोरी के घर में घुस जाने और दरवाजा बंद कर अभद्रता किए जाने का मामला कई घंटे तक सुलह-समझौते की चादर ओढ़े रहा। लेकिन देर रात उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक ने पीड़ित परिजनों से बातचीत करने के बाद मामले में केस दर्ज कराया। शुक्रवार की दोपहर करीब दो बजे महोली कोतवाली क्षेत्र के गजपतीपुर गांव का वाहिद हाई-वे के किनारे बसे एक गांव में उस वक्त एक किशोरी के घर में घुस गया था। किशोरी के शोर मचाने पर वह अपने दोस्त के यहां चला गया था।

महामण्डलेश्वर स्वामी अभयानंद सरस्वती ने किया भूमि पूजन

रुद्र महायज्ञ

प्रभु नाम के संकीर्तन से धन्य होता है जीवन

संवाददाता, सिधौली, सीतापुर

अमृत विचार। संत समाज उप्र के अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी अभयानंद सरस्वती ने श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्री सीताराम संकीर्तन भवन का बुधवार को भूमि पूजन कर शिलान्यास किया।

श्री सिद्धेश्वर महादेव एवं राधाकृष्ण मंदिर के परिसर में चल रहे श्री रुद्र महायज्ञ के 9वें दिन स्वामी अभयानंद ने सत्संग में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभु नाम का संकीर्तन मनुष्य के जीवन को धन्य कर देता है। उन्होंने मंदिर की प्रबंध समिति और श्रद्धालुओं को संकीर्तन भवन बनाने के लिए साधुवाद दिया। संकीर्तन भवन के शिलान्यास का वैदिक अनुष्ठान वैदिक आचार्य उत्तम तिवारी, राजेन्द्र पाण्डेय, महेन्द्र नाथ पाण्डेय व शत्रुघ्न तिवारी के द्वारा सम्पन्न कराया गया। मंदिर प्रबन्धक स्वामी प्रकाशानन्द सरस्वती ने नगर के श्रद्धालु जन से मंदिर के विकास एवं समय-समय पर होने वाले आयोजनों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील करते हुए, कहा कि मंदिर हमारी सामूहिक धर्मसाधना के केन्द्र हैं। हमें उनके विकास के लिए, निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। इससे पूर्व स्वामी अभयानन्द सरस्वती का सिधौली आगमन पर श्री तुलसी मानस कथा सेवा संस्थान मिश्रिख रोड पर संस्थान ट्रस्ट के प्रबंध ट्रस्टी हरिकिंकर एवं वरिष्ठ ट्रस्टी जगत नारायण शुक्ल के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया।

भूमि पूजन करने जाते महामण्डलेश्वर स्वामी अभयानंद सरस्वती।

रोजगार सेवकों ने दिया धरना

रामपुर मथुरा, सीतापुर, अमृत विचार। मांगों को न मानने के संबंध में शनिवार के दिन रोजगार सेवक ब्लॉक कार्यालय के सामने धरना दिया। नेतृत्व ब्लॉक अध्यक्ष राम मुनेश्वर चौहान सहित बृजेश मिश्रा, सुनील कुमार, अजय कुमार, विनोद कुमार, कुमुद गुप्ता, शिवकुमार, प्रमोद कुमार, धर्मेंद्र कुमार, सुनीता गिरी उपस्थित रहे। रोजगार सेवकों ने तीन दिन पहले बीडीओ को मांग पत्र दिया था। बीडीओ संदीप कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि रोजगार सेवकों की कंटीन्जेंसी 8,47000 रुपये हुई थी जिसमें से 8,40,000 रुपये का भुगतान कर दिया गया है जिसकी जितनी कंटीजेंसी बनती थी उसको उस हिसाब से भुगतान कर दिया गया है।

अपने पड़ोसियों का ख्याल रखें मुसलमान : डॉ. मिर्जा

सदरपुर, सीतापुर

अमृत विचार। मोहर्रम की 12 तारीख को कस्बा सदरपुर किले में शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के जनरल सेक्रेटरी, प्रवक्ता डॉ. मिर्जा यासूब अब्बास ने किले के इमामबाड़े में मजलिस में खिताब फरमाया। कस्बा सदरपुर किले में 12 मोहर्रम की मरकजी मजलिस की शुरुआत लगभग 62 वर्ष पूर्व मरहूम नवाब याकूब हुसैन व उनके छोटे भाई मरहूम नवाब यूसुफ अली ने की थी। तब से अब तक परंपरागत उनके साहबजादे नवाब अली मुर्तजा हुसैन हर साल मजलिस करते हैं। शुक्रवार को इशा की नमाज के बाद मजलिस शुरू हुई। मजलिस की शुरुआत कुरान पाक की तिलावत से मौलाना इमरान ने किया। यासूब ने कहा कि मुसलमानों को चाहिए की अपने पड़ोसियों का ख्याल रखें और उनके साथ अच्छे इखलाक से पेश आएं।

डॉ. मिर्जा यासूब अब्बास।

एक नजर

करंट लगने से बच्चे की मौत

थानगांव, सीतापुर, अमृत विचार। शनिवार की सुबह घर के कमरे में खेल रहे एक बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। थानगांव (कटरा) निवासी पप्पू का एक वर्षीय पुत्र वाहिद हुसैन शनिवार सुबह कमरे में सो रहा था। घर के सभी लोग दरवाजे पर काम कर रहे थे इसी बीच बच्चे की नींद खुल गई और चारपाई से नीचे उतर कर खेलने लग गया। पास में प्लग लगा तार जमीन में पड़ा हुआ था। जैसे ही बच्चे का हाथ विद्युत कनेक्शन के तार पर लगा तो उसी दौरान उसे करंट लग गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

विद्यालय के किचन का ताला तोड़ हजारों की चोरी

इमलिया सुल्तानपुर, सीतापुर, अमृत विचार। कम्पोजिट विद्यालय चांदूपुर के किचन का ताला तोड़कर शुक्रवार की रात चोर वहां रखे 2 क्विंटल चावल, 1 क्विंटल गेहूं, 50 किलो आलू, 10 किलो प्याज, दो भट्ठी, 2 अग्निशमन सिलेंडर, 8 अग्निशमन बाल्टी, 250 लीटर की स्टील की टंकी, तराजू, बांट व लगभग 30 मीटर विद्युत केबिल उठा ले गए। अध्यापकों ने चोरी की तहरीर पुलिस को दी है।

व्यास ने बताया भागवत कथा का महात्म्य

लहरपुर देहात, सीतापुर, अमृत विचार। नवीनगर के शीतला देवी माता मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास अखिलेश महाराज ने श्रीमद् भागवत कथा के महात्म्य बताया।। कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा मामा कंस वध, माता देवकी, पिता वासुदेव से मिलन का प्रसंग सुनाया।

पौधे बड़े व गड्ढे छोटे देख राज्यपाल ने मंच से ही नेताओं और अफसरों को फटकारा

अव्यवस्था पर जतायी नाराजगी, कहा-मंत्री-अफसर फोटो खिंचवाने आए हैं, पता होता तो नहीं आती

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार। वृहद पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल होने आयीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पौधे बड़े और उनको रोपने के लिए छोटे गड्ढे देखकर नाराजगी जतायी। कार्यक्रम के दौरान अव्यवस्थाओं को देखकर उन्होंने मंच से ही अफसरों और मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। राज्यपाल ने कहा कि सेना के कार्यक्रम में भी ऐसी व्यवस्था आप लोग करेंगे, मुझे पहले पता होता तो मैं सीतापुर आती ही नहीं। राज्यपाल की नाराजगी के बाद कार्यक्रम में सन्नाटा छा गया। उन्होंने कहा कि मंत्री से लेकर विधायक तक सब फोटो खिंचवाने आये हैं। राज्यपाल ने इस दौरान सफेद चन्दन का पौधा लगाकर एक वृक्ष मां के नाम अभियान की शुरुआत की।

विकासखंड खैराबाद इलाके में प्लाट संख्या -178, मद्रास रेजीमेंट की भूमि पर जिला प्रशासन ने पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किया था। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पौधरोपण कर लाभार्थियों को किट वितरण की। पौधरोपण के उपरांत सम्बोधन के लिए मंच पर पहुंचीं राज्यपाल ने कहा कि मेरी आदत है जो अच्छा काम नहीं करता है उसको डांट लगाती हूं। उन्होंने कहा कि पेड़ों की रखवाली करना हम सबकी जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आप लोग इतने बड़े-बड़े पौधे लेकर आये है और उसको लगाने के लिए इतने छोटे गड्ढे खोदे गये हैं। ये लापरवाही है। वन विभाग ये काम करता है क्या उसको यह पता नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि अगर मुझे पता होता तो मै डेढ़ घंटे का सफर तय करके यहां बिलकुल नहीं आती। यहां मौजूद टीचर और बच्चे सब फोटो खिंचवाने के लिए आये हैं। उन्होंने कहा कि उनको भी नहीं पता है कि उनकी क्या जिम्मेदारी है सब मुझे भी फोटो के लिए बुला रहे हैं।

मंच से नाराजगी जतातीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

चंदन का पौधा लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत करतीं राज्यपाल।

आप लोगों को माफ नहीं करूंगी : राज्यपाल

अव्यवस्थाओं पर बिफरीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों को पौधरोपण के लिए प्रेरित करने की जरूरत थी। मां को याद करके पौधा लगाना था लेकिन यहां बच्चों को पता ही नहीं है कि पौधा कैसे लगाना है। उन्होंने कहा कि लापरवाही के चलते यहां कुछ नहीं हुआ, मै आप लोगों को माफ नहीं करूंगी। इतनी बड़ी लापरवाही मैंने कहीं नहीं देखी।

जिम्मेदार लोग फोटो खिंचवाने में मशगूल : राज्यपाल

मंच से नाराजगी व्यक्त करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि जो लोग मेरे पास कार्यक्रम से पहले आये थे, मैंने उन्हें बताया था कि कैसे पौधरोपण करना है। फिर भी ऐसा कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने कहा कि यहां पुलिस अफसर, प्रशासन और सेना सहित वन विभाग के अफसर और एनएसएस के स्वयंसेवक मौजूद हैं। मंत्री व विधायक भी उपस्थित हैं। राज्यपाल ने कहा कि आप लोगों की जिम्मेदारी थी। देखना चाहिए था कि कैसे काम हो रहा है। सेना की जमीन पर आयोजित कार्यक्रम में नेताओं और अफसरों ने बड़ी लापरवाही बरती है।

कार्यक्रम में ये लोग रहे मौजूद : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार होमगार्ड्स धर्मवीर प्रजापति, राज्यमंत्री वन पर्यावरण कृष्णपाल मलिक, विधायक सेवता ज्ञान तिवारी, विधायक महोली शशांक त्रिवेदी, विधायक महमूदाबाद आशा मौर्य, विधायक मिश्रिख रामकृष्ण भार्गव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रद्धा सागर, जिलाध्यक्ष भाजपा राजेश शुक्ला, जिलाधिकारी अभिषेक आनंद, पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा सहित वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

चकमा देकर पुलिस अभिरक्षा से भाग निकला प्रेमी युगल

पिसावां, सीतापुर

अमृत विचार। प्रेमिका के पिता द्वारा युवक पर केस दर्ज कराने से नाराज प्रेमी युगल ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां हालत सामान्य होने पर दोनों सिपाही को चकमा देकर पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गये।

पिसावां थानाक्षेत्र के कुतुबनगर चौकी क्षेत्र के एक गांव की 15 साल की किशोरी का कुतुबनगर निवासी युवक रवि (35) से प्रेम प्रसंग चल रहा है। गुरुवार शाम दोनो घर से फरार हो गये। लड़की के पिता ने शुक्रवार को थाने पर रवि के विरुद्ध केस दर्ज कराया। केस दर्ज होने की जानकारी पर प्रेमी युगल ने शनिवार सुबह कुतुबनगर बाजार के निकट जहर खा लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को पिसावां सीएचसी पर भर्ती कराया। जहां तीन घण्टे बाद दोनों की हालत सामान्य हुई। मौका पाते ही प्रेमी युगल ड्यूटी कर रहे सिपाही ताजेन्द्र कुमार राव को चकमा देकर फरार हो गया। इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह ने बताया सिपाही दोनों को सीएचसी देखने गया था, जब तक दरोगा बयान लेने जाते, दोनों भाग चुके थे।

कार्यालय उपजिलाधिकारी अमेठी, जनपद अमेठी

पत्रांक : 512 /र0का0–मत्स्य पा0 आ0/विज्ञप्ति/2024 दिनांक 16 जुलाई, 2024

उ0प्र0 राजस्व संहिता 2016 की धारा 61 के अन्तर्गत 0.202 हे0 से अधिक तथा 2.000 हे0 से कम तालाबों से कम तक के तालाबों का मत्स्य पालन के इच्छुक एवं पात्र व्यक्ति समय से उपस्थित होकर मत्स्य पालन आवंटन हेतु नीलामी की कार्यवाही में भाग लेने का कष्ट करें।

नीलामी स्थल– तहसील सभागार अमेठी समय प्रात : 11 :00 बजे से सायं 03 :00 बजे तक
नीलाम अधिकारी– तहसीलदार अमेठी

क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम का नाम	तालाब/पोखर का विवरण		नीलामी तिथि	नीलामी स्थल
			खसरा संख्या	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	6	7
1	भादर	खरगपुर	50	0.316	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
2	भादर	खरगपुर	215ख	0.248	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
3	भादर	खरगपुर	407मि	0.347	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
4	भादर	खौपुरगुरूदत्तगढ़	424ख	0.366	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
5	भादर	खौपुरगुरूदत्तगढ़	364	0.417	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
6	भादर	खौपुरगुरूदत्तगढ़	737ख	0.213	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
7	भादर	तिलकछुआ	115मि	0.269	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
8	भादर	आलमपुर	1864	0.94	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
9	भादर	आलमपुर	433	0.449	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
10	भादर	छीड़ा	669	0.506	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
11	भादर	छीड़ा	1070	1.226	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
12	भादर	सोनारीकला	841	1.543	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
13	भादर	सोनारीकला	1257मि	0.373	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
14	भादर	सोनारीकला	1257मि	0.765	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
15	भादर	सोनारीकला	1284	1.113	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
16	भादर	सोनारीकला	121	0.924	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
17	भादर	मोचवा (आसल)	925	0.822	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
18	भादर	मोचवा (आसल)	315	0.335	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
19	भादर	मोचवा (आसल)	757ख	0.278	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
20	भादर	रावतपुर	39	0.228	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
21	भादर	भदांव	214	0.215	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
22	भादर	भदांव	864	0.31	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
23	भादर	भदांव	528	0.205	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
24	भादर	गाजीपुर	298	0.529	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
25	भादर	गाजीपुर	149	0.486	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
26	भादर	परसौली	646ख	1.184	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
27	भादर	भादर	508ख	0.269	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
28	भादर	बिशुनदासपुर	153	0.992	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
29	भादर	बिशुनदासपुर	154	0.477	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
30	भादर	भागीपुर	1797ख	0.218	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
31	संग्रामपुर	उत्तरगांव	525	0.379	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
32	संग्रामपुर	मिश्रौली बड़गांव	684	0.875	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
33	संग्रामपुर	बदलापुर	229	0.405	05 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
34	भेंटुआ	उसका	370	0.442	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
35	भेंटुआ	उसका	503मि	0.505	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
36	भेंटुआ	कोरियानी	125ख	0.935	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
37	भेंटुआ	दलशाहपुर	420	0.777	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
38	भेंटुआ	दलशाहपुर	859ख	0.262	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
39	भेंटुआ	सुलतानपुर	155	0.252	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
40	भेंटुआ	सुलतानपुर	100क	0.41	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
41	भेंटुआ	पूरबद्वारा	79	0.944	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
42	भेंटुआ	पूरबद्वारा	772	1.227	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
43	भेंटुआ	पश्चिमद्वारा	890	0.29	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
44	भेंटुआ	पश्चिमद्वारा	777	0.344	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
45	भेंटुआ	धरईमाफी	920	0.695	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
46	भेंटुआ	धरईमाफी	392	0.286	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
47	भेंटुआ	भीमी	1533	0.304	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
48	भेंटुआ	पीपरपुर (अमेठी)	312ख	0.495	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
49	अमेठी	गड़ेरी	897मि	0.253	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
50	अमेठी	गड़ेरी	989मि	0.379	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
51	अमेठी	हथकिला	310	0.885	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
52	अमेठी	हथकिला	681	0.443	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
53	अमेठी	हथकिला	180	0.882	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
54	अमेठी	कटरा फूलकुंवर	695	1.012	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
55	अमेठी	बघवरिया	129क	0.332	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
56	अमेठी	बघवरिया	175	0.468	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
57	अमेठी	जंगलरामनगर	2521	0.348	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
58	अमेठी	जंगलरामनगर	2531	0.949	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
59	अमेठी	जंगलरामनगर	3377	0.210	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
60	अमेठी	हारीपुर	201	0.286	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
61	अमेठी	कुशीताली	362	0.33	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
62	अमेठी	उमापुरगानापट्टी	338	0.304	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
63	अमेठी	मोचवा (अमेठी)	108	0.672	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
64	अमेठी	त्रिलोकपुर (अमेठी)	782	0.691	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
65	अमेठी	मटियार बघौरा	207	0.215	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
66	अमेठी	पीथीपुर	383ख	0.782	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
67	अमेठी	अगहर	429	1.339	06 अगस्त, 2024	तहसील सभागार अमेठी
				37.17		

नीलामी प्रकिया में भाग लेने वाले की पात्रता एवं शर्ते :–
आवंटन हेतु पात्रता का वरीयता क्रम निम्नवत् है।

1. सम्बन्धित ग्राम पंचायत में निवास करने वाला मछुआ समुदाय का व्यक्ति।
2. ग्राम पंचायत में निवास करने वाला गरीबी रेखा से नीचे का अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग अथवा सामान्य श्रेणी का व्यक्ति।
3. सम्बन्धित न्याय पंचायत क्षेत्र में निवास करने वाला मछुआ समुदाय का व्यक्ति।
4. सम्बन्धित विकास खण्ड में निवास करने वाला मछुआ समुदाय का व्यक्ति।
5. उपरोक्त किसी पूर्ववर्ती खण्ड में उल्लिखित व्यक्ति पश्चातवर्ती खण्डों में उल्लिखित व्यक्तियों को अपवर्जित करते हुए ऐसे तालाबों का आवंटन पाने का हकदार होगें।

स्पष्टीकरण – इस नियम और नियम 56 के उद्देश्य के लिये मछुआ समुदाय के व्यक्ति का अर्थ होगा केवट, मल्लाह, निशाद, बिन्द, धीमर, कश्यप, बाधम, रैकवार, मांझी, गोडिया, कहार, तुरैहा अथवा तुराहा सुमदाय से सम्बन्धित ऐसा व्यक्ति अथवा अन्य कोई व्यक्ति, जो पराम्परागत रूप से मत्स्य पालन व्यवसाय में लगा हो।

6. यदि उप नियम–4 के अन्तर्गत तैयार की गयी पात्रता सूची में पात्र व्यक्ति एक से अधिक है तब मौके पर ही नीलामी करायी जायेगी, जिसमें केवल पात्रता सूची में उल्लिखित व्यक्ति प्रतिभाग कर सकेगें। यदि उपरोक्त पट्टा के लिये केवल एक व्यक्ति पात्र है तो पट्टा राज्य सरकार द्वारा समय पर नियत वार्षिक भाटक की धनराशि जो प्रति एकड़ 1000/– से कम और 2000/– से अधिक नहीं होगी, पर दिया जायेगा।
7. उ0प्र0राजस्व संहिता की धारा 189 व धारा 190 के उपबन्ध प्रत्येक नीलामी पर लागू होगें।
8. नीलामी में भाग लेने के लिए भाटक की धनराशि का 10 प्रतिशत नीलामी के समय जमा करना होगा।
9. नीलामी/आवंटन सम्पन्न होने के पश्चात नीलाम ग्रहीता को सर्वोच्च बोली की धनराशि जो वार्षिक लगान के रूप में तय होगी, उसे 10 वर्ष की निर्धारित वार्षिक लगान का 1/4 अंश की धनराशि तुरन्त जमा करना होगा।
10. नीलाम स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार उप जिलाधिकारी को है। अधोहस्ताक्षरी का निर्णय अन्तिम होगा।

UP – 217512 दिनांक : 18/07/2024
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

उप जिलाधिकारी, अमेठी
जनपद–अमेठी

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी : चेयरमैन

संवाददाता, लहरपुर, सीतापुर

अमृत विचार : वृहद पौधरोपण अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर पौधे रोपे गए। पालिका अध्यक्ष हाजी जावेद अहमद ने नगर के श्मशान घाटों व कब्रिस्तानों सहित अन्य स्थानों पर कई प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे रोपना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही पौधों का संरक्षण करना भी जरूरी है।

इस अवसर पर ईओ अनिरुद्ध कुमार पटेल, जेई मंशाराम, सभासद रहमत अली, शोएब, द्दोटा भैय्या, मोइन खां, उस्मान खां, हक नवाज सहित पालिकाकर्मी मौजूद रहे।

खण्ड विकास कार्यालय में ब्लाक प्रमुख उमाशंकर वर्मा एवं बीडीओ ने आम और सहजन के पौधे रोपे। प्राथमिक विद्यालय ईरापुर में प्रधान रामनरेश वर्मा ने पीपल व नीम के पौधे लगाये। खेमकरण इंटर कॉलेज परिसर में प्रबंधक घनश्याम लाल शुक्ला, आदर्श कैलाश नाथ इंटर कालेज मे राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने जामुन, पीपल व बरगद के पौधे लगाये। ब्लाक संसाधन केंद्र प्रांगण में बीईओ सिमी निगार ने फलदार पौधा रोपित किया।

पौधरोपण करते नगर पालिकाध्यक्ष हाजी जावेद अहमद। अमृत विचार

मनरेगा पार्क डफरा में पौधा लगाते बीडीओ।

पौधरोपण करते बीडीओ। अमृत विचार

इंस्टीट्यूट में पौधा लगाते पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ. अम्मार रिजवी।

ग्राम पंचायतों में रोपे गये पौधे

रामपुर मथुरा, अमृत विचार। ब्लॉक परिसर व डफरा मनरेगा पार्क में पौधरोपण किया गया। सीएचसी में अधीक्षक डॉ. सुशील कुमार वर्मा ने पौधरोपण किया। सुरजनपुर में प्रधान अमित कुमार ने पौधा रोपा। ग्राम पंचायतों में किसानों को पौधे वितरित कर पौधरोपण कराया गया। ब्लॉक संसाधन केंद्र में बीईओ उदयमणि पटेल द्वारा पौधरोपण किया गया।

ग्रामीणों ने ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

सांडा, अमृत विचार। सकरन ब्लाक की ग्राम पंचायतों, गौशालाओं, अमृत सरोवरों, व तालाबों के किनारे, खाली जमीन पर पौधरोपण किया गया। पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गयी। इस अवसर पर बीडीओ धर्मेन्द्र कुमार मौर्य, एडीओ पंचायत दिनेश कुमार यादव, एपीओ रवि सिंह के साथ ब्लॉक के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने लगाया पौधा

महमूदाबाद, अमृत विचार। मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट में प्रदेश के पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ. अम्मार रिजवी ने पौधा लगाया। उन्होंने संस्था के सभी शिक्षकों से भी अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

पेड़ से लटकता मिला ससुराल में रह रहे युवक का शव

इमलिया सुल्तानपुर, सीतापुर, अमृत विचार। ससुराल में रह रहे एक युवक का शव पेड़ से लटकता हुआ मिला। घटना की सूचना पाकर इमलिया सुल्तानपुर पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की।

इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के सेमरहन गांव निवासी महेंद्र का दामाद रंजीत पासी (30) पुत्र नत्थू लाल निवासी बेहड़ा थाना मितौली जनपद लखीमपुर अपनी ससुराल में रहकर कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के एक भट्ठे पर मजदूरी करता था। उसके साथ में उसकी पत्नी भी अपने मायके में ही रहती थी। शनिवार की सुबह रंजीत का शव ससुराल में ही एक पेड़ में दुपट्टे से लटकता हुआ मिला। घटना की सूचना इमलिया पुलिस को दी गई। सूचना पाकर एसएचओ इमलिया दयाशंकर मित्रा मौके पर पहुंचे। वहीं फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसएचओ दयाशंकर मित्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अभी तक परिजनों ने पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी है।

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए रोपे गए पौधे

संवाददाता, महमूदाबाद, सीतापुर

अमृत विचार : पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पौधरोपण अभियान के अंतर्गत क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पौधे रोपे गए।

नगर पालिका के रजुआपुर में एसडीएम शिखा शुक्ला, ईओ शैलेन्द्र दुबे ने पौधरोपण किया। इस दौरान शिक्षक संदीप, रामगोपाल आदि उपस्थित रहे। प्राथमिक विद्यालय बघाईन में एसडीएम द्वारा पौधरोपण किया। इस दौरान राजस्व निरीक्षक इमरान अहमद, लेखपाल ललितेश, गुफरान, सुशील गौड़, प्रधानाध्यापिका अर्चना वर्मा, टीम पहल के जिला प्रभारी उमेश वर्मा, प्रधान प्रेमचंद्र वर्मा, पवन कुमार, दीप्ति वर्मा, ऊषा वर्मा, राजेंद्र कुमार सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे, तो वहीं ब्लॉक महमूदाबाद की ग्राम पंचायत शाहपुर में सचिव बृजेश कुमार यादव के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया।

अमृत वन में बीडीओ ने लगाया पीपल का पौधा: तालगांव। विकासखंड परसेण्डी के ग्राम पंचायत इटारी में बने अमृत वन परिसर में बीडीओ धनंजय सिंह ने पीपल का पौधा लगाया। उन्होंने बताया कि ब्लॉक की समस्त 83 ग्राम पंचायतों में पौधे लगाए गए।। इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि संजय वर्मा पंचायत सचिव सुरेश वर्मा, नौशाद आदि थे।

विद्यालय में लगाए 200 पौधे : सेउता। किशोर इंटर कॉलेज में शिक्षकों व छात्र छात्राओं ने दो सौ पौधे लगाए। प्रधानाचार्य तेज नारायण शुक्ला ने बच्चों को पौधरोपण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह सरकार द्वारा चलाया गया सराहनीय अभियान है जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस मौके पर ज्ञान प्रकाश शुक्ला, सतीश गुप्ता, यदुवेन्द्र कुमार, विनय पाण्डेय सहित विद्यालय के सभी शिक्षक मौजूद रहे।

पौधा लगातीं एसडीएम शिखा शुक्ला।

पौधा लगाते बीडीओ धनंजय सिंह।

पौधरोपण करते शिक्षक व छात्राएं

स्वास्थ्य शिविर

निर्माणाधीन न्यायिक अधिकारी आवास में लगाये गये पौधे

बंदियों के स्वास्थ्य की हुई जांच

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार। जनपद न्यायाधीश मनोज कुमार तृतीय के निर्देश के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को जिला कारागार में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने किया।

शिविर में डा. बाल कृष्ण मिश्रा, दन्त रोग विशेषज्ञ व डा. संदीप शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं उनकी टीम ने बन्दियों की जांच की तथा इलाज किया। जेल में तैनात डा. पीयूष पाण्डेय व फार्मासिस्ट धीरेन्द्र श्रीवास्तव ने भी अपनी सेवा प्रदान की। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक सुरेश कुमार सिंह, संतोष रावत प्रभारी जेलर, डिप्टी जेलर, राजपाल, गुलजारी लाल, श्रीधर यादव, अली अदनान व अंजू शर्मा आदि मौजूद रहे। अपर जिला जज ने कारागार का साप्ताहिक निरीक्षण भी किया। इसके अतिरिक्त अपर जिला जज ने एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन भी किया। शिविर में कानूनों से सम्बन्धित जानकारी दी गयी। इसी क्रम में जनपद न्यायाधीश के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में निर्माणाधीन न्यायिक अधिकारी आवास जजेज कालोनी में पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश मनोज कुमार तृतीय व शकील उर्र रहमान, मोटर दावा अधिकरण, नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

पौधरोपण करते अपर जिला जज नरेंद्र नाथ त्रिपाठी व अन्य।

विद्यालय में रोपे गए दो दर्जन पौधे

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार। उच्च माध्यमिक विद्यालय जुआपुरवा मजरा सुमेर में वन महोत्सव के अंतर्गत पौधों का रोपण किया गया। तहसील क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय जुआ पुरवा मजरा सुमेर में वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत दो दर्जन पौधों को रोपण किया गया। इस मौके पर उपवन क्षेत्राधिकारी सुनील कुमार ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा लगाना जरूरी है। इस मौके पर जगत नारायण सिंह, सहायक अध्यापिका किरण वर्मा, प्रधान संगम, सुनील कुमार उप क्षेत्रीय वन अधिकारी, इंद्रबली वन रक्षक व राजकुमार वन दरोगा, रामखेलावन आदि थे।

बिल अदा न होने पर मरीज के रिश्तेदार की बाइक खड़ी करायी

लहरपुर देहात, सीतापुर, अमृत विचार। नगर क्षेत्र के एक निजी क्लीनिक ने इलाज के नाम पर मरीज को 49 हजार रुपये से अधिक का बिल थमा दिया बिल अदा न हो पाने पर डॉक्टर ने मरीज से मिलने आये रिश्तेदार की बाइक जबरन खड़ी करा ली। बाइक मालिक ने पुलिस को सूचना दी। लच्छन नगर निवासी मतीन ने शनिवार को पोर्टल पर मुख्यमंत्री से शिकायत की कि उसका भाई अतीक पीलिया से ग्रसित है। लहरपुर नगर क्षेत्र के एक निजी क्लीनिक में इलाज कराने गए थे। डॉक्टर ने उसे भर्ती कर लिया और इलाज का 49 हजार से अधिक का बिल थमा दिया। उसने 24 हजार रुपए डॉक्टर को दिए। गत गुरुवार को भांजा सुफियान खां अतीक को देखने आया तो डॉक्टर ने बताया कि मरीज अतीक जा चुका हैं। डॉक्टर ने मरीज पर बिल बकाया होने की बात कहकर सुफियान की बाइक खड़ी करा ली। इस सम्बंध में पुलिस को प्रार्थना पत्र देने पर सुफियान को बाइक वापस दे दी। मतीन ने आरोप लगाया है कि उसका भाई ठीक भी नहीं हुआ है और उक्त चिकित्सक उसे 25 हजार देने के लिए धमका रहा है।

एक नजर

बाइकों की टक्कर में दो लोग घायल

ऊंचाहार, रायबरेली, अमृत विचार। तेज रफ्तार दो बाइक सवारों में आमने सामने भिड़ंत हो गई। जिसमें दोनो बाइक सवार घायल हो गए है। उन्हे सीएचसी में भर्ती कराया गया हैं। क्षेत्र के गांव रामसांडा निवासी सदाशिव और अमन बाइक से जा रहे थे। ऊंचाहार कानपुर मार्ग पर रामसांडा गांव के मोड़ के पास दोनो बाइक सवारों में भिड़ंत हो गई, जिससे दोनो सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने दोनो घायलों को उठाया और उन्हे सीएचसी पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

युवक ने लूटी बालिका की आबरू, शिकायत

ऊंचाहार, रायबरेली, अमृत विचार। वासना में अंधे एक युवक ने घर में अकेली बालिका की आबरू लूट ली। मामला कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है। किसान खेत में काम करने गया था। घर में आठ वर्षीय बेटी अकेली थी, तभी गांव का एक युवक मौका पाकर घर में घुसकर बालिका को अपनी हवस का शिकार बना डाला। युवक ने बालिका को यदि किसी को बताया तो मार देंगे की धमकी दी। जब परिजन घर आये तो बालिका ने आपबीती सुनाई। लड़की का पिता युवक के घर पहुंचा तो युवक का बड़ा भाई पीड़िता के पिता से उलझ गया और उल्टा उसे ही धमकाने लगा। उसके बाद वह कोतवाली पहुंचा और मामले की तहरीर दी है। कोतवाल अनिल कुमार सिंह का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है।

दो बाइकों की टक्कर में तीन लोग घायल

बछरावां, रायबरेली, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ–प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर खैरहनी गांव के पास शनिवार की सुबह तकरीबन 7 बजे के आसपास दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंश द्वारा उन्हे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार जलकेश सिंह पुत्र नरसिंह सिंह (38) निवासी जयनगर उत्तराखंड अपनी पत्नी रामादेवी (35) निवासी उपरोक्त के साथ रायबरेली से लखनऊ की तरफ जा रहे थे, तभी खैरहनी गांव के पास सामने से आ रहे रमेश कुमार पुत्र शिवनंदन (48) निवासी खैरहनी थाना बछरावां की बाइक से आमने–सामने से टक्कर हो गई, जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए बछरावां सीएचसी पहुंचाया गया, जहां जलकेश की स्थिति को गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

न्यायालय के आदेश पर दुष्कर्म का मामला दर्ज

सलोन, रायबरेली, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में शौच के लिए गई युवती को अकेला पाकर गांव के ही समुदाय विशेष के युवक ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दे दिया। इज्जत बचा पाने में नाकामयाब युवती ने घर जाकर घटना की जानकारी अपने परिजनों की दी। दुष्कर्म पीड़िता को थाने लेकर पहुंचे परिजनों ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपित युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही करने मांग की। परंतु पुलिस ने मुकदमा नही दर्ज किया और आज कल करके मामले को टरकाते रहे। थाने से न्याय न मिलने से थक हार कर पीड़िता ने न्यायालय का सहारा लिया। न्यायल के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि न्यायलय के आदेश पर आरोपित युवक के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

एक माह बाद भी, मूल तैनाती पर नहीं पहुंचे सफाई कर्मी

गांवों में लगे गंदगी के अम्बार, ब्लॉकों में तैनात सफाईकर्मी रहते हैं गायब

संवाददाता, रायबरेली।

विकास भवन कार्यालय। अमृत विचार

> विभाग के जो कर्मचारी चुनाव कार्य में लगे थे, उन्हे वापस बुलाकर उनकी मूल तैनाती स्थल पर भेजा जाएगा, पत्र लिखा गया है।
> –सौम्य शील सिंह, डीपीआरओ

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के दौरान निर्वाचन कार्यालय में सहयोग के लिए कई सफाई कर्मियों को निर्वाचन कार्यालय में पंचायत विभाग द्वारा सम्बद्ध किया गया था। चुनाव प्रक्रिया के सम्पन्न हुए एक महीने से ज्यादा का वक्त गुजर गया है, लेकिन सफाई कर्मी अपनी मूल तैनाती पर वापस नहीं आये है। जिसकी वजह से गांवों में गंदगी के अम्बार लगे हुए है।

लोकसभा चुनाव के दौरान जिले के अलग-अलग ब्लॉकों में कार्यरत सफाई कर्मियों को चुनाव कार्यालय में डयूटी लगाई गई थी, क्योंकि निर्वाचन कार्यालय में कर्मचारियों की कमी है, जिसकी वजह से पंचायत राज विभाग के सफाई कर्मियों को हर बार सहयोग के लिए बुलाया जाता है। इस बार भी बड़ी संख्या में सफाई कर्मी लगे थे, लेकिन महीनो बीतने के बाद भी अभी तक वह मूल तैनाती में वापस नहीं लौटे है।

वहीं, ब्लॉकों में तैनात सफाईकर्मी भी आए दिन गावों से गायब रहते हैं। जिसकी वजह से गांवों की सफाई व्यवस्था भी बदहाल है। विभाग के कई ऐसे कर्मचारी है जो गांवों में काम करने से बचे रहने के लिए अपनी संबद्धता खत्म नहीं कराने के लिए भी अधिकारियों के आसपास बने रहते हैं। वैसे अब तो विभाग का भी निर्देश आ गया है कि सफाईकर्मियों से अन्य कोई काम न लिया जाए। लेकिन यह सरकारी आदेश कितना अमल में आ पाता है यह तो समय बताएगा। चुनाव बीतने के बाद भी विभाग ने अपने कर्मचारियों को अभी तक वापस नहीं बुलाया है।

दो बाइकों में भिड़ंत, एक की मौत व दो लोग घायल

महराजगंज, रायबरेली, अमृत विचार। दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में एक की मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने मृतक सहित घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर दोनों घायलों को गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना चिलौली नहर पुल की है।एक बाइक पर फुलवरिया जिला मोतिहारी बिहार का रहने वाला कन्हैया (35) जो की बाइक से फेरी कर कपड़े बेंचता है। दूसरी बाइक पर पखनपुर निवासी विजय प्रकाश व अशोक की चिलौली नहर पुल पर आमने-सामने से भिड़ंत हो गई, जिसमें विजय प्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई और अशोक व कन्हैया गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने तीनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने विजय प्रकाश को मृत घोषित कर दिया और दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना के घंटों बाद तक पुलिस दुर्घटनास्थल पर नही पहुंची जिससे लोगों आक्रोश है।

मारपीट में युवक की मौत, आरोपी फरार

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज किया केस, पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

संवाददाता, अटौरा, रायबरेली।

अमृत विचार। गुरुबख्शगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में रंजिशवश हुई मारपीट में एक युवक की जान चली गई। युवक की मौत के बाद गांव में हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों से सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

गुरुबख्शगंज क्षेत्र के अटौरा चौकी के सोईठा गांव निवासी कमलू पासवान (35) पुत्र कंधई पासवान का गांव के ही दीपक पुत्र दुर्गा प्रसाद से शुक्रवार की देर रात करीब 10 बजे किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते यह दोनों में मारपीट होने लगी। इस दौरान एकत्रित हुए आसपास के लोगों ने दोनों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया। तभी खुन्नस खाए दीपक ने मौका पाकर लकड़ी की एक मजबूत फंटी से कमलू के सिर पर वार कर दिया जिससे कमलू का सिर फट गया और घटनास्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना को अन्जाम देने के बाद दीपक मौके से फरार हो गया। युवक की मौत के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक नवीन कुमार सिंह ने लोगों से घटना की सम्पूर्ण जानकारी ली। इस संबंध में थानाध्यक्ष प्रवीर गौतम ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर फरार आरोपी दीपक की तलाश की जा रही है।

सड़क हादसे में घायल अधेड़ की मौत

ऊंचाहार, रायबरेली, अमृत विचार। दो दिन पूर्व सड़क दुर्घटना में घायल अधेड़ की घर पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। कमोली गांव निवासी हीरालाल (58) गुरुवार को साइकिल से बाबूगंज बाजार गया हुआ था, तभी बाइक की टक्कर से घायल हो गया था। परिजनों द्वारा सीएचसी ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां से हालत नाजुक होने पर लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। पर परिजन उसे लखनऊ ले जाने के बजाय घर लेकर चले गए। शनिवार सुबह घर पर ही उसकी मौत हो गई। कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, अग्रिम विधिक कार्यवाई की जा रही है।

खाकी की निष्क्रियता से अपराधियों के हौंसले बुलंद

संवाददाता, अटौरा, रायबरेली।

अमृत विचार। विगत दो दिनों में दो बड़ी घटनाओं के घटने से गुरुबक्शगंज थाना क्षेत्र के लोग सहमे हुये हैं। दुराचार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों को अन्जाम देने वाले फरार आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से दूर है जिसके चलते लोग पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं।

पहला जघन्य अपराध गुरुबक्शगंज थाने की अटौरा चौकी क्षेत्र के सुल्तानपुर खेड़ा गांव में गुरुवार की दोपहर तब हुआ जब एक 40 वर्षीय कामान्ध युवक ने एक 11 वर्षीय मासूम बच्ची को अपनी हवस का शिकार बना डाला। घटना की तहरीर मिलने के बाद पहले तो गुरुबक्शगंज पुलिस पूरे मामले को दबाने का प्रयास करती रही, लेकिन जब मामला हाईलाइट हुआ तो थोड़ी सी सक्रियता दिखाई लेकिन तब तक कुकृत्य करने वाला दुष्कर्मी गांव से फरार हो चुका था। जिसे पकड़ने के लिए पुलिस हाथ पैर तो खूब मार रही है लेकिन अब तक उसके हाथ खाली है। वहीं, दूसरी घटना शुक्रवार की रात क्षेत्र के पूरे मोती मजरे सोइठा में घटित हुई, जहां बर्थ-डे कार्यक्रम के दौरान किसी बात को लेकर कमलेश और दीपक में विवाद और मारपीट हो गई, जिसमें दीपक ने कमलेश की लकड़ी की फंटी से पीट-पीट कर हत्या कर दी और मौके फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लगातार दो दिनों में घटी दो बड़ी घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विभाग के मुखिया अभिषेक अग्रवाल ने शनिवार की सुबह पहले सुल्तानपुर खेड़ा गांव में घटनास्थल का निरीक्षण किया और फिर पूरे मोती पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक मौत, साथी घायल

संवाददाता, सतांव, रायबरेली।

अमृत विचार। शनिवार की अपराह्न गुरुबख्शगंज–रायबरेली मार्ग पर स्थित आशाराम का पुरवा गांव के समीप एक अज्ञात वाहन मोटर साइकिल सवार युवकों को टक्कर मारकर फरार हो गया। इस घटना में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका साथी गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए सीएचसी जतुआ टप्पा पहुंचाया और मृत युवक के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामें की कार्यवाही के उपरान्त पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार अजीत (35) पुत्र शम्भू भारती निवासी पतोरा थाना काकोरी, लखनऊ व राजन धानू (30) पुत्र संतोष कुमार निवासी अमौसी एयरपोर्ट, लखनऊ उक्त दोनों लोग गुरुबख्शगंज से लाल साहब का पुरवा मजरे हाजीपुर थाना गुरुबक्सगंज जा रहे थे। दोनों जैसे ही आसाराम का पुरवा मोड़ के पास पहुंचे तो कोई अज्ञात वाहन टक्कर मार कर मौके से फरार हो गया। इस घटना में अजीत की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई व राजन गम्भीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची गुरुबख्शगंज थाना पुलिस ने घायल राजन को इलाज के लिए तत्काल सीएचसी जतुआ टप्पा भिजवाया और मृतक अजीत के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामें की कार्यवाही के उपरान्त पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राइमरी विद्यालय में हुए जलभराव से बच्चों की शिक्षा पर संकट

प्राथमिक विद्यालय भूपगंज में भरे पानी में खेलते बच्चे। अमृत विचार

संवाददाता, सरेनी, रायबरेली।

अमृत विचार। प्राथमिक विद्यालय भूपगंज बारिश के पानी से छपाछप घिरा हुआ है। स्कूल परिसर में जलभराव होने से नन्हे-मुन्ने बच्चे में इसमें प्रतिदिन गिरकर चोटिल हो रहे हैं। मजे की बात तो यह है कि बच्चे इस पानी में कागज की नाव बनाकर मौज-मस्ती भी कर रहे हैं। बाउंड्री न होने से भूपगंज बाजार के दुकानदार अपने दरवाजे का कूड़ा करकट भी वहीं फेंक रहे हैं जिससे गंदगी व सड़ांध से शिक्षक व बच्चे परेशान हैं। प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिकायत पर प्रधान ने इसकी सूचना खंड विकास अधिकारी को दी, लेकिन आज तक विद्यालय में व्याप्त इस समस्या का समाधान नहीं कराया जा सका।

मतदाता ही लोकतंत्र की रीढ़

लालगंज, रायबरेली, अमृत विचार। सरेनी विधानसभा क्षेत्र के लालगंज विकासखंड सभागार में मतदाता अभिनंदन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए जिला अध्यक्ष बुद्धीलाल पासी ने जहां मतदाताओं का अभिनंदन किया। वहीं, मतदाताओं को कांग्रेस के झूठे प्रलोभन से होशियार रहने के लिए भी प्रेरित किया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि मोदी व योगी सरकार ही राष्ट्र और जनता का भला कर सकती है। उन्होंने कहा कि मतदाता ही लोकतंत्र को मजबूत बना सकता है और मतदाता ही लोकतंत्र की रीढ़ है। पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडे ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने सदैव जमीनी स्तर पर बिना किसी लोभ के काम किया है। संचालन विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला ने किया और आभार प्रदर्शन मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी ने किया। इस मौके पर भाजपा नेता पुष्पेंद्र सिंह, आनंद रस्तोगी, मुकेश श्रीवास्तव, शिवेंद्र सिंह, जगन्नाथ पांडे, दिवाकर मिश्रा, सुरेंद्र गुप्ता, कैलाश बाजपेई, ब्रह्मेंद्र विक्रम सिंह, राजन अवस्थी, सतीश पटवा, संतोष सिंह, दिनेश दीक्षित, सुनील मिश्रा, रिंकू बाजपेई, राजेश निर्मल, बीके सिंह, नवल मौर्य, बबलू पांडे, आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

बेटों ने एम्स को सौंपा पिता का शव

संवाददाता, रायबरेली।

एम्स में परिजनों को प्रमाण पत्र देते एम्स के चिकित्सक। इनसेट में पिता शिव कुमार (फाइल फोटो)।

अमृत विचार। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स मुंशीगंज को संस्था युग दधीचि देहदान अभियान के तहत शनिवार को एक और देहदानी का शरीर सौंपा गया। संस्था प्रमुख मनोज सेंगर ने बताया कि पट्टी रहस केथवल ऊंचाहार निवासी 71 वर्षीय देहदानी शिवकुमार ने 2012 मे संकल्प पत्र भरा था। पेशे से शिक्षक रहे देहदानी का शनिवार को एम्स मुंशीगंज मे निधन हो गया।

बड़े पुत्र प्रकाश कुमार ने संस्था प्रमुख को जानकारी देते हुए पिता कि इच्छा पूरा करने की बात कही। संस्था प्रमुख सेंगर ने महासचिव माधवी सेंगर से परामर्श कर एम्स के शरीर संरचना विभाग प्रमुख डॉ. रजतशुभ्र दास से संपर्क कर देहदान की तैयारी करने को कहा। वहीं, धार्मिक रीति रिवाज से सभी कार्य पूरा कर देहदानी की देह लेकर वापस एम्स पहुंचे, जहां पर शरीर संरचना विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रजत शुभ्र दास ने अपने सहयोगियों के साथ देह को सम्मान सहित स्वीकार किया। संस्था प्रमुख ने कहा कि संस्था युग दधीचि देहदान अभियान द्वारा यह 7वीं देह एम्स मुंशीगंज को दान कराई गई है। एम्स को 7वीं और प्रदेश में 282वीं देह चिकित्सा जगत को समर्पित की गई है। संस्था के माध्यम से 3500 से अधिक लोगों ने अपने देहदान के शपथ पत्र भर कर सौंपे चुके हैं। अभियान में सभी धर्मों के लोग शामिल हैं। महिलाओं की भागीदारी 40 प्रतिशत से अधिक है।

संस्था ने युग दाधीच देहदान अभियान के तहत 7वां शव एम्स को मिला

माधवी सेंगर ने बताया कि अब हमारा तंत्र पूरे देश में कार्य कर रहा है। हम कश्मीर से कन्याकुमारी तक कहीं भी देहदान कराने में सक्षम हैं। देहदानी के छोटे बेटे डॉ प्रभात कुमार के साथ सभी परिजन व अन्य लोग मौजूद रहे। निदेशक प्रो. डॉ. अरविंद राजवंशी ने देहदानी दिवंगत शिवकुमार को आधुनिक युग का दधीचि बताते हुए संस्था का आभार व्यक्त किया। दिवंगत देहदानी के पुत्र प्रकाश कुमार ने देहदान अभियान प्रमुख मनोज सेंगर व डा रजत शुभ्रा दास का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूज्य पिताजी के संकल्प को पूरा कर संतोष का अनुभव हो रहा है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं अरबाज उल्ला वयस्क पुत्र इशरत उल्ला निवासी म0नं0 281 मीरपुर कैण्ट थाना रेलबाजार, कानपुर नगर अपनी पत्नी रिजवाना पुत्री स्व0 मुनचुन निवासी मो0 जुगियाना चौबेपुर कानपुर नगर को अपने पूर्ण होशो हवास में दिनांक 29–06–2024 को प्रथम तुहर गे तलाक दे रहा हूं। आज से आप व मेरे मध्य कोई भी पति पत्नी का सम्बंध नही रह गया है। इस सम्बंध में मेरे द्वारा आपको एक नोटिस दि0 29–6–2024 प्रेषित किया था जिसे आपने लेने से इन्कार कर दिया।

सूचना

सूचित हो कि मेरे परिवहन विभाग के अभिलेखों (ड्राईवर लाइसेंस) में मेरा नाम गौरीशंकर सैनी दर्ज है। जबकि मेरा सही नाम गौरीशंकर है। मुझे दोनों नामों से जाना पहचाना जाता है। **गौरीशंकर पुत्र किशुन लाल नि0– सिकन्दरपुरा, राठ हमीरपुर (उ0प्र0)**

सूचना

मेरा बड़ा पुत्र शिवप्रकाश उर्फ बड़कू अपनी शादी के बाद से ही मुझसे अलग रह रहा है मुझसे और मेरी पत्नी से बदसलूकी करता है। मेरे परिवार का उससे किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं है। मैने पूरे होशो हवास में उसे अपने परिवार से अलग करते हुए संबंध विच्छेद कर चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। मेरे जीते जी या मृत्यु के बाद मेरी संपत्ति में उसे कोई अधिकार नहीं होगा। **राम नारायन पिता छवि राम, कामिनी देवी पत्नी राम नारायन, निवासी मुहल्ला सिद्धार्थपुरी, तहसील व थाना जसवन्तनगर, जिला–इटावा**

सूचना

पहले मेरा नाम LACHHMAN SINGH था अब मैंने बदलकर अपना नाम LACHHMAN SINGH PANWAR रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जायेगा। S/O: RANBIR SINGH R/O-101 A ARIF APARTMENT, NEW HYDERABAD

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम GOVIND था अब मैंने बदलकर अपना नाम GOVIND PRASAD रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जायेगा। S/O: KESHARI PRASAD, R/O- 215, KUDIYARA RAJUPUR KOTA, POST AND PS KURWAR, Sultanpur

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम SANTOSH था अब मैंने बदलकर अपना नाम SANTOSH KORI रख लिया है भविष्या में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जायेगा। S/O: JAGARNATH R/O- VILL- BHANDAR, POST-PARASRAMPUR, Sultanpur- 228155

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पंजीकृत फर्म मेसर्स लकी ट्रेडर्स, विवेक नगर, सुलतानपुर उ0प्र0 कि साझीदार से अशोक कुमार सिंह पुत्र स्व0 राम कुमार सिंह निवासी विवेक नगर, सुलतानपुर पृथक हो गये है। इनका फर्म से कोई लेना देना, सरोकार व बकाया नहीं है। **साझीदार – राम बहादुर सिंह**

सूचना

सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि मैने अपने बेटे नेब्बू लाल के नाम से LIC की पालिसी ली थी, जिसका पा. नं 236630558 है, मेरे बेटे के समस्त दस्तावेजों में वीरेंद्र कुमार पुत्र रामू सोनकर अंकित है। अत: दोनों नाम नेब्बू लाल उर्फ वीरेंद्र कुमार है। अब मेरे बेटे को वीरेंद्र कुमार के नाम से जाना पहचाना जाए। **रामू निवासी– ग्राम भुड़कुड़ा, पो. रुपईडीह, जिला गोंडा।**

सूचना

सूचित हो कि मैने अपना नाम प्रियंका देवी से बदलकर प्रियंका कुमारी कर लिया है मेरे आर्मी कागजात संख्या 15817408HL/NKDMT में प्रियंका देवी दर्ज है उपरोक्त दोनों नाम एक ही महिला के हैं। **प्रियंका कुमारी पत्नी संजीव कुमार सिंह, निवासी–ग्राम बसही, जिला– छपरा चक हाफिज सारण बिहार, 841206**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल प्रमणपत्र–सह अंकपत्र यूपी बोर्ड द्वारा निर्गत वर्ष 2019 का जिसका रोल नंबर 1842648 है और इंटरमीडिएट प्रमणपत्र–सह अंकपत्र यूपी बोर्ड द्वारा निर्गत वर्ष 2021 का जिसका रोल नंबर 216497174 वास्तव में कही खो गया है। **– रूबी शर्मा पुत्री वीरेंद्र कुमार निवासी– ग्राम मोहम्मदाबाद, पो. किशुनदासपुर, कादीपुर, सुलतानपुर**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम DINESH था अब मैंने बदलकर अपना नाम DINESH NISHAD रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जायेगा। S/O: RAM NIHOR, R/O- VILL BADARUDDINPUR, MISIRPUR, POST- LAMBHUA, Sultanpur, 222302

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम AJEET GANDHI था अब मैंने बदलकर अपना नाम AJEET SINGH रख लिया है भविष्या में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जायेगा। S/O: LATE SATYA PAL, R/O- MIG 13 LDA COLONY AISHBAGH RAJENDRA NAGAR, LUCKNOW

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र सोनू पाल को उसकी आवारागर्दी एवं गलत चाल–चलन के कारण अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया हूं। उसके किसी भी कृत कार्य, लेन देन से मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। – **ननकू पाल पुत्र राम नरेश पाल, निवासी–ग्राम, दमोदरा (सुकाली का पुरवा) पोस्ट–ढेका पखनपुर, परगना बरौंसा, तहसील जयसिंहपुर जनपद सुल्तानपुर**

सूचना

सूचित हो कि मैं अपने पुत्र शहनवाज को उसके गलत आचरण के चलते अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं भविष्य में उसके द्वारा किए गए कृत्य का वह स्वयं उत्तरदाई होगा। मेरे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई वास्तव सरोकार नहीं रहेगा। **–मोहम्मद सकिर पुत्र नजरुद्दीन, निवासी–मोहल्ला बुखारी टोला, कस्बा व थाना खीरी, जिला– खीरी**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0 नि0 वि0, लखनऊ

सं0– 5542/ई–टेण्डर/2024–25 दिनांक : 15–07–2024

अल्पकालिक निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में मार्ग कार्य हेतु रजिस्टर्ड श्रेणी – ''ए'', ''बी'', ''सी'', ''डी'' के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्राप्त करने नियमों से अवगत हो लें।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	आंकलित धनराशि (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा शुल्क प्रपत्र का मूल्य + स्टेशनरी + जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	कार्य सम्पादन हेतु अधिशासी अभि0 का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभि0 का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	लखनऊ	लखनऊ–बिजनौर मार्ग पर पैच मरम्मत का कार्य।	20.10	2.01	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
2	लखनऊ	लखनऊ–कानपुर मार्ग से हरदोई मार्ग एवं हरदोई मार्ग से सीतापुर मार्ग सर्विस लेन (बॉयी तरफ) पर पैच मरम्मत का कार्य।	21.70	2.17	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
3	लखनऊ	लखनऊ–कानपुर मार्ग से हरदोई मार्ग एवं हरदोई मार्ग से सीतापुर मार्ग सर्विस लेन (दॉयी तरफ) पर पैच मरम्मत का कार्य।	22.20	2.22	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
4	लखनऊ	मोहान मार्ग पुल चौराहा से हरदोई रिंग मार्ग तक लखनऊ शाखा पर आगरा एक्सप्रेस वे 04 लेन कैनाल मार्ग पर डिवाईडर की मरम्मत एवं इण्टर लाकिंग टाईल्स लगाने का कार्य।	19.60	1.96	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
5	लखनऊ	गीतापल्ली क्षेत्र में ड्रेन की मरम्मत एवं इण्टर लाकिंग टाईल्स लगाने का कार्य।	16.90	1.69	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
6	लखनऊ	गीतापल्ली क्षेत्र में ड्रेन की मरम्मत एवं इण्टर लाकिंग टाईल्स लगाने का कार्य।	16.00	1.60	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
7	लखनऊ	गीतापल्ली क्षेत्र में पैच मरम्मत का कार्य।	14.50	1.45	रू0 225.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 856.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
8	लखनऊ	लखनऊ–कुर्सी मार्ग – मामा चौराहे से केन्द्रीय विद्यालय होते हुये रिंग मार्ग के रोड रेस्टोरेशन का कार्य।	23.40	2.34	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
9	लखनऊ	बी0के0टी0 तहसील कैम्पस में 02 नं0 टॉयलेट बनाने का कार्य।	4.40	0.44	रू0 150.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 767.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
10	लखनऊ	लखनऊ–बिजनौर मार्ग के किमी0 5 से 8 में मार्ग मरम्मत का कार्य।	6.30	0.63	रू0 225.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 856.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
11	लखनऊ	कानपुर मार्ग से हरदोई मार्ग एवं हरदोई मार्ग से सीतापुर मार्ग (रिंग मार्ग) के किमी0 8 व 9 में मार्ग मरम्मत का कार्य।	1.70	0.17	रू0 75.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 679.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
12	लखनऊ	लखनऊ–बिजनौर मार्ग के किमी0 5 (अम्बेडकर विश्वविद्यालय से मिलेनियम स्कूल मार्ग) में मार्ग मरम्मत का कार्य।	2.50	0.25	रू0 150.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 767.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ

➢ बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगाई गयी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुये लगाई गयी है।

➢ कोविड–19 के संक्रमण को रोकने के सभी उपाय अपनाते हुए ही समस्त कार्य सम्पादित किये जायेंगे।

निविदा आनलाइन दिनांक 22.07.2024 की अपरान्ह 12:00 बजे से दिनांक 27.07.2024 की अपरान्ह् 12:00 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 27.07.2024 की अपरान्ह् 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 27.07.2024 को अपरान्ह् 12:30 बजे खोली जायेगीं। शासनादेश सं0– 1/2018/3070/78–2–2018/42 आई0टी0/2017 (22) दि0 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्ते http//etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

UP – 217499 दिनांक : 18/07/2024
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(इं0 मनीष वर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ
For on behalf of Governor of UP

संस्कृतिः हमारे समाज का मूल

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उ.प्र.

समाज के गठन की मूल इकाई परिवार है। इस परिवार में पति और पत्नी परस्पर एक दूसरे की प्रसन्नता के लिए काम करते हैं। वैदिक साहित्य में पत्नी को घर का सम्राट बताया गया है। घर की प्रीति प्राचीन काल में सबको खींचती थी। घर का मतलब ही है, जहां बार-बार लौटने का मन करे वह घर है।

संस्कृति समाज का मूल होती है। संस्कृति और सभ्यता का विकास मनुष्य के अपने प्रयत्नों का परिणाम है, लेकिन पीछे कुछेक वर्षों में आधुनिकता के नाम पर सुस्थापित जीवन मूल्यों को कमतर देखा जा रहा है। भारत में प्रचलित आधुनिक सभ्यता पश्चिमी देशों की जीवनशैली की नकल है। शब्द आधुनिकता कालबोधक है। इतिहास के सम्यक अध्ययन के लिए काल विभाजन जरूरी होता है। जैसे प्राचीन काल, मध्यकाल और आधुनिक काल। यह विभाजन सामान्य है। इसके पहले प्रागैतिहासिक काल भी है। इसी तरह वैदिक काल और उत्तर वैदिक काल जैसे विभाजन भी हैं। आधुनिक काल स्थिर इकाई नहीं है। आधुनिक काल विदा होता रहता है और मध्यकाल में समाता रहता है। भारत का आधुनिक काल भारत के ही मध्यकाल का विस्तार है। इसी तरह मध्यकाल भी। वैदिक काल व प्रागैतिहासिक काल मध्यकाल में प्रकट होते हैं। जीवन विकास के प्रारंभिक चरण से लेकर आधुनिक काल तक समाज में बड़े परिवर्तन आए हैं।

संप्रति हम लोग भारत के आधुनिक काल में सक्रिय हैं। हमारी अनुभूति, सामाजिक मूल्य, जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण और सोच विचार में पूर्ववर्ती सामाजिक मूल्यों की ही पुनर्प्रतिष्ठा है। आज का समाज बीते काल के समाज का विस्तार है। भारत की आधुनिकता हमारी प्राचीनता का ही प्रसाद है। पश्चिमी देशों ने भारत के प्राचीन समाज के मूल्यों को अपमानित करने का प्रयास किया है। ऋग्वेद के रचनाकाल के पहले यहां सबको आनंदित करने वाली विश्ववरेण्य संस्कृति थी। तब से लेकर आधुनिक काल तक यहां लगातार सांस्कृतिक निरंतरता है। भारत की आधुनिकता इसी सांस्कृतिक निरंतरता का परिणाम होनी चाहिए।

संस्कृति और सभ्यता जाग्रत मनुष्यों के कर्मतप का विकास है। संस्कृतियां कभी-कभी व्यापक रूप में दूसरे समाज को भी प्रभावित करती हैं और प्रभावित होती भी हैं। भारतीय संस्कृति में विश्व को एक परिवार जानने और तद्नुसार व्यवहार और आचरण करने की प्रकृति है। संस्कृति में विश्व के सभी प्राणियों का लोकमंगल आराध्य है। इसलिए भारतीय संस्कृति का प्रभाव दुनिया के अनेक देशों पर पड़ा। भारतीय संस्कृति का प्रवाह नेपाल, भूटान, श्रीलंका, कंबोडिया, चंपा और मलेशिया तक व्यापक था। इंडोनेशिया दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश है। इंडोनेशियाई आज भी भारतीय संस्कृति के प्रति अनुरागी हैं। जापान, कोरिया, मंगोलिया, साइबेरिया, इंग्लैंड, आयरलैंड, मिस्र और ऑस्ट्रेलिया जैसे राज्य भारतीय संस्कृति के प्रशंसक रहे। दक्षिण अफ्रीका, फिजी, मॉरीशस, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद आदि देश इस प्रभाव के साक्षी हैं। भारतीय संस्कृति का अध्ययन राष्ट्र राज्य की सीमाओं से बंधकर नहीं किया जा सकता। संस्कृति विचारधारा से नहीं बनती। अरस्तू, प्लेटो और अलेक्जेंडर का ग्रीक राष्ट्र कहां है? ग्रीक में दर्शन था। सुंदर विचार पद्धति थी। योग्यता थी, लेकिन सांस्कृतिक राष्ट्रभाव नहीं था। रूस के साथ भी यही बात लागू है। रूस एक राज्य था। जार गया। राज्यव्यवस्था कम्युनिस्ट हो गई। सांस्कृतिक राष्ट्रभाव नहीं था। सोवियत रूस बिखर गया। रूस बचा है। चीन में दार्शनिक समृद्धि थी। 'ताओ ते चिंग' जैसा दार्शनिक ग्रंथ लाओत्सु ने लिखा था। कम्युनिस्ट राज्यव्यवस्था के कारण चीन राष्ट्र नहीं बन सका। कम्युनिस्ट पंथ के जन्मदाता कार्ल मार्क्स ने दुनिया के सामने अपना विशेष दृष्टिकोण रखा था। उन्हीं मार्क्स ने भारत को यूरोपीय मूल्य की भाषाओं और पंथों का जन्म स्थान मानते हुए 1853 में लिखा था, "हम निश्चयपूर्वक न्यूनाधिक सुदूर अवधि में उस महान और दिलचस्प देश को पुनर्जीवित होते देखने की आशा कर सकते हैं"। जहां के सज्जन निवासी राजकुमार सालितकोव के शब्दों में, ''इटालियन लोगों से अधिक चतुर और कुशल हैं। यहां के निवासियों की अधीनता भी एक शांत गरिमा से संतुलित रहती है और जिन्होंने अपने सहज आलस्य के बावजूद अंग्रेज अफसरों को अपनी वीरता से चकित कर दिया। इस सज्जन निवासियों का देश हमारी भाषाओं और हमारे धर्म का उद्गम है और जहां पर प्राचीन जर्मन का स्वरूप जाट में और प्राचीन यूनानियों का स्वरूप ब्राह्मण में प्रतिबिंबित है।" (मार्क्सः एंजेल्स-द फर्स्ट इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस-पृष्ठ 37) मार्क्स जैसे चिंतक ने भारत की प्रशंसा की थी और अपने पंथों का स्रोत बताया था, उसी भारत में पश्चिमी देशों की सभ्यता आधुनिकता के बहाने समाज की गुणवत्ता समाप्त कर रही है। संप्रति भारत के लोगों में आधुनिक हो जाने की जल्दबाजी है।

समाज के गठन की मूल इकाई परिवार है। इस परिवार में पति और पत्नी परस्पर एक दूसरे की प्रसन्नता के लिए काम करते हैं। वैदिक साहित्य में पत्नी को घर का सम्राट बताया गया है। घर की प्रीति प्राचीन काल में सबको खींचती थी। घर का मतलब ही है, जहां बार-बार लौटने का मन करे वह घर है। परिवार के सभी जन परस्पर प्रेम करते हैं और अपना घर का काम भी मिलजुल कर करते हैं। पति-पत्नी का साहचर्य अद्भुत है। ऋग्वेद में बताते हैं कि पति और पत्नी मिलकर सोमरस तैयार करते हैं। पति और पत्नी मिलकर अपने घर भद्र जनों को निमंत्रण देते हैं। पति और पत्नी अलग-अलग नहीं हैं। दोनों मिलकर एक हैं। भारतीय परंपरा में दोनों के जोड़े को मिलाकर दंपति कहा गया है। दंपति में स्त्री पुरुष दोनों समाहित हैं। दो को एक देखने की दृष्टि दांपत्य में है। दांपत्य जैसा शब्द दुनिया की किसी भाषा में नहीं है। वेदों में भी धरती और आकाश के लिए मिलाजुला एक शब्द है 'रोदसी'। ऋग्वेद में बताते हैं, "धरती और आकाश पहले मिले हुए थे और एक थे। मरुदगणों ने धरती और आकाश को अलग कर दिया।" विशेष संस्कृति के कारण भारतीय विवाह स्थाई रहते हैं। वैवाहिक संबंध टूटने की ज्यादातर घटनाएं पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव में हुई हैं और होती हैं। विदेशी सभ्यता के प्रभाव में बिना विवाह के स्त्री पुरुष को साथ-साथ रहना है। अंग्रेजी भाषांतर में इसे 'लिव इन' कहा गया। 'लिव इन' भारतीय धारणा नहीं है। 'लिव इन' विदेशी उधार की आधुनिकता का परिणाम है। तरुणाई में ऊर्जा का अतिरेक होता है। अनुभव कम होते हैं। इसलिए 'लिव इन' की घटनाएं होती हैं। 'लिव इन' टूटता है। स्त्री और पुरुष दोनों ठगे-ठगे रह जाते हैं।

भारत में विवाह के समय अग्नि के सात चक्कर लगाना अनिवार्य किया गया है। भारत की विवाह पद्धति, पारिवारिक नेह और स्नेह, घर चलाने का अनूठा संविधान है। इसे पश्चिमी सभ्यता के हमले से बचाना चाहिए। ऋग्वेद में सूर्य पुत्री सूर्या के विवाह का वर्णन है। बताते हैं कि गांव नगर के सभी वरिष्ठ बहू के स्वागत के लिए एकत्रित होते हैं। वरिष्ठ जनों के आशीष का भाव बहू पर पड़ने लायक है। ऋषि कहते हैं कि यह बहू पूरे परिवार के सुख का कारण बने। सास ससुर की सेवा करें। सब पर नियंत्रण करें। घर में इसी बहू का राज्य चले। यह बहू अखंड सौभाग्यवती हो। इसके बच्चे परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ाएं। पश्चिम के विवाह में भारतीय संस्कृति नहीं है। पश्चिमी जीवनशैली में व्यक्तिवाद है। भारत के जीवन में सामूहिकता है। उधार की आधुनिकता व्यक्तिवाद बढ़ाती है। व्यक्तिवाद में माता-पिता और परिवार के सदस्य अपनी उपयोगिता के अनुसार सम्मान पाते हैं। यहां माता-पिता की उपयोगिता नहीं देखी जाती। भारतीय जीवनशैली में समूह का हित, समाज का हित और राष्ट्रहित मिलते हैं। संस्कृति में सत्य, शिव और सुंदर का प्रवाह है।

संन्यास का अर्थ संसार को त्यागना नहीं

ओमप्रकाश त्रिपाठी
सेवानिवृत्त, पुलिस महानिरीक्षक

अंबानी परिवार में अभूतपूर्व शादी के किस्से कम हो चले हैं, लेकिन अपने शंकराचार्यों द्वारा नव विवाहित दंपति को आशीर्वाद देने के लिए वहां जाना अब भी चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ लोग इस विषय को जानबूझकर जीवंत बनाए रखना चाहते हैं।

इनमें से बहुत से ऐसे लोग हैं, जो अनंत की प्रारंभिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पृष्ठभूमि में इस शादी को यादगार बनाने के लिए लगभग पांच हजार करोड़ के व्यय को सर्वथा जायज मानते हैं। उनका तर्क है कि साधारण परिवार के लोग अपने बच्चों की शादी में अपनी जमापूंजी का लगभग दस-पंद्रह प्रतिशत खर्च करते हैं, जबकि अंबानी परिवार ने इस शादी में अपनी पूंजी का एक प्रतिशत से भी कम खर्च किया है, जो लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ चुके अनंत के अरमान को पूरा करने के लिए इतनी बड़ी धनराशि के व्यय को उचित बताते हैं, वही लोग शंकराचार्यों द्वारा इस दंपति की कुशलता हेतु आशीर्वाद देने के लिए अंबानी परिवार में जाने पर आपत्ति जता रहे। यह तो स्पष्ट ही होगा कि कोई भी शंकराचार्य ससम्मान निमंत्रण के बिना वहां नहीं गए होंगे और अगर आमंत्रित होकर उन्होंने अपने स्नेहसिक्त आशीर्वाद से नवदंपति को अभिभूत करने का निर्णय लिया, तो इसमें आपत्तिजनक क्या है? वैसे व्यक्तिगत रूप से मैं यह समझता हूं कि अगर अंबानी परिवार शादी के कार्यक्रम के पश्चात इन धर्माचार्यों के पास नवदंपति को आशीर्वाद दिलाने स्वयं गए होते, तो यह अंबानी परिवार की प्रतिष्ठा में ही वृद्धि करता।

कहा जा रहा है कि संन्यासी को गृहस्थ के यहां नहीं जाना चाहिए। हम भूल जाते हैं कि वर्णाश्रम व्यवस्था में ब्रह्मचर्य, वानप्रस्थ एवं संन्यास- यह तीनों आश्रम गृहस्थाश्रम पर ही आश्रित रहे हैं। इसीलिए गृहस्थ आश्रम को सर्वश्रेष्ठ कहा गया है।

आदि शंकराचार्य ने संन्यास ग्रहण करने के पश्चात अपनी माता को दिए गए वचन के पालन हेतु घर पहुंचकर उनका अंतिम संस्कार किया था, जो संन्यास आश्रम की मान्यताओं के विपरीत है। भगवान बुद्ध संन्यासी होते हुए अपनी पत्नी के पास भिक्षा मांगने गए थे। संन्यास का अर्थ संसार को त्यागना नहीं है, बल्कि सांसारिकता की आसक्ति पर विजय पाना है। विदेह राज जनक गृहस्थ व राजा होते हुए भी एक संन्यासी के रूप में समादृत हैं। आदि शंकराचार्य ने अपने जीवन के अंतिम दिनों में स्वयं राजा सुधंवा का आतिथ्य ग्रहण किया था। शंकराचार्य जी ने अपने अंतिम संदेश में कहा था कि केवल आत्मज्ञान ही संन्यासियों के लिए यथेष्ट नहीं है, अपितु वर्णाश्रम धर्म के संस्थापक और संरक्षण का गुरु-दायित्व भी उन्हें वहन करना होगा।

मठाधीश एक स्थान में न रहकर धर्म प्रचार के लिए विभिन्न स्थानों में परिभ्रमण करें तथा साधारण जनता वर्णश्रम धर्म के पालन द्वारा क्रमशः उच्चतर और महत्तर लाभ के लिए प्रयत्न पारायण हो, इस पर भी मठाधीशों की सावधान दृष्टि रहे। जहां तक हमारे द्वारा अपने धर्म गुरुओं के मान-सम्मान का प्रश्न है, उल्लेखनीय है कि जब कुछ धर्माचार्यों ने अर्धकुंभ को कुंभ व महाकुंभ बनाए जाने का विरोध किया, तब यही लोग उनका समर्थन करने के बजाय उनकी कमी निकालने लगे। इसी प्रकार जब आधे-अधूरे निर्मित श्रीराम मंदिर के उद्घाटन पर शंकराचार्यों ने शास्त्र सम्मत आपत्तियां कीं, तो पुनः उनको सुनने अथवा उनका साथ देने के बजाय उनकी विभिन्न प्रकार से आलोचना की जाने लगी। दरअसल ऐसे लोगों को हमारे धर्म गुरुओं से न कोई लगाव है और न कोई समस्या। उनकी मूल समस्या है हीरो-वर्शिप, व्यक्ति पूजा। कूपमंडूकता किसी भी व्यक्ति पूजक की प्राथमिक योग्यता है।

नन्हे-मुन्नों का विकास और राष्ट्रीय शिक्षा नीति

डॉ. अनिल चौबे
सदस्य, राज्य संदर्भ समूह मिशन प्रेरणा उत्तर प्रदेश

नैतिक गुणों के विकास हेतु किसी ज्ञान अथवा उपदेश को थोपने या सीधे प्रदान करने की आवश्यकता नहीं, बल्कि वे उनमें व्यवहारिक प्रक्रिया द्वारा स्वयं से विकसित होने चाहिए।

6 से 8 वर्ष की आयु बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास की यह अति महत्वपूर्ण आयु मानी गई है। बच्चों के मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास प्रारंभिक 6 वर्ष की आयु में ही हो जाता है। राज्य में बहुत सारे बच्चे ऐसे है, जो 6 वर्ष से पूर्व किसी संस्थान से औपचारिक रूप से नहीं जुड़ पाते हैं, अर्थात उन्हें गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा एवं देखभाल के पर्याप्त अवसर मुहैया नहीं हैं। 3 वर्ष की आयु से बच्चे अपने घर एवं परिवार से प्रारंभिक भाषायी दक्षताओं को प्राप्त करना आरंभ कर लेते हैं। ये बेहद अनौपचारिक एवं असंगठित प्रक्रियाओं द्वारा किया जाता है, जिसे आगे बढ़ाने एवं नियोजित ढंग से औपचारिक एवं संस्थागत करने हेतु संस्थाओं का उपयोग अत्यंत आवश्यक हो जाता है। यदि हम प्ले स्कूलों एवं वर्तमान संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर दृष्टि डालें, तो पाते हैं कि वे उस स्तर पर नहीं हैं, जिस स्तर पर उन्हें होना चाहिए। राज्य में बहुत सारे बच्चे 6 वर्ष तक की आयु पूर्ण कर सीधे कक्षा 1 में प्रवेश पाते है, जिससे ऐसे बच्चे अपने बाल्यावस्था शिक्षा एवं देखभाल के शुरुआती 3 वर्ष गैर संस्थागत एवं गैर प्रणालीगत तरीके से पूर्ण करते हैं, जो कि किसी भी दशा में उचित नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का लक्ष्य देश के विकास की अनिवार्य आवश्यकताओं को सुनिश्चित करना है। यह नीति प्रत्येक व्यक्ति में निहित रचनात्मक क्षमताओं के विकास पर विशेष बल देती है। प्रारंभिक बाल्यावस्था में बच्चों का स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण कारक है, जो सीधे बच्चों के सीखने को प्रभावित कर सकता है। इस अवस्था में यह भी आवश्यक है कि प्रारंभिक बाल्यावस्था के बच्चे स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण में सीख रहे हों, बढ़ रहे हों। इस आयु में बच्चों के पोषण एवं देखभाल की सबसे अधिक आवश्यकता महसूस की जाती है, क्योंकि इस आयु में बच्चे अत्यंत शीघ्रता के साथ सीख एवं बढ़ रहे होते हैं। सीखने की इस प्रक्रिया में संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो जाती है। इससे पूर्व 3 वर्ष तक की आयु में अपने अनुभवों से, देखकर, दोहराकर या नकल करके या जिज्ञासा के आधार पर बच्चे जो कुछ भी सीखते हैं, वह ढांचागत या प्रणालीगत नहीं होता है। उन सारे सीखने के अनुभवों को एक स्थान पर एकत्र कर सीखने की प्रक्रिया को ढांचागत तरीके से आगे बढ़ाने में संस्था की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। राष्टीय शिक्षा नीति - 2020 में कहा गया है कि संस्थाएं ऐसी हों जहां प्रत्येक छात्र का स्वागत किया जाता हो, उसकी देखभाल की जाती हो। जहां बच्चा स्वयं को सदैव सुरक्षित महसूस करें।

3 वर्ष की आयु से पूर्व बच्चों में बातचीत, खेलना, छूकर अनुभव आदि के अधिक अवसर दिए जाने चाहिए, जिससे 3 वर्ष के पश्चात उनका शारीरिक और गत्यात्मक, सामाजिक भावनात्मक, संज्ञानात्मक, संप्रेषण घर की भाषा में एवं संख्या ज्ञान की मौखिक शुरुआती समझ आदि पर विकास संभव हो सकेगा। 3 वर्ष में शुरुआती सीखने की यह गतिविधियां बच्चों को अनुभव के आधार पर निश्चित रूप में आरंभ हो जानी चाहिए। जैसे-जैसे बच्चे 4-5 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे होंगे, वे अपनी संस्था में समूह में कार्य करना, अपना विचार बनाना तथा व्यक्त करना (राय देना), नेतृत्व प्रदान करना, अच्छी आदतों में विकास की शुरूआत आदि सीख रहे होंगे। यहां हम बच्चों को नैतिक गुणों में विकास हेतु कुछ अनुभव एवं वातावरण उपलब्ध करा सकते हैं। नैतिक गुणों के विकास हेतु किसी ज्ञान अथवा उपदेश को थोपने या सीधे प्रदान करने की आवश्यकता नहीं, बल्कि वे उनमें व्यवहारिक प्रक्रिया द्वारा स्वयं से विकसित होने चाहिए। खेल आधारित शिक्षा का आरंभ भी इसी आयु में हो जाता है। खेल आधारित शिक्षा से बच्चों में उनकी जिज्ञासा, सृजनात्मकता, टीम भावना का विकास, सहानुभूति-समानुभूति, समावेशिता, आस-पास का वातावरण एवं साथियों के साथ समावेशन की क्षमताओं का विकास संभव हो पाता है। इन्हीं गतिविधियों से बच्चों की जन्मजात प्रवृत्तियों एवं क्षमताओं का पता भी लगाया जा सकता है।

इस आयु में बच्चे खेल से बहुत तीव्रता से सीखते हैं। खेल एकल अथवा सामूहिक हो सकते हैं। जहां तक संभव हो संस्थागत ढांचे में उन की आयु के समूहों के खेलों को प्राथमिकता प्रदान करें। संस्था के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों द्वारा बच्चों में संवैधानिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए अत्यंत व्यावहारिक रूप से, उनमें नैतिक मूल्यों के विकास की प्रक्रिया आरंभ की जानी चाहिए। 3 से 8 वर्ष की आयु में संस्थाएं ऐसा वातावरण विकसित करें कि सीखने-सिखाने की प्रक्रिया केवल संस्था तक सीमित न रहे, बल्कि यह बच्चों के घर-परिवार एवं समाज तक जाएं। बच्चे विद्यालय में, विद्यालय से बाहर, परिवार में कहीं भी बेझिझक सवाल कर रहे हों, अपनी जिज्ञासाएं उजागर कर रहे हों। शिक्षक और अभिभावक कभी भी बच्चों को इसके लिए रोकें नहीं, उन्हें चुप न कराएं। बच्चों के शिक्षकों एवं अभिभावकों आदि सभी का दायित्व रहेगा कि वे बच्चों जिज्ञासाएं शांत करने को निरंतर प्रयासरत रहें तथा उन्हें किए गए प्रश्नों के उत्तर के नजदीक तक ले जाएं। इस आयु में अभिभावक, शिक्षक एवं स्वयं बच्चों का भी दायित्व रहेगा कि वे सीखने की इस औपचारिक एवं अनौचपारिक प्रक्रिया पर निरंतर समालोचनात्मक एवं सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। इस दौरान यह भी आवश्यक है कि बच्चों के क्रियाकलापों, उनके उत्तरों, प्रश्नों एवं व्यवहारों द्वारा ही जानने की प्रगति का पता लगाएं। उनके अनुभवों, विचारों को तवज्जो दें तथा अपने विचारों से सरल भाषा में उन्हें अवगत कराएं। इसी से सीखने का पता लगाया जाना चाहिए तथा उन्हें आवश्यकतानुसार आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया जाना चाहिए।

रेत का किला

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

व्यवहार की जो पद्धति समाज के साथ हमको भी आगे ले जाए, वह नीति है। नीति शब्द से नैतिक और नैतिकता शब्द बनते हैं। यह नैतिकता ही संस्कार या चरित्र है, जिसके संबंध में बहुत बातें कही जाती हैं। यदि नैतिकता न हो तो व्यक्ति का क्षरण हो जाता है, परिवार का क्षरण हो जाता है, दल या संगठन का क्षरण हो जाता है तथा राज्य संस्था का क्षरण हो जाता है।

नैतिकता एक मर्यादा है और मर्यादा राजा की भी होती है और प्रजा की भी होती है, समुद्र कितना प्रबल है? किंतु मर्यादा को वह भी मानता है। राज्य विश्वास पर टिका है, भय पर नहीं, केवल सैन्यबल पर राज्य स्थिर नहीं रह सकता। आप एक सीमा तक लोगों को जेल या यातना से डराकर चुप कर सकते हैं, लेकिन जब लोग समझने लगेंगे कि यहां अपराधी नहीं, सज्जन डरा हुआ है। सामान्य जन भयभीत है, अपराधी से समझौता है। लोग सच कह नहीं पा रहे हैं। असत्य को डरना चाहिए, किंतु सच डर रहा है। दंडव्यवस्था अनैतिक है, दुष्ट निर्भय हैं। असामाजिक को डरना चाहिए, किंतु यहां तो समस्त डर लोकतंत्र को ही चुप करना चाहता है, तब लोग जान जाएंगे कि राजा डरा हुआ है, वह नैतिकबल को खो चुका है। वह अनैतिक है, क्योंकि झूठ बोलता है। अविश्वसनीय है। विश्वास यह नहीं समझता कि आप क्या कहते रहते हैं? विश्वास दिन और रात यह देखता रहता है कि आप करते क्या हैं? आपके आचरण को आपके घर की दीवारें देख रही हैं, घर की छत आपके आचरण की परीक्षा कर रही होती है। आप समझ रहे होते हैं कि मुझे कोई नहीं देख रहा, किंतु सच यह है कि आप किसी को नहीं देख पा रहे हैं और आपको सबने देख लिया है। विश्वास एक प्रचंड शक्ति है, उसके सामने सैन्यशक्ति भी निस्तेज हो जाती है। विश्वास सैन्य बल पर नहीं, सत्य पर टिका हुआ है, सत्य नहीं तो विश्वास नहीं और विश्वास नहीं तो कुछ भी नहीं। लोक विश्वास के बिना राज्य संस्था कुछ समय तक भरम के रूप में धुंए की तरह रह सकती है, किंतु अंततः वह निस्तेज हो जाती है। रेत के किले की तरह अपने आप ढह जाती है।

गुरु के प्रति कृतज्ञता का उत्सव

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आंबेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

भारत पूरे विश्व में अपनी संस्कृति, आचरण व शिष्टाचार से जाना जाता है। गुरु पूर्णिमा भगवान शिव द्वारा स्थापित ऐसा ज्ञानपर्व है, जिसमें व्यास परंपरा की जीवंतता है। यह ज्ञान की आराधना का पर्व है और सरल शब्दों में कह सकते हैं कि ज्ञानी अर्थात गुरु के प्रति निष्ठा और श्रद्धा समर्पण का पर्व है।

हमारे जीवन में प्रज्ञा और श्रद्धा की दो धाराएं अनवरत एक साथ चलती हैं। इसलिए जो प्रज्ञावान हैं, हम उनका भी सम्मान करें और जो श्रद्धावान हैं वह भी हमारी धरोहर हैं। गुरु पूर्णिमा इस श्रद्धावान और प्रज्ञावान के संबंधों के पुनर्जागरण का दिन होता है। गुरु सामान्यतः महामानव होते हैं, जिनकी कृपा से मानव यथार्थ जीवन संपन्नता प्राप्त करता है, आत्मिक पवित्रता प्राप्त करता है, प्रखरता प्राप्त करता है। इसलिए ऋषि व्यास जो महानतम ज्ञानी हैं "व्यासस्य रूपाय विष्णवे" उनकी वंशावली में, व्यास पूर्णिमा 'गुरु पूर्णिमा कहलाती' है। हमारे यहां कहा गया है, "गुरु बिनु भवनिधि तरइ न कोई। जउ बिरंचि संकर सम होई।। अर्थात गुरु सबके लिए अनिवार्य हैं। वह गुरु जो सत-असत, ज्ञान-अज्ञान का विभेद कर सके, उसका विस्तृत ज्ञान इतना हो कि वह संपूर्ण परिस्थितियों का जानने वाला हो तभी जाकर वह मार्गदर्शक बन सकता है।

गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। शास्त्रों में गुरु अज्ञान के अंधकार को दूर करके ज्ञान का प्रकाश देने वाला कहा गया है। गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले होते हैं। गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार संभव हो पाता है और गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं हो पाता।

प्रश्नों की बौछार

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ, नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली

इतनी बीमारियों के बावजूद सोना देवी की जीवंतता और खाने पीने में रुचि कम नहीं पड़ी थी। अच्छा खाना-पीना, सलीके से रहना, घूमना -फिरना उनकी प्रबल इच्छाओं में था।

चौहत्तर वर्षीय सोना देवी को दस वर्षों से डायबिटीज थी। उसका थोड़ा-बहुत असर अब हृदय पर भी पड़ चुका था, जिसके चलते अब उन्हें ज्यादा मेहनत या श्रम करने पर छाती में दर्द या जलन होती थी, साथ में ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ा हुआ था। इसीजी करने पर पता कि उन्हें दिल का हल्का दौरा पड़ चुका है। गर्दन की हड्डियां भी कमजोर पड़ गई थी, जिसके चलते उन्हें गर्दन और दोनों बाजुओं में दर्द की शिकायत थी। उनका शरीर खाया-पिया था। वजन भी अच्छा-खासा था। शारीरिक गठन सूचकांक 29.6 था, जो सामान्य से काफी अधिक था। दोनों कानों से कम सुनाई देता था।

इतनी बीमारियों के बावजूद सोना देवी की जीवंतता और खाने पीने में रुचि कम नहीं पड़ी थी। अच्छा खाना-पीना, सलीके से रहना, घूमना -फिरना उनकी प्रबल इच्छाओं में था। मुझे बहुत अच्छी तरह से याद है कि जब वे पिछली बार सर्वप्रथम मुझे दिखने आईं थीं तब उनके दो प्रमुख प्रश्न थे क्या मैं संगम के किनारे मिलने वाली गुड़ खा सकती हूं? अपने फैली हथेलियों के संकेत से एक बड़े कटोरे के बराबर खीर खा सकती हूं। जिसे दस वर्षों से अधिक की डायबिटीज हो, ब्लड प्रेशर हो उसे रोज खीर खाने को मैं कैसे अनुमति देता? मैंने उन्हें बहुत समझ-बुझाकर गुण-दोष बताकर एक छोटी कटोरी कभी- कभार लेने की इजाजत दी थी।

आज करीब छह महीने बाद जब वह ओपीडी में आईं तब कुशलक्षेम के बाद उन्होंने कहा डाक्टर साहब कमजोरी बहुत है। क्या मैं गुड़ की जलेबी खा सकती हूं? पकौड़ी, कढ़ी, कटहल की सब्जी खा सकती हूं? और हां डॉक्टर साहब क्या मैं उड़द की दाल या दम आलू खा सकती हूं? इसके पहले कि मैं उन्हें कुछ जवाब दूं उनका आगामी प्रश्न था क्या मैं दही माठा से रोटी खा सकती हूं? और हां डाक्टर बाबू क्या मैं पहले की तरह राजमा -छोला खा सकती हूं की नहीं? कहो डाक्टर साहब क्या चना उबाल कर खा सकती हूं? पेप्सी मेरे लिए मना तो नहीं है? आजकल लोग नारियल का पानी खूब पीते हैं क्या हमहूं इसे पी सकते हैं? मैंने कहा बिल्कुल मां। गांव में मेरे खेत में एक बहुत सुंदर आम का पेड़ हैं। सिंदूर के रंग का उसका आम बहुत मीठा होता है। हम लोग उसे सेनहुरवा आम बोलते हैं। सेनहुरवा की बात करते-करते वह अत्यंत लालायित भाव से बोली क्या वह आम अब मैं खा सकती हूं की नहीं।

डॉक्टर साहब मैं अपने घर के तीसरे महला पर खटाखट चढ़ जाती थी, पर अब दूसरी मंजिल पहुंचते-पहुंचते सांस फूल जाती हैं। ऐसा क्यों है डॉक्टर साहिब? ऐसा कहते समय उनके चेहरे पर बाल सुलभ सरलता, मुस्कराहट और कौतूहल था। खाने-पीने से संबंधित उनके अनेक प्रश्न मेरे लिए थोड़े कौतूहल पूर्ण थे। पहले मेरा मन हुआ कि मैं इन्हें चिकित्सालय की डायटीशियन के पास शंका-समाधान के लिए भेज देता, लेकिन मेरे अंतःकरण ने यह गवारा नहीं किया, क्योंकि उनकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से डायटीशियन की समझ शायद ही मेल खाती। यह ध्यान में रखकर मैंने स्वयं यह जिम्मेदारी निभाने का निश्चय किया।

मेरा उत्तर संक्षिप्त और सरल था- आप सब चीजों का आनंद लें पर ज्यादा चिकनाई, तले-भुने, अधिक नमक, मैदे से बनी चीजें और जंक पदार्थों से बचने की कोशिश करें। कहते है न जीभ तो 'स्वाद लेहि भीतर गई, भोगत हृदय अपार'। यहां यह बात सोलहों आने सच थी। इसी चटोरी जीभ के कारण उन्हें डायबिटीज, हृदयाघात, चिकनाई दोष जैसी समस्याएं घेरे हुएं थी, पर उनका चटपटे भोजन के प्रति लगाव कम नहीं हुआ था। पता नहीं मैं उसके तमाम प्रश्नों का समाधान कर पाया या नहीं, पर जाते समय उसके चेहरा जिस प्रकार प्रसन्नता से खिला हुआ था और उसके नेत्रों में कृतज्ञता के भाव परिलक्षित हो रहे थे तथा अभिवादन में जो नमन दृष्टिगत हो रहा था वह किसी भी चिकित्सक को अंदर से विचलित करने के लिए पर्याप्त था।

ऐसे भी होते हैं मुस्लिम

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

इन दिनों उत्तर प्रदेश में कावड़ियों के मार्ग की दुकानों और होटलों से लेकर ठेलियों तक पर स्वामी के नाम का पट लगाए जाने के शासकीय आदेश की खबर गरम है। इसके पीछे की भावना यह है कि इन शिव भक्तों को हिंदू-मुस्लिम विक्रेता की पहचान हो सके। हालांकि इन नाम पटों की सत्यता की पुष्टि करने का कावड़ियों के पास कोई उपाय नहीं है और न इतने वृहत पैमाने पर सरकारी तंत्र इसे सत्यापित ही कर सकता है, जो लिखा है उसे मुख मूल्य पर स्वीकार करना होगा।

तथ्य यह भी है कि तमाम नाम कामन होते हैं, जो हिंदू मुसलमान दोनों रखते हैं। ऐसा इस समय क्यों किया गया? लोकसभा चुनावों में यूपी में भाजपा को मिली करारी शिकस्त के परिणामस्वरूप मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर आलोचना की बौछारें हो रही हैं। उनके अपने दोनों उप मुख्यमंत्री इसमें सबसे आगे हैं, शायद हाई कमान के इशारे पर। इसी बीच प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव भी होने हैं, जिनके परिणामों से योगी की प्रतिष्ठा जुड़ी होगी और शायद कुर्सी भी। ऐसे में नाम पट दर्शित करने वाली योजना वोटों के सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने का प्रयास है। अब इसमें कितनी सफलता मिलती है, यह समय बताएगा। वैसे मेरा मानना है कि कोई भी समूह या संप्रदाय अपनी संपूर्णता में अच्छा या बुरा नहीं होता। मिश्रण होता है। यहां वेद पुराण की बात नहीं करेंगे, क्योंकि तब तो हिंदू-मुस्लिम था ही नहीं। इतिहास में मंसूर, सरमद, फैजी, रहीम, रसखान और मलिक मोहम्मद जायसी जैसे नाम हैं, जिनको इंगित करके भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने कहा था, "इन मुसलमान हरिजनन पै कोटिन हिंदू वारिये"। कृष्ण भक्तिन ताज बीबी की कब्र आज भी वृंदावन की रमण रेती में हिंदुओं की श्रद्धा का केंद्र है और उनके स्वर "नंद के कुमार कुरवान तेरी सूरत पै, हौं तौ मुगलानी हिंदुवानी ह्वै रहौंगी मैं" लोक मानस में घर किए हुए हैं।

हमारी पुत्री शारदा शुक्ला की विद्यार्थी जीवन की घनिष्टा सखी रूही सिद्दीकी उच्च न्यायालय की लखनऊ खंड पीठ में सरकारी वकील है। अभी कश्मीर यात्रा पर गई थी, तो श्रीनगर के प्रसिद्ध शिव मंदिर भी गई, जिसे शंकराचार्य जी ने प्रतिष्ठित किया था। मेरे गृह कार्य की प्रभारी 'गुड़िया' नामक महिला है। वह मुसलमान है। शुरू में उससे पूछा गया था कि "तुम्हारा कोई मुसलमानी नाम भी होगा?" तो उसने कहा नहीं यही एक नाम है। अब इस नाम का यदि पट लगा हो तो कैसे जानेंगे कि यह हिंदू है या मुसलमान? मेरे परिवार वालों का आश्चर्य तब और बढ़ा, जब उसकी किशोरी बेटी एक दिन घर आई और उसका नाम पूजा बताया गया। कारण पूछने पर गुड़िया कहती हैं "आप लोगों के जो देवी पूजा के दिन होते हैं, उनके आखिरी दिन की इसकी पैदाइश है, इसलिए पूजा नाम रख दिया"। यानी एक पहलू यह भी है।

प्रभारी मंत्री ने हरिशंकरी का पौधा लगाकर की शुरुआत

पौधरोपण अभियान : एक पेड़ मां के नाम का दिया संदेश व पर्यावरण को बचाने की दिलाई शपथ, डीएम व एसपी ने भी रोपे पौधे

रायबरेली, सवांददाता।

अमृत विचार। पौधरोपण अभियान के तहत प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने महानंदपुर स्थित मियावाकि पार्क में नोडल अधिकारी डॉ. पिंकी जोवेल, डीएम हर्षिता माथुर और एसपी अभिषेक अग्रवाल के साथ हरिशंकरी का पौधा लगाकर उपस्थित लोगों को पर्यावरण को बचाने की शपथ दिलाई।

इससे पहले उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित जनता को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण को बचाना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। इससे हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुनिश्चित होगा। कोरोना काल के बाद यह और भी आवश्यक हो गया है कि धरती माता की हरितमा को बचाए रखा जाए। इसके लिए सरकार द्वारा 36 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सहजन के पौधे वितरित करते हुए कहा कि इसके औषधि गुण के बारे में वह अन्य महिलाओं को भी बताएं। इस अवसर पर नोडल अधिकारी व सचिव, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा डॉ. पिंकी जोवेल ने भी बताया कि वृक्षारोपण से आर्थिक लाभ के साथ-साथ स्वास्थ्य लाभ भी मिलता है।

डीएफओ आशुतोष अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष जनपद में 52 लाख 50 हजार से अधिक पौधे लगाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष बुद्धिलाल, पूर्व विधायक रामलाल अकेला, एडीएम प्रफुल्ल त्रिपाठी, सीएमओ डॉ वीरेंद्र सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा के अतिरिक्त जनप्रतिनिधि, व्यापार एवं उद्योग मंडल के सदस्य भी उपस्थित रहे।

पौधे को पानी देतीं प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला व डीएम हर्षिता माथुर। अमृत विचार

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

शिवगढ़ के प्राइमरी विद्यालय में पौधरोपण करते शिक्षक।

शिवगढ़, रायबरेली। एक पेंड़ मां के नाम थीम पर आधारित बृहद पौधरोपण कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के ग्राम पंचायत रायपुर नेरुवा, प्राथमिक विद्यालय मनउखेड़ा, प्राथमिक विद्यालय तरौजा में बृहद पौधरोपण किया गया। ग्राम पंचायत रायपुर नेरुआ में ग्राम प्रधान रतीपाल रावत के नेतृत्व में तालाबों तथा प्राथमिक विद्यालय रायपुर नेरुवा की भूमि पर दो हजार पौध लगाए गए। इस मौके पर उपस्थित बीडीओ बाबूराम वर्मा, अनिल कुमार मिश्रा, थाना प्रभारी श्याम कुमार पाल, दिलीप सोनी, अंजली वर्मा, कंचनलता, गीता आदि लोगों ने रोपे पौधे।

रामगढ़ में चला पौधरोपण अभियान

रामगढ़ ग्राम पंचायत में पौधरोपण करते वन विभाग के अधिकारी।

जगतपुर, रायबरेली,अमृत विचार। रामगढ़ ग्राम पंचायत के पूरे तिवारी में पौधरोपण अभियान चलाया गया। वन विभाग की ओर से तीन हजार पौध यहां पर लगाकर वन तैयार किया जाएगा। इस मौके पर वन दरोगा प्रदीप सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

वृक्ष हमारे जीवन की अमूल्य निधि : दीपिका

पीएमश्री विद्यालय धुरेमऊ में पौधरोपण करते बच्चे।

सरेनी, रायबरेली। सरेनी क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षक व विद्यार्थी एक पेड़ मां के नाम लगाने के काम में रुचि ले रहे हैं। धूरेमऊ गांव के प्राथमिक विद्यालय में पौधरोपण अभियान की शुरुआत करते हुए शिक्षिका दीपिका शुक्ला ने कहा कि बृक्ष हमारे जीवन की अमूल्य निधि हैं। इनके बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं कि जा सकती। इसी तरह प्राथमिक विद्यालय बेनीमाधवगंज व रमईपुर खुर्द में भी शिक्षकों व बच्चों ने क्रमशः सूर्यप्रकाश व सुमन देवी की अगुवाई में पौधे रोपे। इस अवसर पर पुनीत कुमार मोनी देवी, नीलम सिंह, राजेन्द्र कुमार, तेजकुमार, अनिल कुमार, सतेन्द्र कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

अभियान के तहत हुआ पौधरोपण

बछरावां, रायबरेली। प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आज प्रदेश भर के सभी सरकारी संस्थानों, सरकारी अस्पताल, थाना, दफ्तरों, कार्यालयों में वृहद रूप से पौधरोपण अभियान चलाया गया। इसी अभियान के तहत आज क्षेत्र के थाना परिसर में, थुलेंडी पुलिस चौकी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां एवं नगर पंचायत कार्यालय सहित अन्य सरकारी दफ्तरों एवं निजी संस्थानों पर वृहद रूप से पौधरोपण अभियान चलाया गया।

पौधरोपण करते लोग।

बच्चों ने रैली निकाल कर पौधे लगाने का लिया संकल्प

इनरव्हील क्लब और भारत विकास परिषद द्वारा निकाली गई रैली। अमृत विचार

रायबरेली,अमृत विचार। शहर के प्रभूटाऊन स्थित राइजिंग चाइल्ड स्कूल में इनरव्हील क्लब और भारत विकास परिषद के द्वारा पौधरोपण किया गया। राइजिंग चाइल्ड स्कूल के बच्चों ने पर्यावरण रैली निकालकर आम जनमानस को छायादार पौधे लगाने और उन्हें बचाने का संदेश दिया। रैली से पूर्व आयोजित कार्यक्रम में वन विभाग के उपखंड अधिकारी मयंक अग्रवाल और जिला क्रीड़ा अधिकारी धीरेंद्र पुरुषोत्तम विशेष रूप से उपस्थित रहे थे। मुख्य अतिथि मयंक अग्रवाल ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार है। कार्यक्रम के अंत में भारत विकास परिषद, इनरव्हील क्लब और राइजिंग चाइल्ड स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को पौधे भी वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रबंधक अरविन्द श्रीवास्तव, धीरेंद्र पुरुषोत्तम, ज्ञानलता गुप्ता, रवींद्र नाथ हरि, राजाराम मौर्य आदि लोग उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने पौध लगाकर दिया पर्यावरण को बचाने का संदेश

महराजगंज, रायबरेली। शनिवार को वृहद पौधरोपण अभियान के तहत अमृत सरोवर पर उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी व पूर्व ब्लॉक प्रमुख सहित कई अधिकारियों ने पौध लगाकर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। पौधरोपण अभियान के तहत शनिवार को ग्रामसभा मऊ के बरीबरा गांव में स्थित अमृत सरोवर तालाब पर उपजिलाधिकारी राजित राम गुप्ता, तहसीलदार ध्रुव नारायण यादव, खंड विकास अधिकारी वर्षा सिंह, उप पशुचिकित्सा अधिकारी उमेश चंद्रा व पूर्व ब्लॉक प्रमुख, प्रधान प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह ने पौधरोपण किया। भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष विवेक पांडे ने अपने विद्यालय बाला जी पब्लिक स्कूल में पौधरोपण किया। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

पौधरोपण करते उपजिलाधिकारी व अन्य। अमृत विचार

देश के लिए खतरा बना फर्जी तरीके से जारी प्रमाण पत्र

खंड विकास अधिकारी पर कार्रवाई न होना क्षेत्र में बना है चर्चा का विषय

संवाददाता,सलोन, रायबरेली।

अमृत विचार। विकास खंड सलोन में तैनात ग्राम विकास अधिकारी के जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र की सरकारी आईडी से गैर प्रांत के नागरिकों का फर्जी तरीके से जन्म प्रमाण पत्र बनाए जाने के मामले में शुक्रवार को जहां सहायक विकास अधिकारी पंचायत जितेंद्र सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर चारों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

वहीं, विकास खंड के मुख्य व जिम्मेदार अधिकारी खंड विकास अधिकारी शशि कुमार तिवारी की भी भूमिका संदिग्ध प्रतीत हो रही है। क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में गैर प्रांत के लोगों का जन्म प्रमाण पत्र उनकी जानकारी के बिना जारी हो जाना एक गंभीर विषय है।

एक तरफ यह मुद्दा देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है तो वही खंड विकास अधिकारी की लापरवाही भी सामने आ रही है। उनके ही विभाग के एक कर्मचारी की आईडी और पासवर्ड से हजारों की संख्या में गैर प्रांत के लोगों का जन्म प्रमाण पत्र जारी हो गया। और उनको कानो-कान खबर तक नहीं हुई। अब जब पूरा प्रकरण प्रकाश में आया है तो एक के बाद एक चीजें निकल कर सामने आ रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है की विकास खंड में हुए इतने बड़े फर्जीवाडे के मुख्य आरोपी जिशान खान के घर गैर प्रांत के लोगों का आना जाना लंबे समय से था और यही से बैठ कर ग्राम विकास अधिकारी और सीएससी संचालक जिशान खान गैर प्रांत के लोगों का जन्म प्रमाण पत्र बना कर भारत की नागरिकता प्राप्त करने का प्रमुख दस्तावेज मुहैया करवाते थे।

आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद भी आज देश के ऊपर खतरा मंडरा रहा है। जिन लोगों का जन्म प्रमाण पत्र जारी हुआ वो हजारों संदिग्ध व्यक्ति देश के किस कोने में छिपे है किसी को कोई जानकारी नहीं है। कौन है किस देश के है। कैसे भारत आए ये सब जांच का विषय है। वहीं, खंड विकास अधिकारी पर कार्यवाही न होना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

महाप्रबंधक ने दिए विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

संवाददाता,लालगंज, रायबरेली।

अमृत विचार। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाने के टाइप-2 एवं टाइप 3 क्वार्टर के पार्कों में बच्चों की खेलकूद तथा व्यायाम सुविधाओं के विस्तार का महाप्रबंधक पीके मिश्रा ने निरीक्षण किया और अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

रेल कोच जीएम पीके मिश्रा की प्रेरणा से क्वार्टर में किचन कैबिनेट एवं वार्डरोब लगाने का कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत टाइप 2 एवम टाइप 3 के ब्लॉक को मॉडल ब्लॉक के रूप में डेवलप किया गया।

टाइप-2 एवं 3 के पार्क व क्वॉर्टर में लगी सुविधाओं को देखकर बच्चों तथा कॉलोनीवासियों ने खुशी एवं संतोष जाहिर किया तथा जीएम का आभार जताया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने टाइप 2 में बने कम्यूनिटी शेड को भी देखा तथा इसके आसपास सौन्दर्यीकरण तथा अन्य सुविधावों के विकास के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसी कड़ी में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने कॉलोनी में पौधरोपण को संरक्षित करने, गार्डनरी एवं किचिन गार्डन को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार देना प्रारम्भ करने के लिए सुझाव दिया।यह जानकारी रेल कोच के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी आरएन तिवारी ने दी है। इस दौरान प्रधान मुख्य अभियंता एसपी यादव एवं प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव, सिविल विभाग, विद्युत विभाग एवं सामान्य प्रशासन के सभी अधिकारी तथा कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैंक प्रबंधक ने बांटीं शिक्षण सामग्री

सेमरी, रायबरेली,अमृत विचार। बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा सेमरी ने शनिवार के दिन 117वां स्थापना दिवस मनाया। जिस पर बैंक प्रबंधक अनुराग वर्मा की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पर बैंक प्रबंधक अनुराग वर्मा ने बैंक के गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। बैंक की 17 देशों में फैले नेटवर्क के साथ एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति भी है। साथ ही बैंक प्रबंधक अनुराग वर्मा व उनके सहयोगी कर्मचारियों के द्वारा प्राथमिक विद्यालय भितरी में पौधरोपण कर विद्यालय में मौजूद बच्चो को कॉपी, पेन, पैंसिल बांट कर बच्चो को मिठाई बांटी। इस मौके पर उमाशंकर, निश्चय सिंह, विकास दुबे, हरिराम, विपिन मास्टर, शिवम दुबे आदि लोग मौजूद रहे।

बच्चों को शिक्षण सामग्री देते बैंक अधिकारी।

आढ़तियों ने जेई को बनाया बंधक

रायबरेली,अमृत विचार। शहर कोतवाली के गल्ला मंडी में होने वाले वाले नए निर्माण को लेकर शनिवार को लखनऊ से आये एक जेई के साथ वहां के व्यापारियों ने अभद्रता शुरू कर दी।

व्यापारियों का कहना था कि मंडी की हालत पहले से ही बदहाल है और जो सही जगह है वहां भी खराब किया जा रहा है। इसी बात को लेकर वहां पर विवाद हो गया। लेकिन बाद में आई सदर विधायक अदिति सिंह के हस्ताक्षेप के बाद मामला शांत हुआ है। वही पुलिस किसी भी घटना को लेकर इनकार कर रही है। शनिवार को लखनऊ से एक जेई गल्ला मंडी में होने वाले नए निर्माण के स्थान की नाप करने के लिए आये थे आरोप है है इसी दौरान जब वह नाप करने के लिए जा रहे थे तभी कुछ मनबढ़ आढ़तियों ने उन्हें घेर लिया और नाप करने से रोक दिया। जिसके बाद मंडी में।हंगामा खड़ा हो गया। आढ़तियों का आरोप है कि पहले से ही मंडी की दशा खराब है ऐसे में जहां पर सही जगह बची हुई है वही पर निर्माण कराने का प्रयास किया जा रहा है जिसकी वजह से आढ़तियों को असुविधा होगी।

आढ़तियों पर आरोप यह भी है कि उन लोगो ने जेई को बंधक भी बना लिया था। लेकिन इसी दौरान घटना की जानकारी मिलते ही सदर विधायक अदिति सिंह भी मौके पर पहुंच गई और मामले को सुलझाया।

शिक्षकों ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

» जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर दिया धरना, डीआईओएस प्रतिनिधि को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, रायबरेली।

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेशीय नेतृत्व के आवाहन पर 16 सूत्रीय माँगों को लेकर शिक्षकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया।

धरना प्रदर्शन के उपरान्त अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ को संबोधित ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपा। धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता ज़िलाध्यक्ष अशोक कुमार शुक्ला ने किया व संचालन ज़िला उपाध्यक्ष उमाशंकर त्रिवेदी ने किया। प्रदेशीय मंत्री राम मोहन सिंह ने कहा कि प्रदेश के समस्त स्तर के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों को पूर्व प्रचलित भविष्य निधि पेंशन योजना लागू की जाय और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली को समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तीव्र करते हुए शिक्षक जेल भरने का भी काम करेंगें। तदर्थ शिक्षकों की सेवाएँ बहाल हों और मानदेय के स्थान पर उन्हें पूर्ण वेतन के साथ बहाल किया जाए। ज़िला मंत्री सोमेश सिंह ने बताया कि वित्तविहीन शिक्षकों की सेवा नियमावली बनाकर उन्हें सम्मानजनक मानदेय दिया जाए। संगठन मंत्री व प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष विजय शंकर शुक्ल ने कहा कि एनपीएस में वांछित राज्यांश की धनराशि उपलब्ध कराकर अद्यतन अभिदाता अंशदान सहित पूरी धनराशि जमा कराये। जिला उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी डॉ सुनील दत्त ने कहा कि यूपी राजकीय एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार छात्र शक्ति की प्रत्येक कक्षा हेतु वर्ग निर्धारण के आधार पर शिक्षक जनशक्ति का आंकलन करते हुए ही समायोजन प्रक्रिया लागू की जाय।

वर्ग पहेली-137

बाएं से दाएं

1. नित्य और सदा दूध देने वाली गाय 2. अच्छी गाय।

3. 1. जलाना, भस्म करना 2. नष्ट करना 3. बहुत कष्ट या दुख देना, संतप्त करना।

4. 1. कुल, सब 2. इकट्ठा किया हुआ, एक में मिलाया हुआ, सामूहिक।

6. 1. असावधानी या उदासीनता के कारण होने वाली भूल, त्रुटि 2. भूलने की क्रिया 3. भूल या चूक से शेष रह गया काम।

8. 1. बाज़ार का; बाज़ार से संबंधित, बाज़ार में होने वाला 2. बाज़ारू, साधारण, मामूली।

ऊपर से नीचे

2. 1. चतुरता, होशियारी 2. विवेकशीलता, बुद्धिमत्ता।

4. कब्ज़ा किया हुआ, अधिकृत, अधीन।

5. 1. मूल रूप से, आदि में 2. संपूर्णतः।

7. किसी को कुछ ताड़ने में प्रवृत्त करना, ताड़ने का काम कराना, किसी को किसी के कार्य को भांपना

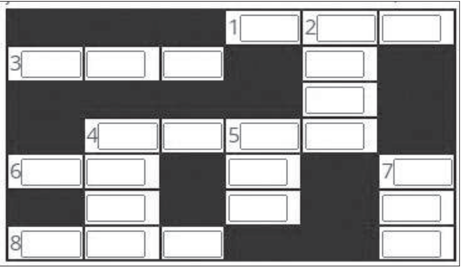

वर्ग पहेली -136 का हल

1 आ	जा	नु	2 बा	हु	
इं			ज़ा		3 सं
दा			र		चे
	4 अ	नु	वा	दि	त
	नु		द		ना
5 क़	रा	र		6 धा	
	धा		7 ना	न	क

सुडोकू -50

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1		8				3
			6	1		4		8
	7		9			1		
1	2			5		9		
9		3				8		2
		8		4			6	1
		7			3		8	
5		2		9	1			
6				2		7		

सुडोकू -49 का हल

5	1	7	8	9	6	4	2	3
3	2	6	4	1	5	9	8	7
9	4	8	2	7	3	5	6	1
6	5	4	3	2	1	8	7	9
8	3	2	9	4	7	1	5	6
7	9	1	5	6	8	3	4	2
1	6	9	7	8	4	2	3	5
4	7	5	1	3	2	6	9	8
2	8	3	6	5	9	7	1	4

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 जुलाई रविवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-आषाढ़, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-पूर्णिमा 15.46 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

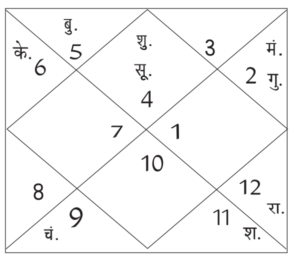

दिशाशूल-पश्चिम। ऋतु-वर्षा।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तराषाढ़ा 22 जुलाई 12.14 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष — आज निजी व्यापार में कुछ बदलाव कर सकते हैं। कमीशन संबंधी कार्यों से धन लाभ होगा। आपको अपना मन शांत रखने की आवश्यकता है। यदि आप प्राइवेट जॉब करते हैं तो आपको किसी बड़े प्रोजेक्ट्स में भेजा जा सकता है।

वृष — आज बच्चे घर के बड़े बुजुर्गों के साथ समय बिताएंगे। आपको नए कार्यों में जुटना पड़ सकता है। आपका मन शांत रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में यश और सम्मान प्राप्त होगा। फिल्म कारोबार से जुड़े लोगों को उच्च आर्थिक लाभ हो सकता है।

मिथुन — आज संवादहीनता के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है। इसीलिए आपको अपनी बात सावधानी से रखनी चाहिए। दूसरों की कमियों पर ज्यादा ध्यान न दें। धर्म-कर्म में आप रुचि लेंगे। महिला जातकों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कर्क — आज आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। परिवार में आपके अधिकार बढ़ेंगे। कार्यकुशलता के कारण कार्यक्षेत्र में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे। दांपत्य संबंधों का आनंद उठाएंगे। बच्चे आपकी आज्ञा का पालन करेंगे।

सिंह — आज लवमेट्स के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। कारोबार की बाधाओं को निपटाने में व्यस्त रहेंगे। बेरोजगार लोगों को नई नौकरी मिल सकती है। परिजन आपसे काफी प्रसन्न रहेंगे।

कन्या — आज व्यापार में प्रतिद्वंदिता बढ़ने की आशंका है। मित्रों से अपने मन की बातें अवश्य शेयर करें। बच्चे अपनी माता का अनुकरण करेंगे। अटके हुए कार्यों को पूरा करने का दबाव रहेगा। प्रेम संबंधों में अनबन हो सकती है।

तुला — आज सहकर्मी आपसे काफी अपेक्षा रखेंगे। बेवजह गुस्से के कारण आपको कठिनाई झेलनी पड़ेगी। संपत्ति में निवेश करने वालों को अच्छी डील मिल सकती है। सोशल मीडिया के माध्यम से आपको अच्छी खबर मिल सकती है।

वृश्चिक — आज मार्केटिंग क्षेत्र में नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। धर्म-शास्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। जीवनसाथी को कुछ उपहार दे सकते हैं। कारोबार में मित्रों की मदद लेनी पड़ सकती है। आपको मनचाहा काम मिल सकता है।

धनु — आज आपको उधार वापस लौटाना पड़ सकता है,जिसके कारण आपके कुछ काम रुक भी सकते हैं। आपके द्वारा की गई छोटी-छोटी गलती को लोग बड़ा करके दिखाने का प्रयास करेंगे। अपनी कार्यक्षमता को सिद्ध करने का दबाव रहेगा। प्रेम संबंध मुश्किल में पड़ सकते हैं।

मकर — आज अटके हुए काम बनने से खुशी मिलेगी। नए वस्त्र और आभूषण खरीद सकते हैं। बुद्धिमान लोगों का मार्गदर्शन अवश्य लें। आपके विचारों का लोग आदर करेंगे। जीवनसाथी से उपहार प्राप्त हो सकता है।

कुंभ — आज पारिवारिक कलह से छुटकारा मिलेगा। तनाव से बचने के लिए अच्छी नींद अवश्य लें। आप नए परिवर्तनों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। कड़वी भाषा का प्रयोग करने से संबंध बिगड़ सकते हैं। जीवनसाथी का मूड खराब हो सकता है।

मीन — आज अधीनस्थ कर्मचारियों के सहयोग से आपके काम हो जाएंगे। आपका दिन बहुत ही शुभ रहने वाला है। कारोबार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा को लेकर थोड़े विचारशील होंगे।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
हैसियत — सुबह : 10.42
भारत — रात : 07.41

&pictures
रक्षाबंधन — सुबह : 11.37
साइना — रात : 08.00

SONY PIX
द मैकेनिक — सुबह : 11.29
जॉन रैम्बो — रात : 07.33

ZEE CINEMA
रमैया वस्तावैया — सुबह : 11.23
जवान — रात : 08.00

colors CINEPLEX
एसीपी शिवा — दोपहर : 12.47
ना सामी रंगा — रात : 07.58

आज की सुपरहिट फिल्म

जी सिनेमा पर रात : 08.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

टिंकू-क्या कर रहे हो?
पिंकू-मक्खियां मार रहा हूं।
टिंकू- कितनी मारी?
पिंकू-तीन मेल और दो फीमेल
टिंकू-कैसे पता मेल थी या फीमेल?
पिंकू-तीन शराब की बोतल पे थी और दो फोन पर।

बहू को खाली बैठे देखकर
सास (अपने बेटे से)- तुम्हारी बीवी में बहुत सारी कमियां हैं।
सास की ये बात दूर खड़ी बहू सुन रही थी।
बहू तपाक से बोली- तभी तो मुझे अच्छा ससुराल नहीं मिला।

मेंथा पेराई के दौरान टंकी फटने से किशोर की मौत

फतेहपुर, बाराबंकी

अमृत विचार: मेंथा की पेराई के दौरान टंकी फटने से झोकाई कर रहे एक किशोर की मौत हो गई थी। किशोर के पिता ने मेंथा की टंकी के मालिक के विरुद्ध जबरन कार्य करने से पुत्र की मौत होने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खंता मजरे सरैया निवासी प्रेमचंद्र मजदूरी करता है। 9 जून को उसका पुत्र बृजेश कुमार गांव के ही परमानंद की मेंथा की टंकी पर मजदूरी करने गया था। वह टंकी में झोकई का कार्य कर रहा था। इस बीच टंकी फट गई। जिससे बृजेश गंभीर रूप से झुलस गया था। जिसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया था। जहां उसकी मौत हो गई। पिता का आरोप है कि परमानंद की मेंथा की टंकी पर वह मजदूरी पर काम करता था। टंकी जर्जर होने के कारण उसने कार्य करने से मना कर दिया था। जिस दिन यह घटना हुई उस दिन वह अपने खेत में काम कर रहा था। उसके पुत्र को जबरन आरोपी घर से बुला कर ले गया था। परमानंद की लापरवाही से उसके पुत्र की मृत्यु हुई है।

वहीं क्षेत्रीय पुलिस ने शनिवार को आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में कोतवाल ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

जिलेवासियों को राजधानी जैसी मिलेंगी सुविधाएं, लगेंगे विकास को पंख

रीतेश श्रीवास्तव, बाराबंकी

- राजधानी में शामिल हुआ जिले का 4402 वर्ग किमी क्षेत्रफल
- 32.60 लाख आबादी को मिलेगा योजनाओं का लाभ

अमृत विचार: प्रदेश की राजधानी लखनऊ की तरह ही जिलेवासियों को अब नई-नई सौगातों के साथ मूलभूत सुविधाएं मुहैया हो सकेंगी क्योंकि बाराबंकी जिले को राज्य राजधानी क्षेत्र यानी एससीआर में शामिल कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा शुक्रवार की शाम को इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इससे अब जिले के 4402 वर्ग किमी. क्षेत्रफल में 2011 की जनगणना के अनुसार निवास कर रहे 32 लाख 60 हजार 699 आबादी को विकास योजनाओं के साथ मूलभूत सुविधाओं का सीधा लाभ मिलेगा। शासन द्वारा एससीआर की अधिसूचना से अमृत विचार अखबार की उस खबर को बल मिला जब बीते 17 जुलाई के अंक में 'बीडीए का गठन न एलएमडीए का हिस्सा बना जिला' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी।

पहले बाराबंकी विकास प्राधिकरण यानी बीडीए का गठन इसके बाद लखनऊ महानगर विकास प्राधिकरण में शामिल होने को लेकर काफी लंबे समय से कार्रवाई चल रही थी। बीते दिनों लखनऊ विकास प्राधिकरण को एलएमडीए यानी लखनऊ महानगर विकास प्राधिकरण का नाम देते हुए

खबर का असर

बीडीए का गठन न एलएमडीए का हिस्सा बना जिला

बाराबंकी जिले को इससे बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। इससे जिलेवासियों की जो विकास व मूलभूत सुविधाओं को लेकर उम्मीद जगी थी वह लगभग खत्म हो गई थी। जिलेवासियों की इस बात को ध्यान में रखते हुए अमृत विचार ने 17 जुलाई के अंक में 'बीडीए का गठन न एलएमडीए का हिस्सा बना जिला' शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया था। जिसमें एडीएम अरुण कुमार सिंह ने बताया था कि शासनस्तर पर मामला चल रहा है जल्द ही इस पर अंतिम मुहर लग जाएगी। इसी क्रम में चार दिन बार शासन ने जिले को राज्य राजधानी क्षेत्र में शामिल कर लिया है। अब यह जिला उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अंदर समाहित हो गया है। इससे अब राजधानी लखनऊ की तरह ही जिले में विकास को पंख लगेंगे। बढ़िया सड़कें, मेट्रो ट्रेन के संचालन, बिजली, पानी, आवास आदि सहित योजनाओं में भी जिलेवासियों को लाभ मिलने की आस जग गई है। एससीआर में जिले का 4402 वर्ग किमी. क्षेत्रफल शामिल किया गया है। इससे यहां रहने वाले 32.60 लाख से अधिक आबादी को बहुत कुछ मिल सकेगा।

एससीआर की स्थापना से बदलेगी जिले की सूरत

एससीआर की स्थापना से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो सकेगा। एससीआर के तहत जिले में आधुनिक सड़कों, पुलों, और सार्वजनिक परिवहन की सुविधाओं का विकास होगा। क्षेत्रीय योजनाओं और विकास कार्यों में बेहतर समन्वय स्थापित होगा। क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। वहीं पर्यावरणीय संरक्षण और हरित क्षेत्र के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। एससीआर के तहत जिले में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को भी बढ़ावा देने की बात कही गई है। स्वच्छता अभियानों और हरित क्षेत्र के विकास के लिए विशेष योजनाएं लागू की जाएंगी। सबसे खास बात यह होगी कि शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और उन्नयन हो सकेगा तथा आवास योजनाओं और शहरी विकास की योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

> शासनस्तर से राज्य राजधानी क्षेत्र में बाराबंकी जिले को शामिल किया गया है। इसकी अधिसूचना भी जारी की गई है। इससे अब जिले में विकास कार्यों को गति तो मिलेगी ही साथ ही मेट्रो ट्रेन, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास आदि के क्षेत्र में तेजी से कार्य हो सकेंगे। शासन से जो निर्देश मिलेंगे उसके आधार पर कार्यवाही को अमल में लाया जाएगा।।
>
> -डॉ. अरुण कुमार सिंह,, अपर जिलाधिकारी, बाराबंकी।

एक नजर

आंगनबाड़ी केंद्र में ताला घर लौट गए बच्चे

सतरिख, बाराबंकी, अमृत विचार: विकास खंड की ग्राम पंचायत अब्दुल्लापुर के मजरे लसोरवा का आंगनबाड़ी केंद्र शनिवार को घंटों बंद रहा। इंतजार के बाद बच्चे वापस घर लौट गए। अभिभावकों ने अधिकारियों से इसकी शिकायत की है। सुबह करीब 10 बजे पौधरोपण के लिए अब्दुल्लापुर गांव से प्रधान ऊषादेवी, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, प्रेम रावत सहित अन्य लोग लसोरवा पहुंचे तो देखा कि आंगनबाड़ी केंद्र में ताला बंद है। वहीं एक दर्जन से अधिक बच्चे केंद्र के बाहर इधर-उधर भटक रहे थे। जब इसकी सूचना अभिभावकों को मिली तो मनीराम रावत, अभिलाश रावत, रामसागर सहित कई अन्य लोग आंगनबाड़ी केंद्र पर पहुंच गए। अभिभावकों का कहना है कि उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ती को फोन मिलाया लेकिन बात नहीं हो सकी। इसके बाद अभिभावकों ने अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। लेकिन सीडीपीओ तथा सुपरवाइजर किसी ने भी इसका संज्ञान नहीं लिया और न तो कोई मौके पर पहुंचा। वहीं सीडीपीओ हरख इंदुलता ने बताया कि हमारी और सुपरवाइजर की मुख्यालय पर ट्रेनिंग है।

6 से 7 घंटे हो रही विद्युत कटौती से बढ़ी मुसीबत

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार: उमस भरी गर्मी में की जा रही बिजली की जबरदस्त कटौती से जनजीवन बेहाल है। दिन के साथ साथ रात्रि में की जा रही बंपर बिजली कटौती को लेकर कस्बा व ग्राम वासियों में बिजली विभाग के प्रति जबरदस्त आक्रोश है। पावर कारपोरेशन द्वारा वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्र ही नहीं हैदरगढ़ नगर क्षेत्र में भी दिन व रात में मिलाकर 6 से 7 घंटे की कटौती की जा रही है। सैकड़ों गांव की बिजली पूरी पूरी रात गोल रहती हैं। जिससे लोगों का दिन का चैन व रातों की नींद हराम हो रही है। ग्रामीणों ने सुचारु रूप से बिजली मुहैया कराने की मांग उठाई है।

पेड़-पौधों का हमारे जीवन में विशेष महत्व

मसौली क्षेत्र के रसौली में हुआ मुख्य आयोजन, राज्यमंत्री ने रोपा नीम व पीपल का पौधा

अभियान के तहत पौधरोपण करते राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा। अमृत विचार

कुरुक्षेत्र में पौधरोपण करते हुए ब्लाक प्रमुख संजय तिवारी व बीडीओ मोनिका पाठक। अमृत विचार

ग्राम पंचायत कुसुम्भा में पौधरोपण करतीं बीडीओ डॉ. नेहा शर्मा और पंचायत सचिव यशवंत सिंह। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: पेड़-पौधों का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। बिना इनके जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। महामारी काल ने इनकी महत्ता को साबित भी कर दिया है। उक्त बातें शनिवार को ग्राम पंचायत रसौली में एक वृक्ष मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण के दौरान मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार के खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने कहीं।

बताते चले कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर शनिवार को पूरे क्षेत्र में एक वृक्ष माँ के नाम अभियान के तहत वृहद पौधरोपण किया गया। जिसके तहत सभी ग्राम पंचायतों मे पौधरोपण किया गया। ग्राम पंचायत रसौली में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने नीम एवं पीपल का रोपण करते हुए कहा कि प्रकृति हमारी सबसे बड़ी धरोहर है। वेद भी इस बात को कहते हैं, क्योंकि अथर्वेद में कहा गया है कि प्रकृति से सुरक्षा पाने के लिए उसका संरक्षण करना भी जरूरी है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसे संजोकर रखें और ज्यादा से ज्यादा पौधों को लगाकर इस धरा को हरा भरा बनाएं।

जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत ने कहा कि बढ़ते तापमान को कम करने के लिए पौधे लगाना अत्यंत आवश्यक है। डीएम सत्येंद्र कुमार ने कहा कि प्रकृति और माँ दोनों का ही हमारे जीवन में महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसलिए अबकी बार एक पेड़ मां के नाम से विशेष मुहिम शुरू की गई है। एसपी दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है और उनकी सुरक्षा भी करनी चाहिए। सीडीओ अ. सुदन ने कहा कि मानव और पर्यावरण का अत्यंत गहरा संबंध है। निजी स्वार्थ में लोगों ने प्रकृति का लगातार दोहन किया है, जिससे पर्यावरण असंतुलन की स्थिति बनी है। अब इसे संतुलित करने के लिए सभी को समय रहते प्रयास करना होगा अन्यथा इसके भयावह दुष्परिणाम का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न प्रजातियों के 2400 पौधे रोपित किए गए। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार मौर्य, डीएफओ आकाशदीप वधावन, बीडीओ डॉ. संस्कृता मिश्रा, एडीओ कोऑपरेटिव खुशबू यादव, प्रधान जियाउल हक अंसारी आदि लोग मौजूद रहे। वहीं ग्राम पंचायत अकबरपुर धनेठी में एसडीएम सदर विजय कुमार त्रिवेदी, सीओ सुमित त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

पौधरोपण करते चेयरमैन मोहम्मद हारुन और अधीक्षक डॉ. राधेश्याम गौड़ तथा पौधे रोपित करते अधिकारी। अमृत विचार

प्रमुख सचिव ने असेनी मोड़ पर लगाए पौधे

जिले की नामित प्रभारी अधिकारी वीना कुमारी मीणा (प्रमुख सचिव आबकारी/महिला कल्याण) ने जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, एसपी दिनेश सिंह, सीडीओ अ. सुदन, डीएफओ आकाश दीप वधावन के साथ असेनी मोड़ पर पौधरोपण कार्यक्रम में सहभागिता की। वहीं विकास भवन स्थित कार्यालयों में संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पौधरोपण किया। सभी ने अपने-अपने कार्यालय कक्ष और गैलरी में रखे गमलों में खुशबू और सौंदर्यीकरण के लिए पौधे रोपित किए। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सुरेंद्र श्रीवास्तव, मेराज, श्रीकांत आजाद समेत अन्य कर्मचारियों ने पौधे लगाए।

अल्पसंख्यक विभाग में पौधरोपण करते कर्मचारी। अमृत विचार

कृषक एवं विभागीय प्रक्षेत्रों में भी किया गया पौधरोपण

जिले के अलग-अलग स्कूलों, कोल्ड स्टोरेज, कृषक एवं विभागीय प्रक्षेत्रों में विभागीय नोडल अधिकारी उपनिदेशक उद्यान अयोध्या मंडल गीता त्रिवेदी, जिला उद्यान अधिकारी और जिला उद्यान निरीक्षक गणेश प्रसाद मिश्रा की उपस्थिति में पौधारोपण एवं पौध वितरण कराया गया। मसौली थाना मुख्यालय पर प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह, सीएचसी बड़ागांव में प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. संजीव कुमार सहित सभी ग्राम पंचायतों में प्रधान एव पंचायत सचिवों द्वारा पौधरोपण किया गया। वहीं पंचायत भवन बड़ा गांव में प्रधान नूर फातिमा की अगुवाई में भागड़े की धुन पर पौधों की बारात निकाली गई।

तहसील और ब्लॉक क्षेत्रों में दिखा पर्व जैसा नजारा

ग्राम पंचायत हरख के अमृतसरोवर सरोवर व हनुमान मन्दिर पर ब्लॉक प्रमुख रवि रावत, बीडीओ प्रीति वर्मा, एडीओ पंचायत शंभूनाथ पाठक, प्रभारी सचिव कंचन मिश्रा, प्रधान संघ की अध्यक्ष व ग्राम प्रधान सीमा वर्मा, चट्टान सिंह वर्मा के अलावा ग्रामीणों की उपस्थिति में पौधरोपण किया गया। सतरिख थाने के चौराहे पर नगर पंचायत के कर्मचारियों द्वारा पौध लगाया गया। सीचएसी सतरिख में डा. नीतिश सिंह तो जाटा बरौली में डा. कुलदीप मौर्या, सतरिख थाने में प्रभारी निरीक्षक अमर चौरसिया ने पौधरोपण किया। ब्लॉक सूरतगंज में बीडीओ देवेंद्र प्रताप सिंह ने जिला उपाध्यक्ष शेखर हयारण व पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि आशीष सिंह के साथ में करीब साठ पौधे रोपित किए है। सीएचसी में अधीक्षक डॉ. कुमार संजय पाण्डेय के नेतृत्व में करीब पचास पेड़ रोपित हुए। इसी तरह रामसनेहीघाट में राज्यमंत्री सतीश शर्मा की मौजूदगी में स्कूली बच्चों द्वारा पौधरोपण कराया गया। भिटरिया चौराहा के चारों और लाल, पीला परपल व पिंक कलर वाले गुलमोहर, अमलताश, चकरंडा, सावनी प्रजाति के पौधे लगाए गए। कंधई पुर ग्राम पंचायत में बीडीओ बनीकोडर डॉ. विनय मिश्रा और ग्राम प्रधान आशीष मिश्रा के नेतृत्व पौधे लगे। इसी तरह रामनगर ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी व बीडीओ मोनिका पाठक ने गर्री स्थित कुरुक्षेत्र में पौधरोपण किया। थाना मुख्यालय पर पर कोतवाल रत्नेश पांडेय, महादेवा चौकी पर संतोष कुमार त्रिपाठी पुलिस कर्मियों के साथ पौध रोपित किया। ग्राम किंहौली के प्राथमिक विद्यालय पर ग्राम सचिव निखिल कनौजिया व शिक्षकों ने ग्राम सीहामऊ में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संतोष दिक्षित व अभिषेक दीक्षित प्रधानाध्यापक राकेश कुमार व सिरौली कला में संयुक्त बीडीओ नंदकुमार पांडेय, प्रधान श्रीकांत शुक्ला, कमलेश शुक्ला ने पौधे लगाए। ब्लॉक सिद्धौर के ग्राम पंचायत कोठी में विधायक दिनेश रावत, बीडीओ पूजा सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रमेश वर्मा ने पौधे रोपित कर आवास लाभार्थियों को सहजन और फलदार पौधे वितरित किया।

स्थापना दिवस पर बीओबी ने बच्चों को बांटी शिक्षण सामग्री

सुबेहा, बाराबंकी,

अमृत विचार: बैंक ऑफ बड़ौदा के 117वें स्थापना दिवस पर कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत द्वारा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय आलापुर के समस्त बच्चों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। शाखा प्रबंधक उमेश चंद्रा ने बताया कि बैंक को 20 जुलाई 1908 को बड़ौदा रियासत के राजा की तरफ से स्थापित किया गया था और 19 जुलाई 1969 नेशनल लाइज कर दिया गया था।

विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा के शाखा प्रबंधक उमेश चंद्रा ने स्कूली बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बैंक के मैनेजर द्वारा विद्यालय में नामांकित बच्चों को कॉपी, कलम, ज्यामिति बॉक्स इत्यादि का वितरण किया गया। जिसे पाकर बच्चे काफी खुश दिखे। इसके अलावा निबंध प्रतियोगिता का भी कार्यक्रम हुआ। इसमें पर्यावरण, शिक्षा इत्यादि से संबंधित लेख लिखवाया गया। विशेष सहायक अतुल कुमार दुबे के द्वारा मौखिक रूप से बच्चों से सवाल किया गया। जिस पर बच्चों ने बड़ी उत्सुकता के साथ प्रश्नों का उत्तर दिया। इस अवसर पर अरुण कुमार,सुरेश दुबे,संतोष कुमारी उपस्थित रही।

लोधेश्वर महादेवा में आज से ही उमड़ेगा श्रद्धालुओं का हुजूम

रामनगर, बाराबंकी: अमृत विचार: सावन के प्रथम सोमवार पर लोधेश्वर महादेवा में जलाभिषेक के लिए आज से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने की संभावना जताई जा रही है। अधिकारी व कर्मचारी मेले की तैयारीयों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। लोधेश्वर महादेवा में होने वाले सावनी मेले की शुरूआत सोमवार से होगी। जिसमें हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक कर मनवांछित फल की कामना करेंगे। मेले में आने वाले शिव भक्तों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना ना करना पड़े।

ग्रामीण वित्तीय संस्थानों ने गांव के सपनों को साकार करने में निभाई अहम भूमिका

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी:

अमृत विचार: राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के उप प्रबन्ध निदेशक डॉ एके सूद ने शनिवार को जिले के मुबारकपुर पैक्स का दौरा किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंक लघु एवं माध्यम कृषकों की जरूरतों को समझते हैं एवं उनकी मदद भी करते हैं। इन ग्रामीण वित्तीय संस्थानों ने गांव के सपनों को साकार करने में अहम भूमिका निभाई है।

कार्यक्रम की शुरुआत में आर्यावर्त बैंक के अध्यक्ष संतोष एस ने उप प्रबंध निदेशक नाबार्ड का स्वागत किया नाबार्ड की जिला विकास प्रबंधक श्वेता ने अधिकरियो का धन्यवाद ज्ञापित किया।

लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र देते नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक डॉ.एके सूद।

- मुबारकपुर पैक्स का दौरा करने के दौरान बोले नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक डॉ एके. सूद

इस कार्यक्रम में उपस्थित नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक, आर्यावर्त बैंक के अध्यक्ष संतोष एस. व उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के अपर प्रबन्ध निदेशक सतीश चन्द्र मिश्रा भी शामिल हुए। कार्यक्रम में बैंकर्स, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, किसान उत्पादक संगठनों ने भी भाग लिया।

सार-संक्षेप

पक्षकारों को पौधा देकर पौधरोपण करने की अपील

फतेहपुर, बाराबंकी : अमृत विचार : वृक्षों के बगैर जीवन संभव नहीं है, वृक्ष हमारे लिए अमूल्य अवसादी और मूल्यवान वस्तुओं की सौगात देते हैं। हमें चाहिए कि पर्यावरण को बचाने के लिए अधिकतम पौधरोपण करें। यह विचार उपनिबंधक अवधेश कुमार मिश्रा ने निबंधन कार्यालय फतेहपुर में बैनामा निष्पादन कराने के लिए आने वाले पक्षकारों को एक एक पौधा देकर पौधरोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वृक्षों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन पर्यावरण को आगे बढ़ाने में बल मिलता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए जीवन में पौधे लगाकर उनकी रक्षा और सुरक्षा करना और उनका संवर्धन करना हर किसी का राष्ट्र हित में कर्तव्य होना चाहिए। इस मौके पर अर्चना यादव, मुकेश त्रिपाठी, सुधीर वर्मा आदि मौजूद थे।

पक्षकारों को पौधा देते उपनिबंधक अवधेश कुमार मिश्रा। अमृत विचार

सभी वार्डों में हो रहे विकास कार्य

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे होने पर रामनगर ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी ने उपलब्धियां गिनाई। और जनता की सेवा का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि गांवों का चौमुखी विकास ही उनकी प्राथमिकता है। जन सेवा को ही अपने जीवन का लक्ष्य माना है। जनता के लिए 24 घंटे उपलब्ध हैं और हमेशा रहेंगे। सभी ग्राम प्रधानों और क्षेत्र पंचायत सदस्यों का सम्मान सर्वोपरि है। बिना भेदभाव के सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों के वार्ड में विकास कार्य कराए जा रहे हैं। कोई भी वार्ड विकास से अछूता नहीं रहेगा। कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे होने पर ब्लॉक प्रमुख के समर्थकों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां बांट कर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। इस मौके पर जनप्रतिनिधियों के साथ ब्लॉक कर्मी भी मौजूद रहे।

मनोरंजन के लिए पशुओं को मारना क्रूरता

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : जनपद न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष पंकज कुमार के निर्देशन और श्रीकृष्ण चंद्र सिंह सचिव की अध्यक्षता में पशु चिकित्सालय में पशु क्रूरता एवं पशु संरक्षण विषय पर जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद न्यायाधीश पंकज कुमार ने कहा कि अपने मनोरंजन के लिए पशुओं को मारना क्रूरता के श्रेणि में आता है। इसलिए ऐसा करना सरासर गलत है। शिविर में श्रीकृष्ण ने बताया कि पशुओं के प्रति क्रूरता, जिसे पशु दुर्व्यवहार, पशु उपेक्षा या पशु क्रूरता भी कहा जाता है, मनुष्यों द्वारा पशुओं को या तो भूल (उपेक्षा) या जान बूझकर पीड़ा या नुकसान पहुंचाना है। अधिक संकीर्ण रूप से, यह विशिष्ट उपलब्धियों के लिए नुकसान या पीड़ा पहुंचाना हो सकता है। जैसे मनोरंजन के लिए जानवरों को मारना, पशुओं के प्रति क्रूरता कभी-कभी अपने आप में एक अंत के रूप में नुकसान या पीड़ा पहुंचाना शामिल करती है, पशु क्रूरता से संबंधित कानूनों के प्रति अलग-अलग दृष्टिकोण दुनिया भर के विभिन्न न्यायालयों में होते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ कानून भोजन, कपड़े या अन्य उत्पादों के लिए जानवरों को मारने के तरीकों को नियंत्रित करते हैं और अन्य कानून मनोरंजन, शिक्षा, अनुसंधान या पालतू जानवरों के लिए जानवरों को रखने से संबंधित हैं। इस अवसर पर सीवीओ डॉ. अतुल कुमार अवस्थी, डॉ. सुधीर कुमार उप मुख्य चिकित्साधिकारी, डॉ. सुजीत उप मुख्य चिकित्साधिकारी, डॉ. खिलाड़ी शंकर पशु चिकित्साधिकारी, डॉ. अमित पशु चिकित्साधिकारी, पशुधन प्रसार अधिकारियों में राहुल वर्मा, देश दीपक, सनी सिंह सहित विभाग के कर्मचारी व किसान मौजूद रहे।

आयोजन

राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने की क्षेत्र के प्रसिद्ध नागदेवता मेले की शुरुआत, मेलार्थियों की सुरक्षा के लिए पुख्ता बंदोबस्त

नाग देवता मंदिर का भी जल्द होगा कायाकल्प

सतरिख, बाराबंकी

अमृत विचार: प्रसिद्ध पौराणिक नाग देवता मेले की शुरुआत प्रदेश के खाद रसद एवं नागरिक आपूर्ति राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने शनिवार को फीता काटकर व हवन-पूजन के साथ की। उन्होंने बंकी विकास खंड के मंजीठा स्थिति प्रसिद्ध पौराणिक नाग मेले की शुरुआत के दौरान कहा कि नाग देवता का मेला और मंदिर श्रद्धालुओं के लिए अटूट आस्था और श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है। इसलिए नाग देवता मंदिर का भी जल्द कायाकल्प होगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मंदिर के विकास कार्य के लिए कृत संकल्प है। राज्यमंत्री ने गेट का फीता काटने के बाद मंदिर पहुंच कर बाबी(मठ)पर दूध-चावल चढ़ाया और पूजा-अर्चना करने के बाद मेले की शुरुआत की। राज्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार हर वर्ग के जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है। जिसमें लोगों को आवास, शौचालय, रोजगार, पेंशन सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिल रहा है। धार्मिक स्थलों तथा मंदिरों का विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि नाग देवता मंदिर का भी कायाकल्प किया जाएगा। भाजपा सरकार मंदिरों और आश्रम का कायाकल्प करा रही है। यह स्थान जिले के अलावा अन्य दूरराज के स्थानों से आने श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बना हुआ है। नाग बाबा सबका कल्याण करते हैं। मेला में झूला, सर्कस, मुख्य आकर्षक का केंद्र बने हुए हैं।

श्रद्धालुओं के लिए मेले में अनेक प्रकार की दुकानें सजकर तैयार हो चुकी हैं। मेले की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस चौकी भी स्थापित की गई है। पुलिस मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर मुस्तैद है। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, सीओ सदर सुमित कुमार त्रिपाठी, प्रभारी निरीक्षक अमर कुमार चौरसिया, मेला प्रभारी उपेंद्र कुमार,यादव, प्रबंधक व्यवस्थापक देवकीनंदन, लालता प्रसाद कोरी, गिरजा शंकर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मेले की शुरुआत करते राज्यमंत्री सतीश शर्मा। अमृत विचार

नाग पंचमी पर उमड़ेगी भीड़

रक्षाबंधन के 10 दिन पूर्व मनाए जाने वाला नागपंचमी का पर्व 9 अगस्त को है। इस दिन मंजीठा नागदेवता मंदिर पर भक्तों की अपार भीड़ उमड़ती है। इस एक माह के मेले के दौरान कहा जाए तो इस दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का रेला देखने को मिलता है। सर्पदोष से मुक्ति के लिए लोग पूरी श्रद्धा से छोटी-छोटी मलियों में दूध, चावल, पुष्प आदि लेकर नागदेवता के मठ पर चढ़ाते हैं और मन्नत भी मांगते हैं।

पंखा लगाते समय करंट लगने से महिला की मौत

रामसनेहीघाट, बाराबंकी: अमृत विचार: शनिवार को दोपहर बाद घर में टेबल फैन लगाते समय उतरे करंट से एक 35 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक स्थानीय कोतवाली अंतर्गत मेंडूवा गांव निवासी मनीष सिंह की 35 वर्षीय पत्नी साधना सिंह दोपहर में टेबल पंखा लगा रही थी। तभी अचानक पंखे में करंट आ जाने से उसे जोरदार झटका लगा। वह करंट की चपेट में आ गई। उसकी चीख सुनकर बाहर से दौड़े उसके पति ने किसी प्रकार प्लग से पंखा हटाकर पत्नी को पंखे से छुड़ाया। मौके पर ही बेहोश हो चुकी पत्नी को बदहवास पति इलाज के लिए सीएचसी लेकर आया। जहां पर चिकित्सकों ने उसकी पत्नी को मृत घोषित कर दिया।

औषधि निरीक्षकों की टीम ने की 11 मेडिकल स्टोरों की जांच

जांच के लिए संग्रहित किए गए 11 औषधियों के नमूने, अयोध्या मंडल को अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजी गई आख्या

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

मेडिकल स्टोरों की जांच करती औषधि निरीक्षकों की टीम। अमृत विचार

अमृत विचार: जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार के दिशा-निर्देशन में शनिवार को गठित तीन सदस्यीय औषधि निरीक्षकों की टीम द्वारा जनपद में जिला अस्पताल के नजदीक स्थित 11 मेडिकल स्टोर्स पर सीसीटीवी कैमरों एवं शेड्यूल एच-1 की औषधियों तथा नारकोटिक्स श्रेणी की औषधियों के क्रय-विक्रय की जांच की गई।

औषधि निरीक्षक श्रीमती सीमा सिंह ने बताया कि सहायक आयुक्त (औषधि) जीसी श्रीवास्तव द्वारा गठित औषधि निरक्षकों की टीम में औषधि निरीक्षक अयोध्या सुमित कुमार वर्मा, औषधि निरीक्षक अमेठी कमलेश मिश्रा और औषधि निरीक्षक बाराबंकी सीमा सिंह द्वारा जिला अस्पताल के आस पास स्थित कुल 11 मेडिकल स्टोरों की जांच की गई। जिसमें लखनऊ मेडिकल स्टोर, रघुनन्दन प्लाजा मुंशीगंज कोतवाली नगर, हरिनाम मेडिकल स्टोर रघुनन्दन प्लाजा शाप नंबर दो निकट महिला अस्पताल, सचिन मेडिकल स्टोर, रघुनन्दन प्लाजा निकट हास्पिटल, लखनऊ मेडिकल स्टोर, ओम मेडिकल स्टोर, सिटी सेंटर हास्पिटल रोड, न्यू के संस सिटी सेंटर, राज मेडिकल्स, भारत मेडिकल स्टोर हास्पिटल गेट के सामने, वी जैन एवं संस हास्पिटल गेट के सामने, वर्मा मेडिकल स्टोर, हास्पिटल गेट के सामने, शील एनर्प्राइजेज निकट हास्पिटल गेट, कृष्णा मेडिक्स निकट हास्पिटल गेट की जांच की गई।

टीम के जांच अधिकारियों ने सभी मेडिकल स्टोरों पर सीसीटीवी कैमरों का संचालन एवं फुटेज की सघन जांच की । जिसमें वी जैन मेडिकल स्टोर, सचिन मेडिकल स्टोर एवं ओम मेडिकल स्टोर पर कैमरे संचालित नहीं पाए गए। शेड्यूल एच-1 की औषधियों संबंधी अभिलेख न पाए जाने के चलते कृष्णा मेडिक्स के भी क्रय विक्रय पर रोक लगाई गई। इन मेडिकल स्टोर्स को नोटिस देते हुए तत्काल प्रभाव से औषधियों के क्रय-विक्रय पर रोक लगाई गई तथा जांच के समय कुल 11 औषधियों के नमूने भी जांच एवं विश्लेषण हेतु संग्रहित किए गए। टीम ने बताया है कि सभी मेडिकल स्टोर्स पर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई के लिए आख्या औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी (विक्रय) अयोध्या मंडल को प्रेषित की गई है।

हत्यारे को आजीवन कारावास बीस हजार रुपये का जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

▶▶ बांके से महिला की गर्दन काटकर हत्या करने का मामला

अमृत विचार: बांके से महिला की गर्दन काटकर हत्या करने के मामले में न्यायालय ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। मामला साल 21 जुलाई 2023 का है।

फहतेहपुर थाना क्षेत्र के मिठवारा निवासी अब्दुल रसीद पुत्र स्व. मुन्ना ने थाने में तहरीर देकर अपनी बहन की बांके से काटकर हत्या करने वाले मो. रियाज के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। तत्कालीन विवेचक रहे उपनिरीक्षक धीरेन्द्र कुमार सिंह ने आरोपी को गिरफ्तार कर 15 दिनों में आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर जघन्य अपराधों व अपराधियों को सजा सुनाए जाने को लेकर बनाई गई मानीटरिग सेल के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा न्यायालय में तेजी से पैरवी करते हुए आरोपी को सजा दिलाने के लिए सबूतों और मजबूत गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर पैरवी की। सबूतों और मजबूत गवाहों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी रियाज़ को हत्या के मामले में उम्र कैद व बीस हजार रुपये के जुर्माना लगाया है।

गमछे से फंदे से लटका मिला अधेड़ का शव

सूरतगंज, बाराबंकी

▶▶ लोगों के मुताबिक-पत्नी से विवाद के चलते दी जान

▶▶ पुलिस की जांच में शराबी होने की बात आई है सामने

अमृत विचार: 50 वर्षीय एक अधेड़ का शव फंदे से लटका हुआ मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्मार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा है। लोगों में चर्चा यह है कि दूसरी पत्नी से विवाद के कारण और शराब का लती होने चलते अधेड़ ने जान दी है। वहीं पुलिस भी आत्महत्या की बात कह रही है।

मोहम्मदपुर खाला थाना के अमेरा गांव में शनिवार की सुबह 50 वर्षीय दिनेश रावत का शव उसके घर के बरामदे में लगे हुए छल्ले में गमछे से फंदे पर लटकता हुआ मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पोस्मार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है लेकिन चर्चा यह है की दिनेश कुछ दिन पूर्व दूसरी पत्नी ले आया था। तो उसके साथ उसके अच्छे संबंध न होने के कारण दिनेश अवसाद में चल रहा था। जबकि पुलिस की जांच में ऐसे कोई तत्व सामने नहीं आए हैं बल्कि शराब का नशा हर समय किए जाने की बात सामने आई है। वहीं दिनेश के चार बेटियां हैं जिनकी शादी हो चुकी है। 18 साल पहले पत्नी की बीमारी के चलते निधन हो चुका हैं। उधर, किसी पर कोई भी आरोप-प्रत्यारोप बेटियों ने नहीं लगाएं हैं। इस संबंध पर प्रभारी निरीक्षक अनिल सिंह बताया की शव पोस्मार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सार-संक्षेप

6 अगस्त को उपचुनाव, 8 को आएंगे परिणाम

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : विकासखंड के तीन क्षेत्र पंचायत सदस्यों के निधन से रिक्त हुए पदों के लिए उपचुनाव होना है। जिसके लिए तिथि निर्धारित कर दी गई है। इसका परिणाम 8 अगस्त को घोषित होना तय किया गया है। शनिवार को सम्भावित प्रत्याशियों के द्वारा ब्लॉक मुख्यालय पर ग्राम पंचायत भरसवां में 6 व शेखपुर अलीपुर में 1 तथा गोबरहा में 3 सहित कुल 10 नामांकन पत्र ख़रीदे गए। चुनाव आयोग के द्वारा निर्धारित उपचुनाव तिथि के अनुसार 22 जुलाई को नामांकन किया जाएगा। जिसकी जांच 23 को होगी। अगले दिन 24 जुलाई को पर्चे की वापसी के बाद चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। 6 अगस्त को मतदान होंगे तथा 8 अगस्त को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किया जाएगा।

किसानों को दौड़ा रहे तहसील और थाने के अधिकारी

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन अम्बावाता गुट की मासिक बैठक गन्ना संस्थान परिसर में जिलाध्यक्ष लवकुश यादव, जिला महामंत्री अमित सोनी व प्रदेश अध्यक्ष अमरेंद्र बहादुर सिंह की उपस्थिति में हुई। प्रदेश उपाध्यक्ष सफीक ने अवगत कराया कि 10 अगस्त को राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी रिशिपाल अंबावत चारबाग रेलवे स्टेशन स्थित रविंद्रालय में आना तय हुआ है। वहीं युवा प्रदेश अध्यक्ष धीरेन्द्र रावत ने कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर किसानों की समस्याओं को न सुनकर तहसील और थानों पर से किसानों को दर्जनों बार अनसुना कर दौड़ाया जा रहा है। अमित सोनी ने कहा एआरटीओ कार्यालय के अंदर बाबुओं से सांठगांठ करके अपने पास प्राइवेट लड़कों को रखकर गाड़ी का लाइसेंस बनाने फिटनेस करने के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है आदि समेत कई मुद्दों को उठाया गा। बैठक के बाद 16 बिंदुओं पर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में न्यायिक मजिस्ट्रेट को सौंपा गया। इस मौके पर तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एमएलसी ने मेधावी छात्राओं को बांटे टैबलेट

छात्रा को टैबलेट देते एमएलसी अंगद सिंह। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी : अमृत विचार : स्थानीय नाका पैसार स्थित श्री गंगा मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कालेज में एमएलसी अंगद कुमार सिंह ने मेधावी छात्राओं को टैबलेट वितरित किए। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एमएलसी अंगद कुमार ने मां शारदे की प्रतिमापर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की एमएलसी ने मौजूद छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए किसी भी सफलता को आसानी से अर्जित किया जा सकता है । उन्होंने छात्राओं से नियमित स्वाध्याय करने की बात कही । महाविघालय के प्रबन्धक चन्द्र किशोर वर्मा ने छात्रों को इसी ऊर्जा के साथ अध्ययन करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में सफलता अर्जित करने की बात कही व आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर टैबलेट प्रकार छात्रों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। इस एसके वर्मा महाविघालय की प्रशासनिक प्रमुख मानसी यादव प्रवक्तागण डॉ .अंजलि सिंह, डा .पूनम वर्मा, विमलेश वर्मा, अनुराग वर्मा, ओमकार वर्मा और नितिन वर्मा रहे।

कारगिल विजय दिवस पर भाजयुमो निकालेगी मशाल जुलूस

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी : अमृत विचार : भारतीय जनता युवा मोर्चा की जिला कार्यकारिणी की बैठक भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री शिवेंद्र विक्रम शाही ने की। बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर भाजयुमो के जिला पदाधिकारियों द्वारा लगभग ढाई हजार कार्यकर्ताओं को जोड़कर मसाल जुलूस निकालेगी। मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लगभग 3 महीने तक चले भारत –पाक कारगिल युद्ध के दौरान हमारे वीर सैनिकों ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल में विजय प्राप्त की । यह हम सब देशवासियों के लिए ऐतिहासिक दिन रहा। इसलिए भाजुमो कार्यकर्ता कारगिल विजय की 25 वी वर्षगांठ पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता कर रहे भाजयुमो अध्यक्ष रोहित सिंह ने बताया कि कारगिल विजय की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 25 जुलाई को 2500 युवाओं के साथ मशाल जुलूस निकालकर वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। 26 जुलाई को शहीद वीर जवानों की प्रदर्शनी व देश भक्ति सभा का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सर्वेश अवस्थी, अनुज वर्मा, शिव कुमार यादव, अरुण रावत, सुधाकर सोनी, कुलदीप सैनी, अनुज, विकास शुक्ला, दिनेश सिंह, रामजी आदि लोग मौजूद।

कार्यालय ग्राम पंचायत भिटौरा विकासखंड रामनगर जिला बाराबंकी

पत्रांक :– ग्रा0पं0का0/2024–25 दिनांक – 20/07/2024

निविदा आपूर्ति सूचना

मनरेगा योजना अंतर्गत /15वां वित्त आयोग/पंचम राज्य वित्त आयोग/ स्वच्छ भारत मिशन अभियान/ ग्राम निधि/एस0बी0एम0 (आर0आर0सी0) अंतर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण एवं मरम्मत, अन्नपूर्णा खाद्य भंडार निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री, पंचायत भवन निर्माण एवं विद्यालयों का कायाकल्प, विद्यालय एवं पंचायत भवन चहरदीवार निर्माण, साजसज्जा, सामुदायिक शौचायलयों का निर्माण एवं मरम्मत, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, डेक्स बेंच आदि क्रय, अमृत सरोवर निर्माण,खडंजा, नाली,नाला, इंटरलॉकिंग निर्माण,आर0सी0सी0 रोड, पेयजल आपूर्ति, आरओ वाटर कूलर सिस्टम, फागिंग मशीन क्रय व मरम्मत, 2x2 वेटरीफाइट टाइल्स, व्यक्तिगत कार्य, साफ सफाई किट, हाई मास्क लाइट,स्ट्रीट लाइट,सोलर लाइट, गौ/पशु आश्रय स्थल निर्माण एवं मरम्मत, समतलीकरण,भूसा, हरा चारा,चोकर,पी एल सी, सी एस सी, प्रवेश द्वार निर्माण, अन्य आकस्मिक कार्य, इत्यादि विकास कार्यों के लिए सीमेंट ईंट प्रथम श्रेणी, सीधा तांबड़ा ईट, मौरंग, बालू,सरिया,टाइल्स,रंगाई पुताई तथा वायरिंग, गिट्टी ह्यूम पाइप पत्थर गिट्टी, सीमेंट ईंट, हैंडपम्प मरम्मत एवं रिबोर सामग्री, पशु देखभाल एवं उपचार सामग्री, ठेलिया,ई0–रिक्शा अश्वटो इत्यादि आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा सूचना प्रकाशन के दिनांक 22 जुलाई से 29/7/2024 के अंदर सामग्री आपूर्ति हेतु अपने निविदा दर व वंचित पत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय के टेंडर बॉक्स में डालना सुनिश्चित करें।

नियम एवं शर्तें :–

1–जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसी की निविदा स्वीकार करते हुए सामग्री आपूर्ति के लिए सूचित किया जाएगा। यदि आपूर्तिकर्ता निर्धारित समय सीमा में आपूर्ति नहीं कर पाता है तो ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत निविदा निरस्त करते हुए वरीयता क्रम में अन्य फर्म को आपूर्ति करवाने के लिए स्वतंत्र होगी।
2– जिस फर्म का जीएसटी पंजीकृत हो व आयकर दाता हो की प्रमाणित छाया प्रति संकलन करना आवश्यक है।
3– यह की ग्राम पंचायत सचिव/ ग्राम पंचायत द्वारा नामित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा आपूर्ति करता की मौजूदगी में निविदा खोली जाएगी।
4– सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत करो से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी।
5– जो दरे प्रस्तुत की जाए वह दरें जीएसटी, धुलाई ,चढ़ाई उतराई तथा अन्य करो को जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
6– सामग्री आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत / ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाए।
7– प्रस्तुत रेट पी डब्लू डी व एस0 ओ 0आर 0 के स्वीकृत दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
8– स्वीकृत आपूर्ति का भुगतान तकनीकी सहायक /अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरांत की जाए।

नोट–सामग्री की गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जाएगा।

ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत भिटौरा, विकास खंड रामनगर, जिला बाराबंकी
सचिव, ग्राम पंचायत भिटौरा, विकास खंड रामनगर, जिला बाराबंकी

कार्यालय ग्राम पंचायत बिन्दौर परशपुर विकासखंड रामनगर जिला बाराबंकी

पत्रांक :– ग्रा0पं0का0/2024–25 दिनांक – 20/07/2024

निविदा आपूर्ति सूचना

मनरेगा योजना अंतर्गत /15वां वित्त आयोग/पंचम राज्य वित्त आयोग/ स्वच्छ भारत मिशन अभियान/ ग्राम निधि/एस0बी0एम0 (आर0आर0सी0) अंतर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण एवं मरम्मत, अन्नपूर्णा खाद्य भंडार निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री, पंचायत भवन निर्माण एवं विद्यालयों का कायाकल्प, विद्यालय एवं पंचायत भवन चहरदीवार निर्माण, साजसज्जा, सामुदायिक शौचायलयों का निर्माण एवं मरम्मत, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, डेक्स बेंच आदि क्रय, अमृत सरोवर निर्माण,खडंजा, नाली,नाला, इंटरलॉकिंग निर्माण,आर0सी0सी0 रोड, पेयजल आपूर्ति, आरओ वाटर कूलर सिस्टम, फागिंग मशीन क्रय व मरम्मत, 2x2 वेटरीफाइट टाइल्स, व्यक्तिगत कार्य, साफ सफाई किट, हाई मास्क लाइट,स्ट्रीट लाइट,सोलर लाइट, गौ/पशु आश्रय स्थल निर्माण एवं मरम्मत, समतलीकरण,भूसा, हरा चारा,चोकर,पी एल सी, सी एस सी, प्रवेश द्वार निर्माण, अन्य आकस्मिक कार्य, इत्यादि विकास कार्यों के लिए सीमेंट ईंट प्रथम श्रेणी, सीधा तांबड़ा ईट, मौरंग, बालू,सरिया,टाइल्स,रंगाई पुताई तथा वायरिंग, गिट्टी ह्यूम पाइप पत्थर गिट्टी, सीमेंट ईंट, हैंडपम्प मरम्मत एवं रिबोर सामग्री, पशु देखभाल एवं उपचार सामग्री, ठेलिया,ई0–रिक्शा अश्वटो इत्यादि आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा सूचना प्रकाशन के दिनांक 22 जुलाई से 29/7/2024 के अंदर सामग्री आपूर्ति हेतु अपने निविदा दर व वंचित पत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय के टेंडर बॉक्स में डालना सुनिश्चित करें।

नियम एवं शर्तें :–

1–जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसी की निविदा स्वीकार करते हुए सामग्री आपूर्ति के लिए सूचित किया जाएगा। यदि आपूर्तिकर्ता निर्धारित समय सीमा में आपूर्ति नहीं कर पाता है तो ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत निविदा निरस्त करते हुए वरीयता क्रम में अन्य फर्म को आपूर्ति करवाने के लिए स्वतंत्र होगी।
2– जिस फर्म का जीएसटी पंजीकृत हो व आयकर दाता हो की प्रमाणित छाया प्रति संकलन करना आवश्यक है।
3– यह की ग्राम पंचायत सचिव/ ग्राम पंचायत द्वारा नामित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा आपूर्ति करता की मौजूदगी में निविदा खोली जाएगी।
4– सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत करो से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी।
5– जो दरे प्रस्तुत की जाए वह दरें जीएसटी, धुलाई ,चढ़ाई उतराई तथा अन्य करो को जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
6– सामग्री आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत / ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाए।
7– प्रस्तुत रेट पी डब्लू डी व एस0 ओ 0आर 0 के स्वीकृत दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
8– स्वीकृत आपूर्ति का भुगतान तकनीकी सहायक /अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरांत की जाए।

नोट–सामग्री की गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जाएगा।

ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत बिन्दौर परशपुर, विकास खंड रामनगर, जिला बाराबंकी
सचिव, ग्राम पंचायत बिन्दौर परशपुर, विकास खंड रामनगर, जिला बाराबंकी

कार्यालय ग्राम पंचायत शाहपुर चकबहेरवा विकासखंड रामनगर जिला बाराबंकी

पत्रांक :– ग्रा0पं0का0/2024–25 दिनांक – 20/07/2024

निविदा आपूर्ति सूचना

मनरेगा योजना अंतर्गत /15वां वित्त आयोग/पंचम राज्य वित्त आयोग/ स्वच्छ भारत मिशन अभियान/ ग्राम निधि/एस0बी0एम0 (आर0आर0सी0) अंतर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण एवं मरम्मत, अन्नपूर्णा खाद्य भंडार निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री, पंचायत भवन निर्माण एवं विद्यालयों का कायाकल्प, विद्यालय एवं पंचायत भवन चहरदीवार निर्माण, साजसज्जा, सामुदायिक शौचायलयों का निर्माण एवं मरम्मत, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, डेक्स बेंच आदि क्रय, अमृत सरोवर निर्माण,खडंजा, नाली,नाला, इंटरलॉकिंग निर्माण,आर0सी0सी0 रोड, पेयजल आपूर्ति, आरओ वाटर कूलर सिस्टम, फागिंग मशीन क्रय व मरम्मत, 2x2 वेटरीफाइट टाइल्स, व्यक्तिगत कार्य, साफ सफाई किट, हाई मास्क लाइट,स्ट्रीट लाइट,सोलर लाइट, गौ/पशु आश्रय स्थल निर्माण एवं मरम्मत, समतलीकरण,भूसा, हरा चारा,चोकर,पी एल सी, सी एस सी, प्रवेश द्वार निर्माण, अन्य आकस्मिक कार्य, इत्यादि विकास कार्यों के लिए सीमेंट ईंट प्रथम श्रेणी, सीधा तांबड़ा ईट, मौरंग, बालू,सरिया,टाइल्स,रंगाई पुताई तथा वायरिंग, गिट्टी ह्यूम पाइप पत्थर गिट्टी, सीमेंट ईंट, हैंडपम्प मरम्मत एवं रिबोर सामग्री, पशु देखभाल एवं उपचार सामग्री, ठेलिया,ई0–रिक्शा अश्वटो इत्यादि आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा सूचना प्रकाशन के दिनांक 22 जुलाई से 29/7/2024 के अंदर सामग्री आपूर्ति हेतु अपने निविदा दर व वंचित पत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय के टेंडर बॉक्स में डालना सुनिश्चित करें।

नियम एवं शर्तें :–

1–जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसी की निविदा स्वीकार करते हुए सामग्री आपूर्ति के लिए सूचित किया जाएगा। यदि आपूर्तिकर्ता निर्धारित समय सीमा में आपूर्ति नहीं कर पाता है तो ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत निविदा निरस्त करते हुए वरीयता क्रम में अन्य फर्म को आपूर्ति करवाने के लिए स्वतंत्र होगी।
2– जिस फर्म का जीएसटी पंजीकृत हो व आयकर दाता हो की प्रमाणित छाया प्रति संकलन करना आवश्यक है।
3– यह की ग्राम पंचायत सचिव/ ग्राम पंचायत द्वारा नामित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा आपूर्ति करता की मौजूदगी में निविदा खोली जाएगी।
4– सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत करो से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी।
5– जो दरे प्रस्तुत की जाए वह दरें जीएसटी, धुलाई ,चढ़ाई उतराई तथा अन्य करो को जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
6– सामग्री आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत / ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाए।
7– प्रस्तुत रेट पी डब्लू डी व एस0 ओ 0आर 0 के स्वीकृत दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
8– स्वीकृत आपूर्ति का भुगतान तकनीकी सहायक /अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरांत की जाए।

नोट–सामग्री की गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जाएगा।

ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत शाहपुर चकबहेरवा, विकास खंड रामनगर, जिला बाराबंकी
सचिव, ग्राम पंचायत शाहपुर चकबहेरवा, विकास खंड रामनगर, जिला बाराबंकी

कार्यालय ग्राम पंचायत रामपुरखर्गी विकासखंड रामनगर जिला बाराबंकी

पत्रांक :– ग्रा0पं0का0/2024–25 दिनांक – 20/07/2024

निविदा आपूर्ति सूचना

मनरेगा योजना अंतर्गत /15वां वित्त आयोग/पंचम राज्य वित्त आयोग/ स्वच्छ भारत मिशन अभियान/ ग्राम निधि/एस0बी0एम0 (आर0आर0सी0) अंतर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण एवं मरम्मत, अन्नपूर्णा खाद्य भंडार निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री, पंचायत भवन निर्माण एवं विद्यालयों का कायाकल्प, विद्यालय एवं पंचायत भवन चहरदीवार निर्माण, साजसज्जा, सामुदायिक शौचायलयों का निर्माण एवं मरम्मत, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, डेक्स बेंच आदि क्रय, अमृत सरोवर निर्माण,खडंजा, नाली,नाला, इंटरलॉकिंग निर्माण,आर0सी0सी0 रोड, पेयजल आपूर्ति, आरओ वाटर कूलर सिस्टम, फागिंग मशीन क्रय व मरम्मत, 2x2 वेटरीफाइट टाइल्स, व्यक्तिगत कार्य, साफ सफाई किट, हाई मास्क लाइट,स्ट्रीट लाइट,सोलर लाइट, गौ/पशु आश्रय स्थल निर्माण एवं मरम्मत, समतलीकरण,भूसा, हरा चारा,चोकर,पी एल सी, सी एस सी, प्रवेश द्वार निर्माण, अन्य आकस्मिक कार्य, इत्यादि विकास कार्यों के लिए सीमेंट ईंट प्रथम श्रेणी, सीधा तांबड़ा ईट, मौरंग, बालू,सरिया,टाइल्स,रंगाई पुताई तथा वायरिंग, गिट्टी ह्यूम पाइप पत्थर गिट्टी, सीमेंट ईंट, हैंडपम्प मरम्मत एवं रिबोर सामग्री, पशु देखभाल एवं उपचार सामग्री, ठेलिया,ई0–रिक्शा अश्वटो इत्यादि आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा सूचना प्रकाशन के दिनांक 22 जुलाई से 29/7/2024 के अंदर सामग्री आपूर्ति हेतु अपने निविदा दर व वंचित पत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय के टेंडर बॉक्स में डालना सुनिश्चित करें।

नियम एवं शर्तें :–

1–जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसी की निविदा स्वीकार करते हुए सामग्री आपूर्ति के लिए सूचित किया जाएगा। यदि आपूर्तिकर्ता निर्धारित समय सीमा में आपूर्ति नहीं कर पाता है तो ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत निविदा निरस्त करते हुए वरीयता क्रम में अन्य फर्म को आपूर्ति करवाने के लिए स्वतंत्र होगी।
2– जिस फर्म का जीएसटी पंजीकृत हो व आयकर दाता हो की प्रमाणित छाया प्रति संकलन करना आवश्यक है।
3– यह की ग्राम पंचायत सचिव/ ग्राम पंचायत द्वारा नामित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा आपूर्ति करता की मौजूदगी में निविदा खोली जाएगी।
4– सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत करो से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी।
5– जो दरे प्रस्तुत की जाए वह दरें जीएसटी, धुलाई ,चढ़ाई उतराई तथा अन्य करो को जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
6– सामग्री आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत / ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाए।
7– प्रस्तुत रेट पी डब्लू डी व एस0 ओ 0आर 0 के स्वीकृत दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
8– स्वीकृत आपूर्ति का भुगतान तकनीकी सहायक /अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरांत की जाए।

नोट–सामग्री की गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जाएगा।

ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत रामपुरखर्गी, विकास खंड रामनगर, जिला बाराबंकी
सचिव, ग्राम पंचायत रामपुरखर्गी, विकास खंड रामनगर, जिला बाराबंकी

कार्यालय ग्राम पंचायत गोपालपुर विकासखंड रामनगर जिला बाराबंकी

पत्रांक :– ग्रा0पं0का0/2024–25 दिनांक – 20/07/2024

निविदा आपूर्ति सूचना

मनरेगा योजना अंतर्गत /15वां वित्त आयोग/पंचम राज्य वित्त आयोग/ स्वच्छ भारत मिशन अभियान/ ग्राम निधि/एस0बी0एम0 (आर0आर0सी0) अंतर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण एवं मरम्मत, अन्नपूर्णा खाद्य भंडार निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री, पंचायत भवन निर्माण एवं विद्यालयों का कायाकल्प, विद्यालय एवं पंचायत भवन चहरदीवार निर्माण, साजसज्जा, सामुदायिक शौचायलयों का निर्माण एवं मरम्मत, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, डेक्स बेंच आदि क्रय, अमृत सरोवर निर्माण,खडंजा, नाली,नाला, इंटरलॉकिंग निर्माण,आर0सी0सी0 रोड, पेयजल आपूर्ति, आरओ वाटर कूलर सिस्टम, फागिंग मशीन क्रय व मरम्मत, 2x2 वेटरीफाइट टाइल्स, व्यक्तिगत कार्य, साफ सफाई किट, हाई मास्क लाइट,स्ट्रीट लाइट,सोलर लाइट, गौ/पशु आश्रय स्थल निर्माण एवं मरम्मत, समतलीकरण,भूसा, हरा चारा,चोकर,पी एल सी, सी एस सी, प्रवेश द्वार निर्माण, अन्य आकस्मिक कार्य, इत्यादि विकास कार्यों के लिए सीमेंट ईंट प्रथम श्रेणी, सीधा तांबड़ा ईट, मौरंग, बालू,सरिया,टाइल्स,रंगाई पुताई तथा वायरिंग, गिट्टी ह्यूम पाइप पत्थर गिट्टी, सीमेंट ईंट, हैंडपम्प मरम्मत एवं रिबोर सामग्री, पशु देखभाल एवं उपचार सामग्री, ठेलिया,ई0–रिक्शा अश्वटो इत्यादि आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा सूचना प्रकाशन के दिनांक 22 जुलाई से 29/7/2024 के अंदर सामग्री आपूर्ति हेतु अपने निविदा दर व वंचित पत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय के टेंडर बॉक्स में डालना सुनिश्चित करें।

नियम एवं शर्तें :–

1–जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसी की निविदा स्वीकार करते हुए सामग्री आपूर्ति के लिए सूचित किया जाएगा। यदि आपूर्तिकर्ता निर्धारित समय सीमा में आपूर्ति नहीं कर पाता है तो ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत निविदा निरस्त करते हुए वरीयता क्रम में अन्य फर्म को आपूर्ति करवाने के लिए स्वतंत्र होगी।
2– जिस फर्म का जीएसटी पंजीकृत हो व आयकर दाता हो की प्रमाणित छाया प्रति संकलन करना आवश्यक है।
3– यह की ग्राम पंचायत सचिव/ ग्राम पंचायत द्वारा नामित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा आपूर्ति करता की मौजूदगी में निविदा खोली जाएगी।
4– सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत करो से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी।
5– जो दरे प्रस्तुत की जाए वह दरें जीएसटी, धुलाई ,चढ़ाई उतराई तथा अन्य करो को जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
6– सामग्री आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत / ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाए।
7– प्रस्तुत रेट पी डब्लू डी व एस0 ओ 0आर 0 के स्वीकृत दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
8– स्वीकृत आपूर्ति का भुगतान तकनीकी सहायक /अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरांत की जाए।

नोट–सामग्री की गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जाएगा।

ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत गोपालपुर, विकास खंड रामनगर, जिला बाराबंकी
सचिव, ग्राम पंचायत गोपालपुर, विकास खंड रामनगर, जिला बाराबंकी

कार्यालय ग्राम पंचायत गर्री विकासखंड रामनगर जिला बाराबंकी

पत्रांक :– ग्रा0पं0का0/2024–25 दिनांक – 20/07/2024

निविदा आपूर्ति सूचना

मनरेगा योजना अंतर्गत /15वां वित्त आयोग/पंचम राज्य वित्त आयोग/ स्वच्छ भारत मिशन अभियान/ ग्राम निधि/एस0बी0एम0 (आर0आर0सी0) अंतर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण एवं मरम्मत, अन्नपूर्णा खाद्य भंडार निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री, पंचायत भवन निर्माण एवं विद्यालयों का कायाकल्प, विद्यालय एवं पंचायत भवन चहरदीवार निर्माण, साजसज्जा, सामुदायिक शौचायलयों का निर्माण एवं मरम्मत, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, डेक्स बेंच आदि क्रय, अमृत सरोवर निर्माण,खडंजा, नाली,नाला, इंटरलॉकिंग निर्माण,आर0सी0सी0 रोड, पेयजल आपूर्ति, आरओ वाटर कूलर सिस्टम, फागिंग मशीन क्रय व मरम्मत, 2x2 वेटरीफाइट टाइल्स, व्यक्तिगत कार्य, साफ सफाई किट, हाई मास्क लाइट,स्ट्रीट लाइट,सोलर लाइट, गौ/पशु आश्रय स्थल निर्माण एवं मरम्मत, समतलीकरण,भूसा, हरा चारा,चोकर,पी एल सी, सी एस सी, प्रवेश द्वार निर्माण, अन्य आकस्मिक कार्य, इत्यादि विकास कार्यों के लिए सीमेंट ईंट प्रथम श्रेणी, सीधा तांबड़ा ईट, मौरंग, बालू,सरिया,टाइल्स,रंगाई पुताई तथा वायरिंग, गिट्टी ह्यूम पाइप पत्थर गिट्टी, सीमेंट ईंट, हैंडपम्प मरम्मत एवं रिबोर सामग्री, पशु देखभाल एवं उपचार सामग्री, ठेलिया,ई0–रिक्शा अश्वटो इत्यादि आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा सूचना प्रकाशन के दिनांक 22 जुलाई से 29/7/2024 के अंदर सामग्री आपूर्ति हेतु अपने निविदा दर व वंचित पत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय के टेंडर बॉक्स में डालना सुनिश्चित करें।

नियम एवं शर्तें :–

1–जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसी की निविदा स्वीकार करते हुए सामग्री आपूर्ति के लिए सूचित किया जाएगा। यदि आपूर्तिकर्ता निर्धारित समय सीमा में आपूर्ति नहीं कर पाता है तो ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत निविदा निरस्त करते हुए वरीयता क्रम में अन्य फर्म को आपूर्ति करवाने के लिए स्वतंत्र होगी।
2– जिस फर्म का जीएसटी पंजीकृत हो व आयकर दाता हो की प्रमाणित छाया प्रति संकलन करना आवश्यक है।
3– यह की ग्राम पंचायत सचिव/ ग्राम पंचायत द्वारा नामित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा आपूर्ति करता की मौजूदगी में निविदा खोली जाएगी।
4– सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत करो से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी।
5– जो दरे प्रस्तुत की जाए वह दरें जीएसटी, धुलाई ,चढ़ाई उतराई तथा अन्य करो को जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
6– सामग्री आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत / ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाए।
7– प्रस्तुत रेट पी डब्लू डी व एस0 ओ 0आर 0 के स्वीकृत दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
8– स्वीकृत आपूर्ति का भुगतान तकनीकी सहायक /अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरांत की जाए।

नोट–सामग्री की गुणवत्ता खराब होने पर आपूर्तिकर्ता को भुगतान नहीं किया जाएगा।

ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत गर्री, विकास खंड रामनगर, जिला बाराबंकी
सचिव, ग्राम पंचायत गर्री, विकास खंड रामनगर, जिला बाराबंकी

महाकुंभ को अक्टूबर तक पूरे हों सभी कार्य: योगी

मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से ली महाकुंभ की जानकारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ, प्रयागराज

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के लिए अक्टूबर तक सभी कार्य पूरे किये जायं। मुख्यमंत्री शनिवार को प्रयागराज में अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से महाकुंभ की तैयारियों की जानकारी ले रहे थे। उन्होंने सर्किट हाउस में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। संगम किनारे स्थित लेटे हनुमान के मंदिर में पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ को भव्य और दिव्य कराने के साथ स्वच्छ, सुरक्षित और हरित स्वरूप देने के निर्देश दिये। उन्होंने महाकुंभ में ड्यूटी करने वाले सभी कर्मियों को 'नेमप्लेट' और 'यूनिकोड' उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही ट्रेनिंग को समय पर पूरा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि हरित महाकुंभ के मद्देनजर कुंभ क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह से रोक होनी चाहिए। सभी कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरे कर लिये जायं। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के आयोजन से जुड़े सभी स्टेक होल्डर्स, साधु संतों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों और सभी संस्थाओं के साथ बेहतर तालमेल बनाकर उनसे सतत संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए।

प्रयागराज सर्किट हॉउस में अधिकारियों संग बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व कैबिनेट मंत्री। अमृत विचार

बैठक में नहीं पहुंचे डिप्टी सीएम

महाकुंभ को लेकर मुख्यमंत्री की बैठक में कई मंत्री व विभागीय अधिकारी शामिल हुए, पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य नहीं शामिल हुए। वह शनिवार को प्रयागराज में ही थे। मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री के पहुंचने का समय अलग-अलग था। केशव प्रसाद मौर्य मंत्री नंद गोपाल नंदी के पुत्र के प्रीतिभोज समारोह में भी शामिल हुए और वहां से कौशाम्बी के लिए रवाना हो गए।

कैबिनेट मंत्री नंदी के बेटे के प्रीतिभोज समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी, दिया आशीर्वाद

कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के बेटे और बहू को आशीर्वाद देते सीएम योगी।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के बेटे के प्रीतिभोज समारोह में शामिल होने सूबे के मुखिया मुख्यमंत्री योगी कड़ी सुरक्षा में प्रयागराज पहुंचे। जहां उन्होंने मंत्री नंदी के बहादुर गंज स्थित आवास पर पहुंचे। इस मौके पर पूर्व मेयर व मंत्री नंदी की पत्नी अभिलाषा गुप्ता ने सीएम योगी की आरती उतार कर स्वागत किया। इसके बाद सीएम योगी ने मंत्री नंदी के बेटे और बहू को आशीर्वाद दिया। 25 मिनट के इस कार्यक्रम के बाद सीएम गोरखपुर के लिये रवाना हो गए। यूपी के औद्योगिक विकास मंत्री और प्रयागराज शहर दक्षिणी के विधायक नंद गोपाल गुप्ता नंदी के बेटे अभिषेक और बहू कृष्णिका का शनिवार को प्रीतिभोज समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मणाचार्य समेत कई नेता और सांसद पहुंचे।

पेड़ों को अपनी मां मानकर करें देखभाल

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : प्रदेश सरकार के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने शनिवार को छेमर सराय एवं गौराडांड़ गांव में पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान (एक पेड़ मां के नाम) के तहत पर पीपल एवं आम के पेड़ का पौधरोपण कर शुभारम्भ किया।

गौराडांड़ में मंत्री ने वात्सल्य धाम एवं सम्पर्क मार्ग का शिलान्यास किया। किसानों को पौधों एवं बीज का वितरण भी किया गया। उद्यान मंत्री ने कहा कि वातावरण को हरा भरा बनाने के लिये एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाएं। पेड़ों को अपनी मां मानकर उसकी देखभाल करें,जिससे वे जीवित रहें और हमें छाया, फल, शुद्ध आक्सीजन प्राप्त होती रहे और विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बच सके। वात्सल्य धाम में 110 फिट का राष्ट्रीय ध्वज फहराने हेतु जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया। विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल ने कहा कि पेड़ ही जीवन है जो हमें शुद्ध आक्सीजन देती है। डीएम संजीव रंजन ने कहा कि अभियान के दौरान जनपद में 5291029 पौधे रोपित किये जा रहे। वृक्षारोपण अभियान के नोडल गुर्राला श्रीनिवासुलु, एसपी डा. अनिल कुमार, सीडीओ नवनीत सेहारा, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव आदि रहे। संचालन डा. मो. अनीस ने किया।

पौधरोपण करते सूबे के उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह। अमृत विचार

मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे अखिलेश

संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। जहां उन्होंने अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष क़ी कोई सोच नही है और न ही उनका कोई लक्ष्य है। विपक्ष का सिर्फ एक ही लक्ष्य है कि कावंड यात्रा को कैसे प्रभावित किया जाए। अखिलेश यादव मुस्लिम तुष्टिकरण क़ी राजनीति कर रहे है।

सूबे के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। जहां उन्होंने पौधरोपण महा अभियान का शुभारंभ आजाद पार्क में किया। उन्होंने पार्क मे पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में 36 करोड़ 50 लाख पौधों का रोपण किया जाना है। इसके तहत प्रयागराज में 85 लाख पौधों का रोपण किया जायेगा। वहीं अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि कोई कमेंट नही। विपक्ष पहले कावंड़ लेकर जाएं और भगवान शिव का जलाभिषेक करें। श्रावण मास पवित्र महीना सोमवार से शुरु हो रहा है। जो लोग इस पर सवाल खड़ा कर रहे है वह मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि भाजपा उप चुनाव में फूलपुर समेत यूपी क़ी अन्य सभी सीटें जीतेगी।

चंद्रशेखर आजाद पार्क में पौधरोपण करते डिप्टी सीएम केशव मौर्य।

▸▸ डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने किया पौधरोपण की शुरुआत, अखिलेश यादव पर साधा निशाना

उमरे महाप्रबंधक ने किया प्रयागराज - पं. दीन दयाल उपाध्याय खंड का निरीक्षण

संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेंद्र चन्द्र जोशी ने शनिवार को प्रयागराज मंडल के प्रयागराज-पं. दीन दयाल उपाध्याय खण्ड का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने प्रयागराज-पं. दीन दयाल उपाध्याय खण्ड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। विंडो-ट्रेलिंग निरीक्षण भारतीय रेल में एक विशेष निरीक्षण है, जिसमें चलती ट्रेन से एक निरीक्षण कार की पिछली खिड़की से ट्रैक और उसके आसपास के प्रतिष्ठानों जैसे सिग्नल, ओएचई, प्लेटफॉर्म आदि का निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के दौरान, मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों की सफाई और समग्र स्थिति, विशेष रूप से प्वाइंट और क्रॉसिंग पर ट्रेन की सवारी की गुणवत्ता, ट्रैक ज्योमेट्री इंडेक्स (टीजीआई) में सुधार, ओएचई स्थिति, समपार फाटकों की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण पैरामीटर को भी देखा। अमृत स्टेशन के रूप में चयनित प्रयागराज छिवकी निरीक्षण किया गया। प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों व स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। अमृत स्टेशन के रूप में चयनित विंध्याचल, मिर्ज़ापुर एवम चुनार रेलवे स्टेशनों का भी निरीक्षण किया गया।

फूड प्वाइजनिंग से एक दर्जन लोग बीमार, एक की मौत

संवाददाता, हलिया (मिर्जापुर)।

अमृत विचार: ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के दो अलग -अलग गांवों में शुक्रवार की देर रात में फूड प्वाइजनिंग की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। करीब एक दर्जन लोगों की तबियत बिगड़ने पर परिजनों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में भर्ती काराया। चिकित्सक विवेक खरे ने दो की हालत गंभीर होने पर मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय हुई और गांव में पहुंचकर लोगों को दवा उपचार शुरू कर दिया है।

ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बबुरा खुर्द गांव निवासी 44 वर्षीय बन्ने की शुक्रवार की देर रात में खाना खाने के बाद हालत बिगड़ने पर जब तक परिजन कुछ समझ पाते तब तक बन्ने की मौत हो गई। वहीं, नूरी पुत्री मंजूर व 10 वर्षीय हसमुन, 10 वर्षीय खुशमुना की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जहां पर इलाज किया जा रहा है। वहीं, बबुरा रघुनाथ सिंह गांव निवासी मुस्ताक की 9 वर्षीय मीना व 8 वर्षीय परमिना, 16 वर्षीय सेराज, रमजान अली, 21 वर्षीय रेहाना बेगम, 10 वर्षीय सर्फिया, सहाना, सबिना, अफसाना की तबियत बिगड़ने पर परिजनों ने एंबुलेंस के जरिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पहुंचे, जहां पर चिकित्सक विवेक खरे ने प्राथमिक उपचार करने के बाद परमिना व मीना की हालत गंभीर होने पर मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया है जबकि अन्य लोगों का उपचार कर रहे हैं। फूड प्वाइजनिंग से लोगों के बीमार होने की सूचना पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय हुई और मौके पर डॉ. रीना पटेल के नेतृत्व में टीम को मौके पर पंहुचकर लोगों का उपचार शुरू कर दिया है। बीमार लोगों के परिजनों ने बताया कि घर में खाना खाने के बाद सभी लोगों के तबीयत बिगड़ी है।

फूड प्वाइजनिंग से बीमार मरीजों का सीएमओ ने जाना हाल

संवाददाता, हलिया (मिर्जापुर)। अमृत विचार : ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के दो अलग अलग गांवों में शुक्रवार कि देर रात फूड प्वाइजनिंग की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर मौत हो गई जबकि एक दर्जन लोग बीमार होकर उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में भर्ती हुए हैं। सूचना मिलने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पर मुख्य चिकित्साधिकारी डाक्टर सीएल वर्मा ने पहुंचकर फूड प्वाइजनिंग से बीमार लोगों के हालत की जानकारी लिया। चिकित्सक विवेक खरे को बीमार लोगों का बेहतर उपचार करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सीएल वर्मा ने बताया कि फूड प्वाइजनिंग की चपेट में आने से बीमार एक युवक की मौत हो गई है। साथ ही एक दर्जन लोगों का इलाज चल रहा है।

छुटकारा पाने के लिए महिला ने पति के साथ मिलकर की प्रेमी की हत्या

गौरा, प्रतापगढ़

▸▸ हरियाणा पुलिस ने आरोपी महिला की शिनाख्त पर खोद कर निकाला युवक का शव

▸▸ हत्यारोपी पति - पत्नी गिरफ्तार

अमृत विचार : फतनपुर थाना क्षेत्र के सुवंसा की रहने वाली महिला ने बिहार प्रांत के रहने वाले अपने प्रेमी से छुटकारा पाने के लिए पति और सहेली के साथ मिलकर हत्या कर दिया। पुलिस ने महिला और उसके पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि महिला की सहेलियों फरार हैं।

फतनपुर के सुवंसा निवासी विनोद कुमार अपनी पत्नी पुष्पा देवी के साथ गुरुग्राम हरियाणा में रह कर एक फैक्ट्री में काम करता था। इसी फैक्ट्री में 45 वर्षीय शिवनाथ शाह पुत्र सेवक शाह निवासी मनिहारी, सीतामढ़ी, बिहार भी काम करता था। इस दौरान शिवनाथ और पुष्पा में प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। 14 जून को विनोद कुमार के परिवार में शादी थी। उसमें शामिल होने के लिए वह अपनी पत्नी पुष्पा देवी व शिवनाथ शाह के साथ आया था। 16 जून से शिवनाथ शाह का मोबाइल बंद हो गया। इस कारण उससे परिवार वालों से बात नहीं हुई तो अनहोनी की आशंका में परिजनों ने थाना गुरुग्राम हरियाणा में शिवनाथ शाह के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच पड़ताल के दौरान हरियाणा पुलिस ने पुष्पा देवी के मोबाइल को सर्विलांस पर लगाकर उसके घर दो दिन पूर्व सुवंसा आई। पति-पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया। शनिवार को दोपहर में पुष्पा देवी के शिनाख्त पर उनके घर के बगल चिंतामणि गौतम के बाउंड्री के अंदर जमीन को खोदवाया गया तो शिवनाथ शाह का शव बरामद हुआ। एसओ फतनपुर अभिषेक सिरोही ने बताया की विनोद उसकी पत्नी पुष्पा को गिरफ्तार किया गया है। पुष्पा की सहेलियों की तलाश की जा रही है। शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कबाड़ गोदाम में युवक को बनाया बंधक

संवाददाता, नैनी, प्रयागराज

▸▸ मारपीट कर अधमरा छोड़ा, गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना

अमृत विचार : नैनी कोतवाली के गंगोत्रीनगर डांडी इलाके में शुक्रवार की रात कुछ युवकों ने एक युवक को कबाड़ के गोदाम में घसीट ले गए। वहां पर युवक को बंधक बनाकर लाठी-डंडों व लात घुसों से जमकर पीटा। पिटाई से युवक को अधमरा छोड़कर भाग निकले। घटना का पूरा पूरा वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। पीड़ित के घर वाले सूचना पर पहुंचे तो वहां अलग ही कहानी निकलकर सामने आई। गोदाम में लाखों रुपए कीमत के टीएसएल से चोरी हुए रेलवे लाइन के गाटर व लोहा मिले। पीड़ित व पार्षद ने सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद नैनी आरपीएफ व गंगोत्री नगर चौकी की पुलिस मौके पर पहुंच कर मालवाहक में लदे गाटर को कोतवाली उठा लाई। मूल रूप से झूंसी के अंदावा इलाके में रहने वाला अमन भारतीय (19) पुत्र राकेश भारतीय शुआट्स में माली का काम करता है। वह नैनी के इंदलपुर पुलिया के पास किराए का कमरा लेकर रहता अपने परिवार के साथ रहता है। वह पैदल ही टीएसएल मछली खरीदने जा रहा था। आरोप है कि उसी दौरान स्कूटी सवार एक व्यक्ति आया और अमन से पूछा यहां क्यों बैठे हो। अमन ने कहा कि वह पैदल सामान लेने जा रहा था थक कर बैठ गया। इसपर स्कूटी सवार ने गोदाम के अंदर आवाज दी तो वहां से आधा दर्जन से अधिक लोग आ गए और अमन को गोदाम के अंदर उठा ले गए। गोदाम को अंदर से बंद करके वहां मौजूद लोगों ने अमन को आधे घंटे तक लाठी-डंडे और लात घुसे से पीटकर अधमरा कर दिया। पूरी घटना गोदाम के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। शनिवार भोर में गोदाम से मालवाहक पर सामान लदकर कहीं भेजा जा रहा था। उसी दौरान गांव के ही किसी व्यक्ति ने इसकी खबर अमन के घर वालो को दे दी। अमन के परिजन जबतक वहां पहुंचते तबतक गोदाम में मौजूद लोग वहां से भागने लगे। एक युवक को गांव वालों ने पकड़ लिया जिसने गांव वालों को बताया कि मालवाहक पर लदा माल चोरी का है। अमन के परिजन पुलिस और स्थानीय पार्षद को मामले की जानकारी दी। सूचना पर आरपीएफ व नैनी पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस मालवाहक में लदे लोहे के गाटर को अपने साथ कोतवाली उठा ले गई। वही गोदाम मालिक व वहां काम करने व वाले फरार हैं। आरपीएफ इंस्पेक्टर नैनी ने बताया कि सूचना पर टीम भेजी गई थी। आसपास जानकारी ली लेकिन माल रेलवे से चोरी हुआ नही था। लेकिन टीएसएल कंपनी में गई रेलवे लाइन का गाटर बताया जा रहा है। नैनी पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले में नैनी पुलिस ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई हैं। मौके से माल भी बरामद कर लिया गया हैं।

8 साल बाद उदयभान करवरिया की होगी रिहाई, राज्यपाल ने दी मंजूरी

संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: पूर्व भाजपा विधायक उदयभान करवरिया की जेल से रिहाई के सियासी मायने अब सामने आने में ज्यादा वक्त नही है। प्रयागराज के मेजा से दो बार के भाजपा विधायक और जिले में भाजपा की सियासत का चेहरा उदयभान करवरिया की जेल से रिहाई के आदेश जारी हो गए हैं। मर्सी ग्राउंड पर सेंट्रल नैनी जेल में बंद आजीवन कारावास के सजायाफ्ता उदयभान को राज्यपाल की तरफ से रिहाई मिली है। सियासत के जानकार मानते हैं कि उदयभान इलाहाबाद लोकसभा सीट में भाजपा की सियासत का बड़ा ब्राह्मण चेहरा रहे हैं, लेकिन उनके जेल में 6 साल की सजा पूरी करने के बाद वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य है। उनकी पत्नी नीलम करवरिया भी मेजा से भाजपा विधायक रह चुकी हैं। ऐसे में भले ही वह चुनाव न लड़े लेकिन पार्टी संगठन जल उदय भान के नाम और वर्चश्व का लाभ मिलेगा।

नैनी सेंट्रल जेल में बंद भाजपा के पूर्व विधायक उदय भान करवरिया की समयपूर्व रिहाई का आदेश शुक्रवार को राज्यपाल की मंजूरी के बाद कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं विभाग ने जारी कर दिया। जेल में उनके अच्छे आचरण को देखते हुए सरकार ने उन्हें रिहा करने का फैसला किया है। आदेश में कहा गया है कि 30 जुलाई 2023 तक उदयभान करवरिया ने आठ वर्ष की तीन माह 22 दिन की अपरिहार सजा और आठ वर्ष नौ माह 11 दिन की सपरिहार सजा काट ली है। एसएसपी और डीएम प्रयागराज द्वारा समयपूर्व रिहाई की संस्तुति किए जाने, जेल में करवरिया का आचरण उत्तम होने और दयायाचिका समिति द्वारा की गई संस्तुति के चलते समयपूर्व रिहाई का आदेश किया जा रहा रहा है। आदेश में कहा गया है कि एसपी और डीएम प्रयागराज के संतोषानुसार दो जमानतें, उतनी ही धनराशि का एक जाती मुचलका प्रस्तुत करने पर बंदी को मुक्त कर दिया जाए। बाकी अन्य भाई की सूरज भान करवरिया व कपिल मुनी करवरिया जेल में ही रहेंगे।

करवरिया बंधुओं ने दिनदहाड़े की थी जवाहर पंडित की हत्या

13 अगस्त, 1996 को सपा के पूर्व विधायक जवाहर यादव उर्फ जवाहर पंडित को करवरिया बंधुओं ने दिन दहाड़े प्रयागराज में गोलियों से छलनी कर दिया था। यह पहली बार था, जब इलाहाबाद में एके-47 गरजी थी। इस मामले में अदालत ने चार नवंबर 2019 में करवरिया क बंधुओं (पूर्व बसपा सांसद कपिल मुनि करवरिया, पूर्व भाजपा विधायक उदयभान करवरिया और पूर्व बसपा एमएलसी सूरजभान करवरिया), उनके साथी रामचंद्र त्रिपाठी उर्फ कल्लू को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

बालू के ठेकों को लेकर शुरू हुई थी अदावत

करवरिया परिवार और पूर्व विधायक जवाहर पंडित के बीच बालू के ठेकों पर वर्चस्व को लेकर अदावत शुरू हुई थी। जवाहर पंडित झूंसी इलाके में रहते थे और करवरिया परिवार अतरसुइया के खुशहाल पर्वत मुहल्ले में रहता था। जवाहर पंडित जौनपुर के खैरतारा गांव से वर्ष 1980 में इलाहाबाद आकर बसे थे। जवाहर पंडित ने शुरुआती दौर में मंडी में बोरी सिलने का काम किया। फिर बालू के ठेकों के लिए हाथ मारने शुरू कर दिए। यहीं से दोनों परिवारों के बीच तनातनी शुरू हो गई। जवाहर पंडित की 1989 में सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह यादव से मुलाकात हुई। वर्ष 1993 में सपा की सरकार बनी और जवाहर पंडित विधायक। बालू के ज्यादातर ठेकों पर जवाहर पंडित का कब्जा हो गया। करवरिया परिवार का धंधा बंद होने लगा। वर्ष 1996 में प्रदेश के सियासी समीकरण बदले, गेस्ट हाउस कांड हुआ, सपा की सरकार गिर गई। सरकार के गिरते ही करवरिया बंधुओं ने जवाहर पंडित को ठिकाने लगाने की ठान ली। 13 अगस्त 1996 को उनकी हत्या हो गई।

बीजेपी सरकार ने की थी केस वापसी की पैरवी

जवाहर पंडित हत्याकांड में करवरिया बंधुओं को सजा होने के ठीक 13 महीने पहले चार अक्टूबर 2018 को उत्तर प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद सेशन कोर्ट में केस वापसी की अर्जी दाखिल की थी। सरकार की तरफ से कहा गया था कि करवरिया बंधुओं के के खिलाफ आरोप साबित होने के लिहाज से पर्याप्त सबूत नहीं है। सरकार के इस फैसले के खिलाफ जवाहर पंडित की पत्नी विजमा यादव हाईकोर्ट गई थीं। हाईकोर्ट ने सरकार की इस अपील को ख़ारिज करते हुए मुकदमा जारी रखने के निर्देश दिए थे।

सार-संक्षेप

पेड़ पौधों को लगाएं, पर्यावरण को दूषित होने से बचाएं

संवाददाता, मड़ियाहू, जौनपुर। अमृत विचार : उपनिबंधक मड़ियाहू राकेश मिश्रा ने तहसील में रजिस्ट्री कराने आये हुए लोगों से अपील किया कि हर एक मनुष्य को अपने जीवन में पौधरोपण करना चाहिये जिससे कि पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सके। पौधरोपण पखवाड़े के अंतर्गत राकेश मिश्रा ने शीशम, आवला, सागौन आदि छायादार वृक्ष के साथ कुल 35 दसहरी आम का फलदार वृक्ष दिया। साथ लोगों को शपथ दिलाकर पेड़ को सुरक्षित रखने को कहा। इस मौके पर उप देवी ज्ञानेंद्र मिश्रा हलवल यादव रामधनी सत्य प्रकाश यादव शिव शंकर पटेल हरिशंकर राकेश दुबे सर्वेश तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए एक पौधा अवश्य लगाएं

संवाददाता, जौनपुर। अमृत विचार। भाजपा की राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने "एक पेड़ मां के नाम" वृक्षारोपण अभियान के तहत वृक्षारोपण का कार्य सुजानगंज में की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़ लगाए। पर्यावरण को बेहतर बनाने में वृक्ष और पौधे मदद करते हैं। ये हवा को शुद्ध, पानी को संरक्षित व जलवायु नियंत्रण में मदद करते हैं। वहीं उन्होंने आमजन से अनुरोध करते हुए कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं एवं उसकी देखभाल भी करें ताकि पौधरोपण करने का उद्देश्य पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि आज हम लोगों ने सभी एक पेड़ मां के नाम तहत 100 पौधे लगाए है। इससे पूर्व हम लोगों ने मुहिम के तहत नागरिकों के सहयोग से जिले के विभिन्न गांवों में एक हजार से अधिक पेड़ लगाए है। साथ ही इसकी उचित देखभाल भी की जा रही है ताकि पौधा भली भांति विकसित हो सके। इस दौरान वृक्षारोपण के लिए आए गणमान्य नागरिकों ने पौधरोपण कर पर्यावरण को स्वच्छ व स्वस्थ रखने का संदेश दिया।

फंदे से लटककर व्यापारी ने दी जान

संवाददाता, हलिया (मिर्जापुर)। अमृत विचार : ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बाजार में शुक्रवार की देर शाम 58 वर्षीय व्यापारी ने गले में धोती का फंदा लगाकर जान दे दी। कमरे में पंहुची पत्नी ने फंदे पर लटका हुआ पति को देखकर शोर मचाया। शोर सुनकर परिजनों सहित आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। परिजनों की सूचना पर मौके पर पंहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। व्यापारी ड्रमंडगंज बाजार निवासी 58 वर्षीय व्यापारी रामबाबू केसरवानी बताया गया है।

जुताई के दौरान ट्रैक्टर से गिरा बच्चा, मौत

संवाददाता, नैनी, अमृत विचार। करछना थाना क्षेत्र के रोकड़ी गांव में शनिवार को जुताई के दौरान ट्रैक्टर पर बैठा मासूम अचानक गिर गया और रोटावेटर में फंस गया। इससे उसकी मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया। परिजनों ने बाद में पुलिस को बिना सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार कर दिया। रोकड़ी गांव निवासी बिरहा पटेल का छोटा बेटा लालू पटेल (5) शनिवार को खेत की जुताई के दौरान ट्रैक्टर पर बैठा था। ऊबड़ खाबड़ जमीन पर ट्रैक्टर चलने के दौरान वह अचानक झटका लगने से नीचे गिर गया। जब तक ट्रैक्टर चालक उसे देख पाता, रोटावेटर में फंसकर उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर वहां भीड़ जुट गई। परिवार में भी कोहराम मच गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

न्याय न मिलने से वृद्ध ने एसडीएम से मांगी इच्छा मृत्यु

संवाददाता, रानीगंज, प्रतापगढ़, अमृत विचार :तहसील क्षेत्र के बघेवरा गांव निवासी पीड़ित 60 वर्षीय भोलानाथ सिंह ने न्याय न मिलने पर एसडीएम से इच्छा मृत्यु मांगा है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि जानबूझकर कर पत्रावली गायब कर दी जा रही है। वृद्ध पीड़ित ने भोलानाथ ने एसडीएम को दिए गए प्रार्थना पत्र में लिखा है कि ग्राम सभा की बेशकीमती सरकारी भूमि को गांव के ही लोगों के द्वारा फर्जी तरीके से अपने नाम पर राजस्व अभिलेख में अंकित करवा लिया गया है। मामले में एसडीएम कोर्ट में फर्जी इंद्राज निरस्त करते हुए सरकारी भूमि को पुन : सरकारी खाते में परिवर्तित करने हेतु वर्ष 2021 में वाद नियोजित किया था। जिसमें न्यायालय द्वारा तहसीलदार एवं राजस्व निरीक्षक से स्थलीय एवं अभिलेखीय जांच करते हुए आख्या मांगी गई थी। वर्ष 2022 में आठ सितंबर को राजस्व निरीक्षक,तहसीलदार द्वारा स्पष्ट आख्या लगाया गया कि आरोपित व्यक्ति का नाम निरस्त करते हुए नवीन परती के खाते में दर्ज की जाए। आरोप है कि बावजूद इसके न्यायालय द्वारा पीड़ित के पत्रावली में आदेश नहीं पारित हुआ और न्यायालय की सरकारी इंटरनेट वेबसाइट से वाद को निस्तारित करते हुए न्यायालय के कर्मचारियों द्वारा पत्रावली को गायब कर दिया गया। पीड़ित पत्रावली उपलब्ध कराए जाने एवं आदेश पारित कराए जाने के संबंध में तत्कालीन एसडीएम रानीगंज को इसी वर्ष 15 मार्च, 24 अप्रैल एवं 01 जून को प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर तत्कालीन एसडीएम रानीगंज द्वारा न्यायालय रीडर के विरुद्ध कार्यवाही हेतु जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कार्यवाही की अपेक्षा की थी। डीएम द्वारा एसडीएम न्यायालय रानीगंज रीडर धीरेंद्र कुमार को कारण बताओ नोटिस भेज कर सात कार्य दिवस में जवाब मांगा गया था। आरोप है कि इसके बाद भी पीड़ित की न्यायालय से गायब पत्रावली नहीं मिली। पीड़ित ने न्याय न मिलने पर एसडीएम रानीगंज अनिल कुमार वर्मा को प्रार्थना पत्र देकर इच्छा मृत्यु की अनुमति प्रदान करने की याचना की है। एसडीएम ने पीड़ित को कार्यवाही कर न्याय का आश्वासन दिया है।

झांकियों के बीच निकली साईं बाबा की पालकी शोभायात्रा

संवाददाता, प्रतापगढ़, अमृत विचार : साई दर्शन मंदिर बलीपुर में आयोजित 34वें तीन दिवसीय साई नाथ महोत्सव का शुभारंभ बाबा की पालकी शोभायात्रा से की गई। शोभायात्रा में शामिल कलात्मक झांकियों की प्रस्तुतियों ने मंत्रमुग्ध कर दिया। अध्यक्ष शैलेंद्र नाथ ने बाबा का पूजन कर शोभायात्रा का श्रीगणेश किया। शोभायात्रा के दौरान शहर में लोग सड़कों के किनारे खड़े होकर दर्शन, पुष्प वर्षा कर जयकारा लगाते रहे। पुरुष ही नहीं महिलाएं भी उत्साह से पालकी को उठाने में रमी रहीं। मराठी टोपी, परिचय पत्र, बैज व पट्टिका से सजे दिनेश सिंह दिन्नू, पिंकी दयाल, अरुणा, ममता, सरिता, कवयित्री अर्चना सिंह, अवधेश उपाध्याय बाबा आदि पैदल चलते रहे। बिना रुके, बिना थके। आकर्षक ढंग से सजी यात्रा शाम होते ही बिजली की झालरों से जगमग हो गई। शिरडी वाले साई बाबा फूलों से सजे पालकी व रथ में विराजे। भक्तों ने कांधे-कांधे उनकी पालकी उठाकर अपनी आस्था प्रकट की। अधिवक्ता संतोष त्रिपाठी, विनोद सिंह, अद नेता परमानंद मिश्र, प्रदीप शुक्ल, रोशनलाल ऊमरवैश्य, संजय खंडेलवाल, विजय शुक्ल, आरपी सिंह राजू, शिवेंद्र नाथ मिश्र, देवव्रत मिश्र, शनिव्रत, विवेक धींगरा आदि की देखरेख में यात्रा आंबेडकर चौराहा, चौक होकर भंगवा चुंगी से फिर मंदिर पहुंची। पालकी शोभायात्रा के समापन पर बाबा का पूजन,आरती करके प्रसाद बांटा गया।

ब्यूटी पार्लर ट्रेंनिग सेंटर के लिए निकली युवती लापता, केस

संवाददाता, पट्टी, प्रतापगढ़, अमृत विचार : कंधई थाना क्षेत्र के मंगरौरा बाजार स्थित ब्यूटी पॉर्लर ट्रेनिंग सेंटर जाने के लिए घर से निकली युवती वापस नहीं लौटी। युवती के पिता ने मामले में पड़ोस के युवक और उसके परिजनों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। कंधई इलाके की युवती सात जुलाई को दिन में 11 बजे घर से ब्यूटी पॉर्लर ट्रेनिंग सेंटर जाने की बात कहकर घर से निकली थी। शाम 6 बजे तक वह घर नहीं लौटी। इसके बाद परिजन उसकी खोजबीन करने लगे। परिजनों को पता चलाकि पड़ोस का अभिषेक वर्मा भी घर से फरार है। युवती का पिता अभिषेक के परिजनों से पूछताछ करने गया तो लोगों ने युवती को जल्द वापस बुलाने का आश्वासन दिया। एक पखवारे तक वापस नहीं बुलाया तो युवती के पिता ने अभिषेक और उसके परिजनों के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

यमुनापार कई स्थानों पर किया गया पौधरोपण

वृक्षा रोपण करती एसडीएम आकांक्षा सिंह।

संवाददाता, बारा/कोरांव/नैनी, अमृत विचार : वृक्षारोपण अभियान 2024 के अन्तर्गत शनिवार को यमुनापार के कई स्थानों पौधरोपण कार्यक्रम किया गया। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता योगेश शुक्ल ने शंकरगढ़ ब्लॉक के ग्राम सभा गाढ़ा कटरा में विकसित किए गए 'जन-अरण्य' में पहुँच कर भ्रमण किया और फलदार पौधों का रोपण किया। शुक्ल ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को बताया कि विगत तीन वर्षों से ग्रीन इंडिया फाउंडेशन के सलाह, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन तथा प्रयागराज ज़िला प्रशासन एवं पंचायतों के प्रयास-परिश्रम से आज गाढ़ा कटरा सहित प्रयागराज जनपद के 300 से अधिक ग्राम पंचायतों में 'जन-अरण्य' के रूप में नये वन क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देश के क्रम में जारी पोधारोपण दिवस का आयोजन शनिवार को कोरांव में उप जिलाधिकारी आकांक्षा सिंह ने तहसील परिसर में वृक्षारोपण किया। तहसील स्तर के सभी अधिकारी एवं पदाधिकारी के साथ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता व नेता उपस्थित रहे। आकांक्षा यादव ने कहा कि पेड़ो से जहां हमें आक्सीजन छाया मिलती है, वहीं वर्षांत के लिए उपयोगी होते हैं। इस अवसर पर अल्हवा, महुली, संसारपुर और छढिगढा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव में लोगो ने बढ़चढ़ कर भागीदारी की। जिसमें खण्ड विकास अधिकारी धीरेंद्र कुमार यादव भी मौजूद रहे।

एक नजर

सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सुकमा के जगरगुंडा थाना क्षेत्र में जगरगुंडा एरिया कमेटी के नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर शुक्रवार रात डीआरजी के दल को गश्त पर रवाना किया गया। गश्ती दल शनिवार सुबह तुमार गट्टा और सिंगावराम गांव के जंगल में पहुंचा तो नक्सलियों ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई के बाद नक्सली भाग निकले। सुरक्षाबलों की तलाशी में एक नक्सली का शव, एक भरमार बंदूक, वायरलेस सेट, भारी मात्रा में विस्फोटक और अन्य सामान मिला।

दाऊद इब्राहिम गिरोह के दो सदस्यों को जमानत

मुंबई। मुंबई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने 11 जुलाई के आदेश में महाराष्ट्र एटीएस की ओर से अगस्त 2022 में गिरफ्तार किए गए दो लोगों को जमानत दे दी है। एटीएस ने दावा किया है कि फैज भिवंडीवाला और परवेज वईद, दाऊद इब्राहिम गिरोह के सदस्य है। पीठ ने कहा कि सरकारी वकील ने एटीएस के निर्देश पर बयान दिया कि आरोपपत्र में यूएपीए के तहत आरोपों को स्थापित करने वाली कोई सामग्री नहीं है जो आतंकवादी कृत्य करने और अपराध के लिए धन एकत्र करने से संबंधित है। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि एक आरोपी से कथित तौर पर जब्त किया गया प्रतिबंधित मादक पदार्थ कम मात्रा में था। अदालत ने भिवंडीवाला और वईद को 50-50 हजार रुपये के निजी मुचलके पर रिहा कर दिया।

अंधविश्वास के खिलाफ याचिका दाखिल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है, जिसमें अंधविश्वास, जादू-टोने और ऐसी अन्य कुप्रथाओं को समाप्त करने के लिए उचित कदम उठाने के उद्देश्य से केंद्र और राज्यों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि समाज में प्रचलित अवैज्ञानिक कृत्यों को समाप्त करने के लिए अंधविश्वास एवं जादू-टोना रोधी कानून की आवश्यकता है। इसमें फर्जी संतों को लोगों का शोषण करने से रोकने के संबंध में भी कदम उठाने के लिए अनुरोध किया गया है। अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की याचिका में केंद्र और राज्यों को संविधान के अनुच्छेद-51ए की भावना के अनुरूप नागरिकों में वैज्ञानिक सोच-समझ, मानवीयता और जांच-पड़ताल की भावना विकसित करने की दिशा में कदम उठाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

खनन मामले में विधायक पंवार गिरफ्तार

गुरुग्राम से गिरफ्तार किए गए कांग्रेस नेता, हिरासत के लिए कोर्ट से अनुरोध करेगी ईडी

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रतिबंध के बाद भी खनन करने के आरोप में दर्ज हुई कई प्राथमिकी
- 400 से 500 करोड़ रुपये का अवैध धन अर्जित करने का आरोप

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेता एवं हरियाणा के विधायक सुरेंद्र पंवार (55) को अवैध खनन से जुड़े धन शोधन मामले में गुरुग्राम से शनिवार तड़के गिरफ्तार कर लिया। उन्हें अंबाला में धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा, जहां से हिरासत में भेजने का अनुरोध किया जाएगा।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के बाद भी यमुनानगर और उसके आसपास के जिलों में पत्थर, बजरी और रेत के कथित अवैध खनन को लेकर हरियाणा पुलिस ने कई प्राथमिकी दर्ज की थी। धन शोधन का यह मामला भी इसी से संबंधित है। केंद्रीय एजेंसी ई-रवाना योजना में कथित धोखाधड़ी की भी जांच कर रही है। ई-रवाना एक ऑनलाइन पोर्टल है, जिसे हरियाणा सरकार ने रॉयल्टी और कर संग्रह आसान बनाने तथा खनन क्षेत्रों में कर चोरी रोकने के लिए 2020 में शुरू किया था। अनुमान लगाया गया है कि कथित अवैध खनन के जरिये कुछ वर्षों में लगभग 400-500 करोड़ रुपये का अवैध धन अर्जित किया गया है।

1.42 करोड़ नकद, फ्लैट तथा जमीन के दस्तावेज जब्त

ईडी ने कहा कि उसने बैंक-ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन की जांच में हरियाणा कांग्रेस विधायक राव दान सिंह, उनके बेटे और कुछ व्यावसायिक इकाइयों के खिलाफ छापेमारी में 1.42 करोड़ नकद, 30 से अधिक अघोषित फ्लैट और जमीन से संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं। विधायक, उनके परिवार, एक संबद्ध कंपनी सनसिटी प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, एलाइड स्ट्रिप्स लिमिटेड (एएसएल) और इसके प्रवर्तक मोहिंदर अग्रवाल, गौरव अग्रवाल और कुछ अन्य के खिलाफ दिल्ली, जमशेदपुर (झारखंड), हरियाणा के महेंद्रगढ़ और गुरुग्राम में 18 जुलाई को छापेमारी की। धन शोधन की जांच आरोपियों के खिलाफ दर्ज सीबीआई की प्राथमिकी पर आधारित है। इसमें आरोपियों पर धन की धोखाधड़ी करने, आपराधिक धांधली, आपराधिक विश्वासघात और ठगी कर केनरा बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के संघ को 1,392 .86 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने का आरोप है।

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज में दिखा तकनीक पर अतिनिर्भर होने का दुष्परिणाम : चंद्रचूड़

मदुरै (तमिलनाडु), एजेंसी

- सीजेआई ने मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ के 20 वर्ष पूरे होने पर हुए समारोह को किया संबोधित

देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि माइक्रोसॉफ्ट आउटेज में दिखा कि तकनीकी निर्भरता के क्या-क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ की स्थापना के 20 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोह को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि मैं प्रौद्योगिकी के लाभों का समर्थक हूं। कल ही हमने तकनीकी निर्भरता के प्रतिकूल प्रभाव देखे। माइक्रोसॉफ्ट आउटेज से पूरे देश में उड़ानें रद कर दी गईं लेकिन मुझे लगता है कि यह मदुरै के लोगों का प्यार है जो मेरी पिछली यात्रा के दौरान मुझ पर बरसाया, जिसने आज आप सभी के बीच मेरी उपस्थिति सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि मदुरै को थुंगा नगरम या ऐसा शहर कहा जाता है, जो कभी नहीं सोता, क्योंकि इसके बाजार हमेशा लोगों के लिए खुले रहते हैं। यह इस महान शहर की आमंत्रित और मेहमाननवाज़ संस्कृति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मद्रास उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ के लिए मदुरै को चुना गया। इस अर्थ में, मदुरै शाश्वत प्रतीक है कि न्याय कभी नहीं सोता है। सीजेआई ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 214 में कहा गया है कि प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय होगा, लेकिन यह सोचना बहुत बड़ी गलती होगी कि मद्रास उच्च न्यायालय विशेष रूप से मदुरै बेंच से आने वाले निर्णयों का प्रभाव तमिलनाडु राज्य तक ही सीमित है। देश भर के वकील, न्यायाधीश और नागरिक मदुरै बेंच से आने वाले निर्णयों को बहुत प्रशंसा के साथ देखते हैं। बार के साथ-साथ उच्च न्यायालय की पीठ के न्यायाधीश केवल 20 वर्षों की छोटी अवधि में ऐसी प्रतिष्ठा स्थापित करने में सक्षम हुए हैं।

भीषण गर्मी से बीएसएफ के एक अधिकारी और जवान की मौत

अहमदाबाद, एजेंसी

- गुजरात में हरामी नाला के उत्तर में अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर गश्त के दौरान हुई समस्या

गुजरात में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गश्त के दौरान हरामी नाला क्षेत्र में अत्यधिक गर्मी से बीएसएफ के एक अधिकारी और एक जवान की मौत हो गई। बीएसएफ ने शनिवार को यह जानकारी दी।

यह घटना शुक्रवार को हुई और सहायक कमांडेंट विश्व देव और हेड कांस्टेबल दयालराम को तापघात हो गया था। विश्व देव बीएसएफ की 59वीं बटालियन से थे। दोनों को भुज के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस साल मई में जैसलमेर (राजस्थान) में बीएसएफ के एक जवान की भीषण गर्मी से जान चली गई थी। बीएसएफ के गांधीनगर स्थित गुजरात फ्रंटियर के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों कर्मी बल के अन्य सदस्यों के साथ हरामी नाला के उत्तर में अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर सुदूर और दुर्गम इलाके में लंबी दूरी की गश्त पर थे। यह लोग भीषण गर्मी का सामना कर रहे थे । उन्हें चिकित्सा केन्द्र ले जाया गया लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया।

तमिलनाडु में अमोनिया गैस लीक होने से 30 लोग बेहोश

तूतुकुडी। तमिलनाडु के तूतुकुडी जिले के पुदुर पांडियापुरम में शुक्रवार देर रात निजी समुद्री खाद्य प्रसंस्करण इकाई की कोल्ड स्टोरेज इकाई से अमोनिया गैस लीक होने के बाद 30 लोग बीमार पड़ गए। उनमें से कई लोगों को दम घुटने की परेशानियों का सामना करना पड़ा।

आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को विदेशों में प्रसंस्कृत समुद्री भोजन का निर्यात करने वाली नीला सी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में अमोनिया गैस सिलेंडर के विस्फोट होने का संदेह जताया। उन्होंने कहा कि इसके कारण गैस रिसाव होने लगा जिसके बाद 29 श्रमिकों ने सांस फूलने और मतली की शिकायत की। उनमें से कई बेहोश हो गए। इनमें ओडिशा की 16 महिला श्रमिक भी शामिल हैं। उन्हें निकालने के लिए यूनिट में पहुंचे तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग के एक कर्मी को भी सांस लेने में तकलीफ हुई। बीमार लोगों में से दो लोगों को निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

हरियाणा में आप ने की केजरीवाल की पांच गारंटी की घोषणा

चंडीगढ़, एजेंसी

- इसमें मुफ्त बिजली, चिकित्सा शिक्षा, हर महिला को 1,000 रुपये प्रतिमाह और रोजगार

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने शनिवार को चुनावी राज्य हरियाणा के लिए केजरीवाल की पांच गारंटी की घोषणा की। इसके तहत मुफ्त बिजली, मुफ्त चिकित्सा, मुफ्त शिक्षा, राज्य की हर महिला को 1,000 रुपये प्रति माह देना और युवाओं के लिए रोजगार है। इस साल के अंत में हरियाणा विधानसभा का चुनाव होना है।

पंचकूला में केजरीवाल की पांच गारंटी की घोषणा के दौरान सुनीता के अलावा, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप नेता संजय सिंह और संदीप पाठक मौजूद थे। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के संयोजक केजरीवाल आबकारी नीति से जुड़े मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। आप ने घरेलू इस्तेमाल के लिए मुफ्त बिजली, मोहल्ला क्लीनिक खोलने और मुफ्त चिकित्सा, शिक्षा तथा हर महिला को 1,000 रुपये प्रति माह देने समेत युवाओं के लिए रोजगार का वादा किया है।

सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए जम्मू पहुंचे सेना प्रमुख

जम्मू। जम्मू क्षेत्र के शांतिपूर्ण हिस्सों में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ने के बीच सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी शनिवार को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए यहां पहुंचे। तीस जून को भारतीय सेना के 30वें प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के बाद तीन सप्ताह से भी कम समय में सेना प्रमुख का जम्मू का यह दूसरा दौरा है।

8 और 15 जुलाई को कठुआ के माचेडी और डोडा के देसा वन क्षेत्रों में हुए दो अलग-अलग आतंकवादी हमलों में एक कैप्टन समेत नौ सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि सेना प्रमुख यहां पुलिस मुख्यालय में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे जिसमें पुलिस, सेना, अर्धसैन्य और खुफिया विभाग के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे।

अंग्रेजों ने परंपराओं और पूर्वजों में आस्था को कम करने की कोशिश की : भागवत

पुणे, एजेंसी

- आरएसएस प्रमुख बोले- कुछ प्रथाएं एवं रिवाज गलत हो सकते हैं और उन्हें बदलने की जरूरत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को दावा किया कि 1857 के बाद अंग्रेजों ने देशवासियों की अपनी परंपराओं और पूर्वजों में आस्था कम करने का व्यवस्थित तरीके से प्रयास किया। भागवत ने कहा कि अंधविश्वास तो होता है लेकिन आस्था कभी अंधी नहीं होती।

उन्होंने कहा कि कुछ प्रथाएं और रीति-रिवाज, जिनका पालन किया जा रहा है, वे आस्था हैं। कुछ प्रथाएं एवं रिवाज गलत हो सकते हैं और उन्हें बदलने की जरूरत होती है। अंग्रेजों ने 1857 के बाद हमारे मन से आस्था को खत्म करने के लिए व्यवस्थित प्रयास किए। उन्होंने हमारी अपनी परंपराओं और पूर्वजों में जो आस्था थी, उसे खत्म कर दिया। भागवत ने जीबी देगलुरकर की पुस्तक के विमोचन पर कहा कि भारत में जो मूर्ति पूजा होती है, वह आकार से परे जाकर निराकार से जुड़ती है। इसीलिए मूर्तियों के रूप में एक आकार बनाया जाता है। भारत में मूर्तियों के चेहरों पर भावनाएं होती हैं, जो कहीं और देखने को नहीं मिलतीं हैं।

लोक सेवकों पर विश्वास कम नहीं होने दे सकते: हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

- पूर्व तहसीलदार से वसूली और मानहानि के आरोप में दर्ज मामला रद करने से कोर्ट का इनकार

बंबई हाईकोर्ट ने पूर्व तहसीलदार से वसूली और उसकी मानहानि के आरोप में सामाजिक कार्यकर्ता के खिलाफ दर्ज मामला रद करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा है कि वह लोगों का लोकसेवकों पर से भरोसे को कम नहीं होने दे सकते।

न्यायमूर्ति एएस गडकरी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने एक जुलाई के अपने फैसले में सोलापुर के सामाजिक कार्यकर्ता अजित कुलकर्णी की याचिका को रद कर दिया। आदेश की प्रति शनिवार को उपलब्ध कराई गई। मोहोल तहसील कार्यालय के पूर्व तहसीलदार प्रशांत बेदासे ने लोक सेवक के खिलाफ बल प्रयोग करने, उसे अपने कर्तव्य पालन से रोकने, वसूली और मानहानि के आरोप में कुलकर्णी के खिलाफ दिसंबर 2022 में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

रीट-2021 प्रश्न पत्र लीक: तीसरे आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरोपी ने लीक प्रश्नपत्र प्राप्त कर परीक्षार्थियों को बांटने के लिए अपने साथियों को दे दिया था

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने 2021 में राजस्थान शिक्षक योग्यता परीक्षा (रीट) का प्रश्न पत्र में कथित तौर पर लीक होने से संबंधित धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

केंद्रीय एजेंसी ने बताया कि राजू राम इराम को शुक्रवार को हिरासत में लिया गया था। जयपुर में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई करने वाली एक विशेष अदालत ने उसे तीन दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया। ईडी ने इससे पहले मामले के संबंध में सहायक प्रोफेसर प्रदीप पाराशर और उनके सहायक रामकृपाल मीणा को गिरफ्तार किया था। ईडी के अनुसार इराम ने एक आरोपी से रीट-2021 का लीक हुआ प्रश्नपत्र प्राप्त कर परीक्षार्थियों को बांटने के लिए अपने साथियों को दे दिया था। एजेंसी ने कहा कि आरोपी ने अपने सहयोगियों की मदद लेकर जोधपुर में बड़ी धनराशि के बदले विभिन्न अभ्यर्थियों को लीक हुआ पेपर दिखाने व पढ़ाने की व्यवस्था की।

लखनऊ मंडी

अनाज प्रति कुन्तल गेहूं (आरआर 21) 2360-2800 गेहूं (के 65) 3500-3800 बाजरा 2200-2300 मक्का 2700-2800 जौ 2900-3000 **चावल प्रति कुन्तल** चावल सेल्हा 2800-3100 चावल बासमती 7000-8000 चावल मोटा 2800-3000 चावल मन्सूरी 3200-3500 चावल शक्कर चीनी 4800-5200 चावल गोल्डन सेल्हा 5600-8600 चावल राजरानी 7000-7500 **दाल दलहन** चना देशी 6800-7000 चना फार्मी 7200-7500 चना काबली 14500-17000 मटर हरा 6000-6200 मटर सफेद 6100-6500 दाल चना 8000-8400 दाल मटर 6400-6500 उड़द हरा 12000-12500 उड़द काला 9000-9500 दाल उड़द हरी 15500-16000 दाल उड़द काली 10500-11000 दाल उड़द धोवा 12000-12500 मूंग खड़ा 10000-10500 मूंग दाल 10500-11000 मूंग धोवा 12000-13000 मसूर 8800-9000 मलका 9000-9500 दाल अरहर फूल 16000-17000 दाल स्पेशल 13000-14000 राज्मा सफेद 13000-14000 राज्मा काला 11500-12500 मूंगफली का दाना 11000-12000 **तेल तिलहन** अलसी 5310-5510 लाही 4800-5200 काली सरसों 4900-5300 पीली सरसों 5600-5800 **तेल सरसों (प्रति 15)** 1475-1900 तेल अलसी 2600-2700 तेल तिल्ली 2600-2700 तेल मूंगफली रिफाइन्ड 3400-3500 तेल नारियल 2700-2800 तेल सोयाबीन 1650-1700 **वनस्पति** बावर्ची 1900 रथ 1950 चीनी (एम 30) 4250 चीनी (एस 30) 4100 गुड़ पंसेरा 5000 गुड लड्डू 5200

सर्राफा

लखनऊ

सोना स्टैंडर्ड	73,900
सोना रवा	73,750
सोना गिन्नी (प्रति नग)	42,500
चांदी तैयार	91,000
चांदी (999)	91,000
चांदी सिक्के (100 नग)	80,000

घर खरीदने वालों के लिए कर में छूट बिल्डरों को प्रोत्साहन की सिफारिश

रियल एस्टेट कंपनियों के संगठन क्रेडाई ने बजट होने से पहले सरकार से किया अनुरोध

नई दिल्ली, एजेंसी

- परियोजनाओं को शुरू करने की प्रक्रिया को आसान बनाने का आग्रह

रियल एस्टेट कंपनियों के संगठन क्रेडाई ने शनिवार को सरकार से आम बजट में घर खरीदने वालों को कर में छूट देने का अनुरोध किया। साथ ही निकाय ने बिल्डरों को प्रोत्साहन देने और रियल एस्टेट परियोजनाओं को शुरू करने की मंजूरी की प्रक्रिया को आसान बनाने का आग्रह किया।

क्रेडाई ने कहा कि उसने रियल एस्टेट क्षेत्र की वृद्धि के लिए सरकार को विभिन्न सिफारिशें दी हैं। ये किफायती आवास परियोजनाओं में निवेश करने वाले डेवलपर के लिए मंजूरी प्रक्रियाओं को आसान बनाने और सब्सिडी जैसे उपायों के महत्व पर जोर देती हैं। क्रेडाई अध्यक्ष बोमन ईरानी ने कहा कि जीडीपी, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे के विकास में अपने महत्वपूर्ण योगदान के चलते भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र एक अनुकूल बजट की उम्मीद करता है। यह ऐसा बजट होना चाहिए जो दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करे और टिकाऊ वृद्धि का आधार हो। हमने घर खरीदारों के लिए ब्याज छूट में वृद्धि, सीएलएसएस (क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना) को फिर से शुरू करने और किफायती आवास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और नवाचार को बढ़ावा दे सरकार

नई दिल्ली। बजट से पहले स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भारत में मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली तैयार करने के लिए सरकारी खर्च में वृद्धि, बुनियादी ढांचे और नवाचार की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा उद्योग को बजट से अधिक उम्मीद है। इसमें अच्छे इलाज, गुणवत्ता में वृद्धि और शोध तथा विकास पर जोर देना चाहिए। एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स - इंडिया (एएचपीआई) के महानिदेशक डॉ गिरधर ज्ञानी ने कहा, उभरते स्वास्थ्य खतरों से निपटने और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज हासिल करने के लिए सरकारी खर्च में वृद्धि जरूरी है। सरकार को स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल और पोषण पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

रसायन उद्योग की चुनौतियों के समाधान को हस्तक्षेप जरूरी : नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को कहा कि सरकार रसायन एवं पेट्रोरसायन उद्योग की चुनौतियों का समाधान करने के लिए हस्तक्षेप करेगी। इस क्षेत्र की वृद्धि के लिए नीतियों एवं कार्यक्रमों के जरिए जरूरी उपाए किए जाएंगे।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री की इच्छा है कि हमें 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है। यदि हमें इसको हासिल करना है तो हमें अपने कार्यक्रमों या नीतियों को उसी के अनुसार बनाना होगा। पेट्रो रसायन उद्योग को भी इसी के अनुरूप योजना बनानी होगी। मंत्री ने कहा कि उद्योग प्रतिनिधियों ने रसायन एवं पेट्रोरसायन उद्योग के समक्ष चुनौतियों के बारे में बात की है तथा उन मुद्दों के समाधान के लिए विभिन्न सुझाव भी दिए हैं।

ईपीएफओ ने अपर्याप्त आईटी बुनियादी ढांचे पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय श्रम मंत्री को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने की मांग की, पुराने तंत्र से कर्मचारियों पर पड़ रहा भारी दबाव

कर्मचारी भविष्य निधि अधिकारी संघ ने सेवानिवृत्ति निधि निकाय के सूचना प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए केंद्रीय श्रम मंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है। मंत्री को लिखे पत्र में ईपीएफ अधिकारी संघ (ईपीएफओए) ने कहा कि वह ईपीएफ आईटी बुनियादी ढांचे- सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर, आईटी जनशक्ति को उन्नत करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप के लिए नियमित रूप से अनुरोध कर रहा है।

पुराने तंत्र से ईपीएफ के कर्मचारियों पर भारी दबाव पड़ रहा है और ईपीएफओ सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संघ ने कहा कि स्थिति अब गंभीर हो गई है, क्योंकि अधिकारी और कार्यालय प्रतिदिन महत्वपूर्ण प्रणालीगत खामियों के बारे में बता रहे हैं। इसमें कहा गया कि ईपीएफओ का अपर्याप्त आईटी तंत्र और इससे सेवा संबंधी बाधाएं ईपीएफ सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। ईपीएफओ एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर इसकी सेवा वितरण अवसंरचना के आधारभूत घटक के रूप में कार्य करता है।

ईपीएफओ ने रिकॉर्ड 19.5 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय ईपीएफओ ने मई 2024 में शुद्ध रूप से रिकॉर्ड 19 .50 लाख सदस्यों को जोड़ा। श्रम मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अप्रैल 2018 में जब पहली बार पेरोल आंकड़े जारी हुए तब से समीक्षाधीन महीने में सबसे अधिक सदस्य बढ़े।

डाटा खपत में रिलायंस जियो बना दुनिया का नंबर 1 नेटवर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

- चीनी कंपनियों को पीछे धकेल कर जियों बढ़ा आगे, जून तिमाही के नतीजों में हुआ खुलासा

चीनी कंपनियों को पीछे धकेल कर रिलायंस जियो दुनिया भर में डाटा खपत के मामले में नंबर वन कंपनी बन गई है। कंपनी के जून तिमाही के नतीजों में इस बात का खुलासा हुआ कि जियो नेटवर्क पर डाटा खपत तिमाही में 44 एक्साबाइट यानी 4400 करोड़ जीबी से आगे निकल गयी है। यह पिछले साल के मुकाबले करीब 33 फीसदी का उछाल है।

देश में पहली बार किसी टेलीकॉम नेटवर्क पर ग्राहक औसतन प्रतिदिन 1 जीबी से कुछ अधिक डाटा का इस्तेमाल कर रहे हैं। कंपनी की शनिवार को जारी तिमाही रिपोर्ट के अनुसार जियो 5जी नेटवर्क से जुड़े 13 करोड़ ग्राहक बड़ी तादाद में डाटा का उपयोग करते हैं। जियो के 49 करोड़ ग्राहक हैं, जिनमें से चार करोड़ ग्राहक पिछले एक साल में जियो नेटवर्क से जुड़े हैं। तिमाही नतीजों पर रिलायंस जियो इन्फोकॉम के अध्यक्ष आकाश एम अंबानी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण उच्च कवरेज़ वाला, किफायती इंटरनेट डिजिटल इंडिया की रीढ़ है और जियो को इसमें योगदान देने पर गर्व है।

बारिश से आपूर्ति प्रभावित, दिल्ली में टमाटर 100 रुपये प्रति किलो

नई दिल्ली। देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश के कारण खाद्य पदार्थों की आपूर्ति प्रभावित होने से शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में टमाटर का भाव 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया। दिल्ली में मदर डेयरी के खुदरा बिक्री केंद्र सफल पर टमाटर 100 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर उपलब्ध हैं।

- कुछ अन्य शहरों में टमाटर, आलू और प्याज की कीमतें बहुत ज्यादा

उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के अनुसार शनिवार को दिल्ली में टमाटर की खुदरा कीमत 93 रुपये प्रति किलो थी। 20 जुलाई को टमाटर का अखिल भारतीय औसत मूल्य 73.76 रुपये प्रति किलोग्राम था। विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अत्यधिक गर्मी और उसके बाद अत्यधिक बारिश से आपूर्ति में व्यवधान से पिछले सप्ताह कीमतों में तेज वृद्धि हुई। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली और कुछ अन्य शहरों में टमाटर, आलू और प्याज की कीमतें बहुत ज्यादा हैं। अत्यधिक बारिश से आपूर्ति बाधित हुई, जिससे खुदरा कीमतों में उछाल आया।

निर्यात को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए दरों में वृद्धि चाहता है चाय उद्योग

कोलकाता, एजेंसी

- आरओडीटीईपी योजना के तहत आईटीए ने की वृद्धि की मांग

चाय उद्योग ने विदेशी बाजारों में निर्यात को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए आरओडीटीईपी योजना के तहत दरों में वृद्धि की मांग की है। अग्रणी उद्योग निकाय भारतीय चाय संघ (आईटीए) ने बजट पूर्व कहा कि थोक चाय के लिए वर्तमान आरओडीटीईपी दर 1.7 प्रतिशत (फ्री ऑन बोर्ड) है, जिसकी अधिकतम सीमा 6.70 रुपये प्रति किलोग्राम है।

एसोसिएशन ने सरकार से आग्रह किया कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए थोक में काली चाय के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों में छूट (आरओडीटीईपी) के तहत प्रोत्साहन आधारित दर को बढ़ाए। आरओडीटीईपी योजना सुनिश्चित करती है कि निर्यातकों को उन करों और शुल्कों पर रिफंड मिले जो पहले वसूल नहीं किए जा सकते थे।

एक अन्य उद्योग संगठन भारतीय चाय संघ (टीएआई) ने सरकार को बजट पूर्व सौंपे अपने प्रस्ताव में कहा कि चाय के लिए आरओडीटीईपी दर पूर्व की पांच प्रतिशत की एमईआईएस (वाणिज्य निर्यात प्रोत्साहन योजना) से अधिक होनी चाहिए, ताकि भारतीय चाय वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बरकरार रख सके।

एक नजर

यूक्रेन पर रूस के हमलों में कम से कम चार की मौत

कीव। यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी खारकीव क्षेत्र में रूस द्वारा बुनियादी ढांचे पर किए गए मिसाइल हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस बीच, यूक्रेनी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि शुक्रवार को माइकोलाइव शहर पर रूसी हमले के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई। शहर के मेयर अलेक्सेंडर सिएनकेविच ने बताया कि मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है।

जस्टिन ट्रूडो ने मंत्रिमंडल में बदलाव की घोषणा की

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कैबिनेट में बदलाव की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय से एक समाचार विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रूडो ने स्टीवन मैकिनॉन को कनाडा के नए श्रम और वरिष्ठ मंत्री के रूप में नामित किया, जो निवर्तमान मंत्री सीमस ओ' 'रेगन द्वारा छोड़ी गई रिक्ति को भरेंगे। मैकिनॉन ने हाउस ऑफ कॉमन्स में सरकार के नेता के रूप में अपनी वर्तमान भूमिका से हटकर, शुक्रवार सुबह अपनी नई भूमिका की शपथ ली।

चीन में मूसलाधार बारिश पुल ढहने से 12 की मौत

बीजिंग। चीन के पश्चिमोत्तर प्रांत शांक्सी में मूसलाधार बारिश के कारण राजमार्ग पर बने पुल के ढहने से 12 लोगों की मौत हो गयी और 31 अन्य लापता हैं। प्रांतीय प्रचार विभाग के अधिकारियों के मुताबिक लगातार बारिश और बाढ़ के कारण शांग्लुओ शहर में झाशुई काउंटी स्थित पुल शुक्रवार रात करीब 20:40 बजे अचानक आंशिक रूप से ढह गया। पुल के नीचे कुल 17 कारें और आठ ट्रक जिनकियान नदी में गिर गये। उन्होंने बताया कि शनिवार दोपहर तक 12 लोगों के शव बरामद किये हैं जबकि एक व्यक्ति को बचा लिया गया था।

मलेशिया के सम्राट सुल्तान इब्राहिम की ताजपोशी की

कुआलालंपुर। मलेशिया के नये अरबपति सम्राट सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर की शनिवार को परंपरा के अनुरूप तोपों की सलामी समेत पूरे धूमधाम के साथ ताजपोशी की गई। सुल्तान इब्राहिम (65) ने 31 जनवरी को शपथ ली थी। नेशनल पैलेस में आयोजित एक भव्य समारोह में 20 जुलाई को सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर का औपचारिक रूप से मलेशिया के 17वें सम्राट के रूप में राज्याभिषेक किया गया।

हैती में नाव में आग लगने से 40 प्रवासियों की मौत

पनामा सिटी। उत्तरी हैती में एक नाव में आग लगने से कम से कम 40 प्रवासियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) के हवाले से यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस के उप प्रवक्ता फरहान हक ने दैनिक ब्रीफिंग में कहा, दो दिन पहले, हाईटियन नेशनल ऑफिस फॉर माइग्रेशन के अनुसार, 80 से अधिक लोगों को लेकर नाव लबादी से तुर्क और कैकोस द्वीप समूह के लिए 250 किलोमीटर की यात्रा के लिए रवाना हुई थी।

तीन विपक्षी दल ओली के खिलाफ देंगे मत

काठमांडू, एजेंसी

• ओली ने नेपाल के नए प्रधानमंत्री के रूप में ली है शपथ

प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले केपी शर्मा ओली के रविवार को संसद में विश्वास मत हासिल करने की परीक्षा में खरा उतरने से पहले ही तीन राजनीतिक दलों ने उनके खिलाफ मतदान करने की घोषणा की है जिनमें वह पार्टी भी शामिल है जिससे उन्होंने नाता तोड़ लिया है। ओली ने पुष्प कमल दहल प्रचंड के स्थान पर नये प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। प्रचंड पिछले हफ्ते प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल करने में विफल रहे थे क्योंकि ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) ने समर्थन वापस लेकर नेपाली कांग्रेस (एनसी) और अन्य दलों से हाथ मिला लिया था। एनसी संसद में सबसे बड़ी पार्टी है।

सोमवार को चौथी बार हिमालयी राष्ट्र के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले 72 वर्षीय वरिष्ठ वामपंथी नेता ओली रविवार को संसद में विश्वास मत हासिल करने का प्रयास करेंगे।

पीटीआई की मीडिया शाखा के चार सदस्य हिरासत में लिए

लाहौर। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पर ताजा कार्रवाई करते हुए उनकी मीडिया टीम के चार वरिष्ठ सदस्यों को शनिवार को खुफिया एजेंसियों द्वारा कथित तौर पर हिरासत में ले लिया गया। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने एक बयान में कहा, अंतर्राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक अहमद जंजुआ और सोशल मीडिया टीम के तीन अन्य सदस्यों को आज सुबह अगवा कर लिया गया। पार्टी द्वारा जारी सीसीटीवी फुटेज में जंजुआ को इस्लामाबाद में सुबह करीब चार बजे सादे कपड़ों में लोगों द्वारा हिरासत में लेते देखा जा सकता है।

पाकिस्तान में हिंदू लड़की लापता, प्रदर्शन

कराची, एजेंसी

• सिंध प्रांत में सुक्कुर के पास संगरार में 19 अगस्त, 2021 को घर के पास से हो गई थी लापता

• सिंध के गृह मंत्री जिया लांग्रोव और पुलिस महानिरीक्षक जावेद ओधो माता-पिता से मिलने पहुंचे

कराची में हिंदू लड़की की बरामदगी की मांग को लेकर प्रदर्शन करते लोग।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में लापता हुई एक हिंदू लड़की के माता-पिता ने उसकी रहस्यमय गुमशुदगी के बाद उसे ढूंढ निकालने की मांग करते हुए यहां प्रदर्शन किया। सिंध प्रांत में सुक्कुर के पास संगरार में 19 अगस्त, 2021 को अपने घर के नजदीक मुहर्रम के जुलूस में शरबत बांटने के दौरान प्रिया कुमारी (तब सात साल की) रहस्यमय ढंग से लापता हो गई थी। बच्ची के लापता होने से दुखी उसके पिता राजकुमार पाल और मां वीना कुमारी ने शुक्रवार को यहां क्लिफ्टन क्षेत्र में प्रसिद्ध तीन तलवार स्थल पर विरोध प्रदर्शन किया।

राज ने कहा, उन्होंने (प्रशासन के लोगों ने) एक बार फिर हमें वादा किया है कि वे हमारी बेटी की तलाश कर रहे हैं और उसे शीघ्र बरामद कर लिया जाएगा। सिंध के गृह मंत्री जिया लांग्रोव और पुलिस महानिरीक्षक जावेद ओधो उनसे मिलने पहुंचे तथा उन्हें आश्वासन दिया कि एक पूर्ण संयुक्त जांच दल जांच कर रहा है। इसके बाद पाल और उनकी पत्नी ने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

पाकिस्तान में मिला पोलियो का 9वां मामला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शनिवार को इस साल पोलियो का नौवां मामला सामने आया, जिससे इस बीमारी को खत्म करने के प्रयासों को झटका लगा है। जियो न्यूज की एक खबर के अनुसार यह मामला बलूचिस्तान प्रांत के झोब जिले का है। खबर के अनुसार प्रांत के झोब इलाके के हसनजई का डेढ़ साल का बच्चा पोलियो की चपेट में आया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रधानमंत्री के संयोजक डॉ. मलिक मुख्तार अहमद ने कहा कि इस साल देश में नौ बच्चे पोलियो से प्रभावित हुए हैं।

बांग्लादेश में कर्फ्यू लागू 100 से ज्यादा की मौत

मोबाइल, इंटरनेट और फोन लाइनें पूरी तरह से बंद

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बीच राजधानी ढाका में कर्फ्यू लगा दिया गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक देश के विभिन्न हिस्सों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच ताजा झड़पों में कई लोग जान गंवा चुके हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस महीने की शुरुआत में विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

• व्यवस्था बहाल करने के लिए सड़कों पर सेना तैनात किए जाने की घोषणा की

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मोबाइल, इंटरनेट और फोन लाइनें बंद होने तथा पूरी तरह से संचार लॉकडाउन होने के कारण हताहतों की सटीक संख्या का पता लगाना मुश्किल है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कल नरसिंगडी जेल पर हमले के बाद कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रेस सचिव नईमुल इस्लाम खान ने व्यवस्था बहाल करने के लिए सड़कों पर सेना तैनात किये जाने की घोषणा की है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि सरकार ने कर्फ्यू लगाने और नागरिक अधिकारियों की सहायता के लिए सेना तैनात करने का फैसला किया है।

बांग्लादेश में पढ़ रहे छात्रों ने अगरतला में अखुरा चेक पोस्ट पर प्रदर्शन किया।

हिंसा प्रभावित बांग्लादेश से 778 भारतीय छात्र स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ हिंसा भड़कने के बाद, कुल 778 भारतीय छात्र इस पड़ोसी देश से लगी विभिन्न भूमि पारगमन बिंदुओं के जरिये स्वदेश लौटे हैं। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा, अब तक 778 भारतीय छात्र विभिन्न भूमि पारगमन बिंदुओं के जरिए भारत लौटे हैं। इसके अलावा, लगभग 200 छात्र ढाका और चटगांव हवाई अड्डों के जरिए नियमित उड़ान सेवाओं के जरिए स्वदेश लौटे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों की कुल संख्या लगभग 15,000 होने का अनुमान है।

कुछ देश आतंकवाद को शासकीय नीति के रूप में इस्तेमाल कर रहे

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने पाकिस्तान पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा है कि कुछ देश आतंकवाद को शासकीय नीति के औजार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत ने यह भी कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों से बचा जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में उप स्थायी प्रतिनिधि एवं प्रभारी राजदूत आर रवींद्र ने कहा, आप इस बात से सहमत होंगे कि जब हम अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा की बात करते हैं, तो आतंकवाद सबसे गंभीर खतरों में से एक है।

• भारत ने पाकिस्तान पर परोक्ष रूप से निशाना साधा

रवींद्र ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने में संयुक्त राष्ट्र और क्षेत्रीय एवं उप-क्षेत्रीय संगठनों के बीच सहयोगः सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ), स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रमंडल (सीआईएस), शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) विषय पर अपने विचार रखते हुए यह बात कही। उन्होंने पाकिस्तान का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि कुछ देश आतंकवाद को शासकीय नीति के एक औजार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

भूटान को आर्थिक मदद पर विचार करेगा भारत

थिंपू, एजेंसी

• विदेश सचिव विक्रम मिसरी की भूटानी नेताओं के साथ व्यापक वार्ता के बाद सहमति बनी

भारत ने अगले 18 महीने में आर्थिक प्रोत्साहन कार्यक्रम के तहत भूटान को 1,500 करोड़ रुपये प्रदान करने पर सकारात्मक रूप से विचार करने के लिए सहमति जताई है। शनिवार को विदेश सचिव विक्रम मिसरी की भूटान यात्रा के अंतिम दिन और भूटानी नेताओं के साथ व्यापक वार्ता के बाद यह सहमति बनी है।

पिछले सप्ताह कार्यभार संभालने के कुछ दिन बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर आए मिस्री ने भूटान के अपने समकक्ष ओम पेमा चोडेन के साथ भारत-भूटान विकास साझेदारी के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यान्वयन के तौर-तरीकों और सहयोग की समीक्षा की। संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में सभी स्तरों पर विश्वास, सद्भावना और आपसी समझ, मैत्रीपूर्ण संबंध और लोगों के बीच घनिष्ठ सहयोग से युक्त अनुकरणीय साझेदारी पर प्रकाश डाला गया। विज्ञप्ति में कहा गया है, भूटान सरकार ने भारत सरकार को आर्थिक प्रोत्साहन कार्यक्रम (ईएसपी) के तहत प्रस्तावित गतिविधियों की जानकारी दी।

उत्तरी इराक में हवाई हमले में तीन आईएस आतंकवादी मारे गए

बगदाद। इराकी युद्धक विमानों ने उत्तरी इराक में हवाई हमला किया, जिसमें किरकुक और सलादीन प्रांतों के बीच एक पहाड़ी इलाके में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के तीन आतंकवादी मारे गये। इराकी ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड से संबद्ध मीडिया आउटलेट सिक्योरिटी मीडिया सेल ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि खुफिया रिपोर्टों के आधार पर स्थानीय समयानुसार सुबह 5:00 बजे हवाई हमले में आतंकवादियों को निशाना बनाया गया। एसएमसी के एक बाद के बयान में कहा गया कि सुरक्षा बलों को बमबारी स्थल पर तीन आईएस आतंकवादियों के शव मिले।

अग्निकांडः कुवैत में चार भारतीयों की मौत

दुबई/कुवैत सिटी, एजेंसी

• फ्लैट में आग लगने से दंपती और दो बच्चे हुए हादसे का शिकार

कुवैत सिटी में एक दुखद घटना में एक भारतीय दंपती और उनके दो बच्चों की उनके फ्लैट में आग लगने से मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह हादसा शुक्रवार रात को हुआ। परिवार उसी दिन केरल से छुट्टी मनाकर लौटा था।

द अरब टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, मैथ्यूज मुलक्कल, उनकी पत्नी लिनी अब्राहम और उनके दो बच्चे, शुक्रवार रात को अब्बासिया इलाके में अपने दूसरे मंजिल के फ्लैट में एयर कंडीशनर में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग के कारण दम घुटने से मारे गए, यह घटना रात आठ बजे की है। इसमें कहा गया है कि ये सभी लोग अलप्पुझा के नीरत्तुपुरम के रहने वाले थे। अखबार ने कहा, परिवार केरल में छुट्टियां मनाकर कुवैत लौटा था, शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार शाम 4 बजे के आसपास पहुंचा। मैथ्यूज मुलक्कल रॉयटर्स में काम करते थे, जबकि उनकी पत्नी लिनी अल अहमदी गवर्नरेट के अदन अस्पताल में स्टाफ नर्स थीं। उनके बच्चे कुवैत के भवन्स स्कूल में पढ़ते थे।

हूती विद्रोहियों का सिंगापुर के ध्वज वाले जहाज पर हमला

सिंगापुर, एजेंसी

• अदन की खाड़ी से गुजरने के दौरान कंटेनर जहाज लोबिविया पर हमला, लगी आग

हूती विद्रोहियों द्वारा कथित रूप से किए गए हमले में सिंगापुर के ध्वज वाला एक जहाज क्षतिग्रस्त हो गया। सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण (एमपीए) ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। एमपीए ने बताया कि उसे सूचना मिली कि अदन की खाड़ी से गुजरने के दौरान कंटेनर जहाज लोबिविया पर हमला हुआ जिससे इसमें आग लग गई। इसने कहा कि हालांकि चालक दल ने आग को बुझा दिया।

चैनल न्यूज एशिया ने अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि चालक दल में सिंगापुर का कोई नागरिक शामिल नहीं था और जहाज पर सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हूती विद्रोहियों के हमले के बावजूद जहाज सोमालिया के बरबेरा बंदरगाह पहुंचने में सफल रहा जहां जरूरत पड़ने पर क्षति का आकलन और मरम्मत का काम किया जाएगा। एमपीए ने कहा कि वह किसी भी तरह की आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए पोत प्रबंधक के संपर्क में है। सिंगापुर की नौसेना ने भी अदन की खाड़ी में अपने सुरक्षा साझेदारों को सहायता प्रदान करने के लिए सतर्क कर दिया है।

हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता प्रवक्ता ने टेलीविजन पर कहा कि समूह ने लोबिविया पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार परिचालन निकाय ने बताया कि जहाज पर यमन के बंदरगाह शहर अदन से लगभग 83 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में दो मिसाइलों से दो बार हमला किया गया।

नाइजीरिया ने मेटा पर 22 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया

अबुजा। नाइजीरिया की सरकार ने मेटा पर 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाने की शुक्रवार को घोषणा करते हुए कहा कि उसकी जांच में कंपनी को फेसबुक और व्हाट्सऐप से जुड़े देश के डेटा संरक्षण एवं उपभोक्ता अधिकार कानूनों का कई बार उल्लंघन करते पाया गया है। नाइजीरिया के संघीय प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता संरक्षण आयोग के एक बयान में उन पांच तरीकों को सूचीबद्ध किया गया है, जिनके जरिये मेटा ने पश्चिम अफ्रीकी देश में डेटा कानूनों का उल्लंघन किया है। इन तरीकों में बिना प्राधिकार के नाइजीरियाई लोगों के डेटा को साझा करना, उपयोगकर्ताओं को अपने डेटा के इस्तेमाल को निर्धारित करने के अधिकार से वंचित करना और भेदभावपूर्ण व्यवहार के साथ-साथ बाजार प्रभुत्व का दुरुपयोग करना शामिल है।

कश्मीर में आतंकियों के पास से पहली बार हुई बरामद

क्यों खास है एयूजी राइफल

नई दिल्ली। कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा के पास गुरुवार को घुसपैठ कर रहे आतंकियों को जवानों ने ढेर कर दिया। इस हमले में दो आतंकियों को सेना ने मार गिराया। आतंकियों के पास से हथियारों की बड़ी खेप बरामद हुई, जिसमें स्टेयर एयूजी राइफल भी थी जो पहली बार बरामद हुई है। आइए जानते हैं इस राइफल से जुड़े तथ्य।

कहा विकसित हुई : एयूजी राइफल एक विशेष शास्त्रशास्त्रीय और बदलावशील सर्वकालाइबर कार्बाइन है, जिसे ऑस्ट्रियन कंपनी स्टायर आर्म्स ने विकसित किया था। इसे 1977 में ऑस्ट्रियाई सेना के लिए तैयार किया गया था और फिर इसका प्रयोग अन्य देशों की सेनाओं में भी किया गया है।

मुख्य विशेषताएं : ■ एयूजी राइफल की अनोखा विशेषता ये है कि सर्वकलाइबर है। इसका मतलब होता है कि इसे बदलावशील और सामान्य स्थिति में प्रयुक्त किया जा सकता है। जो विभिन्न परिस्थितियों के लिए अनुकूल है। ■ इस की डिजाइन अनूठी है, जिसमें फिबर रीइंफोर्स्ड प्लास्टिक का उपयोग कर बनाया गया है, जो इसे लाइटवेट और विशेष तौर पर ड्यूरेबल बनाता है। ■ बुलपप डिजाइन के साथ यह राइफल 5.56 X 45 एमएम इंटरमीडिएट कारतूस के लिए बनाई गई है। गन का यूज न केवल दिन बल्कि रात में भी आसानी से किया जा सकता है। ■ बंदूक की मैगजीन की बात करें तो इसमें क्रमानुसार 9, 30 और 42 राउंड एक साथ फायर किए जा सकते हैं। ■ पुल थ्रू टिगर की एडवांस टेक्नॉलॉजी के साथ निर्मित।

यूक्रेन की पूर्व सांसद की गोली मारकर हत्या

कीव (यूक्रेन)। यूक्रेनी भाषा को बढ़ावा देने के अपने अभियान के लिए प्रसिद्ध यूक्रेन की एक पूर्व सांसद की सड़क पर एक अज्ञात हमलावर द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई। इरीना फेरियन (60) शुक्रवार को पश्चिमी शहर ल्वीव में हुए हमले में बच गई, लेकिन अस्पताल में मौत हो गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल हमलावर की तलाश जारी है। हमलावर मौके से फरार हो गया था। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर कहा, सभी उपलब्ध निगरानी कैमरों की जांच की जा रही है और गवाहों से पूछताछ की जा रही है तथा कई जिलों का सर्वेक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा, अपराधी की तलाश के लिए यूक्रेन की राष्ट्रीय पुलिस और यूक्रेनी सुरक्षा सेवा के सभी आवश्यक बलों को तैनात किया गया है।

खगोल विज्ञान | चंद्रमा पर मानव मिशन को लेकर नासा की तैयारियां अंतिम चरण में, योजना के तहत पहले दो परीक्षण में मिली सफलता

अगले वर्ष तक आर्टेमिस मिशन 3 से चांद पर कदम रखेगा इंसान

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : पृथ्वी से मंगल पर इंसान को पहुंचाने के लिए नासा निर्धारित समय के अनुसार पहले मानव चरण में चंद्रमा पर पहुंचने की अंतिम तैयारियों में जुट गया है। नासा ने इसकी घोषणा कर दी है। अगले वर्ष के अंत तक मिशन को चांद की धरती पर अमली जामा पहना दिया जाएगा।

दरअसल मंगल पर मानव बस्ती बसाने के सपने को साकार करने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी प्रतिबद्ध है। योजना के तहत पहले दो परीक्षण में सफलता हासिल कर चुका है। अगले चरण में अंतरिक्ष यात्रियों की टीम को चंद्रमा पर उतारा जाना है। आर्टेमिस मिशन अपोलो के बाद चंद्रमा पर मानव को पहुंचाने वाला दूसरा मिशन होगा। इससे 50 वर्ष पहले नासा ने पहला मानव चांद पर पहुंचाया था।

पृथ्वी जैसा ही मंगल ग्रह भी

नैनीताल : हमारा पड़ोसी ग्रह मंगल कई मायनों में पृथ्वी के समान है और कभी मंगल की धरती पर नदियां बहा करती थी और महासागर हुआ करते थे। वर्तमान में मंगल का वातावरण कई मायनों में पृथ्वी समान है। जिस कारण इस ठोस चट्टानी ग्रह पर खगोलविदों को मानव बस्ती बसाने की अधिक संभावना नजर आती है और नासा समेत स्पेस एक्स मंगल पर पहुंचकर अपना आधिपत्य जमाना चाहते हैं।

अब आर्टेमिस 3 की तैयारी है। नासा ने आर्टेमिस टाइमलाइन की घोषणा की जनवरी में की थी। इससे पहले आर्टेमिस 1 ने मानव रहित परीक्षण उड़ान 2022 में सफलतापूर्वक पूरा किया था। अब आर्टेमिस 50 से अधिक वर्षों में चंद्रमा की कक्षा में जाने वाला पहला मानवयुक्त मिशन होगा। इसकी लॉन्चिंग तिथि सितंबर 2025 में घोषित की जाएगी। इसके पश्चात आर्टेमिस सितंबर 2026 में लॉन्च किया जाएगा। इसके बाद सितंबर 2028 में एक और मिशन लॉन्च किया जाएगा। नासा ने अधिकारिक बयान में कहा है कि नई तकनीक के जरिए इस आर्टेमिस मिशन की तैयारियां कर रहे हैं। अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा नासा की सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्योंकि हम भविष्य के आर्टेमिस मिशनों की तैयारी कर रहे हैं। आर्टेमिस 1 से हमने बहुत कुछ सीखा है, और इन शुरुआती मिशनों की सफलता हमारे सौर मंडल में मानवता के स्थान के बारे में हमारी पहुंच व समझ को आगे बढ़ाने के साथ वाणिज्यिक अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी पर निर्भर करती है।

नासा का मिशन आर्टेमिस।

जेलेंस्की यूक्रेन पर चर्चा के लिए डोनाल्ड ट्रंप से सहमत

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने निजी बैठक में चर्चा करने के लिए सहमति जतायी है। जेलेंस्की ने कहा कि बैठक में यूक्रेन में शांति तक पहुंचने में उठाये जाने वाले महत्वपूर्ण कदमों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा, हम पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के साथ एक व्यक्तिगत बैठक में इस संबंध में चर्चा करने के लिए सहमत हुए हैं कि स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में किस तरह से निष्पक्ष कदम उठाये जा सकते हैं। उन्होंने जोर दिया कि ट्रंप ने बार-बार दावा किया है कि अगर वह दोबारा चुने जाते हैं, तो वह रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष को तुरंत समाप्त कर देंगे। उन्होंने कहा कि अगर ट्रंप वर्तमान में अमेरिका राष्ट्रपति होते तो यूक्रेन में संघर्ष कभी शुरू नहीं होता।

अगले हफ्ते से फिर चुनाव प्रचार करूंगा : बाइडन

वाशिंगटन, एजेंसी

• कुछ दिन पहले ही कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई थी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने उनके चुनावी दौड़ से बाहर होने की डेमोक्रेटिक पार्टी में बढ़ती मांग के बीच कहा कि वह राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ेंगे और अगले सप्ताह से प्रचार अभियान फिर शुरू करेंगे। बाइडन कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में हैं। कुछ दिन पहले ही उनमें कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई थी। उसके बाद से वह डेलावेयर स्थित अपने आवास पर पृथकवास में हैं।

बाइडन की ओर से शुक्रवार को उनके प्रचार अभियान दल ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है, डोनाल्ड ट्रंप भविष्य को लेकर जो खतरनाक दृष्टिकोण रखते हैं, हम अमेरिकी वैसे नहीं हैं। एक पार्टी और एक देश के रूप में हम उन्हें चुनाव में हरा सकते हैं और हराएंगे। इस बयान के एक दिन पहले ही मिलवाउकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में ट्रंप को औपचारिक रूप पार्टी का राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। बाइडन ने कहा, मैं अगले हफ्ते से फिर से चुनाव प्रचार अभियान शुरू करने के लिए उत्सुक हूं, ताकि डोनाल्ड ट्रंप के प्रोजेक्ट-2025 एजेंडे के जो खतरे हैं, उनके प्रति लोगों को आगाह कर सकूं।